



सं0 46]

नई विस्लो, शनियार, नवम्बर 13, 1982 (कार्तिक 22, 1904)

No. 46]

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 13, 1982 (KARTIKA 22, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# भाग III—वय 1 [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

गृह मंत्रालय

कार्मिक विभाग

कोनद्रीय अन्बंषण बयुरां

नर्ड दिल्ली, दिनांक 20 अक्तूबर 1982

मं. ए-19035/2/82-प्रशा.-5--थी आर. पी. अरोड़ा, कार्यालय अधीक्षक के छुट्टी चले जानं के कारण उनके स्थान पर श्री मोहन लाल, अपराध महायक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरों को विनांक 11-10-82 (पूर्वाह्न) सं 9-12-1982 तक तदर्थ आधार पर केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरों (मृन्यालय), विधि प्रभाग सं स्थानापन्य कार्यालय अधीक्षक के रूप मं नियुक्त किया जाता है।

आर . एस . नागपाल प्रशासनिक अधिकारी (स्था .) केन्द्रीय अन्वेषण व्यूपो श्रम मंत्रालय

श्रम व्याग

शिमला-171004, दिनांक 1 अक्तुबर 1982

मं. 23/3/82-मी. पी. आर्ड--अगस्त, 1982 में अधि-गिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) अगस्त, 1982 के स्तर में दस अंक बढ़ कर 489 (चार मी नवासी) रहा। सितम्बर, 1982 माह का मूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्गित किए जाने पर 594 (पांच मी धीरानवी) आता है।

ञानन्द स्वरूप भारप्वाज

निव शक

(15757)

# बित्स मन्त्रालय

# आर्थिक कार्य विभाग भारत प्रतिभृति स्द्रणालय नासिक रोड., दिनांक 14 अक्त्बर 1982

सं. 91/ए — अधिम्बना संख्या 898/क. दिनांक 26-8-1978 के कम पंचिमागीय पदोन्नती समिति (पर्वाक्ष) की सिफारिश पर श्री बाय. आर. वैध्या, मृद्रांक पूर्ति अधिकारी की नियुक्ति दिनांक 12-7-1980 से स्थायी आधार पर जी जाती है।

ह् अपठनीय उप महाप्रबंधक

शारतीय लंबा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय महालंबाकर (गथम) उत्तर प्रदोश इलाहाबाद, दिनांक । सितम्बर 1982

मं प्रशा. -।/।।-144/अधिम् चना/4412---निम्निलिसित लेखा अधिकारीगण सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त कर तने पर दिनांक 31-8-1982 (अपराहन) से सेवा निवृत्तु हो गयं है।

- श्री गिरिश चन्द्र दीक्षित, स्थायी लंखा अधिकारी, कार्यालय महालंखाकार-3 उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद ।
- श्री लजपत राय गुप्ता, स्थायी लेखा अधिकारी, कार्या-लय महालेखाकार-3 उत्तर प्रदेश, इताहाबाद ।

स. स. आहलवालिया व. उपमहालेखाकार (प्रशासन)

# रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक नक्षे दिल्ली-110066, दिनांक 19 अक्तूबर 1982

सं. प्रका. 0/1/1708/5/जिल्द-।:—केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंक्रन) नियमावली, 1972 के नियम 48 'क' के प्रावधानों के अन्तर्गत श्री के. सम्पथ क्यार, आहें. डी ए. एस. द्वारा दिनांक 15-9-1982 में स्वैच्छिक मेवा निवृत्ति के लिए विये गये नोटिस को सक्षम प्रधिकारी द्वारा स्वीकार कर लिये जाने पर उन्हें दिनांक 15-9-82 (अपराहन) में भारमक्त कर दिया गया है। तदन्सार श्री के सम्पथ वामार को पंजान स्थापना को अन्तरित कर दिया गया है और दिनांक 15-9-82 (अपराहन) में उन्हें, रक्षा लेना विभाग के संस्था बल में हटा दिया गया है।

आर. के. माथ्र रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

### उद्योग मंत्रालय

अधिगिक विराम विभाग

विकास आयुष्त (लघु तसांग) का कार्यालय गई दिल्ली, दिनांक 19 अक्तूबर 1982

सं. ए- 19018 (303)/79-प्रशा. (राज)—-उप सहासक सहानिदंशक (चिकित्सा-भण्डार) के रूप में नियुक्ति के लिए

चयन होने पर, राष्ट्रपति,, तघु उद्योग सेवा संस्थान गंगटोक के गहायक निद्देशक, येड । (रसायन) श्री एम एत. मीना द्वारा दिया गया त्यागपत्र 6 मार्च, 1978 के पूर्वाहन से स्वीकार करते हैं।

श्री मीना, केन्द्रीय सिविल सेवा (पाशन) नियम, 1972 के नियम 26 (1) के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों के हकवार हो गें।

#### दिनांक 20 अन्तूबर 1982

सं. ए. 19018 (544)/81-प्रशा. (रा.)--राष्ट्रपति, लघु उद्यांग सेवा संस्थान, नद्दं दिल्ली के सहायक निदशक, ग्रेड-।। (आर्ड- एम. टी.) श्री स्वदंश क्यार को 1-10-1982 के प्विह्न में उसी संस्थान में अगले आदेशों तक, सहायक निद्शांक ग्रेड-।, (आर्ड-एम. टी.) के रूप में निग्वत करते हैं।

मं. ए. 19018 (560)/81-प्रशा. (रा.)---राष्ट्रपति, इ. अर्ड. सी. तिवारी को, लघु उद्योग सेवा संस्थान, सोलन मं 27-9-82 के पूर्वाह्त से अगले आदेशो तक, सहायक निदेशक्त, ग्रेड-2 (रसायन) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सी सी यय उप-निदेशक (प्रशा.)

#### विस्फोटक विभाग

#### नागपूर, दिनांक 18 अक्तूबर 1982

मं. ह<sup>\*</sup>-।। (7)—इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई 1969 के अधिमूचना संख्या ई-।। (7) में श्रंणी 2 नायट्रेट मिश्रण के अधीन 'कोलेक्स-1'' प्रविष्टि के पश्चात ''कोलेक्स-5'' विनि-दिष्ट स्थलों पर अभिप्रयोग विनिर्माण एवं क्षेत्र अभिप्रयोग होतू 31-3-1983 पर्यप्त जोड़ा जाए।

चरण<mark>णीत</mark> साल मुख्य विस्फाटक नियंत्रक

# पूर्ति तथा निपटान महानिव शालय

(प्रशासन अनुभाग-प्र-≀)

नर्ड दिल्ली, दिनांक 18 अक्तूबर 1982

सं. प्र-1/ (1199)/82—महानिदेशक, पूर्ति तथा निप-टान एतद्द्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, मद्रास के कार्यालय में किनिए प्रगति अधिकारी श्री एम. बालासुबामण्यम को दिनांक 4 अक्तूबर, 1982 के पूर्वाहन से और आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति निदेशक (बस्त्र), बस्बई के कार्यालय में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (ऐड-11) के रूप में स्थानापना रूप से नियक्त करते हैं।

- 2. श्री बालासुबामण्यम की सहायक निद्याक (ग्रेड-11) के रूप में तदर्थ आधार पर नियमित से उन्हें नियमित नियमित का दावा करने का हक नहीं होगा और की गर्द तदर्थ सेवा ग्रेड में वरीयता और पदोन्नित नथा स्थायीकरण के लिए नहीं गिनी नायंगी।
- 3 श्री बालास्बामण्यम ने पृति तथा निपटान निद्धाक, मझास के कार्यालय में किनष्ट प्रगति अधिकारी का पदभार दिनांक 27-9-82 (अपराहन) को छोड़ दिया और दिनांक 4 अक्तूबर, 1982 के पूर्वाहन से पृति निद्येशक (वस्त्र), बम्बर्ड,

के कार्यालय में सहायक निद्शाक (ग्रेष-।।) का पदभार सम्भाल किया ।

# दिनांक 19 अक्तूबर 1982 शक्षिपत्र

सं. प्र.-1/1 (1130)——इस कार्यालय के दिनांक 21-7-1982 की अधिसूचना के अतिक्रमण मं राष्ट्रपति, पृति तथा निपटान निदशक, बम्बई के कार्यालय में सहायक निदशक (प्रशासन) (प्रेड-2) श्री के. वी. शिवरामकृष्णन का सेवा काल निवृत्तमान आयू में 6 माह के लिए अर्थात् 1 ज्लाई, 1982 से 31 दिसम्बर, 1982 तक बढ़ाते हुं।

# (प्रशासन अन्भाग प्र-6)

#### दिनाक 20 अक्तूबर 1982

स. प्र-6/247 (163) स्थायी सहायक निरक्षिण अधिकारी (इंजीनियरी) और उप निद्शाक निरक्षिण कानपूर के कार्यालय में स्थानापन्न निरक्षिण अधिकारी श्री के एन. श्रीवास्तवा निवर्तमान आयु होने पर दिनांक 30 सितम्बर 1982 के अपराह्न सं मरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

# दिनांक 21 अक्तूबर 1982

स. प्र-6/247 (415)— स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु-रसायन) तथा उप निर्देशक निरीक्षण (धातु कर्म) द्रांपुर के कार्यालय में सहायक निर्देशक निरीक्षण (धातु कर्म) द्रांपुर के कार्यालय में सहायक निर्देशक निरीक्षण (धातु-रसायन) (भारतीय निरीक्षण सेवा धातु-रसायन शाखा के ग्रंड-।।) के पद पर नदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य कर रहे श्री आर एन. दास गुप्ता का सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु-रसायन) के स्थायी पद पर अवनत कर दिया गया है और दिनांक 30-9-1982 के पूर्वाहन में निरीक्षण निर्देशक (धातु-कर्म) वर्तप्र के कार्यालय में स्थानांतरित कर दिया गया है।

साहान लाल कपूर उप. निद्यासक (प्रशासन)

# नर्क दिल्ली, दिनांक 18 अक्तूबर 1982

म. प्र-6/247 (363)/76—स्थाई सहायक निरीक्षण अधिकारी (इजी.) और निरीक्षण निर्वेशक मद्भास के कार्यालय में स्थानापन्न निरीक्षण अधिकारी (इजी.) (भारतीय निरीक्षण सेवा की इंजी. शाखा के ग्रेड-3) श्री के. एम. कृष्णामूर्ति निवृत्तमान आयु होने पर विनांक 30 सितम्बर, 1982 के अपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गर्थ।

न . म . पेरूमाल उप निद्याक (प्रशासन)

#### भारतीय सर्वेक्षण विभाग

### दहरादान, दिनांक 20 अक्तूबर 1982

मं सी. 5873/594--श्री एस. पी. संडूरी, तकनीकी महायक मिलेक्शन ग्रंड, को सहायक मैनेजर, मानिषत्र पून-रुक्पादन (ग्रूप ''बी'') के पद पर भारतीय सर्वेक्शण विभाग मे दिनांक 27-8-1982 (पूर्वात्म्म) से 650-30-740-35-810-द रो -35-880-40-1000 द रो -40-1200 र के बेतनभान मे तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप मे नियुक्त किया

जाता है और उन्हें मानचित्र प्रकाशन निवंशालय में तैनात किया जाता है।

जी. सी. अग्रवाल मेजर-जनरल भारत के महासर्वेशक नियुक्ति प्राधिकारी

#### राष्ट्रीय अभिलंखागार

नर्ड दिल्ली-110001., दिनांक 8 अक्सूबर 1982

स एक 8-2/81-स्थापना—अभिलेख निद्देशक, भारत सरकार, एतत द्वारा संघ लांक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री जांकिर हुनीन सहायक अभिलेख अधिकारी ग्रंड-। (ऑ. आर.) का नियमित अस्थायी आधार पर 25 अगस्त, 1982 के पूर्वाह्न म आगामी आदेशों तक अभिलेख अधिकारी (ओ.आर.) के पद पर नियकत करते हैं।

यह रुपये 650/- प्रति माह, वितन मान रुपये 650-30-740-35-810-व रो - 35-880-40-1000-द रो -40 1200 पुर प्राप्त करोंगे।

> राजेश कुमार परती अभिलेख निवासक

# विज्ञान एव प्रौद्योगिकी विभाग

राष्ट्रीय एटलस एवं थिमीटिक मानचित्रण संगठन कलकता-19, दिनाक 14 अक्तूबर 1982

सं 35-2/81/स्था । —-श्री महोन्द्र प्रसाद राय को राष्ट्रीय एटलस एवं थिमोटिक मानचित्रण संगठन मो 4-10-1982 से हिन्दी अश्रिकारी (समूह ''ब'ं बेतन मान रु. 650—-1200) के पद पर मौलिक रूप से नियुक्त किया जाता हो।

> शिव प्रसाद दासगुप्ता निद्योक

#### आकाशवाणी महानिदेशासय

नई दिल्ली, दिनांक 16 ग्रक्तूबर 1982

सं० 3/6/81-एस-।।। (भाग-।।।) — निम्निसिखित वरिष्ठ इंजीनियरी महायकों ने श्रपनी पदोन्नित होने के परिणामस्वरूप उनके सामने दी गई तारीख मे श्राकाशवाणी/दूरदर्शन के विभिन्न कार्यालयो में श्रस्थायी क्षमना में सहायक इंजीनियर के पद का कार्य-भार संभाल लिया है .—

 ऋम सं०	नाम	तैनासी का केन्द्र	कार्यभार संभालने की तारीख
1	2	3	4
 सर्व			
1. 덕	ो० इल्लायाह्	उपग्रह दूरदर्शन केन्द्र हैदराबाद	22-9-82
2. v	्न० दास गुप्त <u>ा</u>	मुख्य इंजीनियर (पूर्वी क्षेत्र) श्राकाणवाणी	30-8-82
		कलकत्ता ।	

	<del></del>		
1 2		3	4
3. जगदीश प्रसा	द आकार	- गवाणी, लेह	27-9-82
4. वी० रामकृष्ण	गराव स्राकाः	शवाणी, मद्रास	5-10-82
5. जे <b>० गोह</b> ैन	श्राका	शवाणी गंगतौक	29-9-82
6. एम <b>० श्रार</b> ० मणियन	मुक्रा- दूरदर्शन	न केन्द्र, नई दिल्ली	29-9-82
7. एम० पॉपना	(बिक्ष	इंजीनियर गण क्षेत्र ) शवाणी, मद्रास	27-9-82
<ol> <li>ए० पुरुषोत्तग्</li> </ol>	(दक्षि	इंजीनियर गण क्षेत्र ) ाशवाणी, सद्रास	29-9-82
9. श्रार० एस०	ँ (उस	इंजीनियर ारी क्षेत्र ) ाणवाणी, दिल्ली	23-9-82
10. टी० जी०श्रं निवासन		इंजीनियर (उत्तरी ) भ्राकाशवाणी, ी ।	15-9-82
11. पी० उमा रे	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	र्शन केन्द्र, कटक	29-9-82
12. श्रार० कृष्ण	पल्ली		27-9-82
13. ए० एन० दा		र्गन केन्द्र, कटक	29-9-82
14. प्रह्लादकुमा	-1	र्गेन केन्द्र, नई दिल्ली	27-8-82
15.∡जी० एस० ५	मट्टी उच्च खाम	मुक्त प्रेपित, पुर	30-9-82
16. जे <b>० पद्मा</b> ना	भन योजन	ना व विकास एकक	15-9-82
17. एस० नीला	र्तठन उपग्रह कटक	ह द्रदर्शन केन्द्र, इ	8-10-82
18. बी० एस० ब	क्षेत्र) नई f	इंजीनियर (उत्तरी आकाशवाणी, देल्ली	30-9-82
19 राजेन्द्र प्रसा	•	तदैव ·	30-9-82
20. एस० वेंकटेश	1	तदैव	30-9-82
21. श्रनिल कुमा बरारी	र ग्राका	ाशवाणी, सिलिगुडी	4-10-82

एम. एल. सभरवाल प्रशासन उपनिदशक कृते सहानिदशक

#### स्चना और प्रसारण संत्रालय

#### फिल्म प्रभाग

नई दिल्ली-110001. दिनांक 19 अक्तुबर 1982

मं ए-20011/1/81-पशा --- मंघ लांक सेवा आयोग की सिफारिश पर मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग श्री एम . पी. सिन्हा,

छायाकार को दिनांक 24 अगस्त, 1982 में नियमित आधार पर नियम्बत करते हैं।

> डी. एन. पाण्डे सहायक प्रशासनिक अधिकारी कृते मृख्य निर्माता

### ग्रामीण विकास मत्रालय

विषणन एवं निरक्षिण निदंशालय

फारीदाबाद, दिनांक 19 अक्तूबर 1982

म. पीए/79(4)/80 आर।।।—िष्नांक, 7 अगस्त 1982 अधीन बम्बई में विपणन अधिकारी (वर्ग-।) के पद पर श्री एन. जे. पिल्लं की तदर्थ निय्कित को आगामी छ महीने की अविध के लिए 31-12-1982 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले हो, बढ़ाया गया है।

गोपाल शरण श्वल कृषि विपणन सलाहकार

# भाभा परमाण अन्संधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बस्तर्ह-400085, दिनांक 14 अक्त्यर 1982

सं. पीए/79(4)/80 आर।।।—िदनांक, 7 अगस्त 1982 की समसंख्यक अधिसूचना के संदर्भ में श्री गोपालन कृष्णमूर्ति की सहायक क्राभिक अधिकारी पद पर स्थानापन्न नियुक्ति को 11 अक्तूबर 1982 (पूर्वाह्न) तक सीमिन किया जाता है।

> बी. सी. पाल उप-स्थापना अधिकारी

# परमाण् उत्जिविभाग

(संपदा प्रबंध निदंशालय)

बंबई -400094, दिनांक 12 अक्तुबर 1982

#### आदोश

म. 10/26/70-प्रशा — यद्यपि श्री ए. एस. अब्दल मनफ्फ ने संपदा प्रबंध निद्दशालय के कार्य प्रभारित स्थापना मा ट्रंडसमैन 'सी' के पद पर कार्य करते हुए दिनांक 9-3-82 को घरोन कामकाज के लिए दिनांक 9-3-82 से 7-4-82 तक 30 दिन की छट्टी के लिए आवंदन किया था, जिसे छट्टी संस्वीकरण प्राधिकारी द्वारा विधिवत अन्मोदित किया गया। तथापि वे बिना किसी सूचना के दिनांक 8-4-82 से, जिस दिन से उनकी बट्टी समाप्त होती हैं, अनिथकत मण से शासकीय संवा से अनुपस्थित हैं। यद्यपि दिनांक 17-8-82 को प्रशासन अधिकारी, संपदा प्रबंध निद्शालय द्वारा एक जापन (कमांक : 10/26/70-प्रशा.) जार्ग किया गया था, जिसमें श्री अब्दान से तत्काल कार्य पर उपस्थित होने के लिए बहा गया था।

और दिनाक 17-8-32 का वह ज्ञापन रिजस्टी द्वारा श्री अन्दान मनप्फ के वबर्ड तथा तीमलनान में अंतिम रूप से ज्ञात पते पर भेजा गया था।

और वह ज्ञापन पत्रालय अधिकारियों द्वारा दानो स्थानों में अवितरित वापस अंजा गया। तथापि श्री अब्दाल मनफ्फ अब भी अपनी सेवा से बिना अन्मति के अन्पस्थित हैं। चूंकि श्री अब्दाल मनफ्फ ने सपदा प्रवंध निदाशालय को अपना वर्तमान पता बताये वर्गर अपनी सेवा का परित्याग किया है असे उनके विरुद्ध शासकीय जांच कराना अब्यवहार्य हागा।

अत. अधोहस्ताक्षरी श्री अब्दल म्नफ्फ को इस कार्यालय सं तत्काल पदच्यत करना है।

> पी उन्नीकृष्णन निद्देशक

प्रति .--

- श्री ए. एस. अब्दाल मृनफ्फ,
  मग्दार बल्लभशार्ड घटाल नगर,
  कमरा नं. एम. 9 181/3/3 बासी नाका
  चीम्बूर, बंबर्ड 400 094।
- 2 श्री ए. एस. अब्दूल म्नफ्फ, द्वारा के. एस. कमलादीन, कोटामाटू स्ट्रीट, त्यू पोलिस लाइन, पत्रालय कालाकाची, तालुका कालाकजी, तमिलनाडा।

### भारी पानी परियोजनाएं

बम्बर्श-400 008, दिनांक 19 अक्तूबर 1982

सं 05000/म-197/4352—भारी पानी परियाजनाओं के, प्रधान कार्यकारी, श्री कमलेश जितन्द्रराय महता का, भारी पानी संयंत्र (बडाँदा) में अस्थायी रूप से 1 अक्तूबर, 1982 (पूर्वा.) से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न श्रम तथा कल्याण अधिकारी नियुक्त करते हैं।

आर. सी. कॉटियानका प्रशासन अधिकारी

#### श्रंतरिक्ष विभाग

# इसरो उपग्रह केन्द्र

बंगलीर-560058, दिनाक 15 ग्रक्तूबर 1982

मं० 020/3/(061)/ए० 082—निदेशक, इसरो उपग्रह केन्द्र, निम्निलिखित व्यक्तियों को उनके नामों के सामने दिए गए पदो पर ग्रौर तारीखो के पूर्वाह्म से श्रन्तिरक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बगलौर में पूर्णतया श्रम्थायी श्रौर श्रनन्तिम रूप में श्रागामी श्रादेश तक नियुक्त करने हैं —

ऋम सं०	नाम	पदनाम	 दिनांक
सर्वः	श्री		<u></u>
1. दिली <sup>।</sup> ठाकुर	_	वैज्ञानिक/इंजीनियर ''एस० बी०''	21-9-1982
2. एच० मूर्ति	एस० वासुदेव	वैज्ञानिक/इंजीनियर ''एस० बी०''	30-9-1982

एम० सु**ब्रह्मणिय**म प्रशासन ग्रधिकारी महानिसंशक नाग्र विमानन का कार्यालय नर्ड दिल्ली, दिनाक 16 अक्तुबर 1982

म ए 32013 7/79-ई-1---राष्ट्रपति नं श्री बी आर शर्मा, वैज्ञानिक अधिकारी के ग्रड मो की गई तद्दर्थ निय्क्ति दिनांक 20-7-82 के बाद 10-1-83 तक अथवा ग्रेड मो नियमित निय्क्ति होने तक, इनमों से जो भी पहले हो जारी रखन की स्वीकृति प्रदान की ही।

म ए. 32013/11/82-ई 1--राष्ट्रपति ने श्री आई. अप मनन, निद्देशक विनियम और मूचना को, जो इस समय तद्थे आधार पर कार्य कर रहे हैं, दिनाक 20-9-1982 में उसी ग्रेड में नियमित रूप से नियुक्त किया है।

दिनाक 18 अक्तुबर 1982

स ए. 32013/1/82-ई । —-राष्ट्रपति ने श्री भूषण क्मार का दिनाक 6-9-1980 स नागर विमानन विभाग मा योजना अधिकारी के पद पर स्थायी रूप मो नियुक्त किया है।

> आंम प्रकाश जैन सहायक निद**ेश**क प्रशासन

# नई दिल्ली, दिनांक 18 ग्रक्तूबर 1982

स० ए० 32013/5/80-ई०सी०—इस विभाग की दिनाक 28 जुलाई, 1981 और 5 सितम्बर, 1981 तथा 29-4-82 की अधिसूचना सं० ए० 32013/5/80-ई०सी० के कम मे, राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों की उप-निदेशक संचार/नियंत्रक सचार के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति को 30-6-82 से आगे 31-12-82 तक की अविध के लिए या ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्ति किए जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो जारी रखने की स्वीकृति दी है :---

क्रम सं० नाम	नैनाती का स्टेशन
 सर्वश्री	
1 पी० एस० धुन्ता	वैमानिक सचार स्टेशन, व्रिवेन्द्रम
2. एन० के० पुरी	वैमानिक संचार स्टेशन, नई दिल्ली
3. के० रामालिंगम	वैमानिक संचार स्टेगान, मद्रास
4 एच० वी० सुदरशन	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई
5. एस०एच० खान	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकला
<ol> <li>सुरेश चन्द्र</li> </ol>	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकता
7 के० वी० राव	वैमानिक संचार स्टेशन, हैदराबाद
8. वी० के० वर्मा	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई
9 एस० श्रार० ग्रार० राव	वैमानिक संचार स्टेणन, मद्रास
10 पी० के० सिघल	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई
11. एस० के० कक्कड़	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता
12. डी० सी० मेहता	भ्रार० सी० डी० यू०, नई दिल्ली
13. पी० सेठ	महानिदेशक नागर विमानन
	(मुख्यालय)

प्रेम चन्द, सहायक निदेशक प्रशासन

# नई दिल्ली, दिनांक 20 श्रक्तूबर 1982

सं० ए.० 32014/3/81-ई०एस०---महानिदेशक नागर विमानन ने निम्निलिखित प्रधीक्षकों की प्रशासनिक प्रधिकारी के रूप में की गई तदर्थ नियुक्ति को उनके नाम के सामने वी गई तारीख तक या पदों के नियमित ग्राधार पर भरे जाने तक, इनमें मे जो भी पहले हो, सामान्य गर्ती पर जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है:---

ऋमं सं०	नाम	जिस तारीख तक प्रशासनिक अधि- कारी के रूप में तद्दर्थ आधार पर नियुक्त किया गया है।
1. श्री एस	० एम० लाला	31-10-82
2. श्री एस	० सी० मलिक	31-12-82
3. श्रीके०	टी० सेन	31-12-82
4. श्री म्ना	र० जी० शिन्दे	31-12-82
5. श्रीवी०	भार० एस० नायर	31-12-82

जगदीण चन्द्र गर्ग, सहायक निदेशक प्रशासन

#### कर्जा मंत्रालय

#### कायला विभाग

कोयला खान श्रीमक कल्याण संस्था

भनबाद, दिनांक 19 अक्तूबर 1982

मं. प्रशासन 12/8/82—लेखा अधीक्षक (स्थायी प्रधान लिपिक) श्री टी. एन. महतो की पदान्नित दिनांक 2-6-1982 (पूर्वीहन) से कोयला खान कल्याण आयुक्त के सहायक सचिव/चिकित्सा अधीक्षक, केन्द्रीय अस्पताल के सिचव के पद पर की गई।

दामोदर पण्डा आयृक्त कोयला सान कल्याण संस्था धनवाद।

# कार्यालय निर्माण महानिद्देशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 20 अक्तूबर 1982

सं. 27-ई बी(68)/80-ई सी.2—-राष्ट्रपति, श्री भूष-नेषा प्रसाद, कार्यपालक अभियन्ता, केन्द्रीय परिकल्पन संगठन, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली, के वर्तमान पद मे त्यागपत्र तत्काल स्वीकार करते हैं।

> नीना गर्ग जुप-निद्देशक (प्रशासन) कृते गहानिद्देशक (निर्माण)

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के एजिस्ट्रार का कार्यालय

त्रिवेन्द्रम, दिनांक 11 अवत्बर 1982

मं. 226/लिक्वि/560(4)/3313/75—यतः सेन्ट्रल ट्रस्ट लिमिटेड (लिक्विड शन मो) जिसका रिजस्ट्रीकृत कार्यालय पल-वगाड़ी त्रिवेद्रम में हैं, का समापन किया जा रहा हैं। और यतः अभोहस्ताक्षरी यह विश्वास करने का यूक्तियुक्त होतूक रखता है कि कोई समापक कार्य नहीं हो रहा है और यह कि स्टेटमेन्टस आफ अकाउटस समापक द्वारा दिये जाने के लिये अपेक्षित हैं छः कमवती मास के लिये नहीं दी गई हैं।

अतः जब कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा (4) उपधारा के अनुसरण मं एतब्द्वारा सृष्ति किया जाता है कि इस तारील में तीन मास के अवसान पर सेन्द्रल द्रस्ट लिमिट हे (लिक्विड शेन में) का नाम यीद इसके प्रतिकृत हन्क दिर्शित नहीं किया जाता है तो रिजम्टर में काट दिया जाएगा औं कम्पनी विचटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्रीनारायणा इण्डस्ट्रीयल एण्ड ट्रेंडिंग कोरपोरेशन लिमिटोड के विषय में ।

# कोचीन, दिनांक 11 अक्तूबर 1982

मं. 1655/लिक्विं/560(5)/आर. 3312/82--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्व्वारा सूचना दी जाती है कि श्रीनारायणा इण्डस्ट्रीयल एण्ड ट्रेंडिंग कारपोरोशन लिमिटोड का नाम आज रिजस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विचटित हो गयी है।

कस्पनी अधिनियम, 1956 और ट्विनड्रम टोडिंग कारपोरोशन लिमिटोड के विषय में ।

कांचीन, दिनांक 11 अक्तूबर 1982

सं. 1231/लिक्वि/560(5)/आर. 3314/82— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा(5) के अनुसरण में एतद्व्वारा सूचना दी जाती है कि ट्रिबान्ड्रम ट्रेडिंग कारपोरेशन लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

काम्पनी अधिनियम, 1956 और वेणाड्य एग्रीकलचरल ग्रेन कम्पनी लिमिटोड के विषय में कोचीन, दिनांक 11 अक्तूबर 1982

सं. 1300/लिक्कि/560(5)/आर.  $3318^{82}$ — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा(5) के अनुसरण में एसदुद्वारा सूचना दी जाती है कि मेणाडू एप्री-

कलचरल रेन कम्पनी लिमिटोड का राम आज रिजस्टर में काट दिया गया औं और कित कम्पनी क्रिमटित को गयी है।

> काम्पनी अधिनियम , 1956 और तालाधिल पलाराजनस तिमिटांड क विसय सा

> > काचीन, दिनांक 11 अञ्चलक 1982

सं. 2351/लिदिव/560(5)/आर 3319/82— 'कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा(5) के अनुसरण में एतस्ट्वारा स्चना टी जाती है कि वालायिल पलस्टेशनस लिमिटेड का नाम आज रीजस्टर से काट दिसा गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम , 1956 और जिओ एण्ड जो एजेन्सीज प्राइवेट लिसिटोट के विषय मो ।

कोचीन, दिनांक 11 अक्ल्बर 1982

मं 2479/लिक्वि/560(5)/आर / 3320/82— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपभारा(5) के बनुसरण में एत्व्व्वाय सचना दी जाती है कि जिओ एण्ट जो एजेन्सीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विभिटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सानजास केमिकल्स प्राइविट लिमिटोड के विषय मे।

कोचीन, दिनांक 11 अक्त्बर 1982

. सं. 2158 लिदिव / 560(5) / आग 3321 / 82— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा मूचना दी जाती है कि सानजोरा केमिकल्स प्राह्बेंट लिमिटोड का नाम आज रिजस्टर से कार्ट स्थिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है ।

> कम्पनी अधिनियम, 1956 और नीलंस्थर एलम्युनियम माइन्स ट्रोडेटिस लिमिटोड के विषय में ।

कोचीन, दिनांक 11 अक्तूबर 1982

सं. 2382/लिक्वि/560(5)/आर. 3322/82— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा(5) के अन्मरण में एतद्द्यारा सचना थी जाती है कि नीलेस्वर एल्मिनियम माइन्स एण्ड ट्रॉइटिंग लिमिटॉड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1950 और शक्षांदेधरा केमिकलस प्राइविट लिमिटांड को निषय में ।

लोचीन, दिनांक 11 अक्तवर 1982

म 2644 लिक्नि '560 (5) आर-3223/82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अन्-सरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि याशोद्धरा केमिकल्स प्राईविट लिमिटोड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गयी है!

कस्पनी अधिनियमः, 1956 और सीफूड कौनर्स एन्ड फ्रीजर्स एलीसिएश आफ इन्डिया के विशय मे

कांचीन, दिनाक 11 अक्तूबर 1982

मं. 2027/लिकिव/560 (5)/आर -3324/82--कम्मनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनु-सरण मः एतद्द्यारा सूचना दी जाती है कि सीफूड केनर्स एन्ड फ्रीनर्स असीसियेषन आफ इन्डिया का नाम आज रिजस्टर से काट दिया भया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और लामरिन लिमिटोड प्राइबिट लिमिटोड के विषय में ।

कोचीन, दिनांक 11 अक्तूबर 1982

सं. 1902/लिक्वि/560 (5)/भार-3325/82—कम्पनी अभिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अन्-सरण मा एतद्द्राय सूचना दी जाती हैं कि लामरिन प्राईवेट लिमिटडे का नाम जाज रिजस्टर से काट दिया गया हैं और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी हैं।

कस्पनी अधिनियस, 1956 और त्रिष्ट चिट फन्ड प्राईविट लिमिटोड के विषय मे।

कोचीन, विनांक 11 अक्सूबर 1982

सं. 2284/लिक्वि/560 (5)/आर.-3326/82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनु-सरण में एतब्द्वारा सूचना दी जाती है कि त्रिकृट चिट फल्ड प्राईवेट लिमिटेट का नाम आज रिजस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कस्पनी अधिनियम, 1956 और जनता एम्पलाई ज कुरी कम्पनी प्राईवेट लिभिटोड के विषय में।

कोचीन, दिनांक 11 अक्तूबर 1982

सं 2456/लिक्बि/560 (5)/आर-3327/82— कम्पनी अधिनियम, 1956 की भारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में हे दिवार सूचना दी जाती है कि जनता एम्पलाई क कर्री कम्पनी प्राईविट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दि फिशरमैन एन्टरप्राईक्ले

कोपीन, दिनाक 11 अक्तूबर 1982

सं. 1984/लिक्किं/560 (5)/आर-3328/82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनु-सरण में एतव्य्वारा सूचना वी जाती है कि दि फिशरमैन एस्टर-प्राइसेज प्राईवेट लिमिटोड का नाम आज र्राजस्टर से टाट दिया गया है और उदत कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वेणाडा बैक लिमिटेड के विषय मो।

कोनीन, दिनांक 11 अक्तूबर 1982

मं 1299/लिक्किन/560 (5)/आर-3329/82--कम्मनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनु-

सरण । एतद्व्यारा सृचना दी जाती है कि देणाड़ू दैं के लिमिटोड़ का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कस्पनी अधिनियम, 1956 और राजियन्ट एग्रो केमिकल्स प्राइविट निर्मिटोड के विषय में।

कोचीन, दिनाक 11 अक्तूबर 1982

सं. 2815/लिक्किन / 560 (5)/आर. -3330/82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अन्सरण में एतब्द्यारा सूचना वी जाती है तिक रालियन्ट एग्रो केमिकल्स प्राह्मवेट लिमिटोड का नाम आज रिजन्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और स्मंगला लोन्स एन्ड चिटम प्राइविट लिमिटोड के विषय में ।

कोचीन, दिनांक 11 अक्तूबर 1892

सं. 2481/लिजाव/560 (5)/आर.-3331/82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अन्-सरण में एतद्ध्यारा सूचना दी जाती है कि सुमंगला लोल्म एन्ड चिटस् प्राइ वेटे लिमिट डे का नाम आज रिजस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियस, 1956 और भारत प्लानटोक्स्म लिमिटोड के विषय में।

कोचीन, दिनांक 11 अध्यक्षर 1982

सं. 1307/लिक्बि/560 (5)/बार-3332/82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतव्द्वारा सूचना दी जाती हैं कि भारत प्लाटेशसम लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी हैं।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ग्रंन मर्चोन्ट्स असोसियंशन के विषय में।

कोचीन, दिनांक 11 अक्त्बर 1892

मं 404/लिक्वि/560/(5) आर-3333/82--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अन्-सरण में एतद्द्दारा स्चना दी जाती है कि ग्रेन मर्चेन्ट्स एसो-मियोशन का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और चेन्डाक्कल प्लान्टोशन्स प्राईविट लिमिटोड के विषय में ।

कांचीन, दिनांक 11 अक्तूबर 1982

सं 1932/लिक्वि/560 (5)/आर-3334/82--कम्पनी अधिनियम, 1956 को धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती हैं कि चेन्डाक्कल प्लान्ट शन्स प्राह्वेट लिमिटोड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

करंगनी अधिनियम, 1956 और मोतीभाई गटेंस इन्डस्ट्रीज प्राइविट लिमिटोड के विषय मों।

कोचीन, दिनांक 11 अक्तूबर 1982

सं. 1924 'लिटिव' 560 (5) 'आर-3335 '82--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपागरा (5) के अन्तरण में एतद्द्यारा सूचना दी जाती है कि मोतीभाई पटोल इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कोचीन इन्जीनियरिय कम्पनी प्राइविट लिमिटोड के विषय में।

कोचीन, दिनांक 11 अक्त्बर 1982

मं. 2330/लियिम/560 (5)/आर-3336/82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण  $\epsilon^-$  एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कोचीन इन्जीनियारिंग कंपनी प्राई वेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर में काट दिया गया  $\epsilon$  है और उन्कत कम्पनी विघटित हों गयी है।

कम्पनी अधिनियमः, 1956 और फास्ट एण्ड संफ्टी द्रान्सपोर्ट्स प्राप्टवेट लिमिटडे के विषय में।

कोचीन, दिनांक 11 अक्तूबर 1982

मं. 2155/लिक्बि/560 (5)/आर-3337/82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतव्द्वारा सूचना दी जाती है कि फास्ट एण्ड सेफ्टी ट्रान्सपोर्ट्म प्राइबिट लिमिटेड का नाम आज रिजिस्टर स काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

# कम्पनी अधिनियम, 1956 और युवारानी थियटरस् प्राइविट लिमिटोड के विषय में।

कोचीन, दिनांक 11 अक्तृबर 1982

सं 1 लिक्कि / 560(5) / आर - 3338 / 82— कस्पनी अधि-नियम , 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अन्सरण मं एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि य्वारानी धियटरस् प्राईक्टे लिमिटेंड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियस, 1956 और सदरन इन्डस्ट्रीयल माइनिय कपनी प्राइकिट लिमिटोड के विषय से।

कोचीन, दिनांक 11 अक्तुबर 1982

सं. 2652/लिक्सि/560 (5)/आर-3339/82--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा मूचना दी जाती है कि सदरन इन्डस्ट्रीयल माईनिंग कम्पनी प्राईवंट लिमिटेंड का नाम आज रिजस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और करेल आसे हन्दस्ट्रीयल्प पार्वाद सिंगिस के स्थिय में ।

काचीन, दिनाक 11 अक्त्बर 1982

म 2346/लिक्बि/560 (5) आर-3340/82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण म एतद्द्ारा यह मूचना दी जाती है कि करेल आटो इन्डम्ट्रीयल्स प्राइतिट लिमिट इत्ता नास आज र जिस्टर स काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषयिन हो गयी है।

टक्स्पनी अधिनियम, 1956 और बाइपिन आई लैंड कौनिंग कस्पनी प्राहिंबेट लिमिटाड के विषय में।

काचीन, दिनाक 11 अतनवर 1982

म 2789/जितिव 1560 (5) आर-3341 82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 जी उपधारा (5) के अनमरण म एतद्द्वारा सचना दी जाती है कि वाइपिन आई लैंड कौनिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटोड का नाम आज रिजस्टर में काट दिया ही और उक्त कम्पनी विधिटित हा गयी है।

के पन्चापाकशन टप्पिनियों का रिजस्टार कोरल

कम्पनी अधिनियमः, 1956 और राज्यतीकान्ता पोद्यार एण्ड सन्स पाइबेट लिसिटाइ के विषय मो।

कलकत्ता, दिनाक 18 अक्तबर 1982

म 11304/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अतमरण में एनद्दरारा मूचना दी जाती है कि रेबती कान्ता पोद्वार एण्ड मन्म प्राईवेट निमिटेंड का नाम आज रिजस्टर में काट दिया गया है और उत्तत कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और डी एम फार्मस एण्ड प्रोयरिस प्राइवेट लिमिटोड के विषय मी।

क नकसा, दिनाक 18 अक्तूबर 1982

म 33660/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अन्मरण में एतद्वारा सचना दी जाती है कि डी एम फार्मस एण्ड चेंग्रीरस प्राइविंट लिमित इ का नाम शाज रिजिस्टर से काट दिया गया है और उस्त कम्पनी विषटित हो गई है।

ह्यस्पनी अधिनियस 1056 और जी एण्ड एम फ्रस्टस प्राइविट लिमिटोइ के विषय में।

कलकत्ता, दिनाक 18 अक्तवर 1082

स 33666/560(5)—-कम्पनी अधिनियम, 1956 की शारा 560 की उपधारा (5) के अनसरण म एतद्द्वारा सचना दी जाती ती कि डी एण्ड एम फ्रस्ट्स प्राईवेट लिमिटोड का नाम आज रिजस्टर स लाट दिया गया ही और इक्ष्म क्रपनी विचितित हो गई है।

2 326G1/82

ामानी अभिनियम, 1956 और सी एम ्राज्य ए०० फामा-रणावित्य पार्णके जिल्लामा कालिय के ।

कलकत्ता, दिसाक 18 अक्तृवर 1982

स 33971 560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) क अन्सरण मा एनदद्वारा मृचना दो जाती हो ि डी एम उपग एण्ड फार्मास्पृटिकल्स प्राइविट लिमिटड का नाम आज रिजस्टर स कार दिया गया ही और उत्तत कम्पनी विश्वित हा गई है।

कम्पनी अधिनियमः, 1956 और दीपाजन इनवस्टमस्ट प्राइविट लिमिटांड के विषय मा ।

कलकसा, दिनाक 18 अक्तबर 1982

म 33972/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुभरण म एतद्द्यारा भ्चना दी जाती है कि दीपाजन इनवेस्टमेन्ट प्राईवेट निमिट्ट का नाम आज रिजस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विष-टित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वेस्ट दिनाजपुर ट्रंड एण्ड ट्रास-पोर्ट प्राइनिट लिमिटड के विषय में।

कलकत्ता, दिनाक 18 अक्तूबर 1982

म 21034/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के अवसान पर वेस्ट दिनाजपर ट्रोड एण्ड ट्रांमपोर्ट प्राइवेट लिमिटोड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्ति न किया गया तो रिजम्टर में काट दिया जाएगा और उत्तत कम्पनी विचटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और आदित्या अपयरन एड स्टील कम्पनी प्रार्डवेट लिमिटोड के विषय मे

कलकत्ता, दिनाक 18 अक्तूबर 1982

म 27040/560(3)—-कम्पनी अधिनियस, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनमरण में एतंद्दारा यह सूचना दी आती है कि इस तारोज से तीन मास के अवसान पर आदित्या आयरन एण्ड स्टील कम्पनी शाई वेट लिमिट इ का नाम इसके प्रतिकान कारण दिया आएगा और उक्त कम्पनी विघटित कार दी जाएगी।

एस आर ती ती सत्यनारायन कर्म्पनियों का सहायक रिकस्टार पश्चिम बगाल

कंस्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स एडवरटाइजिंग मोटिवेशन सर्वित्स प्रार्डन्ट लिक्टिंड

> के विषय में । बम्बर्ड, दिनाक 19 अक्तूबर 1982

स 621/15022/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 हो धारा 560 की उपधारा (5) के अनसरण में एतद्-

द्वारा स्वता की जाती है कि एडवरटाइजिंग मोटिवेसन सर्विमंस प्राह्मक लिसिट र का नाम आज रजिस्टर स कार्ट दिस गया है और उक्त कभ्पनी विषटित हा गई है ।

> ओ.पी.जैन, कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र, बमार्ड

# आयकर आथक्त का कार्यालय नर्झ दिल्ली, दिनांक 16 अक्तूबर 1982

#### आयक र

फा स. क्षेत्राधिकार/दिल्ली ।/82-83/18210--आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा(1) के अन्तर्गत प्रदत्त तथा इससे संबंधित अन्य मभी शिक्तयों का प्रयोग करते हुए एवं इस विषय पर इससे पृष् ते आदिशों को पिरवर्तित करते हुए आयकर आयकत दिल्ली,।, नई दिल्ली यह निद्धेश दोते हैं कि अधीलिखित अनुसूची के कालमा में वर्णित निरीक्षीय महायक आयकर आयकत इसी म्ची के कालमा 11 में उल्लिखित डिस्ट्रिक्ट/मिर्किलों के आय-कर अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में आने वाल क्षेत्रों अथवा एमें व्यवित्तयों अथवा एमें आय वाले व्यक्ति ममुहाँ अथवा आय दर्गी अथवा एसे मामलों अथवा मामलों के वर्गी में संविधित मसलों में इस अधिनियम के अन्तर्गत निरीक्षीय महायक आय-कर आयुक्तों होत् विहित सभी कार्यी को मम्पन्न कर्ण ।

# अनुसृची

रेंज का नाम श्रायकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल

1-निरीक्षीय सहायक श्रायकर 1) कम्पती सर्किल 2, 7, 10 श्रायुक्त कम्पती रेंज- , 14,15, एवं 19 नई दिल्ली नई दिल्ली 2) विशेष सर्किल-15"

- 3) विशेष सकिल-3 "
- विदेश ग्रनुभाग, नई टिल्ली

यह आदांश दिनांक 16-10-82 से लागू हारेगा ।

एस. डी. मनचन्दा आयकार आग्रुथ्स दिल्ली-1, नई दिल्ली

लखनऊ दिनांक 24 सितम्बर 1982 स्थापना -केन्द्रीय मेवायें-राजपित्रत श्रायकर श्रधिकारी--(वर्ग "ख") स्थायीकरण के बारे में श्रादेश इत्यादि ।

सं० 125—कार्मिक ग्रौर प्रणासनिक सुधार विभाग के दिनांक 15-11-75 के कार्यालय ज्ञापन सं० 29014/75/स्था० (क) ग्रौर बोर्ड के दिनांक 7-10-78 के पत्र एफ० नं० ए-29011/28/78-प्रणासन 6 के श्रनुसरण में समिति की सिफारिशों ग्रनुसरण में समिति की सिफारिशों श्रनुसरण में समिति की सिफारिशों पर निम्नलिखित ग्रागकर ग्रधिकारियों (वर्ग "ख") के रूप में 650-

1.200 के वेतनमान में उनके नाम के सामने लिखित तारीख में स्थायी किया जाता है।

कम स	ं० श्रायकर श्रधिकारी का नाम	स्थायी करने की नारीख
1	2	3
	सर्वश्री	
	शयामता प्रसाद शर्मा, श्रायकर ग्रधिकारी थी≔वार्ड, लखनऊ वृत्त लखनऊ ।	1-2-81
	रमी चन्द्र, ग्रायकर ग्रिधिकारी, हलब्रानी ।	1-7-81
	बाबू राम, भ्रायकर भ्रधिकारी, ए-वार्ड, लखीमपुर-खीरी ।	1-8-81
4.	शम्भू नाथ सक्सेना, श्रायकर श्रधिकारी (तकनीकी) लखनऊ।	1-10-81
5.	ए० एस० कौशिक, श्रायकर प्रधिकारी	1-1-82
	उपर्युक्त स्थायीकरण की तारीख द्रावश्यकः । जासकती है ।	ता पड़ने पर बाद में
		धरनी धर,
	श्रायः	कर श्राय् <b>क्त, लखन</b> ऊ ़

# दिनांक 19 अक्तूबर 1982

# गद्धि पत्र

स्थापना--केन्द्रीय सेवाय राजपत्रित आयकर अधिकारी (वर्ग स)--स्थायीकरण के बारों में आदोश इत्यादि ।

मं. 135--श्री बाबू राम, आयकर अधिकारी, ए-बार्ड, लसीमपुर-सीरी के बारे में दिनांक 23-9-82 की अधिसूचना संख्या 125 कम संख्या 3 के स्तम्भ 3 पर ''1-8-81'' के बजाय ''1-9-81'' पढ़ा जाये।

धरती धर, आयकर आयुक्त, लखनक

#### आयकर अपील अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

सं. एफ. 48/एडी (एटी)/1982--श्री आर. के. घोष, सहायक अध्यक्ष, आय-कर अपील अधिकरण, बम्बइं त्याय-पीठ, बम्बइं जिन्हें आय-कर अपीलें अधिकरण, अहमदाबाद त्यायपीठ, अहमदाबाद में तदर्थ आधार पर, अम्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 6-2-1982 में छ. महीलें के लिए कार्य करते रहने की अनुमित प्रदार की गयी थी, दिनियं इस कार्यालय के दिनांक 27-3-1982 की अधिसूचना क्षमाक एफ.-48-एडी (एटी)/82, को अब शय-कर अपील अधिकरण, अहमदाबाद न्यायपीठ, अहमदाबाद ने तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार हो पद पर दिनांक

6-8-1982 में 31-1-1983 तक या जबतक कि उक्त पद होते नियमित भर्ती नहीं की जाती, जो भी शीषूतर हो, स्थानापन्न रूप में कार्य करत रहने की अनुमति दी जाती है।

जपर्याक्त नियकित तदर्थ आधार पर है, और यह श्री आर. के घोष को उसी श्रणी मा नियमित नियुक्ति के लिए काई दादा नहीं प्रदान करोगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदक्त संवाएं न तो बरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परि-गणित की जायंगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पात्रता ही प्रदान करंगी।

> **दी. डी.** सूरला अध्यक्ष

प्रारूप आह. टी.एन.एस. ------

श्रायकर श्रीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की श्राय 269-भ (1) के अधीन मुक्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनाक 6 श्रक्तूबर 1982

निर्देश स० 81/फर०/82—यतः मुझे, एस० वहरी, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है दि रक्षाचर समाजित जिसका दिचन बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० सर्वे सं० 152/10 है. जो सिविगरीपट्टी, पलनी में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण म्प में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पलनी (डाकुमेट सं० 16/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम. 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक फरवरी. 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत म अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गतिफल, निम्नोलिंग्स उद्देश्य में उक्त अन्तरण निर्मित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी अपन या उससे बचने माँ सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2<sup>-</sup>) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपवारा (1) के अभीन निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अभृति :--- 1. श्री सीतसमाल श्रीर श्रदर्भ

(अन्तरक)

2. श्री कालियप्पन

(ग्रन्त[रती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध मा काई भी आक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मों परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अमुसूची

भूमि सर्वे म० 152/10, सिवगिरीपट्टी, पलनी (डाकुमेंट म० 16/82) ।

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) न्नर्जन रेंज-ा, मद्रास

नारीख 6-10-82 मोहर : प्ररूप आहु टी. एन. एस. ----

1 श्री सीतममाल ग्रीर ग्रन्य

(भ्रन्तरक)

आयकर अभिनियम., 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2 श्री सदासिषम

(श्रम्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनाक 6 श्रक्तूबर 1982

निदेश म० 82/फर०/82---यत मुझे एम० लहरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उच्चित बाजार मल्य 25,000/-रः स अधिक है

मौर जिसकी स० सर्थे २० 152/10 है, तथा जो सिविगरीपष्टी, पलनी में स्थित है (ग्रार इसरा उपाबद्ध अनुसूची में श्रार जो पूर्ण घप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय पलनी (डाकुमेट स० 17/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 190९ (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाक फरवरी, 1982

को पूर्वाक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वाक्त सपित्त का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व म कभी करने या उससे बचने म स्विधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति व्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मां हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मां किए जा सकीगं।

स्थरहीकरण '--इममे प्रयुक्त कब्दों और पद्मों का, जो उपसी अधिनिय के के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि संख्वे म० 152/10 मीवागिरीपट्टी पलनी (डाकुमेट स० 17/82) हैं।

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेज-1, मद्रास

अन अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसिन त्यक्तियों, अर्थात ---

नारीख 6-10-82 मोहार प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.------

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक वाय्कर वाय्क्त (निर्देक्षण)

श्रर्जन रेंज , मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 श्रक्तूबर, 1982

निदेश सं० 83/फर०/82—यतः मुझे एस० लहरी नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सरवे सं० 152/10 है, जो सिविगरीपट्टी पलनी में में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विगत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पलनी (डाकुमेंट सं० 18/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनां क फरवरी, 1982

को पूर्वोकत् संपरित के जिनत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का जिनत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आंग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निस्ह; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, स्थिपन में स्विधा के लिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थातः :--- 1. श्री सीतममाल भौर ग्रन्य

(भ्रन्तरक)

2. श्री लक्समी श्रममाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

### अनस ची

भूमि सर्वे सं० 152/10 सिवगिरीपट्टी पलनी (डाकुमेंट सं० 18/82) ।

ग्न० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज <sup>I</sup>, मद्रास

तारी**ख** 6-10-82 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भीतममाल ग्रांग ग्रन्थ

(प्रन्तरक)

2 श्री शक्ति बेल

(ग्रन्तरिती)

आयकृर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269 व (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अक्तूबर, 1982

निदेश म० 84/फर०/82—अनः मुझे ए.२० लहरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुट. में अधिक है

श्रीर जिसकी स० सरवं स० 152/10 है, जो सिवगिरीपट्टी पलनी में स्थित है (श्रीर इस में उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर जा पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिश्वकारी के कार्यालय पलनी (डाकुमेंट सं० 19/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिशीन दिनांक फरवरी, 1982

का पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य में कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुभी यह विश्वाम करने का कारण है कि श्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित दाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिमित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिन में वास्तविक रूप में किथन नहीं किया ग्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एमें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आठकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किणाने में मिवधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अभिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिस्ति त्यक्तियों, अर्थात को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनमची

भूमि सरवे म० 152/10 सिवगिरीपट्टी पलनी में (डाक्सेट मं० 19/82) है ।

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रजन रेज I, मद्रास

तारीख 6-10-82 मोहर . प्ररूप आई. टी. एन. एस.--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभवा

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 श्रक्तूबर, 1982

निवेश सं० 95/फर०/82—यतः मुझे एस० लहरी ग्रायकर भिवित्यमः 1981 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भ्रारा 26 अन्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह तिश्वाम करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिनका बनित बाजार मृश्य 25,000/ इप्य से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 9 है, जो ग्रारम्स रोड-III, स्ट्रीट है जो किलपाक, मद्रास में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर ज्ो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय पेरियमेट (डाकुमेंट सं० 72/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है बौर मुझे यह विश्वास करमे
का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिगत से प्रधिक है धौर मन्तरक (मन्तरकों) धौर अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत मन्तरण लिखित में वास्त-

- ला) अन्तरण से हुई चिसी थाय की वावत उनत अधि-निवम के सबीन कर देने के धन्तरक के वावित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के खिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय र िस्मी धन या अस्य बास्तियों की, जिन्हें बारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिवियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बाया या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

उतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं के अंशः 289-भ की कपधारा (1) के अधीन निम्नकिखित असित्यों, अर्थात्:—

1. सजीधा बानु

(ग्रन्तरक)

2 सैयद नवबार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य वाहीयां करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:——

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर क्वल स्थानर संपत्ति में हितबध्ध किसी जन्म व्यक्ति इवारा न्ध्रोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए का सकनें।

स्वष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

#### नमुस्ची

भूमि श्रौर निर्माण 9 श्रारम्स रोड III स्ट्रीट, किलपाक, मद्रास (डाकुमेंट सं० 72/82)।

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज I, मद्रास

ता**रीख 6**-10-1982 मोहर : प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज I,

मद्रास, दिनांक 5 ग्रक्तूबर, 1982

निदेश सं० 134/फर०/82—यतः मुझे एस० लहरी, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम् प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावरः सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 5 है, जो कुरुविकारण सालै, मदुरै में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय तल्लाकुलम (डाकुमेंट सं० 669/82) में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई हैं और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित् बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उत्देश्य से उच्त अन्तरण निकित में वास्तिवक कप से कि बत नहीं किया गया है:-

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने की अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः जब, उक्त जिभिनियम की भार 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की भार 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्——
3—326GI/82

1. सुरैया बेगम

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती चन्द्रा मुतू कृष्णन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवों कन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त, व्यक्तियों में से किसी त्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मन्यत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यार 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण 5 कुरूविकारण सालै मदुरै (डाकुमेंट सं० 669/82) ।

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख 5-10-1982 मोहर : प्ररूप गाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3,

कलकत्ता, दिनांक 7 स्रक्तूबर, 1982

निदेश सं० 1133/एक्यू०/म्रार-III/82-83—यतः मुझे के० सिन्हा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुत. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 20/सी है, तथा जो दुर्गा प्रसन्न परमहन्स रोड, कलकत्ता में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रालिपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 5-2-1982

को पूर्वो क्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) वैन्तरण से हुइ किसी माय की बाबत, उक्ट्र अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी जान वा किसी धन वा बन्य जास्तिवी को, जिन्हें भारतीय आयक र जी धनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अस्तर के समार्थ कर रही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात:—— 1. श्री शिशु बाला धर राय

(ग्रन्तरक)

2. कललानी सरकार

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्ट्रीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा चो उस ब्रुध्याय में दिया ग्या है।

#### अनुसूची

20/सी, दुर्गा प्रसन्न परमहन्स रोड, कलकत्ता । 5-के, जमीन पर मकान ।

के. सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्तं (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज III, कलकत्ता

तारीख 7-10-1982 मोहर :

# प्रकप आई • टी • एव • एस • ----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज 3,

कलकत्ता, दिनांक 7 ग्रक्तूबर, 1982

निदेश सं० 1134/एक्यू०/म्रार-III./82-83---यतः मुझे के० सिन्हा

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है। की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है<sup>\*</sup>

श्रीर जिसकी स० 106 है, तथा जो जोधपूर पार्क, कलकत्ता मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्दोकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन सारीख 10-2-1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्नलिखित उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तविक **भ्रम्य से कभित नहीं किया गया है:**—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दान के अन्तर्य के दायित थ कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिशनियम या धन-**कर गिधनियम,** 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा ऋेलिए:

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती निभा मुखर्जी।

(भ्रन्तरक)

2. बिबकन एंड एसोसिपेट्स ।

(भ्रन्तरिती)

**को यह सुचना जारी करके प्**रवर्षित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध मा काई भी आक्षेप ---

- (क) इस मूचना के राज्यभागि भे अकाशन की कारीख से 45 दिन की अवधि या करसम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत् श्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस स्चना क राजयक भो रक्षारन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अना -ाक्ति व्याना अधेहरताक्षरी के पास लिखित भी निरम्जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:--हसमो प्रथान अन्दा कार पदा का, आ अक्ट **मधिनियम** के लध्याय 20 क म' परिभाषित है, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्सूची

106, जोधपूर पार्क, कलकत्ता । 5 के जमान दलिल स० 912

के० सिन्हा राजम प्राधिकारी सहायक प्राथकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रंज 🎹 कलकत्तर

तारीख 7-10-1982 मोहर:

अरूप आ**द्ध**ं. टी. **एन. एस. -----**

भागकर जो बन्धत्रम, १९७३ (1961 का 43) की अरए (१४७-६ १४) के अभीत स्थान

मार्ग्य सरका**र** 

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रद्भन रेज JUI,

कलकत्ता, दिनाक 25 सितम्बर, 1982

निदेश स० 1127/एका० /ग्रार-III/82-83—यतः मुझे सि० रोखामा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जबत नाचितियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक ही

भीर जिसकी सं 4ए हैं, तथा जो नरेन्द्र चन्द्र दत्त सरिन, कलकत्ता में स्थित है (बार उसने उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीतर्भिकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में र्यावर्भिकर म शार्जीनथम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनार 16-2-1982

को पूर्वों वत सम्पत्ति के अञ्चल बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए असारित की गई है और म्फेयह विश्वास करने का कारण है कि अथापुर्वों वत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यका अल्क्य से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्दश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक चम से कथित नहीं किया गया है":--

- /क) अन्तरण से हुईं किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, आर/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय अय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध—

1. श्री जतीन्द्र नाथ चन्दर

(भ्रन्तरक)

2. पूरुषोत्तमदास मिमानी श्रौर सन्स

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्तर सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षेप :---

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की संबंधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि क निसम को अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अमृत्युची

4ए, नरेन्द्र चन्द दस सरनि, कलकसा। 5 क० 8 छ० जमीन पर मकान ।

> सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख 25-9-1982 मोहर: प्रकप भाइं.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) की अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (दिरीक्षण) भूजीन रेज III.

कलकत्ता, दिनांक 🗳 प्रक्तूबर, 1982

निदेश स० 1129/एक्यू०/ग्रार-III/82-83—यतः मुझे के० सिन्हा

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 122/1 बी है, तथा जो मोतीलाल नेहरू रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय श्रालिपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 1-2-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यम प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किश्वित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आय की धाअस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्थियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए

1. श्री जीन प्रसाद घौधुरी,

(भ्रन्तरक)

2. श्री बन्शीलाल साउ श्रीर दूसरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्डीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

### अनुसूची

122/1 बी, मोतीलाल नेहरू रोड, कलकत्ता । 11 क०  $6\,$ छ ।  $33\,$ स्क्वायर फीट जमीन पर मकान ।

के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज III, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थाल् :---

तारीख 4-10-1982 मोहरं प्ररूप मार्ड टी. एन. एस.--

आ। यतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के भंधीन मुख्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-III,

कलकत्ता, दिनांक 4 श्रक्तूबर, 1982

निदेश स० 1130एक्यू०/म्रार-III/82-83—-यत. मुझे के० सिन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अवत मिनियम' कहा गया है), की घाण 249 ख के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर उन्पत्ति, जिमका विवित्त वाजार मूख्य 25,000/- द० से आंधिक है और जिसकी सं० 122/1ए है, तथा जो मोतिलाल नेहरू रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद प्रमुस्ची में ग्रीर जो पूर्ण रुप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय ग्रालिपुर मे रिजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (908 का 16) के ग्रिधीन दिनाक 1-2-1982

को पूर्वावत सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के वृश्यमान श्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रस्ट प्रतिशत से अधिक है और सन्तरक (श्रन्तरको) श्रीर झन्तरिती (श्रन्तरितिया) वे बीच एसे सन्तरण क चिन् नय पान गया प्रति-फल निम्निर्लाखन उद्देश्य स जरत सम्तरक विश्वत से वास्तविक कप से कश्चित नहीं किया गया है।——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी यात्र की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन एउँ देने से प्रस्तरक के दायिक में तमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या

सतः, अस्, उन्त अधिनियम को धारा 269-च के अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की छारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निष्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात:--- 1. श्री देव प्रसाद चौधुरी

(भ्रन्तरक)

2. श्री बन्गीलाल साउ धौर दुसरा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के प्रजैन के खिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कोई भी श्राक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की प्रविध्य सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 विन का श्रविध्य, जो भी प्रविध्य वाद में समाप्त होती हो, के मानर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस पूचना के राजपत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति म हिंतबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पत्म निधित में किए जा सकैंगे।

स्वडहीकरण:--इसर्वे प्रयुक्त गस्दा घीर पड़ा है।, जो उक्त ग्राधिनियम के श्रष्टगय 20-क में परिभाषित है, बही अबे होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# **ध**नुसूची

122/1ए , मोतिलाल नेहरु रोड, कलकत्ता । 10 क० 5 **छ०है** 37 स्कायर फीट जमीन पर मकान ।`

> के० सिन्हा सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज III, कलकत्ता

तारीख 4-10-1982 मोहार : प्ररूप आहाँ, टी. एम. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 6 श्रक्तूबर 1982

निदेश सं० 1131/एक्वी०/श्रार-III/,82-83—श्रतः मुझे के० सिन्हा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० 654 है, तथा जो रिबन्द्र सरनी, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 8-2-1982

को पूर्वोका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उच्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में मिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः--- 1. श्रीमती निमेदिता देवी

(श्रन्तरक)

2. श्री हुकुम चन्द ग्रमग्रल ग्रौर दूसरो

(श्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्स्ची

654, रबिन्द्र सरनी कलकत्ता, 8 के० 13 छ० 11 स्क्वायर फीट जमीन पर मकान।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III कलकत्ता-16

तारीख: 6-10-1982

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-III कलकत्ता

कलकता-16, दिनांक 6 ग्रक्तूबर 1982

निदेश सं० 1132/एक्वी०/फ्रार०-III/82-83---यतः मुझे के० सिन्हा,

श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत श्रीष्ठिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावच सम्पत्ति जिसका उवित वाजार मूल्य 25,080/- र• से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 41 है, तथा जो रसा रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुमुची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनोक 13-2-82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिकल से, एसे रूपमान प्रतिकल का मन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयं-अनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, सर्थात्:---

1. श्रीमती देव बाला देवी

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती शामा माया बानार्जी,

(भ्रन्तरिती)

को यद् मूचना जारी करके पृत्रीकत सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भो आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, भो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मैं से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्राओहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शस्दों और पदों का, जो उनक प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस अख्याय में विया गया है।

# **अन्स्ची**

41, रमा रोड, कलकत्ता, 4 के० जमीन पर मकान।

के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-III, कलकसा-16

तारीख: 6-10-1982

मोहर:

# प्ररूप आहें टी एन एस ----

आयत.र अभिनियम., 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीत सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज I, कलकत्ता कलकत्ता-16, दिनांक 6 ग्रमनुबर, 1982

निरेश मं । TR--15/82-83/Sh. -- यन मुझे,

के० भिन्हा.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से ३ धिक है

ग्रौर जिसकी स० प्लाट नं ० ए/2 है, तथा जो 5, कमाक स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय ग्रार० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) ग्रीधीन दिनांक 12-2-1982

को पूर्योयत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल मे, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलित उद्योदेय में उपन अंतरण लिकित में बास्तिक हुए में किया गया है ---

- (क) अतरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में म्विधा के लिए: और/या
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अन अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, एक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिधित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 4—326 GI/82.

- भी राधेश्याम जालान एंड श्रीमनो प्यनादेनी जालान, (मनारक)
- अर्था भगवती प्रसाद, गायन्का एड श्री दीनदयात गोयन्का, बी० पी० गापन्का, एड श्री डी० डी० गोयन्का, (प्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पर्वाहत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यत्राहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तार्राक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हों, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील मो 45 वित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितवद्ध अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखिन मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमी प्रयुक्त शब्दो और पदी का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20 क मी परिभाष्टित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मेरे दिता गया ही।

# अन्स्ची

5 कमाक, स्ट्रीट, प्लाट नं० ए/2, जो 2 20 प्रतिशत सम्पत्ति का हिस्सा है और जो 12-2-82 तारीख में बीच न० 1039 श्रनुसार रजिस्ट्रार श्राफ एस्युरेत्स कलकत्ता के दफ्तर में रजिस्टर हुआ।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक अग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेज], कलकता-16

नारीखा 6-10-82 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  $\pi \hat{\mathbf{y}} \hat{\mathbf{y}} + \hat{\mathbf{y}} \hat{\mathbf{y}} \hat{\mathbf{y}} + \hat{\mathbf{y}} \hat{\mathbf{y}$ 

कलकत्ता-16, दिनांक 6 ध्रमत्वर 1982

निदेश सं० टी०ग्रार० 86/82-83/एस०एल० नं० 656—— श्रतः मुझे के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

शौर जिसकी सब 108 है, तथा जो निऊ पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इसमें उपावड अनुमूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याखय राज स्ट्रार आफ एगोरेन्स में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 1-2-1982

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (६) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिने भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था जिल्पाने में सिपा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन निम्नलिसिन व्यक्तियों. अर्थातः—--

- श्री विष्ण नाथ बच्या एंड प्राइने । (मन्तरक)
   हॅमेन्द्र प्रसाद प्रक्या एंड फ्राउर्स । (प्रन्तरिती)
- 2 (1) राजीब बरुम्रा रोहितोप बरुम्रा एड बन्टि बरुम्रा (वह ब्यक्ति जिसके प्रत्यिभोग में सम्पत्ति है)
  - (2) हेमेन्द्र प्रसाद बक्या। वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रश्रोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसूची

108 न्यू पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में श्रवस्थित, 10 कट्टा 8 छटाक 4 वर्ग फीट जमीन पर दो तल्ला मकान का 1/6 हिस्सा जो 1-2-82 तारीख में डीड नं० 608 के श्रनुमार रजिस्ट्रार श्राफ एष्योरेन्श का दफ्तर मे रजिस्टर हुश्रा।

के० सिन्हा राक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज <sup>1</sup>, कलकत्ता

तारीख: 6-10-92

सांहर:

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-<sup>1</sup>, कलकत्ता कलकत्ता, दिनाक 6 श्रक्तुबर 1982

निदेण स० टी०म्रार० 87/82-83/एस०एल० न० 657/ भ्रर्जन रेज/एक्वी०/म्रार-1/कल०—यत. मुझे, के० सिन्हा

आयकर उधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

थाँर जिसकी स० 108 है, तथा जो तू पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता म स्थित है (ग्रार इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रार जो पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रार० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाक 1-2-1982

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अर्तारत की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंसरक (अंतरकों) और अंतरिती (मतिरातियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-पल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अतरण लिम्निल में यास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है...-

- (क) अंतरण संहर्ष किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या विक्या जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अस अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थीन ---

- न्निप्स नाथ बरुम्रा
  - (1) राजीब बम्ध्रा
  - (2) रोहितोष बरुप्रा
  - (3) मिसेस बन्टि बरुग्रा।

(भ्रन्तरक)

- (1) राजीब बरुग्रा
  - (2) रोहितोष बरुग्रा
  - (3) बन्टि बरुग्रा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

·उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :——

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
   45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति रवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

108, न्यू पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित, 10 कट्ठा, 8 छटाक, 4 वर्ग फिट, जमीन पर दो तल्ला मकान का 1/6 हिस्सा जो डीड नं. 607 अनुसार रिजस्ट्रार आफ एक्योर से का दफ्तर में रिजस्टर हुआ।

के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, कलकत्ता-16

तारीख: 6-10-1982

मोहर:

# प्रकप बाइ. डी. एन. एस.----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-I, रलकना

कलकत्ता-16, दिनाक 6 श्रक्तूबर, 1982

निदेश स०टी०स्रार० 88/82-83/एस०एल० न० 658/ स्रर्जन रेज /एक्वी/स्रार०-ा/कलकत्ता—-यन मुझे, के० सिन्हा,

बायकर अधिरियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी स० 38/5 है, तथा जो महात्मा गाधी रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप में वर्णिस है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ग्रार० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 3-2-1982

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्निलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण निलित में बास्त-विक लप म कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुड़ फिसी बाय की बाबत उक्त बाधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविभा के लिये; और/दा
- (स्) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का ११) या उत्तर अभिनेचम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनिषम, की धारा 269-ग के अनुसरण भा, भी, उनत अधिनिधम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिमत व्यक्तियों अधित् .--- 1 श्रीमती श्रनिमा म्यार्जी

(भ्रन्तरक)

2 श्री बस्मित बॉम

(ग्रन्तरिनी)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वांक्त संपति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया कारता हा।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ----इसमे प्रयुक्त शब्दो और पक्षो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

38/5, महात्मा गाधी रोड, कलकत्ता मे ग्रबस्थित 4 कट्टा 13 छटाक, 3 वर्ग फिट, जमीन पर दो नल्ला मकान, जो डीड न० 676 श्रनुमार रजिस्ट्रार श्राफ एस्युरेन्स का वफ्तर मे रजिस्टर हम्रा ।

के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

नारीख 6-10-82 मोहर प्ररूप आइ टी एन. एस -----

अी मागरिका राय

(भ्रन्तरक)

2 श्री लीला घोष

(ग्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1 कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनाक 7 अक्तूबर 1982

निवंश म० 1139/एक्बी०/ब्रार-111/82-83—यत मुझे, के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु में अधिक है

स्रौर जिसकी म० 32 है नथा जा बालि गज, प्लेस, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इसस उपाबद्ध स्रनुसूची में श्रीर जा पूर्ण रूप रे विणित ह) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी क कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनाक 19-2-1982

को प्रविक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दूरयमान प्रतिफत से, एस दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक है और अन्तर्त (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्नरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण म हाई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (स) एमे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुख्या के लिए,

का यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध म काई भी आक्षप 一

- (क) इस स्थान के राजप्त्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविध या तत्सबधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी किन्त द्वारा,
- (क) इस गुचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी है पास लिखिन मा किए जा सकोगी।

स्पद्धीकरण '---इगम पयक्त शब्दो और पदो का, जा उक्त अधिनियम, क अध्याय 20-क म परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### अनुसुची

32 ब्रालिगज प्लस, कलकता 12 कट्ट जमीन पर मकान (1/12 माग) ।

के० मिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेज-111 कलकता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निग्निलिरिया व्यक्तियो, अर्थान् —-

नारीख 7-10-1982 माहर प्ररूपुआई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, विनांक 7 श्रक्तूबर 1982

निदेश सं० 1140/एक्वी०/ग्रार०-III/82-83—यतः मुझे, के० सिन्हा,

श्रायकर भिष्टितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त स्रिधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि ह्यावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- क० से स्रिष्टिक है

श्रौर जिसकी सं० 32 है, तथा जो बालि गंज, प्लेस, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक 19-2-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास अरने का कारफ है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजीर मूल्य, उस हे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत ग्रांकिक है गौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य में उनत अन्तरण निखित में वास्तिविक हो में हिया गर्दी हिया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रम्थ प्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत भ्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिलाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री सागरिका राय

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुशील रंजन घोष

(श्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वेकिन सम्पत्ति के पर्जन के निए कार्यवाहियां करता है।

उका सम्पत्ति के सर्जन हे सम्बन्ध में कोई भी स्नाक्षेप :---

- (क) इप सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की पामील मे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस प्रता के राजरत में प्रकातत की तारीख मे 45 दिन के भीतर उका स्थातर सम्पत्ति में हिलाबा किसी प्रत्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताकारी के पास खिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण :-- इसमें प्रयुक्त गड़वों भीर पदों का, जो उनत श्रक्षितियम के प्रध्याय 20-त में परिभाषित हैं, बहो पर्य होगा, जो उम श्रम्याय में वियागया हैं:

# गगुस्ची

32, बालिगंज, प्लेस, कलकत्ता 12 कट्टे जमीन पर मकान  $\begin{pmatrix} \frac{1}{12} & \text{भाग प्रेयर} \end{pmatrix}$  ।

के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-<sup>III</sup>, कलकत्ता-16

तारीख: 7-10-1982

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

1. श्री सागरिका राय

(ग्रन्तरक)

🤉 श्री श्रन्जन घोष

(अन्यरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-,111 कलकत्ता

कलकता 16, दिनांक 7 स्रक्तूबर 1982

निदेश सं० 1141/एक्वी० /ग्रार-III/82-83-⊶यतः मुझे, के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृतः 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० 32 है. तथा जो बालि गंज, प्लेस, कलक्षमा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीत दिनांक 19-2-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उवत अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों क्रमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्राहिए था, छिपारे में सिवधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भ्याना 260-म के अनगरण कों, को, रक्त भीगितिक सी भाग 260-म की उपधार (।) के अधीन निक्तीलिंगत व्यक्तियों, अधीत ---- को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपक्ष में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रूपध्टोकरण: --इसमे पय्कत शब्दों और पदों का, जो जकत अभिनियम के अभ्याय 2०-क मे परिराणित ह्रैं, बही अर्थ होगा जो जरू अध्याय में दिया गया है।

# अन्स्ची

32, बालिगंज, ष्लेस, कलकत्ता 12 कट्टे जमीन पर सकान  $\left(rac{1}{12} \mbox{ भाग णेयर}
ight)$ 

के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-III, कलकना

तारीख: 7-10-1982

मोहर :

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

प्रायक्तर **धांवित्यम, 1961 (1961** का 43) की धारा 269-थं (1) के बावो न सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, विमांक 7 श्रमतुबर 1982

निदेश सं० 1142/एक्बी०/प्रार-III/82-83---प्रतः मुझे; के० सिन्हा

स्रायकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मृहय 25,000/- क्यों से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 32 है, तथा जो बाली गंज, प्लेस कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता मे रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 19-2-82

को पूर्वीक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्नरिन की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण विखित में यास्तविक रूप स कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से.हुई किमी आम की बाबन उक्त मधि-नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायिख में कमी करने या उसमें बचने में सूर्विधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या खण्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठिनियम, या ध्रमकर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ अक्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निक्निसियत व्यक्तियों, सृथीत् हैं----

1. सागरिका राव

(श्रन्सरक)

2. रंजन घोष

(भ्रन्मरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वीकत सम्मिरित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उनत सम्पत्ति के अर्थन में सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ६--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी को 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उमत स्थावर सम्मति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टी तरगः चन्द्रसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के प्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता, जो उस प्रध्यान में दिया गया है।

# **मन्त्र**ी

32, वालिगंज, प्लेस, कलकसा । 12 कठेजमीम पर मकाम (1/12 शेयर) ।

> कें० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज १४१४, कक्षमा

**तारीख: 7-10-82** 

मोहर:

प्ररूप आई. टी एल. एस. ......

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज III. कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 7 ग्रक्तूबर 1982

निदेश सं० 1143/एक्बी०/ग्रार-III/82-83—यतः मुझे, के० सिन्हा

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उणित बाबार मूल्य 25,000/- रह. से बिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 32 है तथा जो बालि गंज, प्लेस, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 19-9-1982

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के करममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके कश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्निवक रूप से किथत नष्टी किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दादित्य में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने के स्विधा के लिए;

मतः जवा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् १── 5—326 GI/82

ा स्नला सेन

(भ्रन्तरक)

2. सुशील रंजन घोष ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजएत में प्रकाबन की तारीख से 45 दिन की जनिए या तत्सन्तर्भी व्यक्तियों कर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी जनिए पूर्वों कर व्यक्तियों में बभाष्य होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में बे किसी व्यक्ति प्रवित्त प्रवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त जीवीनयमं, के बच्चाय 20 क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होना जो उस अध्याय में दिसा गमा है।

#### जन्स्ची

32, ब्रालि गंज, प्लेस, कलकत्ता । 12 कणे जमीन पर मकान । (1/12 शेयर) ।

के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीव: 7-10-1982

मोहर्ः

प्ररूप आई टी एन. एस -----

'ब्रायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भंधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-∏I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 ग्रनतूबर 1982

निदेश सं० 1144/ एक्यू०-म्रार-III/82-83—-म्रतः भुमे के० सिन्हा,

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 23,000/- इपये से प्रधिक है

श्रौर जिसकी स० 32 है तथा जो बालिगज, प्लेस, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनाक 19-2-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करेंने का कार्ण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से, के दूश्यमान प्रतिफल से, के दूश्यमान प्रतिफल से, के दूश्यमान प्रतिफल से, के दूश्यमान प्रतिफल के पौर अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्शय मे उसन अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप मे कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुई किसी ग्राय की बायत खबत प्रवि नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए । और/या
- (ख) एसी किसी प्राय या किसी धन या अस्य ग्रास्तियों या प्रकर प्रतिनियम, 1923 (1922 का 11) या उनत श्रीधित्यम, का धन-कर श्रीधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्राः अबः जनत श्रोबनियम की बारा 269-गक धनुसरण में, में, उनत प्रविनियम की धारा 268-गकी उनकारा (1) के सुधीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— 1. स्नला सेन।

(अन्तरक)

2 श्री रजन घोष

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना तारो हरके पूर्वीका सम्पन्ति के श्रर्जन के निर्धायैनोहिया करता है।

उका समति हे प्रवेत हे सम्बन्ध में कोई भी आकीर :--

- (क) इस सूत्रता के राजान्न में प्रकाशन का नारीख से 45 दिन की प्रतिधिया नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना का नामीत से 3) दिन को अविधि , जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होनो हो, के भोतर पूर्वीका ज्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा ;
- (क) इस सुबना ह राजांत्र में त्रागा को ग्रेटील पे 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्मान में हितबद्ध किसी प्रत्य काक्ति द्वार, ग्राइयाक्षणे के पात निश्चित में किए जा सकेंगे।

पण्डोकरम: च-इसमें प्रयुक्त मण्डों श्रीर पद्यों हा, जा उक्त श्रविक नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रवें होगा, जो उन अध्याय में दिस गया है।

# मन्सूची

32 बालिगज, प्लेस, कलकत्ता । 12 कणे जमीन पर मकान (1/12 वॉ णेयर)।

्रैके० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेज-III, कलकत्ता

तारी**ख:** 7-10-1982

मोहर:

# प्रकल आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता 16, दिनांक्र 7 प्रक्तूबर 1982

निदेश सं० 1145/एक्बी०/म्रार-III/82-83---यतः मुझै, के० सिन्हा,

प्रायकर प्रश्नितियम, 1961 (1961 का 43) (जिने दसमें इसके पश्चान् 'उक्त प्रश्नितियम' कहा गया है), की धान 269-क के श्रश्नीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास यरने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 32 है, तथा जो वालिगंज प्लेस, कलकत्ता स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनाक 19-2-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ठे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का श्रेद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण निस्ति में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अरिस्तयों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत है—

स्नला सेन

(अन्तरक)

2. श्री भ्रंजन घोष

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खूसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राग ।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितककृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्स्ची

32, वालिगंज, प्लेस, कलकत्ता । 12 कट्टे जमीन पर मकान ( 1/12 शेयर ) ।  $\psi$ 

के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहाय क श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज III, कलकत्ता-16

तारीख: 7-10-82

भोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

णायकर जीभीनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक नायकर नाव्कत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता 16, दिनांक 7 ग्रक्तुबर 1982

निदेश सं० 1146/एक्वी०/ग्रार- $\widetilde{III}/82-83$ —यतः मुझे, के० सिन्हा,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 32 है, तथा जो बालिगंज, प्लेस, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19-2-1982

को पूर्वोक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह निष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निनिचित उद्दोक्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त जिले-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के विविद्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (का) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मुर्णीत् ः— 1. स्नला सेन

(म्रन्तरक)

2. लीला घोष

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उन्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टोकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

#### जनसर्वी

32, बालिगंज, प्लेस, कलकत्ता 12 कट्टे जमीन पर मकान ( (1/12 शेयर) ।

के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 7-10-1982

मोहर:

प्ररूप. आर्घ. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 7 श्रक्तूबर 1982

के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० 32 है, तथा जो वालिगंज, प्लेम, कलकत्ता मे स्थित है (ग्रीर इसमे उपावद्ध ग्रनसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 19-2-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एवसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बौर मुक्ते यह विष्नास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धनुया अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्स अधिनियम वही भारा 269 म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिसिस व्यक्तियाँ, अर्थातः :--

1. श्री रंजन सेम

(अन्तरक)

2. श्री भूशील रंजन घोष

(अन्तरिती)

को यह सूच्ना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अपिक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वजारा;
- (स) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अभ्याय में, दिया गया है।

32, वालिगंज प्लेस, कलकत्ता 12 कट्टे जमीन पर मकान (1/12 शेयर) ।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख 7-10-1982 मोहार:

प्रस्प भार्ड, टी. एन. एस.

1. श्री रंजन सेन

(अन्तरक)

2. श्री श्रंजन घोष

(अंतरिती)

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रेज-सा, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 ग्रक्तूबर 1982

निदेश सं० 1148/एक्वी 0/भार-III/82:83—यतः मुझे, के० सिन्हा,

आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ल्सा से अधिक है

श्रीर जिल्लकी स० 32 है, तथा, जो वालिगंज, प्लेस, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19-2-1982

को पूर्वा क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिय के के अध्याय 20-क में परिभाषित् हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनस्ची

32 ,वालिगंज, प्लेस, कलकत्ता, 12 कणे जमीन पर मकान, (1/12) मेथर)।

के० सिन्<mark>हा</mark> सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकक्ता

अतः अब उक्त अधिनियम की भारः 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्मलिसित स्थितयों, अर्थातु:——

तारीचा: 7-10-1982

मोहर ः

प्ररूप आहूरे. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-III कलकत्ता

कलकसा, दिनांक 7 प्रक्तूबर, 1982

निदेश सं० 1149/एक्बी०/ग्रार०-III/82-83---ग्रतः मुझे. के० सिन्हा

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी की, गह विक्नास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 32 है, तथा जो वालिगंज, प्लेस, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19-2-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, ज़सके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अस्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित मे वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जरि/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मित्रिया के निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्री रंजंन सेन

(अन्तरक)

2. लीला घोष

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाकत सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशने की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जन्स्ची

32, वालिगंज, प्लेस, कलकत्ता 12 कणे जमीन पर मकान  $\left(1/12 \ \mathrm{शेय}^{\gamma}\right)$  ।

के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ा<sup>II</sup>, कलकत्ता 16

ता**रीखः** 7-10-1982

प्रस्य **नाइ**. टी. एन. एस: ------

1. श्री रंजन भेन

(भ्रन्तरक)

आय**कर अधिनियम्**, 1961 (1961 का 43) कीं

: काधानयम्, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-घ (1) के वृधीन् सूचना 2. श्री रंजन घोष

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-IIIकलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 7 प्रक्तुबर, 1982

निदेश सं 1150/एकवी । प्रार-III/82-83 के लिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-स के अधीन स्थाम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर स्थापित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 32 है, तथा जो वालिगंज, प्लेस, कलकत्ता स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में जो पूर्णरूप में विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 19-2-1982

को प्रोंक्त सम्मत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल किम्निलित उद्योध्य से उक्त अंतरण निचित में वास्तीवक रूप से किमत नहीं किया ग्या है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आयु की बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंत्रक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य असिसवों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

कतः जब्, उमत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसारण मों, मौं, उनत अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के जुनीन, निम्नितिचित्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति, के वर्जन के लिह कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पात लिखिल में किये जा सकेंगे

स्यक्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### अनुसुची

32, वालिगंज प्लेस, कलकता 12 कट्टा जमीन पर हैमकान (1/12 वो शेयर) ।

> के० सिन्हा स**क्ष**म प्राधिकारी स**हायक श्रायकर** श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीच: 7-10-1982

मोहरः

प्ररूप आई. डी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

अस्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-III, कलकसा

कलकत्ता-16, दिनांक 7 ग्रक्तूबर 1982

निदेश सं० 1137/एक्बी०/श्रार-III/82-83---श्रतः मुझे, के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 422 है, तथा जो प्रिन्स श्रानार सा रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 26-2-1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उष्यत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गृह है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए'से दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बैंग्व ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत जक्त आँभीनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया एया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनियत व्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्री रामा राय

(भ्रन्तरक)

 अनिन्द कोम्रापरेटिय हार्जीसग सोसाइटी (भ्रन्तरिती)

या वह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक् में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यव्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुस्ची

422, प्रिन्स ग्रानार सा रोड, कलकत्ता।

के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज III, कलकत्ता-16

तारीख: 7-10-1982

मोहर 🤨

प्रकृप प्रार्द्ध टी । एन० एस०---

# ब्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के ब्रधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, सद्यक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज,-III कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 7 श्रक्तुबर 1982

निदेश सं० 1138/एभवी०/ग्रार-III/82-83—ग्रतः मुझे, के० सिन्हा,

पायकर प्रार्धानग्रम, 1981 (1981का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधान सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम इसने का कारण है कि स्थावर पम्पति, जिनका एकित बाकार मल्य 25,000/- रु० से श्राधिक है

प्रौर जिसकी मं० 422 है, तथा जो प्रिन्म प्रानार सा रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यानय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 26-2-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रवयमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधिक का पन्द्र इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिगत अधिक है और अध्यादक (प्रत्यक्ती) भीर प्रतिश्ति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्त के लिए तथ पाया पत्रा प्रतिफल, निम्निविधित उन्नेत से उन्नेत अन्तरण विक्ति है अपन्ति का से कथित गी दिया नया है कर

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम्, या धनकर अधिनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरितो तथा अस्त नहीं जिया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने वें सिक्या जीनाः

अतः अव, उन्त अधिनयम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम को भारा ३०९-म की उपनारा (1) के अधीन, निस्निकिसित व्यक्तियों, अर्थान:--- 1. श्री रिवराय

(अन्तरक)

2. श्रानन्द कोश्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विकत सम्पति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां शुरू करता हुं।

उवल सम्पति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आयोप:---

- (भ) इस मुक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध; की भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीचन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर जनत स्थायर सम्पत्ति में हित-वड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वधोद्वस्ताक्षरी के गाम निक्षित में किए जा सकरेंगे।

स्ववदीकरण .--इसमें प्रयुक्त झन्दों प्रीर पदों हा, **जो सक्त** श्रीकितयम, के प्रध्याय 20-क में परिकासित हैं, बही अर्थ होगा जो उम प्रध्याय में दिया क्या है।

### मनुसूची

422, प्रिन्स श्रानार सा रोड, कलकत्ता 2 कट्ठा 11 छ० 43 वर्ग फिट जमीन पर मकान ।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- ,कलकत्ता-16

नारीखा: 7-10-1982

प्रस्प आर्ड. टी. एन. एस.----

आषका ज्यापियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूच्ना 1. श्रीमती शान्ति घोष

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती रेनु बोस

(श्रन्तरिती)

### शाहत बहुन्मह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 7 श्रक्तूबर 1982

निदेश सं० 1135/एक्बी०/ग्रार-III/82-83---ग्रतः मुझे, कें सिन्हा,

मायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विकास करने का कारण है कि स्थावर संवित्त जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-छ. से अधिक है

ग्रौर जिसकी 'सं० 15-जे है, तथा जो बिहारी डाक्टर रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 23-2-1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम बाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी कडने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अण्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के हिन्ए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यन बाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बक्ध किसी जन्य व्यक्ति ह्वारा अथहिस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्यव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, भा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

#### अनुसूची

15-जो, विहारी डाक्टर रोड, कलकत्ता, 5 कट्टा जमीन पर मकान (1/2 शेयर)।

के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज III, कलकत्ता-I 6

अति: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की, अनुसरण् भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

तारीख: 7-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकता-16, दिनांक 7 श्रक्तूबर 1982

निदेश सं० 1136/एक्बी०/ग्रार-III/82-83—श्रतः मुझे के० सिन्हा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 15-जे है, तथा जो विहारी डाक्टर रोड, कलकत्ता म स्थित है (ग्रीर इसले उपावद्व श्रन्सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 23-2-1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तर्णुसे हुई किसी आय की बाबत्, उक्त श्रिष्ठिनियम के ध्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एरे गिकिसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को जिन्हों भारतीय आय्-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त् अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, मीँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सुधीन, निम्निलिखित स्यक्तियों, अर्थात:—— 1. श्रीमती शान्ती घोष

(भ्रन्सरक)

2. श्री राजीव बोस

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किए व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में दिनबद्धप् किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिथम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्त्रची

15-जे, विहारी डाक्टर रोड, कलकत्ता 5 कट्टा जमीन पर मकान (1/2 शेयर) ।

के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज III, कलकत्ता-16

तारीख: 7-10-1982

मोहरः

प्ररूप बाई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज II, ग्रहमवाबाद

महमदाबाद, दिनांक 20 भगस्त 1982

निदेश सं०पी० भार० नं० 1789/II/एक्बी०/23/82-83-अतः मुझे, श्रार० शार० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं नयी सी एस नं 51, सी एस 3116, चोरस मीटर्स 438 + 456 (पी) नवजीवन सोसायटी विलीमोरा में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध भ्रनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता भिष्कारी के कार्याक्षय गान देवी में रजिस्ट्रीकरण भिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन विनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त स्म्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किती जाम की बाबत, उक्त, अभिनियम के अभीज कर देने के जुलारक के वायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के सिए; जॉर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य असितयों को जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपानी में स्विभा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की भारा 269-प की उपभारा (1) के जभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ६——  (1) श्री प्रभाकर नारायण, कुल मुक्तयार:श्री मफतलाल छोटालाल बहादस नवजीवन सोसायटी, बिलीमोरा।

(अन्तरक)

- सूर्यकान्त रतीलाल कन्सारा फैमली ट्रस्ट—ट्रस्टी,
  - (1) सूर्यकान्त रतीलाल कनसारा ।
  - (2) सरोजबेन, सूर्यकान्त कनसारा। जवाहर रोड, बिल्लीमोरा।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू,

उक्त सम्मित्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) ६स स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्सूची

मिलकत जो नवजीवन सोसायटी एस० नं० 438+456, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

न्नार० मार० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज <sup>1</sup>1, महमदाबाद

तारी**वः** 20-8-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-11 प्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 20 श्रगस्त 1982

निदेश सं० पी० प्रार० नं० 1790/एक्वी०/23—II/82-83— म्रतः मुक्के, श्रार० श्रार० शाह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी स० 209, 212, 231, 214, 210, 1,2,3, 4, 211/232/1, 232/2 है। तथा जो गांव धमदाचीम त० वलसाङ में स्थित हैं (ग्रौर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, वलसाङ में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक

को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योद्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किंधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब् उक्त अधिनियम की धार 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धार 269-ध की उपधारा (1) के बुधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) (1) श्री हारी भाई भीम भाई नायिक
  - (2) राजेन्द्र हरीभाई देशाई
  - (3) प्रकाश हरी भाई नायिक । 22-ए०, श्रारुणेदय सोमायटी श्रनकापूर, बेरोडा---5

(भ्रन्तरक)

- (2) (1) श्री हसमुखलाल मगनलाल झवेरी
  - (2) कमलानाथन हसमुखालाल झवेरी ।
  - (3) कालहानस हसमुखलाल झवेरी हीरेन्द्रा हसमुखलाल झवेरी । नेशनल फैरो श्रक्षोयीस इन्डस्ट्रीज का भागीदारी 16, सिटी रोड, बानड सटानड , चौपाटी बाम्बे—6

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवृधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दो और पर्दो का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची "

मिलकत जो गांव धामदाचीम एस० नं० 209, 212, 213, 214, 210/1, 2, 3, 4, 211, 232/1, 232/2 फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

श्रार० ग्रार० गाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II; ग्रहमदाबाद

दिनांक : 20-8-1982

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 20 श्रगस्त 1982

निदेश सं० पी० प्रार० नं० 1791/एक्वी०/23-II/82-83---श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० 22, भोलाव है तथा जो भोलाव में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय, बोच में रजिस्ट्रीकरण धिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के धिधीन दिनांक फरवरी, 1982 को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमां

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब् उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलीसत व्यक्तिस्यों, अर्थात्:—— (1) श्री ईश्वर भाई जेंसीग भाई पटेल जमनाबेन करझान भाई पटेल झडेगवर त० बरुच ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रवदुध नगर को०-श्रो० हाउसिंग सोमाइटी लिमिटेड का प्रमोदर श्री हेमन्स कुमार प्रबोदचन्द्रा शुक्ला , बोच ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मध्योकरण: — इसमे प्रयूक्त शबदौ और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### जन्सूची

मिलकत जो एम०-तं० 22, भौलाव, फरबरी 1982 में रजिस्ट्री की गयी हैं।

> श्रार० श्रार० शाह् सक्षम प्राधिकारी महायँक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , श्रहमदाबाद

दिनांक : 20-8-1982

प्ररूपं नाई. टी. एन्. एस. ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत संरुकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण)

भर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 20 ग्रगस्त 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1792/एक्नी०/23/II/82-83—-धतः मुझे, श्रार० ग्रार० ग्राह,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से विधिक है

श्रौर सिजकी सं० 121, 122,, खवाजी है तथा जो चवाजी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रोच में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वा कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,, निम्निसित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री धुरा भाई हीरा भाई पटेल सावाज , त० बोस ।

(म्रन्तरक)

- (2) (1) चन्दु भाई मोती भाई पटेल
  - (2) गोविन्द भाई मुणीलाल पटेल
  - (3) जेसींग भाई मोती भाई पटेल राजेन्द्रा भाई शान्ती भाई पटेल देखल, त० कोच ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारींस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्सूची

मिलकत जो चवाज, एस० नं० 121, 122, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> ग्रार० ग्रार० णाह सक्षम प्राधिकारी स**हायक** श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 20-8-1982

मोह्नर:

प्रस्प बाइ .टी. एन्. एस . ------------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज~II, महमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 20 ग्रगस्त 1982

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 1793/एक्बी०/23-II/82-83---श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 2.69-च के श्रघीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ एत. से अभिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 14(नं० 11पी०) है। तथा जो चावाण, प्लाट, में 37 में स्थित है ) भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, क्रोध में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक फरवरी, 1982

को प्राक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके एरयमान प्रतिफल से एसे एरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंगरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सेहुई किसीवाय कीवाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बर्रि/या
- (क्ष) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के जिए;

अतः अद उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्रे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

7-326 GI/82

(1) श्री रामन भाई वेसाई भाई पटेल मोती भाई देसाई भाई पटेल बीनल भाई देसाई भाई पटेल कुल मुख्तयार मोती भाई देसाई भाई गांव चावाज ता० स्रोच ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती देवीबाबेन ग्रनिल कुमार शाहः ग्रनिल कुमार मनसुखलाल शाहा। 796-मुलसण नं 1, जुहलेन श्रन्धेरी, बम्बई—58।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परितृ के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भीं अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकों गे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगाओं उस अध्याय में दिया गुमा 🗗 📳

#### जन्**स्**ची

मिलकत जो चावाण एस० नं० 114 (पी०) प्लाट 37 फरधरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> धार० ग्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, II, श्रहमदाबाद

दिनांक : 20-8-1982

प्रकृप वार्ड. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II, महमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 अगस्त 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1794/एक्की०-23/II/82-83 - ग्रतः मुझे, ग्रार० ग्रार० ग्राहं, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का क्षारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/॰ व० से अधिक है

भौर जिसकी सं० न० 114(पी०) प्लाट-38 चावाज है। तथा जो बोच में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ओच में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दूश्यमान प्रि फल के लिए प्रन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिगत श्रिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) घौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की वावत उक्त अधिनियम के मधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अप्तः प्रव, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण पें, में, इस अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निकासित व्यक्तियों, वर्षात्:— (घन्तरक)

(2) श्री भारत केंगवलाल चोकंधी नीतीन केंगवलाल चोकंधी झवेरीवाद, 2706, रिलीफ रोड ग्रहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवित, भी भी व्यक्ति बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
  - (ब) इस सूबना के राजपन में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्योद्ध्शाबारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त ग्रीक्षित्यम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रय होगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

# वंनुंस्ची

मिलकत जो चाबाज एस० नं० 114 (पी) प्लाट नं० 38 फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> भार० म्रार० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ,।युक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–II, ग्रहमदाबाद

दिनांक . 20−8−1982 मोहर प्रकृष् आर्ष्. टी. एन् . एस्. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मृ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, विनांक 20 ग्रगस्त 1982

निदेश सं० पी० झार० नं० 1795 $\sqrt{v=10}$ 0/23 $\sqrt{11}/82$ 0/83-अतः मुझे, आर० भार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं 114 (पी ) प्लाट नं 25 है तथा जो नावाज में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, बोच में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन; दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजिल बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नृष्टी किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुबुने में सुविधा के लिए; और√या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, प्रिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का, 14) या उद्धतः अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बृतः बहु उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुनिविद्य व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री रामन भाई देशाई भाई पटेल मोती भाई देशाई भाई पटेल । बीनल भाई देशाई भाई पटेल । चावाज- त० क्रोच ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जयोतीका प्रकोकुमार बोरा इन्विरा भ्रशोक कुमार बोरा 3--नम्बर--को स्ट्रीट । कलकत्ता---700012।

(मन्तरिती)

को यह सूधना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यिक्त्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के प्रस कियों जा सकेंगे।

### अनुसूची

मिलकत जो ए०स० नं० 114(पी०) प्लाट नं० -25 चावाज, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> ्रियार० ग्रांच० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रंजन रेंज-II, ग्रहमवाबाद।

दिनांक : 20-8-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेज II, शहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 20 श्रगस्त 1982

निदेश सं०पी० श्रार० नं० 1796/एक्वी०/23/II/82-83--मतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० 114 (पी०) प्लाट — 48, है तथा जो चावाज में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कोच में रजिस्ट्रीक रण श्रिधिनयम, 1908(1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, एछपाने में सूविधा के लिए।

बतः नव्, उक्त् अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में उक्त् अधिनियम की धारा 269-ण की उपधार (1) के अधीन निम्नसिवित व्यक्तियों, मुर्धातुः— (1) श्री रामन भाई देशाई भाई पटेल मोती भाई देशाई भाई पटेल । वीतल भाई देशाई भाई पटेल । चावाज , त० श्रीच ।

(ग्रन्तरक)

(2) चन्द्रा प्रभा हराक चन्द परेख भावेन्द्रा हाराकचन्द परेख । 175, प्रिसेस स्ट्रीट । बाम्बे—4

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्व्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में पुरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मुया है।

### नगुसुची

मिलकत जो एस० नं० 114 (पी०), प्लाट—48 जावाज, फरवरी, 1982 में रिजस्ट्री की गयी है (

म्रार० मार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज –II, श्रहमदाबाद

विनांक : 20-8-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नाथकर नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नुभीन सृच्ना

भारत सुरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 20 म्रगस्त 1982

निदेश सं० पी० भार० नं० 1797/एक्वी०-23/II/82-83—श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-अ के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से बधिक है

भौर जिसकी सं० 114 (पी०) प्लाट नं० 144 है तथा जो चावाण में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बोच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से, एसे रूथमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीतीयत स्थानसर्वी, वर्षास् हम्म (1) श्री रामन भाई वेसाई भाई पटेल मोती भाई वेसाई भाई पटेल विट्ठल भाई वेसाई भाई पटेल चावाज , त० क्रोच ।

(घन्तरक)

(2) श्री रचुवीर सी० सहगल श्रीमती पूनम वी० भाटिया द्वारा जे मार० सिल्क इण्डस्ट्रीज/62/64, वी० वी० चन्दन स्ट्रीट, दूसरी मंजिल, नवीन सदन, मसजिद । सांस्वे---3

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संपृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यम् में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का., जो उथत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### मन्त्र्यी

मिलकत जो एस० नं० 114(पी०) प्लाट 44, चवाज फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी हैं।

> भार० भार० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, भ्रष्टमदाबाद

विनांक: 20-8-1982

मोहर ः

प्रकृष्णु आह्रा. टी. एन, एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षिम)

मर्जनः, रेंज-II, महमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 20 श्रगस्त<sub>-</sub>1982

आयकर, अधिनियस, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर-सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी संव नंव 128, 66 है। तथा जो छपारा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरज़री, 1982 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मृझ यह बिश्नास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके खरमान प्रतिफल से, एसे खरमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकां) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सृविधा के लिए; और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957-(1957- का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के, शिए

बत:, अब, उक्त बिमियम, की भारा 269-ग-के अनुसदकः, में, मैं, उक्त बिभियम की भारा 269-म की उपभारा (1), के अभीन, निम्निसिंग्रिक व्यक्तियों, अभीत्:—

(1) श्रीमती सम्बाबेन भाणा माई रामजी भाई उफ छना भाई जुना वानदारी, महोलो । नक्सारी ।

(मन्तरक)

(2) श्री मेनका भाई सोमा माई तान्डेल भोजल — माछी वार्ड । त० — नवसारी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह-सूचना जारी करके पूर्वों कत् संप्रतित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन, के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्न बढ़ भ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया नमा ही।

### भगुसूची :

मिरानतः जो- एस० नं० 128, चाम्राः, भारतारी, 1982 में रजिस्द्री की गयी हैं।

> धार० धार० शाह सक्षम प्राधिकारी सक्षायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज—II, ग्रहमद्याबाद

दिनांक : 20-8-1982

## 'प्रकृष' बाद<sup>2</sup>, टी<sub>ं</sub> युन्, एस्<u>,</u>------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-II, प्रहमदाबाद

**घ्रहमदाबाय, विनांक 20 ध्रगस्त 1982** 

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 1799/एक्वी०/23/॥/82-83---श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कक्ष गया है), की धारा 269-कं के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० नं० 130/1 है। तथा जो छापरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्सियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा चै लिए?

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिट व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्री डाहया भाई रणछोड़ जी पटेल मेहता वार्ड स्ट्रीट । गडकारी मार्ग । नवसारी ।

(प्रन्तरक)

- (2) (1) श्री सुखा भाई प्रेमा भाई प्रहीर । थोगी ऋषा सोसाइटी भाटार रोड, सूरत ।
  - (2) श्री रोहितकुमार छगनलाल पटेल । 1-नवयुग सोसायटी नंबसारी :

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी न्यिवतयों पर स्चना की तामिल से-30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बंद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्कोंगे।

स्पव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा थो उस अध्याय में विका गया है।

#### जनसूची

मिलकत जो एस० नं॰ 130/1, छापरा, फरवरी, 1982 में रजिस्टी की गयी है ।

म्रार**ः मारः गाह** सक्षम प्रा**धिकारी** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।।, ग्रहमदाबाघ

दिनांक : 20-8-1982

प्रकृप कार्इ.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

ब्रहमदाबाद, दिनांक 20 ब्रगस्त, 1982

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 1800/एक्बी०-23/।।/82-83 --- स्रतः मुझे, श्रार० शार० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 74-1 है। तथा जो सारंगपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायब ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रंलेकम्बर में रजिस्ट्रीकर्रण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उतके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि कि मिलिक उद्देश्य में उक्त अनारण लिखित में बास्तिबक कर किम्मिलिक उद्देश्य में उक्त अनारण लिखित में बास्तिबक

- (क) जन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अद्यं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) में अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, स्थीत्:——

- (1) श्री फातमा ईसमेयिल मोहम्मद सारीगट । साबीर ईसमेथिल सारीगट, दाधल, त० ग्रंकलेश्वर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पादमा एन्टरप्राइसेज प्रोपराइटर एस० एन० त्रिवेदी । 15, ग्रादर्श सोसाइटी; ग्रंकलेश्वर ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्वन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृव्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षाराः
- (ख) इस सूचन के राजपन में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भी तर उक्त स्थावर सम्पति में हित्वद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्नीहरूताक्षरों के पास लिखा में किए जा सकेंगे।

स्मण्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20 क में प्रिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्या है।

### नन्स्ची

मिलकत जो सारंगपुर एस० नं० 74-1, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> म्रार० म्रार माह सक्षम प्राधिकारी स**हायक म्रा**यकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-II, म्रहमहाबाद

दिनांक : 20-8-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

> भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त निरीक्षण

> > भ्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमधाबाद, दिनांक 20 श्रगस्त 1982

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 1801/ण्डवीं०-23-।।/82-83--श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

स्रौर जिसकी स० नं० सी॰ एस० न० 3559, 3564-3568 है तथा जो पी॰ एस० एफ० पी॰ 77 (पी॰) प्लाट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबत अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय श्रंकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी 1982

को पूर्वोंक्त संपित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उपयो असने मा सृतिभा के लिये: गया है।
- (ब) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हा भारतीय आयवार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना साहिए था, छिणाने में स्तिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त याक्तियों, अर्थात्:—— 8—326G1/82 (1) नाविरणाह फकीरणाह ग्रंकलेश्वररीथा, पासीवार्ड श्रंकलैश्वर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सोराब जी नादिरणाह ग्रंकलेणवरिया पारसीवार्ड । ग्रनकलेण्यर ।

(श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः —- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पन्नी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### धनुसूची

मिलकत जो श्रंकलेण्यर सी० एम० नं० 3559, 3564, 3568, एफ० पी० 77, प्लाट 14-ए, 14-बी०, 16, 17, 19 फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

न्नार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

धिनांक : 20-8-1982

प्ररूप आर्ड्, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाध, दिनांक 20 श्रगस्त 1982

निदेश सं० पी० भ्रार. न० 1802/vस्वी०-23/II 82-83-4भतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 3559, 3564-3568 टी० पी० एस है। तथा जो एफ० पी० 77 (पी०) प्लाट, ग्रंकलेश्वर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रंकलेश्वर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृरममान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अध्यक हैं और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अंतरण लिखित में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे इचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :---

(1) श्री नादिरणाह फकीरणाह ग्रंकलेण्यररीला पारसीवार्ड । ग्रंकलेण्यर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बेहनास जाल खाजोतिया पारसीयार्ड श्रंकलेश्बर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रम्भ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्मेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मिलकत जो मीं० एम० नं० 3559, 3564-3568 (पी०) टी० पी० ए म० एफ० पी० 77 प्लाट-13 श्रंकलेश्वर फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> श्रार०श्रार०शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅज-II, श्रष्ठमदाबाद

**दिनांक**: 20-8-1982

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर **अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** की धारा **269-भ (1) के अधीर मुब**ना

भारत सरकार

भायालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)  $% \left( \frac{1}{2} + \frac{1}{$ 

श्रहमदाबाद, दिनाक 20 श्रगस्त 1982

न्नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिमका उचित बाजार मूख्य 25,000/-४० से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० सी० एस० न० 3559, 3564-3568 है तथा जो डी० पी० एस० एफ० पी० 77 (पी०) प्लाट अकलेण्वर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, श्रकलेश्वर में रजिस्ट्रीकर्रा श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है पौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजान मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से स्थिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकिन सदेश्यों में उचित भन्तरण लिखिन में वाक्तविक स्वपंसे कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अस्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में सभी करने या उसम बचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या कियी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर घिष्टित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वर्ष या किया जाना चाहिए वा, छिपाने से सविधा के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अन्सरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) श्री नादिरणाह फकीरणाह ग्रकलेश्वरीया पारसीवार्ड । ग्रकलेण्वर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जासमीन सोराबजी
ग्रकलेश्वरीया
जासमीन सोराबजी श्रकलेश्वरीया, श्राणीस श्रौर
दिनेण का रक्षाकर्त्ता, पारसीवार्ड
श्रकलेश्वर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजैन के लिए कार्यवाहिया करता ह।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजंत के सम्बन्ध में कोई भावीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी की 4.5 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विम की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजात्त्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उ≢न स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी अन्य व्यक्ति इता, अधोहरुनाअरी के गास लिखित में किये जा सकींसे ।

म्बरक्ष हरगाः चच्चसमें प्रयुक्त ग्रन्थों और वशें का, भी उपन अधि-नियम के अख्याय 20-क में परिमाणित हैं, वहीं पर्यं दीया नी उप श्रद्ध्याय में दिशा गया है।

#### अनुसूची

मिलकत जो सी० एस० न० 3559, 3564-3568, एक० पी०-77, प्लाटस 18, 25, 24, 27, 28 21 22, 26, 20 श्रौर 23 फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> स्रार० भ्रार० भाहे सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज–II, श्रहमदाबाद

दिनाक . 20-8-1982 मोहर .

## प्रकर नाइं. टी. एन. एस.-----

आयकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-I!, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 21 श्रगस्त 1982

निदेश सं० पी० श्रार० न० 1804/एक्वी-23/II/82-83--श्रत. मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी म० एस० न० 313 है। तथा जो वापी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वपी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतिवृक्ष रूण से कथिस नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कर्ने या उससे वचने में सृविधा के लिये; और/या
- (क) एंसी किसी अाम या किसी भन या अन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए और/या

नतः नव, उनत निमियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत निमियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के नभीन निम्मसिविद व्यक्तियों, मुर्भात :—

- 1 (1) श्री चन्दान बेन हीराचन्द शाह
  - (2) दिनेश हीराचन्द शाह
  - (3) कमलेश हीराचन्द शाह
  - (4) ईलेशकुमार हीराचन्द शाह पानदोर, ता० पारडी जिला—बलसाड ।

(भ्रन्तरक)

- (1) श्री किरीन कुमार, कृष्णलाल दामानीम्रा।
- (2) पाड्मन कृष्णलाल दामानीला ।
- (3) श्रमुतलाल शान्तीलाल कान्त्री
- (4) अरिवन्द शान्तीलाल खत्नी चौहान । न० 1 श्रौर 2, ननी डामण । न० 3 श्रौर 421—बी, स्रोमणयाम सारजित । मथुरदास रोड, कागडीवाली पश्चिम, बाबे । (अन्तरिती)

( ... ...**,** 

क्ये यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जा भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क्ष) इ.स. सूचना के राजपा में प्रकाश ा। दानी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्तित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण '--क्समो प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मिलकत जो एस० नं० 313, वर्षी, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> श्रार० स्रार० शा**ह** सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–II, श्रहमदाबाद

दिनांक 21-8-1982

### प्ररूप मार्ड. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 21 श्रगस्त 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1805/  $\sqrt{p}$  क्वी० $-23/\Pi/82-83$ —श्रत: मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्पति, जिसका उचित बाजार स्त्य 25,000/रा. सं अधिक है

स्रौर जिसकी सं० नं० 313 (पी०) है। तथा जो विभी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णक्ष्प से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पारडी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक फरवरी,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिश्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आयत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचूने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) (1) श्री शाह हीराचन्द देवचन्द।
  - (2) सूर्यकान्त हारीलाल ।
  - (3) शान्तीलाल देवचन्द शाह ।
  - (4) श्रीचन्द देवचन्द णाह नं० 1 श्रार 2 कीला-पारडी-त०-पारडी नं० 3 श्रीर 4 । पानधोर-त० पारडी ।

(अन्तरक)

- (2) (1) श्री मनहरलाल कृष्णलाल दामानीया
  - (2) रनजीत कृष्णलाल दामानीयः
- (3) (3) जयन्तीलाल भान्तीलाल ।
  - (4) श्रीमती चन्दनबेन ग्रमृतलाल खत्नी । न० 1 ग्रौर 2, 295 शान्सीलाल मन्दिर रोड । । श्री बिर्लिडग । कानडीवाली । बाम्बे—67

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के ट्रिनए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए आ सकेंगे।

स्वय्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाष्टि ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मिलकत जो एस० नं० 313 (पी०) वर्षी, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> श्चार० श्चार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–II, श्रहमदाबाद

विनांक : 21-8-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 21 श्रगस्त 1982

निदेश सं० पी० श्रार० न० 1806/एक्बी०/23/<math>11/82—83—श्रतः मझे, श्रार० श्रार० शाह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्तत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० नं० 300, 301, 302 (पी०) है। तथा जो विप में स्थित है (स्रौर इसमें उपाबड़ स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, पारडी में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनाक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित अव्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुतरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितारों, अर्थात्:——

- (1) (1) श्री श्रनिल कुमार पानुभाई देशाई।
  - (2) दिनेश भाई पानुभाई देशाई।
  - (3) पानुभाई पानुभाई देशाई।
  - (4) विजयाबेन पानुभाई देशाई ।
  - (5) दौलतराम पानुभाई देणाई।
  - (6) जीना भाई जीना भाई देशाई ।
  - (7) सुम न भाई जीना भाई देशाई।
  - (8) प्रेमीलाबेन जीना भाई ।
  - (9) श्रनिल भाई जीना भाई देशाई।
  - (10) जवन्तलाल जीनाभाई देशाई।
  - (11) गुणवन्तराई प्रागजी देशाई ।
  - (12) नाथु भाई प्रागजी देशाई।
  - (13) उपमा भाई प्रागजी देशाई ।
  - (14) बाद्र भाई प्रागजी देशाई ।
  - (15) छाटा भाई प्रागजी देणाई ।
  - (16) गाजराबेन छोटु भाई देशाई ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री छोटा भाई लल्लू भाई पटेल वापी, त० पारत्री ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारौंच से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबप्भ किसी अन्य व्यक्तिकों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मिलक्षत जो एस० न० 300, 301, 302 (पी०), विप फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–II, श्रहमदाबाद

दिनांक : 21-8-1982

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

भायकर मर्बिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 21 श्रगस्त 1982

नियेश सं० पी० ग्रार० नं० 1807/एक्वी०/23/II/82-83--ग्रतः मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह्र,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इमम इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-द० से प्रधिक है,

ग्रौर जिसकी सं० 35, 36, 37, 38 श्रौर 42 है तथा जो कोसमबा में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मानगरोल में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक श्रीत, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण निखान में वास्त्रविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसा आय को बाबत, सक्त ग्रिश्वनियम, के ग्रंग्डीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी कियो ग्राय या किसी धन या प्रश्न ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुबिधा के लिए;

अत: ग्रब; उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में में, उक्त ग्रिखिनियम की घार। 269-य की उपघारा (1) के ग्रधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीन्:→- (1) श्री कासान भाई श्रजम भाई कोसामबा तह०—मानग्रोल ।

(अंतरक)

- (2) (1) श्री हुसेयिन भाई सीधु भाई
  - (2) श्री हाफेजी श्रब्दुलकादर भीखु कोसामवा, (मानग्रोल नालुका)

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त मन्त्रति हे स्रजैत है एंडांध्र म कोई भी स्राक्षेत :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका पाक्तियों में किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी व 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताल री के पास लिखिन में किए जा मर्कों।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का., जो उक्त ग्रिश्वितयम अध्याय 20-७ में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया समाहे।

#### अनुसूची

मिलकत जो स्रार० एम० नं० 35, 36, 37, 38 स्रीर 42 कोमामबा, अप्रैल, 1982 में र्राजस्ट्री की गयी है।

> श्चार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज,<sup>II</sup>, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 21-8-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंजना, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 21 ग्रगस्त 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1808/एक्वी०/23/॥/82-83—श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से बिधक है

श्रौर जिसकी सं० 278/v + 296 + 304 + 305/v + 2 + 309 + v/ है तथा जो 1 + 310, प्लाट—सी०—27 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पारडी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1982

को प्वेंक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजरि मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे देश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्री दिनेश चन्द्रा भगवान जी देशाई श्रीमती नीलाबेन दिनेशचन्द्रा देशाई खुद श्रीर अवल-कत्ता बेच्चा मीलनकुमार दिनेशचन्द्रा वापी ता० पारडी ।

(अंतरक)

(2) श्रीमती लेलीना सुन्नामणीयम नालन श्री सुन्नामणीयम टी० नालन बांम्बे ।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हु?।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध मी कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकोंगे।

स्पस्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मिलकत जो एस० नं० 278/ए०/296+304+305/ए०+2+309/ए०+1+310 प्लाट—सी—27, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है ।

श्रार० श्रार० गाह; सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज –।।, श्रहमदावाद

दिनांक : 21-8-1982

### प्रक्रम आही. टी. एन. एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)  $% \left( \frac{1}{2} + \frac{1}{2} \right) = \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} + \frac{1}{2} + \frac{1}{2} \right) = \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} + \frac{1}{2} + \frac{1}{2} \right) = \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} + \frac{1}{2} + \frac{1}{2} + \frac{1}{2} + \frac{1}{2} \right) = \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} + \frac{1$ 

ग्रहमदाबाद, दिनांक 21 ग्रगस्त 1982

निदेश सं० पी० धार० नं० 1809/एक्वी०/23/II/82—83—श्रत: मुझे, धार० धार० धाह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० नं0 278/ए०, 296+304+305/ए०/2+309/ए०—1 +301 प्लाट-सी०-277 है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पारडी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल गं, एसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंटरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नितियों उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अस्तरक के टायित्व में कभी करने या उससे बच्ने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

नतः अब, उक्त निधिनयम, की धारा 260-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के गधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—
9—326GI/82

- (1) श्री दिनेश चन्द्रा भगवान जी देशाई श्रीमती नीलाबेन दीनेशचन्द्रा खुद ग्रौर ग्रवयस्क बच्चा मीलनकुमार दीनेशचन्द्रा—वापी—त० पारडी। (अन्तरक)
- (2) (1) श्रीमती गनगा रभेश मथुर (2) श्री सथुर कृषणा रमेश। बाम्बे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के वर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूलना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि प्राद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंपिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

मिलकत जो एस० नं० 278/ए०, 296+304+305/ए०/2+309/ए०/1+3+310, प्लाट —सी० 27 फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

श्रार० श्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–II, श्रहमदाबाद

दिनांक : 21-8-1982

प्रका आइ० की∙ एन० एस∙—

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

क्षायांलय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, विनांक 21 श्रास्त 1982

निदेश सं० ग्रार० नं० 1810/एनवी०/23-II/82-83--श्रतः मुझे, न्नार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 279-v+296+304+305/v.o/2, 309/v.o/1+310 है। तथा जो प्लाट सी०, विष में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पारडी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1982

को प्यंक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वों कत संपत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्योश्य से उथत अन्तरण लिखित में वास्तियक कथ से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (त) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करे, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-वान अधिनियम, .1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:
- अत:, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की बारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिख्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री दिनेशचन्द्रा भगवान जी देसाई
  - (2) श्रीमती नीलाबेन दिनेशचन्द्रा खुद श्रौर ग्रवयस्क बच्चा मीलानकुमार दिनेशचन्द्रा देसाई, वापी । त० पारडी ।

(अंतरक)

- 2. (1) श्रीमती रामीबेन जोगी भाई, काथरीया, नानी उमण ।
  - (2) श्रीमती गंगा रमेश माणुर ।
  - (3) माथुर कृष्णा रमेश । बांग्बे।
  - (4) श्रीमती ललिता सुन्नमणियम माधान
  - (5) श्री सुक्रामणियम नाथान बाम्बें।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजन। के राजपण मी प्रकाशन को राशील की 45 विन की अविधि मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त स्थावनयों में संक्षिमा व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर जकत स्थावर मंपित में हित-व्या (अस्प) अन्य स्वीचन द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्यध्दीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का; जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मिलकत जो एस० नं० 279/ए०+296+304+305/ए०+2,309/ए०+1+310 प्लाट -सी० बापी फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है (प्लाट नं० 28) ।

श्चार० श्वार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—II श्रहमदाबाद।

दिनांक : 21-8-1982

प्रकृप आहर्ष . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्—II, स्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 20 मगस्त 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1812/एक्वी०-23/II/82-83--श्रत: मुझे, श्रार० श्रार० णाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. सं अधिक है

म्रीर जिसकी मं० नोद नं० 2542, वार्ड नं० 11 है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सूरत में र्राजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अतरिती (अंतरितियों) के थीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नितिखत उद्देश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा क सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री फीरोस नरीमान परेख खुद भौर गुलचाईहार बहराम जी दालाल, कुलमुख्यार श्री जमब्दपुर कालीदास भगवानं बाक, एरिया राकसर रोड, । सुरत ।

(अंतरक)

- (2) (1) सोमचन्द लाल अमृतलाल कनसारा ।
  - (2) वसन्तलाल ग्रम्तलील कनसारा ।
  - (3) दिनेश चन्द ग्रम्तलाल कनसारा ।
  - (4) सुरेशचन्द्रा प्रमृतलाल कनसारा ।
  - (5) रमेशचन्द्रा अमृतलाल कनसारा, खाण्ड बजार लालकेट , मुरत ।

(अंसरिती)

को यह मूचना जारी करके ृबॉक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना ,

उक्त सम्मात्त के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भीक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन: की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबता के राजपत्र में स्कायत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा सधीहस्ताक्षरी क पास लिखिल में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त जड़ी पार गर्ने का, को सकत सकि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होता का उस अध्याप में दिश-गया है।

### **अनुस<del>्थी</del>**

मिलकत जो नोद नं० 2542, बार्ड नं० 11, सूरत, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी हैं!

> न्नारं० ग्रारं० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद ।

जतः वद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 20-8-1982

प्ररूप आर्ष: टी. एन्. एस. ----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ब्धीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 21 अगस्त 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1811/एन्वी० $23/\Pi/82$ —83—भातः मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

धौर जिसकी सं० नोद नं० 856, 857, 860, 861 है तथा जो वार्ड नं० 11, सूरत में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वा कत संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे कित सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) कर्नेयालाल छगनलाल
  - (2) दिनेशचन्द्रा छगनलाल
  - (3) श्ररविन्दभाई छगनलाल
  - (4) पुष्पाबेन छगनलाल
  - (5) चन्द्रीकाबेन, छगनलाल दयाभाई की पुत्नी ।
  - (6) म्राणाबेन छगनलाल दयाभाई का पुन्नी । बाडा चौता, सूरत ।

(अंतर्क)

- (1) इन्दिराबेन बी० शाह्
  - (2) पुष्पाबेन म्नार० कपाडीयां
  - (3) भ्रयाशाबेन नूरमोहम्मद सम्बुवाला।
  - (4) मोहम्मद साफीभाई ईसमेलभाई सरब्रह्माला ।
  - (5) चन्द्राकान्ताबेन चन्दुलाल शाह ।
  - (6) नगीनभाई एन० पाण्डया ।
  - (7) कपीलाबेन एम० बारोट।
  - (8) हीरालाल सी० ठक्कर ।
  - (9) सुगनाबेन डी० शाह ।
  - (10) कनैयालाल सी० मोतीवाला ।
  - (11) श्रीमती दक्षा ग्रजीत को ठारी ।
  - (12) ग्ररविन्दभाई सी० मोतीबाला
  - (13) मैसर्स बोनी एन्ड प्राइसिस ।
  - (14) मैलेपभाई डी० शाह ।
  - (15) दिनेश सी० मोतीवाला ।

पता :---

सीरियल नं० 1 से 14 वाडा चौता, सूरत । सीरियल नं० 15-63-66, चौतापुल, सूरत ।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मिलकियत जो नोद नं० 856, 857, 860, 861, वार्ड नं० 11, सुरत, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> श्रीर० स्नार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 21-8-1982

मोहरः

### प्रकम् वार्षं .टी . एत् . एव . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के ब्रुधीन सुच्ना

#### प्राप्त प्राप्त

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 21 मगस्त 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1813/एक्बी० 23/II/82-83—ग्रतः मुझे, ग्रार० ग्रार० गाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम् प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्रार० एस० नं० 323 (पी) है तथा जो कटारगाँव में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोंक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिआ के लिए;

नतः अच, उन्त मिधनियम की धारा 269-ग के, मनुसरण में, मैं,, उन्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के नधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नधीत् :——

- l. (1) फंचमलाल गोबिन्दजी परेखा।
  - (2) कनैयालाल कंचनलाल परेख।
  - (3) प्रवीण कुमार कंचनलाल परेख
  - (4) विजय कुमार कंचनललाल परेख
  - (5) राजेन्द्रा कंचनलाल परेख । पारेखकाडी, काटारगाम, सुरत ।

(अंतरक)

 घनसखलाल हीरालाल गांधी
 12/1075, लुहारपोल, मद्यलीपीठ । सुरत ।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 बिन की अवधि था स्त्रसंबंधी व्यक्तियों पूर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मिलकियत जो भ्रार० एस० नं० 323 (प<sup>-</sup>) कटारमाम फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गई है।

> स्रार० सार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक सायकर धायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-II, प्रहमदाबाद

तारीख: 21-8-1982

प्ररूप आई. डी. एन एस.-----

### **भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की** परा 269-घ (1) के अवीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 भगस्त 1982

निर्देश सं० पी० भार० नं० 1814/एक्यू०-23/II/82-83 — भतः मुझे, आर० श्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रमके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकथास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित शाजार मृत्य 25,000/-ए. सं अधिक है

भीर जिसकी सं० नोद नं० 1726/ए/1, सलाबसपुरा, है तथा जो सुरत में स्थित है (भीर इससे उपावद भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रथिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भिधीन तारीख फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिएत य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण संहुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायरण मा अप्ता कारने या उससे अचने मां सुविधा होला, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हा भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्न्सिस्ति व्यक्तियों, जर्थात् :---

- (1) श्री नवीन चन्धाचगनलाल, खुद घौरसंयुक्त हिन्दु भुनवा का कर्ता श्रीर मानेजर।
  - (2) श्रीमती चमबाबेन नवीन चन्द्रा।
  - (3) मुकेश कृमार नवीन चन्द्रा।
  - (4) श्रीमती रीताबेन नवीनचन्द्रा।
  - (5) पूर्णीकाबेन नवीन चन्द्रा।
  - (8) श्रीमती मीना नवीनक्त्रा खाण्डशेरी। सलाबत-पुरा । सुरत।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री मगनलाल प्राणजीवनदास।
  - (2) श्री मुलचन्द दास प्राणजीवनदास।
  - (3) श्रो जसवन्दलाल प्राणजीवनदास । मुमबईवार्ड बेगामपुरा सुरत ।

(ब्रन्तरिती)

का यह सूचनः आरी कारके पूर्वांक्त सम्वत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उत्थत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप:-

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रवेषित स्चना की तामिल से 30 दिन की अविध, को भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त क्षव्यां और पवां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्त्वी

मिलकत जो नोव नं० 1726/ए/1, मलाबतपुरा, सुरत, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> न्नार० मार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्नायकर म्नायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, **महमदा**बाद

तारीख: 21-8-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 21 मगस्त 1982

निर्वेश सं. पी० भार० नं० 1815/एक्वी-23/ II /82-83 — यतः मुक्को, भार० भार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० नोद नं० 2122, नार्ड नं० 1, बारा हजरी है तथा जो महोला, सुरत में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908

का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित टाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उन्दर्भ से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक्र

रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हर्ष किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्रीमती शानताबेन, फकीरचन्द तलकचन्द की विधवा, गोपीपुरा, माली पुलिया, सूरत,

(ग्रन्तरक)

2 श्री तुलसीदास ताकोरदास मानवावाला, नानपुरा भादरीवार्ड, स्रत।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परितः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बन्स्ची

मिलकत को नोंद नं० 2122, वार्ड न० 1, बारा हाजरी महोला, सुरत फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> भ्रार०भार० शाह सक्षम प्राधिकारी स**हायक भ्रायकर भ्रायुक्त** (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-<sup>II</sup>, महमदाबाद

सारीख: 21-8-1982

### प्ररूप आहें टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-II महमधाबाद

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० नं० 122, ब्लाक नं० 166 (पी०) है तथा जो सुरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः वय, उस अधिनियम, की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उस विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री अबदुलकादर नुरमोहमद मोलिसवाला।
  - (2) श्री ईकबाल नुरमोहमद (मोलिसवाला।
  - (3) श्री यूसफ नूरमोहमद मेलिसवाला।
  - (4' श्री हनीफ नुरमोहमद मोलिसवाला।
  - (5) श्रीमती नासीम बाणु गुलामुदीन मोलिसवाला ।
  - (6) श्रीमती खुरसीद बाणु गुलामुदीन मोलिसवाला।

(भ्रन्तरक)

 श्री चमपाकलाल जयकीशनदास चलीयावाला । भ्रदागरा मोहला नानपुरा, सुरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही सुरू करता हैं।

### उक्त सम्मृतित् के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध मोद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ज) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्ची

मिलकत जो एस० नं० 122 गांव, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> श्रार० ग्रार० ग्राह् मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद

तारीख: 21-8-1982

मोहर 🔆

प्ररूप आई टी. एन, एस.-----

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (!) के अभीन सुनना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर भायकत (निरीक्षण)

धर्जन रेंज- II ग्रहमधाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 21 अगस्त 1982

निर्देश सं० पी० भ्रार० नं० 1817/एक्वी/23/ II/82-83 —यतः मुझे भ्रार० भ्रार० शाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन संजन प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिलाका शाला वाजार मृत्य 25,000/ राज से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० नोद नं० 866, वार्ड नं० 9 वार्डेयलीया है तथा जो केसुर गीया खानचा, सुरत में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख फरवरी 1982

का पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्त-चिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण सं हुई किसी शाय की वायत उक्त किथ-नियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, फिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धन कर अधिनियम, दा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निष्तिकिक व्यक्तियों, अर्थात् :——
10—326GI/82

- 1. (1) श्री मोहमद भाई जाबीरभाई गोदावाला।
  - (2) श्री फ्रोणली जाबीर भाई गोदावाला। दोनों इसी एपार्टमेन्ट। नानपुरा, जायबाबजार। सुरत।

(ग्रन्तरक)

2. (1) श्रीमती पुष्पाबेन वसनतलाल।

(2) श्री वासनत लाल रनगीलदास । दोनों . वाश्रीपुलिया, केसुरगीया स्ट्रीट सुरत । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

मिलकत जो केसुरगीया खानचा, नोद्द नं० 866, वार्ड नं० 9, दुसरा मजिल भीर तिसरा मजिला फरवरी, 1982 में विस्तार 529 + 529-1058 चोस्सबार रिजस्ट्री की गयी है।

> झार० भ्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 21-8-1982

मोहरः

प्रकार आई० टीव एन० एम०----

वाग कर विधिन स्था (1981 (1961 का 43) की सारा 264-च (1) के ग्रधीन मुक्ता

भारत सरकार

कार्यालय, महारक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, अहमद बाद

भ्रह्मधाबाद, दिनांक 21 भ्रगस्त, 1982

भौर जिसकी सं० नोद नं० 954-4, रामपुरा, श्रादमनीवाडीहै तथा जो मुरन में स्थित हैं (श्रीर इतो उगाबद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्री हर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक फरवरी, 1982

कोट पूर्वोक्टा महोते के गिरत गातार मलय में कन के दृश्यमान श्रितिक्रम के लिए प्रस्मरित का गई है और मुझे यह विश्वार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पण्डाह भोतान से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भीर प्रस्तरिती (प्रश्तारात्या) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल का तस्तिलिखत उद्देश्य से उनन प्रस्तरण निखित में वास्तिविक क्ष्म सं किथत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रम्थरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त भांछ नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्य में कमी कथ्न या उसमे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख्र) एसा किया था या किसा धन या प्रक्षा भारतीय भायकर भिव्यतियय, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीवित्यय, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुख्यक वे लिए;

सन्? ग्रंब, उक्त मधिनियम का धारों 269-न के मनुसरण अ में. में, उरन अधिनेहम को धारा ४69-व की उपचारा (1) के अधीन, निप्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——  श्री रमेश कुमार नानुभाई', खण्डवानवी तारादेव, शाह भानवन, फेरजेत स्ट्रीट, कम नं० 16, बाम्बे-36

(भ्रन्तरक)

- (1) जय किशन दास, ईश्वर लाज गोटालावाडी, मुम्युनिनिपैलिटी ढेनामेन्ड, मूरत ।
  - (2) शान्ति लाल ताकोरवास लाल दरबाआ, बान्यमा नाका. मुरुता ।

(ग्रन्तरिती)

को पह सूचना जानो सरह पूर्वाल नग्रान से प्रवेत है। निए कार्यविद्यां करना है।

उस्त सम्पत्ति के प्रार्वत के पश्वन्त्र में कोई मी प्राप्तित .---

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाणन को नारी त्र में 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीन से 30 दिन की प्रवित्र, जो भी प्रवित्र ताः में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूत्रता के राजपत्र में प्रसासत की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संत्रति में हिन-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वश्रीकरण :---इसर्ने प्रयुक्त जिन्दों भीर पत्रों कि, जो उरक्ष प्रधितियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है ्वही भर्ष होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिमा गया है।

### नन्स्यो

मिलिकियत जो नोद नं० 954-4, वार्ड नं० 7, रायपुरा, काजीपुरा, भादमनीवाडी, सुरत में फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है ।

> ग्रार० ग्रार० गाह सन्नम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज 11, **ग्रहमदाबाद**

तारीख: 21-8-1982

भोहर:

### अक्य धाई । डी । एन । एस ।

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के प्रधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्सण)

ग्रर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद

श्रमह्रदाबाद, दिनांक 28 श्रगस्त, 1982

मं० पी० भार० नं० 1819/एक्वी०-23/II/82-83—श्रतः मुझे भार० भार० णाह

श्राय कर अविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उपन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रशीर संजन प्राधिकारों को, यह जिस्तास करने का कारण है कि स्वायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ख्यों से श्रीक्षक है

स्रौर जिसकी सं० नोद नं० 1989/ए और 1973 है तथा जो वार्ड नं० 1989/ए, श्रौर 1973, वार्ड नं० 11, सुरत में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सुरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अम्तरितियों) के शीव ऐस पन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त धिवियम के प्रधीन कर देने क परनर के दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा के लिए घोर/यः
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या त्रक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने भें सुविधा के सिए;

अतः, बब, उक्त अधिनियम, की बारा की 269-गंके अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निक्तनिवित व्यक्तियों, अवीत !--

- 1. (1) श्री तारामाई मणी लाल नहाब,
  - (2) लीतावती साराभाई नवाब
  - (3) जगतचन्द्रा साराभाई नवाब दारीना मोहल्ला, मुग्रलीसारा, सुरत ।

(भ्रन्तरक)

(भ्रम्तरिती)

2. प्रमुख भौर सचिव, मैसर्स भानन्द एपार्टमेंद्र को-प्रापरेटिव हार्जीसग सो०लि० प्रमुख: श्री जैरामभाई पदमवीभाई घटेल, सीता एपार्टमेन्टस, नानपुरा, सुरत । सचिव: 2 :श्री पोपट भाई नारायण भाई पटेल, डयमण्ड एपार्टमेन्ट्न, हतुपुरा ।

को यह-सूचना वारी करके पूर्वोचन ल्यक्यांति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उका नव्यति के उन्नेत्र के सम्बन्ध में कोई भी स्नाक्षीप :→→

- (क) इस सूचना के राजरज में प्रकाशन को तारी इस से 45 विन की श्रविध या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में सै-किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजरत में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन के भीतर उकतं स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्थालरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्षक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पक्षों का, जो खक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रभाग में दिया गया है।

## मन्स्ची

मिलकियतः को नोब नं ः ा:989/प् । और ा1973 अपुगृलीसार, सबमानती, एस्टेंड, फरकरी, 1982 में रिकस्ट्री की गयी है।

म्रार० मार० गाह ज्ञान प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, भ्रह्मसाबाद

**सारी<b>ख**: 28-8-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर ख्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज II, घहमदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 31 घगस्त, 1982

सं० पी० भ्रार० नं० 1823/एक्वी०- $23/\Pi/82$ -83—भ्रतः मुझे श्रार० श्रार० शाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहे से अधिक है

मीर जिसकी सं ० 50, प्लाट 5, पानदेशारम, है तथा जो सुरत में स्थित है (भीर इसते उपाबद अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सुरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रति-फत के लिए अन्तारत की गई है और मुझ यह निश्यान करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्बन्धि का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं भौर अन्तरक (सन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिमों) के बाच ऐसे अन्तरण के निए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से खन्त प्रन्तरण निखित में वास्तिक छप से किया नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की नायत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नाए प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्त व्यक्तियों अर्थात् :--

 श्री मोहम्मद ईरफान सुलेमान, सामार, खुद मौर श्रीमती नहीद सालीन सामार, उनकी कुत मुक्तयार दिल शाह महान जमीन का तल, मोतीली भाई स्ट्रीट, बाम्बे।

(भन्तरक)

- 2. जी० के० एण्डप्राइसेस के भागीदार:
- श्री राजेन्द्रकुमार ब्रिजलाल भाटिया ग्रौर दूसरे के द्वारा: ब्रिजलाल भाटिया एंड सन्स, टेक्सटायाल मार्केट, सुरत ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पस्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रवी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

मिलकियत जो पादेसरम एस० नं० 50 प्लाट 5, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की है।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रवन रेंज 🏿 ग्रहमदाबाद

वारीख: 31-8-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

मामकर अधितियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-घ (1) के सधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त, (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज II

धहमदाबाद, दिनांक 31 धगस्त 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 र र से अधिक है

भौर जिसकी सं० न० 50, प्लाट 5, पानवेसारा है तथा जो मुरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सुरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुए किसी आय की शावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतियधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) के मुधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्रीमती सालमावाई सुलेमान सामक, उनके कुल मुख्तयार : श्री मोहम्मव ईरफान मुलेमान, सामार, मोनाली भाई स्ट्रीट, जमीन का मंजिला, दीलशाह बिल्डिंग, बाम्बे ।

(घन्तरक)

- 2. भाटिया बीविंग फैक्टरी के भागीबार:
  - (1) श्री जगवीश कुमार सीताराम श्रीर धूसरे के द्वारा : क्रिजलाल भाटिया एंड सन्ध टैक्सटाइल मार्कीट, सुरक्त

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शस्त्रों और पदों का, जो उक्द अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस् क्ष्याय में दिया गया हैं।

### अमुस्की

मिलकियत जो पानश्रेसरा एस० नं० 50, प्लाट 5, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

म्नार॰ मार॰ माह सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, भ्रहमदाबाद

तारी**ख**: 31-8-1982

मोहर

प्ररूप आहे. टी. एन्. एस.-----

भायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन संचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयकार मायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-11,

महमदाबाद, दिनांक 31 भ्रगस्त, 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1825/एक्वी०/23-II/82-83--ग्रतः मुझे ग्रार० ग्रार० गाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 97, गांव सायन है तथा जो सायन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय ओलपाड में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन विनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के धरयमान प्रतिफल को लिए उन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रेकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री शान्तीसाल नीका भाई, कुलमुक्तयार:
  - (1) श्री भम्बालाल रनछोड़ भाई
  - (2) श्री श्रमृतलाल मगनलाल । गांव काछाब, पारडी, तह० श्रोलपाड ।
  - (3) भाणुबेन हारराई देसाई,
  - (4) गीरीशचन्द्रा हारराई देसाई
  - (5) रीता बेन हारराई देसाई
  - (6) भावनायेन हारराई देलाई
  - (7) शोभावेन हारराई देसाई
    कुल मुख्तयार :
    श्री शोभ्तीकाल नीछा भाई,
    काछाब, पारडी, तह० ग्रोलपाड ,
    जिला सुरत ।

(भ्रन्तरक)

 गुलाम मोहम्मद प्रब्दुल रहमान अभ्रेज़ीली वाला बरानपुरी भागल। नुरा दोसा, बिल्डिंग, सुरत।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्नत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अधिकत्यों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकत ध्यिकत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतार उक्त स्भावर संपत्ति में हित्यब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मिलिकियत जो गांव सायान, ब्लाक नं० 97, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> न्नार० म्रार० माह सक्षम प्रापिकारी सहस्यक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 31-8-1982

शक्य बार्ड .टी . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुमना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आमकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्यन रेंज II, घ्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिमांक 4 सितम्बर, 1982 निषेण सं० पी० ग्रार० 1830/एक्वी०/23-/82-83--ग्रत: मुझे ग्रार० ग्रार० शाह

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रवाद 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० नं० 2638/ए ग्रीर बी, 2940/1 ग्रीर 2 है तथा जो 2939 काकरखाड, पाढी, नडीयाड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नडीयाड में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी,

को पूर्वोक्त संपितः के उचित बाजार मृष्य से काम के दश्यमान प्रितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षक निम्नलिकित उद्वेश्य से सकत अन्तरण सिचित में बास्तिवक रूप से काथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण सेन्हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे अचने में सुविधा के शिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नाम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिथा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-स के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिखित व्यक्तियों अर्थास् :--- खोडियार लैन्ड् कापारशन का भागीदारों:
 श्री सूर्यकान्त केशव लाल ध्यास और दूसरे ।
 नश्रीयाड (कृष्णनगर, सोसायटी)।

(ग्रम्तरक)

 नलनदा को-भ्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड का भागीदार :
 श्री मनुगणी मुलुणी राजपूत, सारदार नगर, नडीयाड ।

(ग्रन्सरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पृत्रांचित सम्पत्ति 🥠 अर्थन् के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाओप :--.

- (क) इब सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच छे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के एख सिक्ति में किए था सकेंगे।

स्पद्धीकरच : ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उसत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनुसूची

मिसकियत जो एस० नं० 2638/ए० एण्ड बी, 2940/1 भौर 2, 2939, नडीयाड, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> भार० भार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, शहमदाबाद

तारीख 4-9-1982 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आय्क्त (निरीक्षण)

## धर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

**मह्**मदाबाद, दिनांक 4 सितम्बर, 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्तु अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 2191, हीरजीपाठी है, तथा जो नडीयाड में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर को पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नडीयाड में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1998 का 16) के मधीन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री बीजुभाई पुरुषोत्तम दास पटेल,
  - (2) श्री बचुभाई राम भाई पटेल
  - (3) श्री हरीश भाई रावुजी भाई पटेल, सामादी, चकला, नडीयाड ।

(भन्तरक)

 गुलीसा को-श्रापरेटिव हा० सोसायटी का भ्रध्यक्ष : श्री मोहम्भद ईस्माईल, मनसुरी, साकार कुई, नडीयाङ ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्व क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुम्पीत्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, आधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलकियत जो एसं० नं० 2191, नडीयाड, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> ग्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद

तारीख 4-9-1982 मोहर: प्ररूप. आर्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 4 सितम्बर 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1832/एक्बी०-23/II/82-83-

श्रतः मुझे श्रार० ग्रार० ग्राह श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हु कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/- रत. से अधिक हैं।

धौर जिसकी सं० नं० 2592+2811/1 (पी) है, तथा जो काकरखंड पाटी, नडीयांड में स्थित है (धौर इससे उपाबद ध्रनुसूची में धौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नडीयांड में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री छोटाभाई सोगाभाई पटेल पटेल सोसायटी, नडीयाङ ।

(ध्रन्तरक)

 गुरुकुपा को-म्रॉपरेटिव हाउसिंग मोसायटी रेलवे क्रासिंग के पास, म्राश्रम, नडीयाड ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध मे कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अंतसची

मिलिकियत जो एस० नं० 2592+2811/1 (पी); काकरखंड पाटी,, फरवरी, 1982 में रिजस्ट्री की गयी है।

आर. आर. काह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, अक्षमदाबाद

दिनांक: 4-9-1982

प्ररूप आहें टी एन.एस.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यात्रय, महायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 4 सितम्बर 1982

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० एस० नं० 2951, लामापाड पाटी है, तथा जो नडीयाड में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नडीयाड में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक फरवरी, 1982

को प्रोंक्त संपत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिन्म, जिस्की किया एसर के उसके अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिस्की किया गया हैं --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

1 नारायण कन्स्ट्रेक्शन के भागीदार श्री सूर्यकान्त केशव लाल व्यास और दूसरे कृष्ण नगर, डीयाङ ।

(भ्रन्तरकः)

2 अरुण को-भ्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी का अध्यक्ष श्री रमेशभाई दयाभाई पटेल, नडीयाड ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वारित सम्पक्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमव्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलिकियत जो एस० न० 2951, नडीयाड फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> आर आर काह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, अहमदाबाद

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः—

तारी**ख:** 4-9-1982

प्ररूप माई० टी॰ एन० एस० → - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मृ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 सितम्बर 1982

श्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 2869, टी०पी० एस० 1, एफ० पी० 477, तथा जो श्रानन्द में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रानन्द में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए: और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— पोलसण लिमिटेड,
 658, कोकयाई रोड,
 मझगांव, बाम्बे-10 ।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) महमदभाई हसनभाई
  - (2) ईब्राहीमभाई हसनभाई
  - (3) भ्रायुब भाई श्रहमदभाई
  - (4) श्रब्दुल रहीम ग्रहमवभाई पोलसण डेयरी के पास, श्रानन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्ति व्यक्तियों में -से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:----ध्समें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वमस्ची

मिलिकियत जो ग्रार॰ एस॰ नं॰ 2869, टी॰ पी॰ एस०-1, एफ॰ पी॰ 477, फरवरी, 1982 में रिजिस्ट्री की गयी है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, अहमदावाद

तारीख: 4-9-1982

प्ररूप आर्द्र.टी.एन.एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, अहमदाबाव

श्रहमदाबाद, दिनाक 4 सितम्बर 1982

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थादर सम्पर्तित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं ं नं 264, चीकोद्रा, है, तथा जो ग्रानन्द में स्थित है (भ्रीर इसमें उपायद्व श्रनुसूची में भ्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्रानन्द में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियाँ) से बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें स्थनें में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिभा के सिए।

बतः बन, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गों, ही, उबत अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) महेन्द्रा भाई चन्द्र भाई,
   कक्ती श्रीर मैनेजर एच० यू० एफ०
  - (2) रवीन्द्र भाई चन्दु भाई , भार/4, क्रीच कानडी, गारहेन, भुला भाई देशाई रोड, बाम्बे-36

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री पंकज दिसकर भाई, पटेल ग्रौर
  - (2) श्रीमती मालती पंकज, पटेल, श्रार० सायेन्द्र मारवे, मालाङ, (डब्स्यू), बाम्बे ।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की सबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुभ किसी जन्म स्थानत व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंने।

स्प्रक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्छ, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

#### नन्त्रची

मिलिकयत जो चिकोद्रा एस० नं० 264, फरवरी, 1982 में भाम्बे, सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गयी है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 4-9-1982

## प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एव॰

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-ष (1) के अधीन सुचना

### भारत तरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज II, भ्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 4 सितम्बर 1982

निदेश सं० पी० प्रार० नं० 1836/एसवी 23- /82-83---म्रतः मुझे म्रार० भ्रार० शाह

प्रावकर अग्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें रेखा, 'उनर अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन संजम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उजिन बाजार मूस्य 25,000/- र॰ से प्रधिक है श्रीर जिसकी स० श्रार० एस० न० 2860, टी० पी० एस०-1, एफ० पी० 482 है तथा जो श्रानन्द में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण क्य से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय श्रानन्द में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाक फरवरी, 1982

की पूर्वीकत सम्मित के उजित बाबार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे पह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकन सम्मित का उजित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डाह प्रतिशत निधान है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य में उन्त अन्तरण लिखित में बास्नविक का ने क्यान नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण ने हुई िक्सी आध की बादत उक्त अखिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दाथिस्व में कमी करने या उससे बचने यें सुविधा के लिए; श्रीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य कास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या चक्त ग्रीविनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व ग्रन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया बवा था या किया जाना चाहिए वा, कियाने म सुविका के किए;

भतः बन्धः उत्ततं स्रिधिनियमं की सारा 269-मं के अनुसरण में, में, उत्ततं अधिनियमं की घारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निक्तिष्ठिति व्यक्तियां, अर्थात् :-- शि देवे ईश्वरलाल केशवलाल श्रीर दूसरे, श्रानन्द, उन्नदी, शेरी ।

(भ्रन्तरक)

मैसर्स ग्रहमदभाई हसनभाई,
 वी० के० ग्रहमदभाई हसनभाई पोलसन डेयरी रोड,
 ग्रानन्द ।

(भ्रन्सरिती)

की यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त मन्याति के सर्वत के विषय कार्ववाहियों करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रतिक्षेप -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अपितरों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में तकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा, अन्नोहस्ताकारी के पाक लिकित में किए जा सकेंगे।

स्वश्टोबरण :---इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त कथिनयम के घड़्याय 20क में परिकाधित है, वही क्यें होगा, जो सस श्रद्धाय में दिया गया है।

### न्त्र्यो

मिलकियत जो घार० एस० नं० 2860, एफ ० पी० 482, ग्रानन्द, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> ग्रार० ग्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

नारीख: 4-9-1982

मोहर 🖫

प्ररूप भाई० टी० एन• एस०

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 4 सितम्बर, 1982 निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1837/एक्दी/23-<sup>II</sup>/82-83----भ्रत: मुझे श्रार० श्रार० शाह

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-क्यए मे अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 350 पी० एस० 3, एफ० पी० 386 है, तथा जो श्रानद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रानद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्री न दिनांक फरवरी, 1982 को पूर्वाक्षा सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान श्रीतफल के ऐमे दृश्यमान श्रीतफल का पद्ध श्रीतगत से प्रियंक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) श्री भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐने अन्तरम के लिए तय पाया यया श्रीतफल, निम्नलिखत उद्देश्य स उक्त मन्तरण लिखित में बाह्निक रूप में कियत नहां किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आम की वाजत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्यू आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया वा का किया जाना वाहिए था खिवान में स्विधा के लिए;

ग्रत: अब, उन्त प्रिष्ठिनियम की धारा 269ना के पन्नरक में, में उक्त प्रिष्ठिनियम की भारा 260न की उपवारा (1) रे के अधीन, निम्निजिमित व्यक्तियों, अर्थात् '——  शारवाबेन, रावजीभाई, काशी एस्टेंट, गायडी वाड, श्रानद ।

(ग्रन्तरक)

 पटेल सोमाभाई देशाईभाई वाना खीलिया, तह० ग्रानद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना क राजात ने प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को प्रविधि या नश्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की पामीत ने 30 दिन की धविधि, जो भी अवधि बाद में समान होतो हो, क भोतर पूर्योक्त व्यक्तियों में किसी त्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूवता के राजात मंत्रकागन की तारीख से 45 दिए के भोतर उक्त स्थातर सम्पति म हितबद्ध किसो सन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्यञ्चोकरण:---इसन ग्रीम गब्दा घोष नजा का, जा उक्त प्रक्षित नियम, क प्रक्षात 20-क मं परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उत्त प्रक्षाद में दिशा गया है।

#### ननसची

मिलकियत जो आर० एस० न० 350, टी०पी० एस० 3, एफ० पी० नं० 386, आनद में फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

तारी**ख** 4-9-1982 मोहर : प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, अहमवाबाद

भ्रह्मदाबाद, दिनांकः 4 सितम्बर, 1982 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1838/एक्वी-23/II82-83---भ्रतः मुझे श्रार० श्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भ्रार० एस० नं० 326/1+2+6, सब प्लाट-8, है तथा जो आनद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद भ्रमुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय भ्रानद में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके रवयमान प्रतिफल से, एसे रवयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहां किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) पटेल, शान्तीलाल छरु भाई, चन्द्रकान्ता शान्तीशाल का कुल मुक्तया और खूद और नरेन्द्र कुमार शान्तीलाल।
  - (2) सूरजबेन शान्तीलाल पटेल, श्रीर दूसरे, कोटबाला दरवाजा, श्रानद ।

(भ्रन्तरक)

 श्री बल्लबभाई वनमाली महेसुरिया, निवास: हंसमुख भाई गोर्धन भाई सोणी, राज हंस, श्रानदवाडी, श्रानद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होसी हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मिलिकियत जो श्रार० एस० नं० 326/1+2+6, सब प्लाट 8, श्रानद फरवरी, 1982में रिजिस्ट्री की गयी है।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

नारीख: 4-9-1982

प्ररूप आद्दै.टी.एन्.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, सहमदाक्षाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 4 सितम्बर 1982

निदेश सं०पी० श्रार० नं० 1839/एक्वी-23/II/ 82-83---श्रतः मुझे श्रार० श्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मं० 560/3 , कारमसाड है, तथा जो ग्रानद में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रानद में र्रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिते बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में स्विशा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भाग 269-ग के अनुसरण मों, मीं., उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपभाग (1) को अभीन, निम्निनिसत व्यक्तियों, अर्थाम् :---  श्री फ्रुसती रंगीलाल, कुमालदाय, क्रिसिती वास, कारामसाड, तह० ग्रानद ।

(अन्तरक)

 श्री पटेल जगदीश भाई हरी भाई, पटेल प्रैंस, बल्लभ विद्यानगर, ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उत्तत संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वाध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्किरणः -- इसमें प्रयूवत शब्दों और पदों का, जो उक्तु अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित् ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मिलकियत जो करामसाड, एस० नं० 560/3, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज <sup>II</sup>, श्रहमदाबाद

नारीख 4-9-1982 मोहर : परूप बाहरे पी एस गुम --- ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-II,

**प्रहमदाबाद, दिनांक** 4 सितम्बर 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1840/एक्बी० $/23-\Pi/82-83-$ श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि रथावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2245 है तथा जो ग्रानद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्याक्षय ग्रानद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिष्ठीन दिनांक फरवरी, 1982

को पृथेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्यिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नावत, उक्क जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए: जीर/या
- (म) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सरिवा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित स्विक्तयों, अर्थात :——
12—326GI/82

1ं पटेल ग्रश्विन माई हीरूमाई

्नाना ,श्रदा**ध** श्रौनद ।

(श्रन्तरक)

 उधया को-ग्रापरेटिव हार्जिमग मोसायटी, ग्रानद ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी कर्क प्यों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पील के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यिक्तयों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी कर्म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्धी और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसुची

मिलकियत जो म्रानद एस० नं० 2245, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> श्रार० श्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर शापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 4-9-1982

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-II,

म्रहमदाबाद, दिनांक 4 सितम्बर, 1982

निदेश सं० पी० घार० नं० 1841/एक्बी/23-II/82-83---श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है,

ग्रौर जिसकी सं० ग्रार० एस० नं० 264/ 1- 2 है, तथा जो करमसाड में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रानद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में मृदिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 शी चतुर्भाई उमेद भाई पटेल खुद श्रौर कर्ता और मैनेजर एच० यू० एफ०, सरदार पटेल हाउस के सामने करमसाड ।

(भ्रन्तरक)

कल्याण को-आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी का ग्रध्यक्ष :
 श्री ईन्द्रावदन भाई चगन लाल ,
 करमसाड, ता० ग्रानद ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों नत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त कान्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

मिलिकियत जो म्नार० एस० नं० 264/1+2, करमसाड, फरवरी, 1982 में रजिस्दी की गयी है।

श्चार० श्चार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

नारीख: 4-9-1982

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का, 16) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-II,

म्रहमदावाद, दिनांक 4 सितम्बर, 1982

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 1842/एक्वी/23/II/82-83---श्रतः मुझे ग्रार० ग्रार० शाह

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ग्रार० एस० न० 1398/2, टी०पी० एम० 2, है तथा जो श्रानद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय श्रानद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वों कर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल सं, एक रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुर्च किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री पटेल पुणजा भाई दया भाई, पुरुषोत्तम दास चाल, वाड के पास, श्रानद ।

(अन्तरक)

2 पटेल छगन भाई कालीदास गहजानंद भवन, मरदार गंज, श्रानद ।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम् के अध्याय 20-क में प्रिभाषित ह<sup>1</sup>, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मिलकत जो श्रानद श्रार० एस० नं० 1398/2, टी० पी० एस० 2, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> भार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

विनांक: 4-9-1982

## प्रकप बाई • टी • एत • एस •--

आगकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 भ (1) के ध्रमीन सूचना

### भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंग-II, अहमदाबाद

धहमदाबाद, दिनांक 2 सितम्बर 1982

निदेश सं० पी० झार० नं० 1843/एक्नी/23/II/82-83--अतः मुझे आर० आर० शाह
आयकर प्रांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चान् 'उक्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर मंपति जियका उतिन बाजार मूल्य 25,000/-

रु० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं ए० टी॰ 12/1, है तथा जो गुरुदेव सोसायटी के पीछे, पानी गेट, बेरोडा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेरोडा में रजिस्ट्रीरकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृब है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथन से किथन

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी शाय या किसी धन या अन्य शास्तियों की, जिन्हें भारतीय शाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाद्:—  श्रीमती लक्षमी बेन घनशाम भाई, पंडिया, गुरुदेव सोसायटी, पानी गेट, बेरोडा ।

(भन्तरक)

 श्रीमती इन्दुबेन हसमुख लाल शाह, मंजलपूर, बेरोडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की धविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ध्रधोहस्ताक्षरी के पाम
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण ---इसमें प्रयुक्त मध्यों भीर पदों का, जो उन । श्रिष्ठिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिश्राधित है, यही अर्थ ही गा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

## नग्त्वी

मिलिकयत जो ए० टी० 12/1, गुरूदेव सोसायटी के पीछे, पानी गेट, फरवरी, 1982 में रिजस्ट्री की गयी है।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 2-9-1982

प्रक्ष आई. टी. एन. एस. -----

आश्वकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) प्रर्जन रेंज II, श्रहदवाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 2 सितम्बर 1982

निदेश सं० पी० घार० नं० 1844/एक्वी/23-II/82-83---घतः मुझे घार० घार० शाह आयकर अधिनियमः. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० बी० टीका नं० 9/1, एस० न० 194-ए, है तथा जो नगरवाडा, रावुपुरा, बेरोडा में स्थित है (और इसमें उपाबड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बेरोडा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक फरवरी, 1982 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का पन्ना स्ति के उद्दर्य से अवत अन्तरण लिए तय पाया गया प्रतिफल का पन्ता सेत उद्दर्य से अवत अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का पन्ता सेत उद्दर्य से अवत अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल का पन्ता सेत उद्दर्य से अवत अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल का पन्ता सेत उद्दर्य से अवत अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल का पन्ता सेत उद्दर्य से अवत अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिक का किया गया हैं:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बजने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती बुबारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में में, उक्त अधिनियम औ धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित, व्यक्तियों अर्थातः—  श्रीमती सारीना बेन कोम, प्रबदुलम कादर मोमण, नागरवाडा, सैयदपुरा, वेरोडा ।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती खतीजा बीबी याकुब भाई वियक ।
  - (2) रोजतुण बीबी उमर भाई षेयिक, नागर बाडा, सैयदपुरा, लोल कुई, बडोद्रा ।

(ग्रम्तरिती)

को यह सुखना जारी करके पृवांकित सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पास्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्याध्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वन्स्ची

मिलकियत जो बी० टीका न० 9/1, एस० नं० 194/ए, नागरवाडा, बेरोडा, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> ग्नार० श्रार० शाह सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारी**ख**: 2-9-1982

प्ररूप भाई. टी. एम्. एस . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाध

श्रहमदाबाद, दिनांक 2 सितम्बर, 1982

निदेश सं० पी० प्रार० नं० 1849/एनवी-23/II/82-83— श्रतः मुझे श्रार० श्रार० शाह

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रकोटा एस० नं० 90/32 है, तथा जो प्लाट नं० 102, बेरोडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बेरोडा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमानक प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके शश्यमान प्रतिफल से, एसे शश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 भी रावजीभाई शंकर भाई पटेल एच/8, प्रलेमबीक, कोलोणी, बेरोडा ।

(अन्तरक)

श्री विजय शंकर गुप्ता,
 81, कुनज सोसायटी,
 बेरोडा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृथेक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सफोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### **अन्स्**ची

मिलिकयत जो श्रकाटा, एस० नं० 90/32, प्लाट नं० 102, फरवरी, 1982 में रिजस्ट्री की गयी है।

श्चार० ग्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारी**च** 2-9-1982 मोहर: प्ररूपः आई. टी. एन. एसः -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज ॥, म्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 2 सितम्बर, 1982

निवेश सं० पी० ग्रार० नं० 1850/एक्वी/23-II/82-83— ग्रतः मुझे ग्रार० ग्राह

श्चायकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिविनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिस्जा उजित बाजार सहय 25,000/- क

ग्रौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 2280, याकारपुरा, रोड, है तथा जो बेरोडा में स्थितहै (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बेरोडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये बल्तरित की गई है पौर मुझे यह विश्वान करन का कारण है कि यशपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐने दृश्यमान प्रतिफल का पर्यद्व प्रतिजा से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितो (अन्तरितर्या) के बीच ऐसे अन्तरम के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक का ये कियन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबम, छक्त अग्नित्यम के बंधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उनत् अधिनियम् की धारा 269-गृके अनुसरण में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को क्धीन, निम्नुसिचित् अधिकत्यों, नुर्धात् ६ विगविजय सिंह मानसिंह राज, नाविक नीमबलकर, मकारपुरा, बेरोडा ।

(ग्रन्तरक)

मैसर्स पुनतेर एंड कं०,
 32, गणेश सोसायटी,
 आर० वी० देसाई रोड,
 बेरोडा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राझेप :--

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितब अ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगें।

हराष्ट्रोकरण:--इपनें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दाका, जो उक्त प्रक्षि-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्य होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

### वनुस्वी

मिलयित जो सी० एस० नं० 2280, मकारपुरा रोड, विश्राम भाग, सोसायटी, बेरोडा, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायु<del>क्त</del> (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीच : 2-9-1982

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 4 सितम्बर, 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1851/एक्वी-23/II/82-83— श्रतः मुझे श्रार० श्राह श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की श्रारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है। श्रौर जिसकी सं० नं० 47 है, तथा जो गांव खोरण, गांधीनगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन

दिनांक फरवरी 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिगत अधिक है श्रीर प्रन्तरह (अन्तरहों) श्री प्रवन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच एसे प्रन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कथा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रोर/या
- (ब) एसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था खिपाने में मुनिधा के लिए;

श्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री छगनसाल नाथालाल बालनद श्रीर दुसरे गांव खारेज, जिला गांधी नगर।

(म्रन्तरक)

 पुरुषोत्तम दास भोगीलाल पटेल, पटेल पार्क, नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत समात्ति के अजेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदों का, जो उक्त पनि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं स्रथ होता, जो उस सध्याय में दिया गया है।

#### अतससी

मिलिकयत जो एस० नं० 47, खारोज, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> ग्रार० ग्रार० शाह सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद

ता**रीख** 4-9-1982 मो**हर**: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) .

स्रर्जन रेंज-II, स्रहमदाबाद स्रहमदाबाद, दिनांक 4 सितम्बर, 1982

निदेश सं०पी० म्रार० नं० 1852/एक्वी/23-II/82-83— ग्रत: मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 111, गांव भात है तथा जो गांधीनगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः——
13—326GI/82

 श्री मनुभाई वितलभाई श्रौर दूसरे वाहेलाल, ता० दासकोई, जिला, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री नवीनचन्द्रा परषोत्तमदास पटेल,
  - (2) श्री सतीश कुमार परषोत्तमदास पटेल 92, सरदार पटेल कालोनी, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपितत के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## अनुसूची

मिलिकयत जो गांव भात एस० नं० 111, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> ग्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 4-9-1982

प्ररूप आहुँ. टी. एन. एस. - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत् सरकार

काय लिय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, अहमद बाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 4 सितम्बर 1982

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 1853/एक्वी-23/II/82-83---

श्रतः मुझे श्रार० श्रार० शाह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० नं० 111, गांव भात है तथा जो गांधी नगर में स्थित है (श्रौर इसमे उपायद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्यों से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में., उक्त अधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  विष्णु माई शल्लु भाई मौर दुसरे गांव : बाहेलाल, सहु० दसकोई, जिला प्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री विनोदकुमार धरम चन्द पटेल,
  - (2) श्री मुक्गेश कुमार धरम चन्द पटेल 84, सरदार पटेल, कालोनी, श्रहमवाबाद।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित गया है।

## न्त्रवी

मिलकियत जो एस० नं० 111, गांव भात, फरवरी, 1982 में रिजस्ट्री की गयी है।

> न्नार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी स**क्षायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीखः 4-9-1982]

प्ररूप आई. टी.एन.एस.------

# आयकर प्रवित्यिम, 1961 (1961 का 43) की झारा 269-व(1) के स्प्रीत सूचना

#### मारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

**प्रहम**वाबाद, दिनांक 4 सितम्बर 1982

निदेश सं० पी० घार० नं० 1856/एक्वी-23/Ш/82-83---घत: मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह, ग्रायकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) (जि.र. इसमें कार्यके प्रावात 'जन्म प्रतिनियम' सन्ना गया है) सी गारा 260-क

इसके परवात् 'उनत मंघितियम' कहा गया है), की घारा 269-क मं अग्रेर पत्रन प्राविकारों को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्यक्ति जिसका उचित बाआर मूल्य 25,000/-वपए ने प्राधिक है

भौर जिसकी सं० नं० 64, गांव वावल, है तथा जो जिला गांधीनगर, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का

16) के प्रधीन दिनांक फरवरी, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उपके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्धह प्रतिया से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण में हुई किसी प्राथ की बाबत, शक्त धीमित्रम के धनीत कर देने के घन्दरक के बावित्व में कमी करते या उससे अचने में सुविज्ञा के लिए और/या;
- (॥) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अण्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती शारा प्रकट नहीं किया गण वाया किया जाना चोहिए वा, कियाने में सुविधा के लिए;

प्रतः जब, उर्देश प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, धक्त प्रधिनियम की बारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1 (1) श्री तक्कर उदाजी मगन जी
  - (2) तक्कर बेछुजी मगन जी बाबल, जिला गांधीनगर।

(मन्तरक)

 श्री पटेल पोपटभाई विट्ठल भाई बावल, जिला गांधी नगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूजना कारी करके पूर्वौक्त सभ्यत्ति के ग्रर्जन हे लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के सर्वति के तम्बन्ध में कीई भी झान्नेप :-

- (क) इस स्वता के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकर स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (बा) इस मूचना के राजपत्र में प्रकालन को तारी वा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मन्यति में हिनबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघीत्रस्ताक्षरी के पास निवित में किएजा सर्केंगे।

स्पच्छी हरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अयं होगा जो उस ग्राय में दिया गया है।

### नन्त्यी

मिलकियत जो एस० नं० 64, वावल, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> न्नार० मार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक न्नायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) न्नर्जन रेंज II, म्रहमदाबाद

तारीख. 4-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-II, भ्रहमदाबाद भ्रहमदाबाद, दिनांक 4 सितम्बर 1982

निदेश सं० पी० म्रार० नं० 1857/ एक्वी-23/II/82-83- मतः मुझे, भ्रार० मार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० नं० 511, 540/1/2, 540/1, 5, 540/2, 541/3, 541/7, 516, 518, 521, 552/2, 543, 552/1, है तथा जो खोरज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रीम दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से ऐसे दूरयमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम् के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृतिधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी आयं या किसी अन या अन्य आस्त्यों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

शत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री नारायण भाई बाबा भाई, खोरज, जिला गांधीनगर,।
  - (2) शिवा भाई, जैसिंह भाई
  - (3) हीरा भाई चतुरजी उमरेजी,
  - (4) ध्रमृत राय मोहन लाल ,
  - (5) नायीबेन रत्तन जी शामबुजी,
  - (6) शकाराजी हामीरजी, सब खोरज, जिला गांधीनगर।

(भन्तरक)

- 2. (1) यशवीर घनश्याम दास, गोयल,
  - (2) श्री ज्ञान प्रकाश चबीलदास गोहेल 73, सहयाद्रि एपार्टमेंन्ट, नवरंगपुरा, ग्रहमवाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपरित के अर्थन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गमा है।

### अनुसूची

मिलकियत जो खोरज फरवरी, 1982 में सर्वे नं० 311, 312, 314, 315, 316, 318, 320, 322, 323, 324, 325 पर रजिस्ट्री की गयी हैं।

> ग्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 4-9-1982

मोहरः

## प्रकप आई• टी• एन• एस•

# मायकर मधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

### भारतु सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

भ्रजेन रेज-II, श्रहमदाबाद भ्रहमदाबाद, दिनांक 4 सितम्बर 1982

निवेश सं० पी० ग्रार० नं० 1862/एक्वी-23/II/82-83— ग्रतः मुझे, श्रार० ग्रार० शाह,

प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्ने इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- के से प्रधिक है

श्रीर जिसकी स० न० 129, गाँव भात है तथा जो गांधीनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बांणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में राजस्ट्रीकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक फरवरी, 1982

कम के दृष्यमान प्रतिकृत के निए अन्तरित को गर्ष है जीर मुझे यह विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उतित याजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकृत का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक्यों) और अन्तरिकी (अन्तरिक्यों) के बीच ऐस अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्मिलिखन उद्देश स उतन अन्तरण निखित में वास्तविक रूप में कायन नहीं किया गया है:→-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बक्षितियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए और/पा
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भापकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थं श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, जर्मात् :---

- 1. (1) श्रो बाबू जी छगनजी ठाकूर
  - (2) श्री प्रताप जी छगनजी ठाकुर गोव भात, तह० भौर जिला गोधीनगर। (मन्तरक)
- 2. (1) श्री नटवरलाल खोडीदास पटेल,
  - (2) श्री दया भाई गोला भाई पटेल गांव भास, तहु श्रीर जिला गांधी नगर।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इप म्बना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की प्रविध या तत्पम्यन्छी व्यक्तियों पर म्बना की नामीन मे 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में मनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सर्नेंगे।

हबहदो हरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिवितयम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिमाणित है, बही भ्रयं होगा, जो उस मध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

मिलिकयत जो एस० न० 129 (पी), गांव भात, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है ।

> भार० भार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भार्जन रेज-II, भ्रहमदाबाय

तारीख: 4-9-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन सुम्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर धायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, श्रहमधाबाव भ्रहमदाबाद दिनांक 4 सितम्बर 1972 सं० पी० द्यार० नं० 1862/एक्यू०/23/II/82-83---ध्रतः मुझे, ध्रार० ग्रार० शाह,

आयकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार जन्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक है

भौर जिसकी सं० नं० 539/2 है। तथा जो गांव, खोरज में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्थ, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क्क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनें के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बौड़/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

श्रत: श्रव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पुजामिया भवाभिया गांव, खोरज जिला गांधीनगर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री यशबीर श्वनश्यामवास गोहेल झौर दूसरे । सहयाद्री एथंटिमेन्ट नं० 73 नवरंगपुरा । झह-मवाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- श्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याय अधोहस्ताक्षरी के पास लिंग्सित में किए जा सकरें।

स्पव्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा के उस अध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

मिलिकयत जो एस० नं० 539/2, खोरज, फरवरी, 1982 में रिजिस्ट्री की गयी है।

ग्रार० प्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 4-9-1982

## प्रकप धाई • टी • यून • एस •---

आयकार प्रक्रितियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-व (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 4 सितम्बर 1982

निर्वेश सं० पी० आर० नं० 1863/एक्यू०/23/II/82-83---अतः मुझे, झार० आर० शाह,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीय पश्चम प्राधिकारी की, यह निश्चास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व० से प्रक्रिक है

मौर जिसकी सं० नं० 539/2, खोरण है। तथा जो गांधी नगर में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत्त का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिकल निम्नसिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य के क्लित नहीं किया गया है:—-

- (क) मन्तरण में हुई किसी आम की बाबत उक्त स्रित-नियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिग्हें भारतीय आयंकर प्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ळिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुपरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती बीबीबेन मोहमदमीया भ्रहमदिमया गांव खोरज । जिला गांधीनगर ।

(ग्रन्सरक)

- (1) श्री यशबीर घणशामदास गोहल ।
- (2) श्री गयान प्रकाश चत्रीलदास गोहल, सहयात्री एपार्टमेन्ट नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को या सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पक्ति के प्रजीत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के भर्णन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त अन्दों घीर पदों का, जो सक्त प्रश्चितियम के घड़ाय 20-क में परिभाषित है, बही प्रयं होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## भगुसूची

मिलिकियत जो एस० नं० 539/2, खोरज, फरवरी, 1982, में ूरजिस्ट्री की गयी, हैं ।

> भार० भार० शाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त निरीक्षण भर्जन रेंज-II, महमदाबाद

तारीख: 4-9-1982

प्ररूप आर्द . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजैन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 4 सितम्बर 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1864/एक्यू०/23/II/82-83-म्रतः सुभे, श्रार० श्रार० शाह,

श्रायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा 269-श्व के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० नं० 525 (पी) खोरज है। तथा जो गांधीनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन तारीख फरवरी, 1982
को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार
मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; आर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिप्पाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन निम्निल्खित व्यक्तियों, अधीत :—

(1) श्री शंकर भाई हालदास गांव खोरज, जिला गांधीनगर !

(भ्रन्तरक)

(2) यशबीर गणशामदास गोहल

(2) श्री गयान, प्रकाश, चवीलवास गोहल, 73 सहयाद्री, एमार्ट मेंन्ट नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद, (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमां पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया चया है।

## न्तस्यी

मिलिकयत जो एस० नं० 525 (पी०) खोरज, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 4-9-1982

प्रकृष आई. टी. एन , एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, श्रहमवाबाद-380009 श्रहमदाकाद, दिनांक 7 सितम्बर 1982

निर्देश सं० स्रार० नं० 1866/एक्यू०-/23/2/82→83---श्रतः, मुक्षे, स्रार० स्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 196 है तथा जो कारान नगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कड़ी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन फरवरी, 1982

को पृशों क्त संपृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशों क्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उसमें वचने में मृविधा क लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

- 1: (1) भी वानकर रतछोड़भाई पाना भाई
- (2) जानकर बलदेश भाई पाना भाई
- (3) बाई पामी, पाना भाई रामाभाई की विश्ववा कारन नगर तहु कडी।

(अन्तरक)

- 2. दर्शन इण्डस्ट्रीज के भागीदार :---
- (1) दर्शन कुमार इन्द्रावदन वकील ऋहमदाबाद
- (2) पटेल गोबिन्द भाई जोइसाभाई
- (3) देसाई रतनभाई अम्बालाल कडी तह० कडी (उत्तरी गुजरात)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा,
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

## **ग्र**नुसूची

मल्कित जो एम० नं० 196, कारान नगर, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> म्रार० म्रार० शाह, मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, महमदाबाद

तारी**च** : 7-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस्. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद-380009
श्रहमदाबाद, दिनांक 7 सितम्बर 1982
सं० पी० श्रार० नं० 1869/एक्यू०/23/II/82-83--श्रतः, मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के प्रधीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जियका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 252/207 है तथा जो कलोल में के स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, कलोल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंस्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत खबत खबत खबिक नियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उत्तसे बचने में नुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी थाप या किसी धन या प्रस्य ग्रास्तियों की, जिल्हें भारतीय यायकर अधिनियम, 1922 (1922 अं 11) या उक्त अधिनियम या धनकर भिधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अना चाहिए था, खिलाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) बाई जीवी, मगन भाई अमयाभाई की विधवा, कल्याणपुरा, कालोल (उत्तरी गुजरात)

(ग्रन्तरक)

(2) गुसाईकुन्ज को० स्रो० हो० सोसायटी का प्रमुख श्री गुसाई बाबूगिरी जीवनगिरी श्रीर दूसरे सुतार, खड़की, मटवा कुंग्रा, कलोल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी अविकत द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पस्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा था उस अध्याय में दिया गया है।

## भन्सुची

मिल्कत जो एस० नं० 252/207, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 7-9-1982

प्रकृप भाई∙ टो • एत • एख • +----

# प्रायकर प्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11 श्रहमदाबाद-380009

श्रहमदाबाद, दिनांक 7 सितम्बर 1982

निर्वेश सं० पी० ग्रार० नं० 1870 एक्यू० 23 2 82 83 -- ग्रातः, मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके परचात् 'उत्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के प्रधीन सज़म प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ४० से ग्राधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 1087, 1232, 1295, 1306, 1418, 1410, 1412 है तथा जो गांव वाइसार में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कलोल में रजिस्ट्रीक्रण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख फरवरी, 1982

को पूर्वा कत संप्रित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का अरण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय को नाबन, उपन ग्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के खिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घन्य घारितकों को जिन्हें भारतीय घायकर घिषानियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धम-कर घिषानियम, 1957 (1957 का 27) के घमोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुबिधा के निए;

भ्रतः सब, उन्त प्रविनियम की बारा 269-म के भ्रनुसरण में, में, उन्त ध्रविनियम की बारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातु :---

- 1. (1) पटेल कचरा भाई हरजीवन दास
  - (2) पटेल दया भाई हरगोवन दास
  - (3) पटेल हरजीवन रामाभाई।
  - (4) पटेल कान्तीभाई जयसिंह भाई श्रौर श्रन्थ
  - (5) काणीबेन, ईप्वरभाई मनोरभाई की विधवा ।
  - (6) पटेल नारनभाई मनोरभाई ।
  - (7) पटेल मणेकलाल प्रहलादभाई श्रौर दूसरे, गांव वाडसार, तह० कलोल।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) पटेल नारनभाई शंकरभाई
  - (2) पटेल राधाभाई गंकरभाई चंचल वाग सोवा-यटी, राणापार्क बस स्टैंड के सामने; घटलंडिया, ग्रहमदावाद -13।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करक पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धार्माय:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख में 45 बिन की अविधि या रुप्सेबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अवत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मिल्कत जो वाडसार, कलोल सब-रजिस्ट्रार के कार्या-लय में जिसका नं० 588, 589, 590, 591, 592, 594, 595; फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> भ्रार० भ्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण भ्रजैन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 7-9-1982

मोहर 🧈

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद-380009
श्रहमदाबाद, दिनांक 9 सितम्बर 1982

सं० पी० श्रार० नं० 1872/एक्यू०-23/2/82-83--श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक है

भीर जिसकी मं० 2349 है तथा जो कानजारी, पंचमहल ूमें स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्या-लय, कलोज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन फरवरी, 1982 ।

को पूर्वा क्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बस्तिविक रूप से किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (सं) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) रतन फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड 31, श्रलकापुरी, बड़ीदा-390005।
  - (भ्रन्तरक)
- (2) श्राटोमोटिव रबर ट्रिमिंग्स प्राइवेट लिमिटेड एस० एम० सिल्ज मिल्क कमपांउड, श्रनतालया, बिल्लीमोरा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्शि के अर्थन के चिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पळीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **जन्**स्ची

मिस्कत जो एस० नं० 2349, कनजारी, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> ग्रार० ग्रार० शाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-<sup>11</sup>, ग्रहमदाबाव

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियिन व्यक्तियों, अर्थात् :--

नारीख: 9-9-1982

माहर:

प्रकथ आहे. टी. एन. एस. ----

# बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, श्रह्मदाबाद-380009
श्रहमदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1982

निदेश सं०पी० श्रार० नं० 1873/्नयू०—23/2/82—83—श्रतः, मुझे, श्रार० श्रार० शाह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उथत अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

25,000/ र. सं अधिक हैं

श्राँर जिसकी सं ब्लाक नं 373, राचराष्ट्रा है तथा जो
242, 372 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में
श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के
कार्यालय, कलोल में र्राजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के ग्रधीन तारीख फरवरी, 1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक
रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइं किसी बाय की बाबत, उक्त मिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोचनार्थ अस्तिरती स्वारा प्रकट नहीं किया गंग वा या किया बाना वाहिए वा, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-भं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिषित्र व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सानाजी उगराजी, रामराडा, कलोल (उत्तरी गुजारात)

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विजय सोमाभाई पटेल, ग्रलकापुरी, ग्रहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यमाहियां कारता हुने।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मिल्कत जो ब्लाक नं० 372, 373, 242, रान**भ**रदा, फरवरी, 1982 में रिजस्ट्री की गयी है ।

> म्रार० म्रार० शाह, सक्षम प्राधिकारी सहायकं श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

नारीख: 10-9-1982

महर:

प्रकथ बार्ष. टी. एन. एस. ------

आयकप अधिनियम् 1961 (1961 का 43) की धारा 2**59-च (1) के सक्षीन** सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद-380009
श्रहमदाबाद, दिनांक 9 सितम्बर 1982

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 1876एक्यू० $-23/\Pi/82$ -83— श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

पायकर विधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत विधिनियम' कहा यया है, की घारा 269 के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह किश्कास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका सचित बाजार मूल्य 25,000√- २० से अधिक है

भौर जिसकी सं ब्लाक नं 1 बड़ौदा है तथा जो जीवन प्रकाण को अो अो असे सायटी हारणी रोड में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के इचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मीलिखत उद्वेदिय से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की धावत उक्त अधि-नियम, के भन्नीन कर देने के सन्तरक के वासित्व में कभी करने या उबसे बचने में सुविधा के लिए: भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर धिष्टित्यमः, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः श्रव **उक्त विकिय**म की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री जामबेकर श्ररविनद दात्तात्रिया, राजमहल रोड, बड़ौदा।

(भ्रन्तरक)

(2) शाह चन्द्राकान्त हीरालाल चोपदार, फालिया, नव बाजार, बड़ौदा ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संप्रित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपश में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गमा हैं।

# भन्स्ची

मिस्कत जो ब्लाक नं ० 1, जीवन प्रकाश को ०-श्रो०-सोसायटी; फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गई है।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख : 9-9-1982

मोहर ः

# प्ररूप आहर् . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
प्रर्जन रेंज-II, प्रहमवाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 9 सितम्बर 1982

सं० म्रार० नं० 1877/एक्यू०-23/II/82-83—म्रत: मुक्षे, म्रार० म्रार० ग्राह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 406, 414, 409, 404, 394, 415, 375 है तथा जो रामचारदा में स्थित है (ग्नौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलोल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी, 1982

को प्योंक्त् सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य., उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्युष्ध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- 1. (1) श्री भीमाजी सादाजी ।
  - (2) श्री कालाजी मोहनजी ।
  - (3) श्री कालाजी मानाजी ।
  - (4) श्री बाबाजी देशामणी ।
  - (5) श्री श्रमबाराम मगनजी ।
  - (6) श्री गोवा भाई डुणगरभाई ।
  - (7) श्री जुगाजी रणछोड़जी, रामचरदा गांव तहसील कलोल, उत्तर गुजरात ।

(ग्रन्तरक)

श्री नवीनीतलाल चनदुलाल प्रारिख ।
 डः विकाम साराभाई रोड, शकुन्तल श्रहमदाबाद ।
 (ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंधु में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमा प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

मिल्कत जो गांत्र रामचारदा ब्लाक नं० 406, 414, 409, 404, 394, 415 श्रौर 375 फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

ग्रार० ग्रार० ग्राह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

नारीख: 9-9-1982

प्रस्थय आर्ड. ती एन. एस ------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 23 सितम्बर 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सेक्टर 17, प्लाट 339 है तथा जो गांधीनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्क में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख फरवरी, 1982 ।

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक रूश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के यीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा को लिए;

अत अब, उन्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्ष्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसिक व्यक्तियों, अर्थात् १---

(1) श्री अर्जेमदास गुमरोयल शासाद रालगाई रीतपु राष्ट्र, अहमक्षावाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) 1 छा० मणीलाल बामभाई गोहेल
2. श्रीमती लक्षमीबेन मणीलाल गोहेल, मेक्टर
17. ब्लाक 91/6, गाधीनगर ।
(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मिल्कत जो मेक्टर 17, प्लाट 339, गांधीनगर, फरवरी 1982 में रजिस्ट्री की गयी है ।

> श्रार० ग्रार० शाह, मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

ना**रीख**: 23-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-∏, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 23 सितम्बर 1982

निर्देश सं०पी० श्रार० नं० 1879/एक्यू० 23/II/82-83--

म्रतः मुझे, म्रार० म्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1, विभाग नं० 331, है तथा जो श्रीनगर सोमायटी, कलोल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय, कलोल में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन फरवरी, 1982

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्तर प्रतिकल का पन्तर प्रतिकल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— 15—316GI/82

- (1) श्री पटेल नौथाभाई उमेददास। पटेल भीखालाल जायालाल विषणु सीनिमा पास कालोल । (ग्रन्तरक)
- (2) रमीलाबेन हरपदकुमार शाह । जुना पौर हौस के पास । श्रीनगर सोसायटी, श्रीरंग कलोल । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

मिल्कत जो विभाग ए, नं० 331, प्लाट—1, कलोल, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> म्रार० म्रार० माह सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्राजैन रेंज-11, म्रहमदाबाद

तारीख: 23-9-1982

# प्रकप जाई० टी॰ दन॰ एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 23 सितम्बर 1982

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० नं० 60, 61, 63, सेक्टर 4 है तथा जो वावोल, (गांधीनगर) में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को जियत बाजार मूल्य से कम के द्रयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिए में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उदत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) राजन कार्पोरेशन की श्रौर से श्री विष्णु प्रसाद वासन्त राई पोटा, कर्मचारी नगर को-श्रो-ह॰ सोनायटी नाराणपुरा, ब्रहमदाबाद । श्री हरीश कुमार मुलु भाई रातोड़ मेक्टर, 22, ब्लाक, 131/2, गाधीनगर ।
  - (2) श्रंकुर कार्पोरेणन श्री कालीदाम कचराभाई सुथर श्रौर मनहरभाई डो गुजार परितोध सोसाइटी सामने एसटी-एक्सवीयर हाई स्कूल नाराणपुरा श्रहमदाबाद। (श्रन्तरक)
  - श्री नीरमान-को०-म्रो० हा० सोसायटी का प्रोमोटर,
     श्री ईब्रावदन गणपत्तराम शीकारी, सेक्टर 22,
     ब्लाक 123/5, गांधीनगर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए आ सकरो।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

# गन्स्ची

मिल्कत जो एस० नं० 60, 61, 63, (पी०) वाबोल गांधीनगर बिकीखत फरवरी 1982 मे यथाविधी रिजस्ट्री की गयी है।

> न्नार० ग्रार० गाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 23-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

म्रहमवाबाद, दिनांक 25 सितम्बर 1982

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 1887 /एक्वी० 23/II/82-83---श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० नं० 354 (पी) नागलपुर है तथा जो मेहसाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, मेहसाना में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रित्तिक के लिए, अन्तरित की गई है और मूम्हे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एरो दश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच एरो अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 [(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, सकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- 1. (1) श्री पटेल सोमाभाई गोपालभाई
  - (2) पटेल गोपाल भाई हेमराज भाई
  - (3) पटेल धशरन भाई गोपालभाई ।
  - (4) पटेल भीखाभाई हेमराज भाई।
  - (5) पटेल खोडाभाई भीखाभाई ।
  - (6) पटेल कानती भाई गोपालभाई । नागलपुर, जिला मेहसाना ।

(म्रन्तरक)

सीमजननगर को-ग्रो- हो० सोसायटी का प्रोमोटर,
 श्री अरिबन्दकुमार श्रमृतलाल शाह, नागलपुर,
 जिला मेहसाना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

मिल्कत जो नागलपुर एस नं० 354 (पी) फरवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयीं है।

> भार० भार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख : 25-9-1982

# प्रकृप धाई • टी • एन • एस •---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, लखनऊ

लेखनऊ, दिनांक 29 सितम्बर 1982

सं० जी० म्राई० म्रार०/एम०-143/म्रर्जन—म्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० खुली जमीन है तथा जो गाव मडयान ई मदनवाग में स्थित (है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, रामपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 27-2-1982

को पूर्वों क्त स्म्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्ति अक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्य में कमी करने या उससे इचने में मृथिया के लिए;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के तिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) कै अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री हाजी यूसुफखान ।

(ग्रन्तरक)

(2) डा० मुश्तर सहनाज सूरो।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रीमती जीनतवेगम पत्नी श्री हाजी यूसूवखान। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लि**ए** कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन को तारोख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर उपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ननुसूची

खुली जमीन पैमायशी 1200 स्क्यारयार्ड जोिक गांव मन्डायान ई नदनवाग रेही मुर्तजा रामपुर में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37–जी संख्या 806/8/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार रामपुर के कार्यालय में दिनांक 27–2–1982 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 29-9-1982

प्ररूप आहर्ष.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 4 नवम्बर 1982

निर्देश सं० जी०आई०आर०एल० --- 38/श्रर्जन---अत मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी म० 470 471 है तथा जो बमोरी तालो हल्दानी जिला नैनीताल में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी के कार्यालय, हल्दानी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक 5-2-1982 को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिवक रूप से किथन नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— . श्री बिशन दस हेडिया

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) लक्ष्मीदत्त
  - (2) श्रीमती महादेवी भट्ट
  - (3) गनेण चन्द्र

(ग्रन्तरिती)

3. उपरोक्त ग्रन्तरिती

( वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है। )

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्लेंक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्ची

खेतिहर जमीन पैमाइशी 3 बीघा जोकि मौजा बमौरी तल्ली बन्दावस्ती तहसील हल्दानी जिला नैनीताल में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलर्डाउव फार्म 37-जो सख्या 2738/82 में वर्णित है जिसका पजीकरण सब-रजिस्ट्रार हल्दानी के कार्यालय में दिनाक 5-2-1982 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम (भ्रधिकारी) सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ ।

तारी**ख** 4-11-1982 मोहर

# प्ररूप आर्षः टी. एत्. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 सितम्बर 1982

निर्देश सं० जी०म्राई०म्रार० सं० मी०--36/म्रार्जन--म्रतः मुझ, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा ?69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० श्राराजी नं० 125 है तथा जो गांव जदयपुर महेवा जिला खीरी में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखीसपुर खीरी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 25-2-1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य., उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय थाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-यिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्रीमती नरवदा देवी श्रीमती गंगादेवी श्रीमती शशिकला देवी द्वारा मुख्तारेग्राम श्री विभल झाझरिया (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती चन्द्र कला देवी

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त ग्रन्तिरिती (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिंक्त व्यक्तियों में से किती व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध कि मी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

श्राराजी नं० 125 जोकि 14390 वर्गेफुट जिसमें एक पुराना गोडाउन भी मामिल है जोकि गांव उदयपुर महेवा परगना व जिला खीरी में स्थित है जिसका विवरण सेलडीड व फार्म 37—जो संख्या 988/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्टार, लखीमपुर के कार्यालय में दिनांक 25—2—1982 को किया जा चुका है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख: 30-9-1982

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम**, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 'सितम्बर 1982

निर्देश सं० पी० श्राई० श्रार० पी० 95/श्रर्जन--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थापर मंपरित, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० ग्राराजी नं० 125 तथा जो गांव उदयपुर महेवा परगना व जिला खीरी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण कप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्मा ग्रिधिकारी के कार्यालय, लखीमपुर खीरी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिशीन नारीख 25-2-82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान के स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात :--

- (1) श्रीमती नरवदा देवी
- (2) श्रमती गंगादेवी
- (3) श्रीमती शशिकला देवी द्वारा मुख्नारेश्राम श्री विमल झाझरिया

(अन्तरक)

(2) भी पुष्कर लाल

(अन्सरिती)

(3) उपरोक्त ग्रन्तरिती (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेगे।

स्पद्धीकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित ह्री, बही उर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्सृषी

ग्राराजी नं० 125 जोिक 10519 स्क्वायरिफट है जिसमें एक गोडाउन भी शामिल है । जोिक गांव उदयपुर मेहवा जिला खीरी में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण मेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 987/82 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्टार, लखीमपुर खीरी के कार्यालय में दिनांक 25-2-1982 को किया जा चुका है ।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ।

नारीख: 30-9-1982

मंहर:

प्ररूप आर्दे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलीर, दिनांक 11-10-82

निर्देश सं० 33976--श्रतः मुझे, मंजु माधवन,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं जिन एकड़ के खेत हैं तथा जो बेन्नेगन-हल्ली कृष्णराजपुरम, बंगलौर में स्थित हैं (ग्रौर इसमें उपा-बद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, बैंगलूर साऊथ तालुक में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 3-2-1982 ।

को पूर्वे किस सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह यिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे कित सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री गौरम्मा श्री एन० मंजजीवय्या पत्नी, 23, के० वी० लेन, काट्टन पेट, बेगलूर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री स्रार2 कृष्णयया शेट्टी, श्री बालकृष्ण टैल फाक्ट्री पालनना, चिसूर जिला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- धव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

(दस्तावेज सं० 6550 तारीख 3-2-1982 ) तीन एकड़ की खोत है, जो बेन्नेगनन् हल्ली कृष्णराजपुरम्, बैंगलूर साउथ में स्थित है ।

> मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बंगलूर ।

तारीख: 11-10-82

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर बेंगलूर, दिनांक 7 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० सी० श्रार० 62/34098/81-82—श्रतः मुक्षे, मंजू माधवन,

अयय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु से बिधक है

धौर जिसकी सं० 342/11 ग्रौर 342/12 है तथा जो ब्याटरा यनापुरा मैसूर रोड डिविजन नं० 25, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध

प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधि-कारी के कार्यालय, बस्वनगुड़ी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 27-2-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती अन्तरितियों) के दीध एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथात नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायि को कभी करने का असले बाबने या स्थिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा मकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——
16—326GI/82

(1) श्री महबूब श्रली खान एवस्टेन्शन मोहरूला गमनगरम, बैंगलूर डिस्ट्रिक्ट।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दिनेश कुमार सन श्राफ किशन चन्द्र चोपड़ा, न० 57, महदेवापुरम, बैंगलूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूजां कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूत्रारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हित- बस्ध किसी अन्य ज्यक्ति द्वारा, अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं । अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3585/81-82 तारीख 27-2-82) सब सम्पत्ति है जिसकीं सं० 342/11 एंड 342/12 जो ब्याटरायनापुरा, मैसूर रोड, बेंगलूर-26 में स्थित है।

मंजू माधवन सक्ष्म प्राधिकारी महायक आयकार आय्वस (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, बंगलर ।

तारीख: 7-10-1982

# प्ररूप नाइ. टी. प्न. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज. बैगलूर

बैंगलूर, दिनांक 7 ग्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० सी०श्रार० नं० 62/34273/82-83/ एक्यू० बी०-श्रतः मुझे, मंजू माधवन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का

269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 141 है, तथा जो II मैनरोड, बिफ्र-मन्गला 1 स्टेंज\* में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)के श्रधीन तारीख 2-4-1982

डिविजन नं० 50 इंदिरानगर बंगलूर-38

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अनुकत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के एन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में स्विका के सिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) एन० रामय्या नं० 25 सत्यनारायण टेंम्पल स्ट्रीट, स्रलंसूर, बेंगलूर-560008।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० ए० चन्द्रशेखर श्रीर दूसरे नं० 12। धर्मराजा कोइल स्ट्रीट, बेंगलूर-560001। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां बुद्ध करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त जिमिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 29/82-83 तारीख 2-4-1982) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 141 जो II मैन रोड, बिन्न-मन्गला 1 स्टेज, डिविजन नं० 50, इंदिरानगर बेंगलूर-560038 में स्थित है।

> मंजू माधवन सक्षम मधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, बंगलुर।

तारीख: 7-10-1982

प्ररूप आहर्य. टी. एन. एस ------

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाक 7 ग्रक्तूबर 1982

निर्वेश सं० मी० श्रार० 62/33738/81-82--श्रतः मुझे, मंजु माधवन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 18, है तथा जो चर्च स्ट्रीट सिविल स्टेशन बंगलूर-1, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 17-2-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखत में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्धि के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. किम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री जी । शिवस्वामी नं । 18, धर्ज स्ट्रीट, बंगलूर-1, (ग्रन्तरक)
- (2) डाक्टर चेरियन सी वरकी ग्रीर डाक्टर (श्रीमती) माजू सी० वरकी 17/17, स्पेनस्र रोड, बेंगलूर-5, (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पदों का, जो उक्त जीवनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# मनुसूची

(दस्तावेज सं० 3490/81-82 तारीख 17-2-82) सब सम्पित्त है जिसका सं० 18, जो चर्च स्ट्रीट, सिविल स्टेशन, बेंगलूर-1 में स्थित है ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 7-10-1982

प्रस्थ वार्ड . दी . एन . एस . ------

भायकर भौधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक क्षायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 श्रक्तुबर 1982

निर्देश सी० आप० नं० 62/33803/81-82/एक्यू०/बी-- **श**तः मुस्ते, मंज् माधवन,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हुँ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हुँ

श्रौर जिसकी सं० 17 है, तथा जो लायडस रोड, कुक् टौन, बंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर मे रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता० 3-3-1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एस दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, और/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां करे, फिल्डे भारतीय आयघर अधिनियम, 1929 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धारक्तर अधिनियम, या धारक्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या सित्या जाना चाहिए था, छिपाने में मुखिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण क अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैंसंस मूला चागनमुल एण्ड कम्पनी इस कम्पनी के पार्टनर श्रीमती उदया कुवार भाई श्रौर जम्बू मूता न० 108, बिग्रेड रोड, बगलूर--25 ।

(श्रन्तरक)

(1) श्रीबी० ए० जयराम

- (2) श्रीमती कमलम्मा न० 5, गोवर रोड काक्स्, टौन बंगलुर ।
- (3) श्री जे० मुनिराज, नं० 1/1, गोवर रोड, काक्स टौन, बंगलूर
- (4) श्री जै० पुरुषोतम नं० 1/2, गोवर रोड, काक्स् टौन, बंगलूर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या

### अमुस्ची

(दस्तावेज सं० 3683/81-82 तारीख 3-3-1982) सब सम्पत्ति है जसकी सं० 17, जो लायड्स् रोड, कुक टौन, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 7-10-1982

प्रम्प स्राई० टी • एन० एत०----

म्रायकर म्रतिनियम, 1961 (1961 रा 43) की धारा 269व(1) के प्रयोग सूचना

भारत परहार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 2, ग्रमृतसर ग्रमृतसर, दिनाक 13 ग्रक्तूबर 1982

निर्वेश सं० ए० एस० ग्रार०/82-83/306 यतः मुझे, ग्रानन्द सिंह, ग्राई० ग्रार० एस० आपकर ग्राधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त ग्रधितियम' कर्ग गया है), की धारा 269-ग्र के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह त्रिण्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्यत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये ने अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो टी० पी० सकीम नं० 53 ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी 1982

को प्रांवत सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गगा प्रतिफत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन वास्विक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण मे हुई किसो श्राय की बाबत, उक्त प्रिष्ठ-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए, धौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रन्य खास्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथे प्रन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः बब, उक्त ग्राधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

श्री रेशम सिह पुत्र नंद सिह वासी विजे नगर बटाला रोड़ अमृतसर।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती नीना पत्नी दिवदर साहन वासी मकान नं ० 2089/27 गली कबोंग्रा बाग लयांबाला श्रमृतसर। (श्रन्तरिती)

जैसा ऊपर स० 2 में कोई किराएदार हो।
 (वह यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है

4. श्रीर कोई

(वह यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है) को यह सूत्रना जारो कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन क छिए कायेवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कीई भी श्राक्षेप :---

- (क) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन को प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध, जो मी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस तूनता के राजात रंगकागत को नागेख स 45 दिन के भीतर अन्त स्पानर सम्पत्ति में हितबक किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्तकारी के पास विखित में किए जा सर्जेंग।

स्यब्दोकरण:--इनमें प्रयुक्त लब्दों थीर पद्मे कर, जो उकत स्रिष्ठ-नियम के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अयं होगा, जो उन अध्याय में विदा गया है

# नन्स्ची

एक भूमि का प्लाट 263 व०ग० है जो टी पी स्कीम नं० 53 ग्रमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं० 19236/1-2-82 रजिस्ट्री ग्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

> ग्रानन्य सिंह, ग्राई० ग्रार० एस० सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3 चंद्रपुर, श्रमृतसर

तारीख: 13-10-1982

#### भारत मरकार

कार्यालय, स**हा**यक आयक र आयुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज, भ्रमृतसर

ध्रमृतसर, दिनांक 14 ध्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० ए एस श्रार/82-83/307—यतः मुझे, श्रानंद सिंह, श्राई० श्रार० एस०

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इमर्ने इसके पश्चात् 'उक्त म्रिमित्यम' कहा गया है), की घारा 269-व के अधीन सम्मान्न प्राधिकारी को, यह विश्वास करने भा कारण है कि स्थातर सम्पत्ति, जिसका छिवत बाजार मूल्य 25,000/- ४० वे मिधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक प्लाट है जो तथा विजे नगर अमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से व्याणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
  जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
  (1922 का 11) या धनत अधिनियम,
  या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
  के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
  किया गया वा या किया जाना चाहिए वा,
  छिपाने में सुविधा के लिए।

 श्री जगतार सिंह पुत्र शाम सिंह वासी 12 रतन चंद रोड़, ग्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री संतोख सिंह पुत्र पयारा सिंह गली नं० 4 विजे नगर बटाजा लोज ध्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० नं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रीर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व ते 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की हामिल से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वड़ी अर्च होगा, जो उस ग्राज्याय में विया गया है।

# अनुसुची

एक भूमि का प्लाट 402 व० ग० जो विजे नगर ग्रमृतसर (गली नं० 4) ग्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 20435/ 19-2-82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

> म्रानंद सिंह, माई० म्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्राजैन रेंज, चंद्रपुरी म्रमृतसर

अतः अबः, उक्तः अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरणः में, मैं उक्तः अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 14-10-1982

प्रकप भाष<sup>4</sup>. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के कधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 14 श्रक्तूबर, 1982

निर्देश सं० ए एस आर/82-83/308—यतः मुझे, आनंद सिंह, आई० आर० एस०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को., यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- क से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो भ्राबादी तहसील पुरा श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्मान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अद्याउक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नति खित व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्री जितद्र कुमार विरिदर कुमार पुद्धान कुंदन लाल बासी रानी हवेली कुचा दयाल सिंह ध्रमृतसर। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती उषा रानी पत्नी सुभाष चंदर वासी तहसील पुरा ग्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

- जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।
   (वह व्यक्ति जिसके श्रिधियोग में सम्पत्ति है)
- 4 स्रौर कोई ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्य हैं)

को यह स्वना आरी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, ग्रश्लोहस्नाक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकींगे।

स्थध्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बनुस्ची

एक प्लाट नं० 17 जो 253 1/2 ब०ग० है जो भाबावी तहसीलपुरा श्रमृतसर में है जैसा कि सेल ढीड नं० 20549/ 23-2-82 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> मानंद सिंह, माई० मार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज 3, चंद्रपुरी ममुतसर

तारीख: 14-10-1982.

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-भ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 14 श्रस्तूबर 1982

निर्वेश सं० ए एस म्रार/82-83/309---यतः मुझे म्रानंद सिंह, म्राई० भ्रार० एस०

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी नं ० एक इमारत है तथा जो रेलवे लिंक रोड़ स्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कहे, जिन्हों भारतीय उपय-कर अधिनियम, 1922 (1022 का 11) या उनका अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :--

- 1. श्री हरिकणन सिंह संधू एडवोकट पुत्र डा॰ करतार सिंह वासी 37 कनेडी एवनयू श्रमृतसर।
- श्री हरदीप बेदी पुत्री महिंदर सिंह वासी कटडा करम सिंह चोंक चिंडा श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

जैसा ऊंपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। दुकान नं० 1
 और 2 म० ग्रुप 8 वीथ 750/महीना

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. दुकान नं० 3 श्रजीत सिंह 500/- महीना। श्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्वव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पस्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

1/4 भाग ढाई मंजिला इमारत प्लाट नं० 72-73 जो जो रेलवे लिंक रोड श्रमृतसर में है जैसा सेल डी नं० 20254/ 17-2-83 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्चानंद सिंह, श्चाई० श्चार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्चायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, चंद्रपुरी श्चमृतसर

तारीख: 14-10-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

ध्रमृतसर, विनांक 14 ग्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० एएसम्रार/82-83/310---यतः मुझे म्रानंद सिंह म्राई० म्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उन्तें अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एक इमारत है तथा जो रेलवे लिंक रोड ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रौर इसमे उपावद्ध ग्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल् निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था विकया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः नव, उपत अधिनियम की भारा 269-म के जनसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों अर्थात्:—— 17--326GI/82  श्री हरिकशिन सिंह संधू एडवोकेट पुत्र डा० करतार सिंह बासी 37 कैनेडी एवनयू अमृतसर।

(भ्रन्तक)

 श्रीमती हरदीप बेदी पुत्री महिंदर सिंह वासी कप्डा करम सिंह चौक चिड़ा श्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई येदार हो दुकान नं० 1 श्रीर 2 म० ग्रुप 8वीं तथा 750/- महीना दुकान नं० 3 श्रजीत सिंह 500/- महीना। (वह व्यक्ति जिसके अभियोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्परित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई" भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### वन्स्ची

1/4 भाग ढाई मंजिला इमारत प्लाट नं० 72-73 जो रेलवे लिंक रोड श्रमृतसर में है जैसा सेल ढीड नं० 19957/ 12-2-82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में वर्ज है।

> भ्रानंद सिंह भ्राई० भ्रार० एस० सक्षम भ्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 3 चंद्रपूरी, ग्रमुतसर

तारीखाः 14-10-1982ू

प्रकृष बाई • टो • एन • एस •----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 14 ग्रन्तूबर 1982

निर्देश सं० एएसश्रार/82-83/311—यतः मुझे श्रानंद सिंह आई० श्रार० एस० आयकर प्रधिनियम, 1961 (196 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है, ग्रीर जिसकी सं० एक इमारत है तथा जो रेलवे रोड़ श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुखेयह विज्वा करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृण्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृण्यमान प्रतिकल के, ऐसे दृण्यमान प्रतिकल के। पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरग के लिए त्य पाया गया प्रतिकल किन निम्निविध र वेश्य से उक्त यन्तरण निखित में वास्तविक हम से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उका ग्रिक्षिनयम के अग्रीत कर देने के अन्तरक के दायित्य ग्रें कमी फरने या उससे वचने में सुविधा के लिये; और।या
- (ख) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अस्य आहितयों की, जिन्हें भारतीय धायकर घिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठित्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

 श्री हरिकशन सिंह संधू पुत्र डा० करतार सिंह वासी 37-कनेडी एवनुय श्रमृतसर।

(श्रन्तरक)

(झन्तरक)

 श्री मनजीत सिंह बेदी पुत्र त्रलोक सिंह बासी कटडा करम सिंह चौंक चिड़ा श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो 1 दुकान नं० 1 श्रौर 2 में किराये पर 750/- महीना

> (2) दुकान नं 3 प्रजीरत सिंह 500/- महीना। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है) को यह सूचना जारों करके पूर्वाकत सम्पत्ति के ग्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के प्रजंन के सम्बन्ध म कोई भी आक्षेप : ---

- (क) इप यूवना के राजान म प्रकाणन को नारीख में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर पूजना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अब होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

# **अनुस्**ची

1/4 भाग ढाई मंजिला इमारत प्लाट नं० 72-73 जो रेलवे लिंक रोड श्रमृतसर में है तथा जैंसा कि सेल डीड नं० 20253/17-2-82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानंद सिंह, श्राई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, चंद्रपुरी श्रमृतसर

तारीख: 14-10-1982

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घू (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 अन्तूबर 1982

निर्देश सं० एएसम्रार/82-83/312—यतः मुझे म्रानंद सिंह माई० श्रार० एस०

भाव कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त प्रतिनम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत पक्षम पाधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भधिक है

और जिसकी सं० एक इमारत है तथा जो रेलवे लिंक रोड अमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल हे लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति हा उचित बाजार मूल्य, उस हे दृश्यमान प्रतिफल से, एंग दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फत निम्निचित उुण्य से उक्त अन्तरण निच्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्रीय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, वा धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अथ उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभाग (1) के अधीन, निम्निनिधित व्यक्तियों, मुर्थात् :---

 श्री हरिकशन सिंह संध् पुत्र डा० करतार सिंह वासी 37-कैनेडी एवनूय ग्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मनजीत सिंह बेदी पुत्र श्री त्रलोक सिंह वासी कटड़ा करम सिंह चौक चिड़ा श्रमृतसर। (श्रन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो 1 बुकान नं० 1 श्रौर 2 में किरायेदार 750/- महीना 2. बुकान नं० 3 ग्रजीरत सिंह 500/- महीना। (बहु व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. घौर कोई

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के श्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उदन सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस यूजना के राजाज में जागान की त'री ब से 45 दिन की अविज या त सम्बन्धों क्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा मकेंगे।

स्पद्धाकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रह्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रम् होगा, जो उस ग्रह्याय म दिया गया है।

# वनुसुची

1/4 भाग ढाई मंजिला इमारत प्लाट नं० 72-73 जो रेलवे लिक रोड धमृतसर में हैं जैसा सेल डीड नं० 19958/ 12-2-82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी श्रमृतसर में वर्ज हैं।

> आनंद सिंह भाई० भार० एस० सक्षम अधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज ३, भंद्रपुरी भनृतसर

तारीख: 14-10-1982

# प्ररूप बाइ .टी.एन्.एस्. ------

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 13 श्रन्तूबर 1982

निर्देश सं० एएसभार/82-83/313—यतः मुझे भ्रानंद सिंह भ्राई० श्रार० एस०

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कोठी नं० 131 है तथा जो गोलंडन एवन्य ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी 1982

को प्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित, की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त जभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; जार/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री सोहन सिंह एडवोकेट पुत्र गुराजित सिंह वासी
   131 गोलंडन एवनयू बाटर वर्कस रोड़ ग्रमृतसर।
   (अन्तरक)
- श्री कुलवंत सिंह पुत्र किशन सिंह वासी बाजार चूहड़ गेरी श्रमृतसर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा ऊपर सं० नं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
  - 4. ग्रौर कोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृथिक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बासे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अमुसुची

1/3 भाग कोठी नं० 131 गोलडन एवनयू वाटर वर्कस रोड़ भ्रमृतसर में है तथा जैसा सेल डीड नं० 20002/12-2-82 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानंद सिंह, भ्राई० श्रार० एस० सक्षम श्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज 3, चंद्रपुरी श्रमृतसर

मोहर: 13-10-1982

मोहर 🤃

प्ररूप मार्च, टी. एन. एस ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक ध्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 13 श्रक्तूबर 1982

निर्धेश सं० एएसम्रार/82-83/314—यतः मुझे म्रानंद सिंह म्राई० भ्रार० एस०

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त निधीनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० कोठी नं० 131 है तथा जो गोलंडन एवनयू अमृतसर में स्थित है (भ्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय ध्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिवृक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के ब्रांगि कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे ब्यूने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों का, जिम्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः, अब, उक्त जिभिनियम की धारा 269-व के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात—

- 1. श्री सोहन सिंह एडवोकेंट पुत्र गुरमित सिंह वासी
  131 गोलंडन एवनयू वाटर वर्कस रोड़ श्रमृतसर।
  (अन्तरक)
- श्रीमती हरजीत कोर पत्नी कुलवंत सिंह वासी बाजार चूहड़ बेरी श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. ग्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए शा सकोंगे।

स्थष्टिकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# **जन्**स्ची

1/3 भाग कोठी नं० 131 गोलंडन एवनयू वाटर वर्कस रोंड़ श्रमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं० 20003/12-2-82 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानंद सिंह श्राई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, चंद्रपूरी श्रमतसर

तारीख: 13-10-1982

प्ररूप आर्द्र. टी. एन. एस. +------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्रम्तसर

भ्रम्तसर, दिनांक 13 भ्रम्तूबर 1982

निर्देश सं० एएसम्रार/82-83/315—यतः—यतः मुझे भानंद सिंह भाई० भार० एस०

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं कोठी तं 131 है तथा ओ गोलंडन एवनयू श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल 1982

को प्वांक्त संपत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देगे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के मधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, जर्थात् :---

- श्री सोहन सिंह एडवोकेट पुत्र गुरमित सिंह वासी
   131 गोलङन एवन्यू वाटर वर्कस रोड़ श्रमृतसर।
   (अन्सरक)
- श्री श्रमरजीत सिंह पुत्र कुलवंत सिंह वासी वाजार चूहड़ बेरीं श्रमृतसर।

(स्रन्तरिती)

- 3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह मयक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 श्रीर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधिः, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्ल व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस् अध्याय में दिया ग्या है।

# अनुसूची

1/3 भाग कोठी नं० 131 जो गोलडन एवंयू वाटर वर्कस रोड श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 1033/12-4-1982 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानंद सिंह श्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, चंद्रपुरी श्रमृतसर

तारीख: 13-10-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

# **बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की** भारा 269-घ (1) के अथीन स्<u>च</u>ना

#### भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रमृतसर, दिनांक 13 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० ए एस भ्रार/82-83/316—यतः मुझे श्रानंद सिंह श्राई० श्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उधित बाजार मृल्य 25.000/ रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो बाजार लोहगड़ श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वा क्त सम्प्रति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त स्यक्तियों, जुर्धात् ाल-

- श्री राजा लख़मी पत्नी नरीदंर कुमार वासी जोड़ा पीपल, गजी देवीर वाली कूचा पहलवानां ग्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- 2. निरमला पत्नी दुरगा दास वासी चौक लोहगड़ ग्रमृतसर (ग्रन्सरिती)
- 3. जैसा ऊपर सं० 2 के कोई किरायेदार हो।
  - 1. श्री गजी राम (पान वाला ) 200/-महीना,
  - 2. श्री नरेश वाच कंपनी 200/- महीना
  - 3- श्री णाम लाल (निकलवाला) 200/- महीना। (वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां कत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

#### अनुसूची

एक बनी जायबाद (2 दुकान भौर एक तबेला) जो बाजार लोहगएड़ भ्रमृतसर से में है जैसा सेल बीड नं० 19853/10-2-1982 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज है।

> भ्रानंद सिंह म्राई० म्रार० एस सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3, चंद्रपुरी मन्तसर

तारीख: 13-10-1982

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-घ(1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

ंनई दिल्ली, दिनांक 12 अन्तूबर 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु० 2/एस० भ्रार०-2/2-82/6732---यतः मुझे सुधीर चन्द्रा अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं **ग्रौर** जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—कादीपुर, दिल्ली-36 में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्दीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी 1982 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य जसको दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती

(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदयोध्य से उक्त अन्तरण लिखित से

वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन विमनिल्खित व्यक्तियों, अर्थात् ६--

 श्रीमती चन्दर कान्ता पत्नी श्री रघुबीर सिंह, निवासी नं० 752-ए, शास्त्री नगर, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री जिले सिंह सुपुत्त श्री हरी सिंह, निवासी— मुखमेल पुर, विल्ली-36।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दोकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# अनसची

भूमि तादादी 41 बिघे 7 बिघ्वे, स्थापित-ग्राम—कादीपुर, दिल्ली-36।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-10-1982

# प्रकृष कार्ड्ः टी व्हन . एस . - १८५------

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली / दिनांक 112 प्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० 2/2-82/6845 —यतः मुझे सुधीर चन्द्रा बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक हैं। श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम---मसुदाबाद, पो० नजफगढ, दिल्ली मे स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भातीय रजिस्ट्रीकरण श्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान श्रतिफल सें, ऐसे दृश्यमान अतिफल का पन्छ ह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भ्राधि-नियम के भ्रधीन क़ुर्<sub>न्नहें</sub>ने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(ब) एसी किसी जाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- 1. श्री रोशन लाल सुपुत्र श्री विशन सिंह, निवासी नजफगढ़, दिल्ली जनरल ग्रटार्नी श्रीमती कलावती। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री राम चन्दर सुपुव श्री मगल सेन, निवासी:-ग्राम मउर, जिला---ग्रलीगढ़, यू० पी०। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां करता हूं।

# उनत सम्महिता के अर्जन के सम्बर्ध में कारेई भी गाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबर से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व विद्यास व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा यहां है।

# अनुसूची 📧

कृषि भूमि तादादी 9 बिघे 12 बिघ्वे, स्थापित-ग्राम— मसुदाबाद, पो० नजफ गढ, दिल्लो ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-10-1982

मोहरः

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के व्यक्ति सूचना

# भारत तुरकार

कार्याल्य, सहायक नायकर नायकत (निराक्षण)

भ्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 भ्रम्तुबर 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू० 2/एस० म्रार०-2/2-2-82/6846—यतः मुझे सुधीर चन्द्रा

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—मसुदाबाद, नजफगढ़, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रामान प्रतिकाल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिकाल से, एसे द्रायमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिवात से विध्क है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिकाल निम्निलिख्त उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ज्तः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के ज्धीन, निम्नृलिसित् व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री रोशन लाल सुपुत श्री विशन सिंह, निवासी— नजफगढ़, दिल्ली तथा जनरल घटानी श्री सुरज मल।

(भ्रन्तरक)

2. श्री राम चन्दर सुषुत श्री मंगल सेन, निवासी—ग्राम मजर, जिला—ग्रलीगढ़, यू०पी०।

(अन्तुरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किये जा सकेंगे।

स्युक्त क्यां और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

# वन्स्ची

भूमि तादादी 9 बिघे 12 बिश्वे, स्थापित-ग्राम—मसुदाबाद, नजफगढ़, दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-10-1982

प्रस्पु बाह्र . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

**प्र**र्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 ग्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू० 2/एस० म्रार०-2/2-82/6847—यतः मुझे सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—मसुदाबाद, पो० नजफगढ़, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी 1982

को पूर्वाक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय्-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्डित व्यक्तियों, अधीत्:——  श्री रोशन लाल सुपुत्त श्री विशन सिंह, निवासी— नजफगढ़, दिल्ली जनरल घटानी श्रीमसी नर्वदा देवी।

(प्रन्तरक)

2. श्री राम चन्द सुपुत्र श्री मंगल सेन, निवासी— ग्राम—मसुदाबाद, पो० नजफगढ़, दिल्ली। (ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पळीकरण: -- इसमें प्रयुक्त काब्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### **मन्**स्ची

कृषि भूमि तादादी 9 बिघे 12 बिश्वे, ग्राम मसुदाबाद नजफगढ़, दिल्ली।

> सुधीर चन्त्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेज-4, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 भ्रक्तूबर 1982

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एकपू० 2/एस० आर०-2/6748—यतः मुझे सुधीर चन्द्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं र्ड०-ए०-1/32(एस० एस०) है जो इन्दर-पुरी एक्स० नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908

का 16) के भ्रधीन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रनिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिख्त में वास्तिवक रूप कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ं--- 1. श्री हरनाम सिंह मलहोत्रा सुपुत्र स्व० श्री बन्शी मेहर चन्द मलहोत्रा निवासी-नं० 6/44 सुभाष नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री कन्हैया लाल बावल सुपुत्र स्व० श्री घेवर चन्द बाबल, निधासी-नं० 52 ग्रजमेरी गेट, दिल्ली। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पीत के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्मक्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शुन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिमा गया है।

#### अनसची

प्रो० नं० ई०-ए०-1/32 (एस० एस०), एरीया 250 वर्गगज, इन्दरपुरी एक्सटेशन, दिल्ली/नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर श्रीयुषत (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-10-19**8**2

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयर्कर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 ग्रक्तूबर 1982.

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० 2/एस० ग्रार०-2/2-

82/6272—यतः मुझे सुधीर चन्द्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्यू

25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो हसनपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908, का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—  कंवर सिंह सुपुत्र श्री गोबिन्दा, निवासी-ग्राम—-पंडवाला कलां, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

श्री कन्हैया सुपुत्र श्री सुरत राम, निवासी-ग्राम—
 हसनपुर, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

# अनुसूची

1/4 हिस्से, भूमि तादादी 106 बिघे 17 बिश्वे, ग्राम-हसनपुर, दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-10-1982

प्रहर ग्राई० टी० एत० एत०---

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

#### **षारत सर**कार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 ग्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०ग्रार०-2/2-82/6742—यतः मुझे सुधीर चन्द्रा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—ग्रलीपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ब्रधीन, निम्नृतिखित् व्यक्तियों, वर्धात् :—  श्री प्रीथी सुपुत श्री फतेह चन्द, निवासी—-ग्रलीपुर, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. हुकम चन्द कर्ता एच०यु०-एफ०, निवासी-जे०-473, गली पहाड़वाली, पहाड़ी धीरज, दिल्ली। (ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्प<u>रि</u>त्त के अर्जन के संबंध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रष्टयाय पें दिया गया है।

# वनुसूची

भूमि तादादी 8 बिघे 8 बिग्वे, ग्राम — ग्रलीपुर, दिल्ली प्रशासन दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-10-1982

त्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 ग्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एन्यू०-2/एस०म्रार०-2/2-82/6739—यतः मुझे सुधीर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—पुठ कलां, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उन्त जीधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधिन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री बसन्त लाल सुपुत्र श्री महादेव, निवासी-डी-20, बुध बिहार दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री बनवारी लाल सुपुत्र श्री नरिसह राम, निवासी-पुठ कलां, दिल्ली प्रशासन दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### वनुसूची

कृषि भूमि तादादी 25 बिघे 5 बिघ्वे, स्थापित पुठ कलां, दिल्ली।

> मुघीर चन्द्रा सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-10-1982

प्ररूप बाइं. टी. एन्. एस्.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज 2. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 ग्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० श्रार०-2/2-82/6778---यतः मुझे सुधीर चन्द्रा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—हसनपुर, दिल्ली में स्थित है म्रीर (म्रीर इससे उपावद्ध म्रनुसूची में म्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया ग्या है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बर्गिभीनयम के बभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी पृत् या जन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर किसि तियं भा, 1922 (1922 का 11) या उनता जिसि तियं भा, या धन-कर अधिनियमं, या धन-कर अधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

बतः अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,अर्थात् :---  श्रीमती सार्बती पत्नी स्वर्गीय श्री खुबी राम, निवासी-सरौदा , जिला रोहतक (हरियाणा)।

(ग्रन्तरक)

 श्री राम फल, महाबीर, दलीप ग्रौर देश राज सुपुत्रगण श्री बखतावर, निवासी-ग्राम—हसनपुर, दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# · उन्त सम्परित् के वर्जन के सम्बन्ध में कोई थीं वास्तेप g-a

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कतु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# वनसंची

कृषि भूमि तादादी 14 बिघे 9 बिश्वे, ग्राम—हसनपुर दिल्ली, रेक्ट० नं० 11, खसरा नं० 8/20, रेक्ट० नं० 49, खसरा नं० 2, रेक्टर नं० 73, खसरा नं० 6, 14, 64, 65 रेक्ट० नं० 12, खसरा नं० 4/13, कृषि भूमि।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-10-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के मुभीन सुपना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 ध्रक्तूबर 1982 निर्देण सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० 2/एस० श्रार०-2/2-

82/6241—यतः मुझे सुधीर चन्द्रा आयकर भिष्टित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिष्टित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यात्र सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-

• •पए से मधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली मे स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूधी में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से, ऐसे रूपयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) है अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- 9—326GI/82

 श्री राम फल सुपुत श्री लक्षमण , निवासी—— साहिनामाद दीलणपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री विजय पाल मुपुत्र श्री हरद्वारी लाल, मार्फन-श्री रामजी सोप एण्ड केमिकल इन्डस्ट्रीज, रूदर-पुर रोड, किछा, जिला---नैनीताल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पित्स के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त राज्यों और पयों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

भूमि तावावी 13 बिथे 11 बिथ्वे, खसरा नं० 43/4/2 (0-15), 43/5 (2-9), 43/6 (4-8), 43/7/1 (1-11), 43/15 (4-8), ग्राम-साहिबाबाद दौलतपुर, विस्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-10-1982

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

न्नायकर प्र<mark>धिनियम, 1961 (1961 का 43) की</mark> धारा 269 घ (1) **के प्रधी**त सू**चना** 

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 ग्रक्तूबर 1982

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० 2/एम० श्रार०-2/2-82/6816---यत मुझे मुथीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्न अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपयं से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—बघरौला, दिल्ली मे स्थित है (ग्रीर इसमे उपावद्ध ग्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण व्या मे विणत) है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली म भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख फरवरी 1982

(1908 का 16) क अधान, ताराख फरवरा 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्तिवक हम से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की वाबत, उक्त आंध-विश्य के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में किसी करने या उसस बचने में सृषित्रा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी कियी आय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को, तिन्हें भारतीय याय-कर प्रधितियम, 192? (1922 का 11) या जान अधितियम या पन-कर पधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती तारा प्रकृत नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :~~

- श्री मोहर सिह सुपुत श्री मामन, नियामी-ग्राम— बपरौला, दिल्ली।
- श्री सतवीर सुपुत्र श्री जमुना निवासी-ग्राम—ग्रमलत-पुर खादर, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करक पूर्वोका सम्पति के **धर्जन** के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील रे 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध वाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रत्य अपिका द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे '

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिक नियम, के श्रध्याप 20क मं परिभाषित है, वही अस होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है।

#### वनुसूची

भूमि तादादी 13 बिघे 12 बिग्वे, स्थापित -ग्राम--बपरौला, दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राथिकारी सहायक श्रायकर ग्राथुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-10-1982

प्ररूप पाइ र टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्ष्ण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 अक्तूबर 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०-2/एस० श्रार०-2/2-82/6773---श्रतः मुझे, मुधीर चन्द्रा,

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है); की धारा 268-ख क ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25.000/- द के सिश्विक है श्रीर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-श्रालीपुर, दिल्ली प्रणासन दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण क्य में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक फरवरी, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्त के निए अन्तरित की गई है और मुखे यह वि बाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य म उक्त ग्रन्तरण निखित में वास्तविक ह्य से कथित नहीं किया गया है :—-

- (क) प्रम्लरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त भिन्न नियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
  - (का) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1). के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) छोटू ग्रौर राममरूप सुपृत्तगण श्री सुधन निवासी-ग्राम-जिन्दापुर, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सारती देवी पत्नी श्री छोटू और श्रीमती भारतु देवी पत्नी श्री राम सरूप दोनों निवासी-ग्राम-जिन्दापुर, दिल्ली

(अन्तरिती)]

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हां, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं पकाशन की लारीन से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जा उक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### प्रतसंची

कृषि भूमि तादादी 5 विघे 17 विष्वे, खसरा नं० 1862/1 (2-0), 1909/2(3-17), स्थापित—ग्राम—श्रलीपुर, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली

मुधीर चन्द्रा, सक्षम ग्राधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 12-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1982

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/एक्यू० 2/एस० ग्रार०-2/2/82 6790—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बकरवाला, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक फरवरी, 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण विखित मे वास्तिक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री महा सिंह सुपुत्र श्री कारे, निवासी-ग्राम-बकर-वाला, दिल्ली

(श्रन्तरक)

(2) श्री बिश्वा मोहन बंसल, सुपुत्र श्री जसवन्त राय बंसल, निवासी-3-बी, डा० जाकिर हुसैन रोड़, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

कृषि भूमि तादादी 11 विषे 16 विष्वे, ग्राम—वकरवाला, दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा, मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली~110002

दिनांक: 12-10-1982

# प्ररूप बाई. टी. एन्. एस.,---

# यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घाँचा 269-व(1) के घधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अवतुबर 1982

निर्देश सं० श्रार्थ० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-2/2-82/6789--श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बकरवाला, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण चप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिशत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, जिम्नलिशित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः नन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, ननुसरण मों, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीम निम्निलिखित व्यक्तियों, नुर्धातः—- (1) श्री मेहर सिंह सुपुत्र श्री कुमरे, निवासी-बकरवाला, दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बी० के० जैन सुपुत्न श्री संत लाल जैन, निवासी— 133 नारंग कालोनी, दिल्ली

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पृत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्योकरण--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मनुसूची

कृषि भूमि तादादी 42 विघे 16 बिश्वे, ग्राम-बकरवाला, दिल्ली

> मुंधीर चन्द्रा, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-10-1982

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०2/2-82/6785—ग्रत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भ्रांर जिसकी म० कृषि भूमि है तथा जा ग्राम-नागली सक्रावती विल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक फरवरी, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समित का उाचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रनिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तिवृक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें स्विधा के लिए;

कता. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ग, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्री खूब राम श्रीर राम दयाल सुपुत्रगण श्री जय राम, दोनों निवासी--ग्राम श्रीर पो० नांगली, सक्रावती, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उमा रानी पत्नी श्री के० डी० सहगल, निवासी-जे०/बी०/1 राजौरी गार्डन, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 11 बिघे 8 बिग्वे, ग्राम-नांगली, मक्षाबती दिल्ली

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 12-10-1982 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, गहायक आयकर आय्वत (निराक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1982

निर्देण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-2/2-82/6786—श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—नांगली सकावती दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप किथत नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में म्विशा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घृ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री खूब राम श्रोर राम दयाल सुगुत श्री जय राम निवासी--ग्राम श्रीर पा० नांगली सकावती, दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्री कान्ना रानी पत्नी श्री किणन गोपाल सहगल, निवासी-जे/बी०/1 राजौरी गार्डन, नई दिल्ली (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

कृपि भूमि तादादी 10 बिघे 5 बिग्ने, ग्राम-नांगली सकावती दिल्ली ।

> मृधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्त्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक: 12-10-1982

मोहर .

प्ररूप आई. टी. एन. एस

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 ग्रक्तूबर 1982

निर्देश मं० श्राई० ए० मी०/एक्यू० 2/एम० श्रार०-2/2-82/6775—श्रत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

स्नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचातू 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-पुठ कलां, विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपागद ग्रामुस्ची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वा कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से **हुई किसी आय की बाबत,** उक्त जिथितियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के तिए? जीट्र/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविद्या के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के जभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियमें नर्थास् स्—- (1) श्री बसन्त लाल गुपुत्र श्री महेन्द्र, निवासी डी-20 वध विहार कालोगी, दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बनवारी लाल सुपुत्र श्री नर्रामह राम, निवासी— पुठ कलां, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उक्क सुम्परित् के वर्षम् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अविध्या भी अविध्याद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 25 बिघे 5 बिघवे, ग्राम-पुठ कलां, दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन-रेंज 2-दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक: 12-10-1982

प्रकार आहे । हो । एन । एस । ---

भाय तर अ**धिनियम,** 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ध्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यां तय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज 2. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 प्रवतूबर 1982

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/एक्य्०/2/एस०-श्रार०-2/2-82/6782--श्रत मुझे सुधीर चन्द्रा,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रजान 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन गक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000% रागे में प्रधिक है भीर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-पुठ कला, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची से पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्ड़ीकर्ला श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वाम नार्न का कारण है कि स्थाप्तांक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पेन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अत्तरिती (अतिरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस पाया गया प्रतिफल निम्निलिस्त उद्दश्य में उक्त अन्तरण लिखिन वास्नीवक स्प में किंपित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सूविधा के लिये, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या-जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना अहिए का छिन्हों के स्था के लिए

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) व, जपीन ाम्निलित ज्यिवत्यों, अधीत—
20-326 G1/82

(1) श्री बसन्त लाल मुपुत श्री महेन्द्र, निवासी-डी-20 बबी बिहार, दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मदन लाल णर्मा सुपुत श्री लधु राम, निवासी 770-ए, ऋणी गगर, शकुरबस्ती दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सुवार नारा करके पूर्वाका सम्पति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्त में कोई भी घाक्षेप:--

- (क) इन सूबना के राजात में ग्रामत का तारीख से 45 दिन की भारीथ या तरपन्तन्थी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की भारीय, जा भी भारीय बाद में समाप्त होते ते भीतर पूर्वीकत व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सुचता के राजपत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उसा स्थावर सम्याग में हिनबद्ध किसी प्राय स्थित जारा, प्रजोडस्ताक्षरी के पास निश्चित न निष् जा नजेंग ।

स्मध्दोक्तरण :--इसमें प्रयुक्त सन्दों घोट पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहो अर्थ हागर जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि नादादी 19 विघे 13 विण्वे ग्राम—पुठ कला, दिल्ली

> सुधीर चन्द्रा, मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 2 दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनाक 12-10-1982

म⊦हर

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1982

निर्देण सं० श्रार्थ० ए० सी०/एक्यू०/11/एस० श्रार०/2-82/6794—श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव-मुन्दका, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावड़ श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मुफे यह विश्वास करने का कारण ही कि अथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण मों, मों, सक्त अधिनियम की भाग 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री रथुबीर सिंह पुत्र-मुन्सी राम जय चन्द एंड राय सिंह सन्स नागर निवासी गांव-चेंवरा, दिल्ली (भ्रन्तरक)
- (2) श्री हरी राम पुत्र-जगन्नाथ निवासी-सी-69, कीर्ति नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी ध्यिषत स्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या हैं।

## अनुसूची

कृषि भूमि जो कि 12 बीघा 9 बिश्वा पर बना है। गांव-मुन्दका, दिल्ली

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक: 12-10-1982

मोहरः

प्ररूप भाई• टी• एन• एस•----

# भायक र प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भधीत सुचना

#### भारत सरकार

भार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज-II, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अक्तूबर, 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/एस० म्रार०-11/2-82/6795--म्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

मायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सभम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित् जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रूपये से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो मुन्दका गांव दिल्ली में स्थित है (भ्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, में नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक फरवरी, 1982।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरितयों) के भीर अन्तरित (अन्तरितयों) के भीच ऐसे अन्तर्य के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक छए से किबत नहीं किया गया है।——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त भ्रष्टि-नियम के भ्रष्टीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शीर/या
- (च) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या ग्रन्थ भास्तियों को जिन्हें मारतीय भाय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बृद्धः बृद्धः, उक्त बृधिनियमः, की भारा 269-न के बनूतरण कें, में , उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के बृधीन्, निम्नुलिखितः व्यक्तियों, वृधीतः द—

- (1) श्री श्रोम प्रकाश पुत्र रूप चन्द, काली राम, प्रेम मिंह, मिर सिंह श्रौर करन सिंह गांव-घेवरा, दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्री हरी राम सबरवाल पुत्र-जगन्नाथ निवासी सी-69, कीर्ति नगर, दिल्ली

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उश्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी व में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधि -नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

क्रुणि भूमि जो कि 7 बीघा 7 बिग्वापर बना है। गांव— मन्दका; दिल्ली

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II दिल्ली, नई दिल्ली--110002

विनांक: 12-10-1982

प्ररूप आइ<sup>1</sup>. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 अक्नूबर, 1982

निर्देश म० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2-श्रार०-2/2-82/6829—-अतः मुझे, स्थीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,,000/- रु. से अधिक है

द्यार जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-दीचाव कला दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसरो उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधोन, दिनांक फरवरी, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित वाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों को, जिनें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने मे सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—-

- (1) श्री रतन सिंह सुपुत्र श्री चान्दगी, श्री नन्दु रूप सुपुत श्री नन्हे, निवासी-ग्राम-ग्रीर पो० दीचाव कलां, दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्री दिवन्दर सिंह सुपुत्र श्री किरपाल सिंह निवासी— बी०-7 एक्स० 81-सफदरजंग इन्केलेव, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्तित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोल से 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर सम्पत्ति में हिह्डब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टींकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

कृषि भूमि तादा्दी 11 बिघे 16 त्रिक्षे, ग्राम-दिचांव कला, दिल्ली

> मुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ऋायुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनाक: 12-10-1982

प्ररूप आई.टी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, गहायक श्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज 2, नई दिल्ली

नई दित्ती, दिनाक 12 ग्रक्तूबर 1982

निर्देश स० ग्रार्ट० ए० सी०/एक्यू  $\sqrt{2/0}$ स० ग्रार०—2/2-82 6281—ग्रत मझे सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) जिसं इसम इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मान्य 25,000/- राज्य साधिक ही

ग्रॉर जिसकी स० कृषि भृमि ह तथा जो प्लाट न० 106 हरी नगर, तिहाइ, नई दिल्ली

म स्थित हैं (और इसन उपाबद्ध अन्सूची म और पर्ण स वर्णित हैं), र्राजरटीटता अधिकारी के कायालय, नहें दिल्ली म राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के यथीन, दिनाक फरवरी, 1982

का पूर्वावत सम्पत्ति के उचित याजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गर्ड है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वाक्ष्म सम्पत्ति का उचित राजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अनरक (अतरको) और अनरिती (अशिरितियो) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य मे उकत अतरण लिखित म वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरण से हुंई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिमित व्यक्तियां, अर्थात् --- (1) श्रीमती सन्तोष ढन, पत्नी श्री के० एल० ढन, निवासी—डी—55 फतेह नगर, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दिवन्दर गिह सोसन, डब्ल्य्०-जेड०-सी०/71 उत्तम नगर, नई दिल्ली

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के नजपश्र मा प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मा समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्रिक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किनी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्नाक्षरी हैं पास लिखित में किना जा सकोगे।

स्पष्टीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट न० 106 हरी नगर, तिहार. नई दिल्ली एरिया-220 वगगज,

> मुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक 12-10-1982 मोहर प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 12 श्रमतूबर, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार० $\sim 11/2-82/8865$ —श्रतः मभे, सुधीर चन्द्रः,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 17ए है तथा जो कमला नगर, सब्जी मंडी, विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक फरवरी, 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवृक्त रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्र्या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सृविधा के लिए;

- (1) श्री राम किशन पुत्र-मोहन लाल निवासी-4628, महाबीर बाजार, क्लाथ मार्कीट, दिल्ली (भ्रन्तरक)
- (2) श्री परमा नन्द पुत्र-जवन्द्वा राम, निवासी-एस०/61 रूप नगर, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पन्ति के अर्जन, के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप रू--

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीकु से 45 दिन को अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

मकान नं० 17-ए, कमला नगर, सब्जी मन्डी, विल्ली जोकि 114.3 वर्ग गज भूमि पर बना है।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2 विल्ली, नई विल्ली–110002

अतः अवः उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 12-10-1982

मोहरः

# प्ररूप झाई० टी० एन० एस∙---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृष्टना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं अप्तर्इ० ए० सी ०/एक्यू० 2/एस० आर०-2/2-82/6761--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' काहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 14-ई, ब्लाक है तथा जो कालोनी भगवानदास नगर, शकुरबस्ती, दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1982 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलियत उद्देश्य से उद्देश अन्तरण लिखित में वास्तिवह स्प से किथित नहीं किया नया है: --

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबस, उकत भ्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायिश्व में कभी करने या अससे अक्षने में भ्रुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी स्नाय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या बस्-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

श्रतः थ्रब, उक्त श्रिधितियम की भारा 269-ध के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) श्रिधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री श्रशोक कुमार सुपुत्र श्री रोशन लाल निवासी— 2453/56 सदर थाना रोड़, दिल्ली—6

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती रोशनी देवी पत्नी श्री रोशन लाल निवासी 2317, राजा पार्क, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस म्चमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति न्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अभूसूची

14-ई-इलाक कालोनी भगवानदास नगर, शकुर बस्ती, दिल्ली एरिया 280 वर्गगज ।

सुधीर चन्द्रा, सक्षम ग्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक: 12-10-1982

प्रकृष आहूर. टौ. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 13 श्रक्तूबर 1982

निर्देण सं० 3-600/ग्रर्जन/82-83--ग्रतः मुझे, प्रक्रोध कुमार दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25.000/- रु में अधिक है

स्रोर जिसकी संव तौजी संव 5806 खाता संव 769, प्लाट संव 1220 है तथा जो याम मैनपुरी थाना-फलबारी, जिला पटना में स्थित हैं (प्रोर इसमें उपाबद्ध स्नृगूची में स्रौर पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ना स्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण स्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनाक 2 फरवरी 1982

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुके यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नितिया उद्गीत से उचन अन्तरण लिखन में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने से स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय अत्य-वार प्रथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विया गया था या चिता जाना चर्तहार था कियाने में स्विधा के लिए:

श्रत: अब, अन्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती दन्द्रानी दंबी जौजे, श्री जगजीतन राम निवासी-6 कृष्णा मेनस मार्ग, नई दिल्ती

(ग्रन्तरकः)

(2) नव निर्माण सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड, द्वारा सेकरेटी श्री प्रमुपराज यादव, सा०/पो० पुनाडचक पटना—23

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोंकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यजाहियां कारता हु।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारील में 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित मो हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति ध्वारा अधोहम्ताक्षरी को पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

खुली जमीन जिसका रकवा 17 कट्ठा 13 धूर 5 धूरकी हैं तथा जो ग्राम मैनपुरी थाना फुलवारी जिला-पटना में स्थित हैं एवं पूर्ण रूप में विसका संख्या 165 दिनांक 2-2-1982 में विणित है एवं जिसका निबंधन ग्रवर निबंधक पदाधिकारी दिल्ली के हारा सम्पन्न हुग्रा है।

> प्रबोध कुमार द्बे, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, बिहार, पटना

दिनाक 13-10-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यालय

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, पटना

पटना, दिनाक 7 श्रक्तूबर 1982

निर्वेश सं० III/590/ग्रर्जन/82-83---ग्रनः मुझे, प्रबोध कुमार दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्त. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० दस्तावेज संख्या 1190 दिनाक 19-2-82 है तथा, जो जममेद पुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनाक 19 फरवरी, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है केर अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरम से इन्हीं दिसी पर को बाज किन किन अभीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा की लिए, कीर/सा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (19... की 1) या उन्हें अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यस भा या किसा जाना चाहिए बा, छिपाने में कविधा के लिए;

अतः अव, सकत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निग्निशिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 21-326GI/82

(1) डा० श्रमण शेशर ३ १ िस्ता इन्द्रा घोष 69/3 पूरन दास कलकता

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती श्रारको भवार , ५ म. गपशेदपुर (श्रन्तरिती)
- (3) श्री नावेन्दु बनर्जी मैनर्गय वंजलो, वर्न स्टैन्डर्ड कं०, धनबाद

(बह व्यक्ति, जिसके भागमा में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी कारके प्रतित्व स्वतंत्र के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्राप्त के प्राप्त के भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के शान र पान का तारीख से 45 दिन की अजाए जन्मी व्यक्तियों पर सूचना की नारीचा के जारी का कि की भी अविधि, जो भी अविधि दार पान की नारीचित के प्राप्त की नारीचित के जारीचा की नारीचित की नारी
- (स) इस सूचना के जाता के जाता कि तारीस से 45 दिन के भीतर प्राथ स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति तक, राज्य अधिहम्ताक्षरी के पास लिसित के थिया के उत्तर के विकास

स्पष्टीकरण:—-इसमी प्रयुक्त जल्दा ी गालका, जो उक्त अधिनियम के अध्याप १८३० मी परिभाषित हीं, वहीं अर्थहोगा ने उन अध्याय मी दिया गया ही।

#### अनुसुद्धी:

जमीन जो 66-के० रोट, जमकितर के जियत है तथा जो पूर्ण रूप से विसका गम्या .190 िर्गा 19-2-82 में विणित है एवं जिसका निस्थान गणा विशिष्ठ ऐस्योरेन्सेज कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

(प्र) मिर्ग (प्र), की, किन्नु की, की, किन्नु की कुमार हुंबे, किन्नु क्राधिकारी सहस्यकी स्थानिकालकारी किन्नु क्राधिकारी कीनार, पटना की किनार

बतः बब, उक्त अधिनियम को ९५। ए। २०९० में भः कांन्यों में, मैं, उक्त अधिनियम को भाग 269-ए को उपधारुक्त्रीम के अधीन, निमनीतिक्ति व्यक्तिस्तिमां, अधीत --

प्रस्प नार्षे टी . एस् . एस् ...----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के नभीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पटना

पटना, विनोंक 13 भ्रक्तूबर 1982

निर्वेश सं • III / ६०/भ्रर्जन / ८२-८३--- भ्रतः मुझे, प्रबोध कुमार दूबे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उकत विधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-व के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जी सं० 5806 है तथा जो खाता सं० 769, प्लाट सं० 1220 है तथा जो प्राम मैनपुरा थाना फुलवार, जिला पटमा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध शनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय विक्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, विनोक 2 फरवरी, 1982।

को प्यांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ते, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्य से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी काय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; अदि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में., में , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसमों , अर्थात्:——

- (1) श्रीमती इन्द्रानी देवी जीजे—श्री जतजीवन राम निवासी-6 कुष्णा मेननः मार्गं, नई दिल्ली (धन्सरक)
- (2) नव निर्माण सहकारी ग्रह निर्माण समिति लिमिटेड द्वारा सेकेट्री श्री भ्रनुपराज यादव, सा०/पो० पुनाइचक पटना-23

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोंचत तुम्मित के वर्षन के तिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संयुक्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45: दिन की ज़बिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी बद्धीन बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वाक्त; व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-विश्व किसी अन्य व्यक्ति इवारा वधाहिस्ताक्षरीं कें पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्युक्तीक एक: -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पवा का, थो. उक्त अधिनिवम् के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्यास में दिसा गृया हैं।

# ननुसूची

खुली जमीन जिसका रक्षवा 9 कट्ठा है तथा जो ग्राम मैनपुरी थाना फुलवारी जिला पटना में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या 166 विनांक 2-2-82 में विणत है एवं जिसका निवंधन प्रवर निवंधक पदाधिकारी दिल्ली के द्वारा सम्पन्न हुमा है।

> प्रजोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक: 13-10-1982

मोहरः

प्राचित साई० ती० एन० एस•-

भायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269न्य (1) के समीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 5 धक्तूबर 1982

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० म्रार० हवेली-II/759/82-83 यत: मझे, शशिकांत कुलकर्णी,

ंशायकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस में इसके पश्चात् 'शक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के मधीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व व से मिलक है

भौर जिसकी सं० मनाली श्रपार्टमेंट नं० 4, प्लाट नं० 421/जी/1071, है तथा जो शिवाजी नगर पूना-16 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक हनेली-II पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1982

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान
प्रतिफल के लिये बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिगत
से प्रधिक है बीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उन्त अन्तरण लिखित में
बास्त्रविक रूप से कवित नहीं किया गया है।—

- (क) जन्तरण ते हुन्दै किसी बाब की बाबस, उक्त अधि-िम्युम को ब्रंथीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुबने में सुविधा के लिए; बीर/मा
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) को अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्रीमती टी० एच० पूनावाला 931 बुधवार पेठ पुना-2
  - (2) श्री के॰ विठ्ठलराव 10 विभागवाग सोसायटी सेनापली बापट रोड़ पूना-16

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमित शांताबाई राजाराम कुसालकर 4 मनाशी श्रपार्टमेंट, 421/बी/1071, शिवाजीनगर गोखले रोड पूना-16

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्यन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-धव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकारी के पास निर्मायत में किए जा सकरो।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अंत्रस सी

मनाली भ्रपार्टमेंट नं० 4, प्लाट नं० 421/बी/1071, शिवाजीनगर, पूना 16

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कं० 468/जो अप्रैल 1982 को दुय्यम निबंधक हवेली-II पूना के दफ्तर में लिखा है)।

> णणिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, पूना

दिनांक: 5-10-1982

मोहर 🕄

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-६ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, पूना

पूना, दिनाक 5 ग्रक्तूबर 1982

निर्देश स० सी० ए० 5/एस० ग्रार० रोहा/761/82-83--यतः मुझे, शशिकात कृत्कर्णाः,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनीयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन रुक्त प्रतिभक्तारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सर्वात, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 37वीं कार्य के श्रापुत्वी में प्लाट श्रौर मशीनरी पूर्ण रूप से विणित इतका भे रोहा, रायगड जिला में स्थित है (श्रौर इससे उपायस क्लावस कार्यां न श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता व्यावकार के कार्यालय दुय्यम निबंधक रोहा मे, रिजस्ट्रीकरण श्रावकायम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक 24 फरवरा, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के कार व वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए कता हो के पढ़ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि विश्वास सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रकारित से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिश हो और अंतरक (अंतरितिया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीतिया उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम क अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों शर्फिट आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नही किया गया था या जिया जाना चिहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री रोशनलाल तलवार, दी पेपर प्रोडक्टस् लिमिटेड 13/14, ग्रजमेरी गेट एक्सटेंशन, ग्रासफ ग्रली रोड़, न्यू देहली ।

(ग्रन्तरक)

2. (1) श्री रविन्द्र तलवार

(2) सुरेश तलवार, मे० पी० पी० एल० पलस्टीकस लिमिटेड वासवानी मेंशन, 120 दिनेशा वाच्छा रोड़, बम्बई-400020

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यित्यों में से किसी व्यक्ति द्यारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिगित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रय्कत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

#### अनुसूची

पिगलसरी और पंडम गांव, ता० रोहा जिला रायगढ़ में फैक्टरी बिल्डिंग में जो प्लाट ग्रौर मशीनरी है, उसको 37 जी फार्म के ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित किया है।

(जैसे कि जिस्ट्रीकृत विलेख ऋं० 107 जो 28-2-82 को दुय्यम निबंग्रक रोहा के दफ्तर में लिखा है)।

> शशिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज़, पूना

दिनांक: 5-10-1982

प्ररूप आइ⁴.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायोलय , सहायक आयाकर आयाक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 5 श्रक्तूबर 1982

निर्देश स० सी० ए० *5/ए*स० ग्राग्० करवीर / 758/82-83--यत: सुझे, शशिकात कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उबत विधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० सी विश्व एस नं व 1325 छ ए० जी० शिवाजी उद्यमनगर है तथा जो कोल्हापूर र स्थित है ( गौर टेगसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूण रूप ने जीगत है), जिस्ट्रीकत्ता श्रधिकारी के कार्यातम दुय्यम निश्चिक करवीर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनगम, 1908 ( '908 का 6) के श्रधीन दिनाक 6 करवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित तातर मृथ त कम क दश्यमान प्रतिफल के लिए जतिरत का रहें ते जार मुके यह । पश्यम करने का कारण हो कि यथाए । वत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल सं, एस द्रास्मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अनिक हो जार अजरह (अवस्का) जोर अंत-रिती (अंतरितियो) हे बीच हमें ११८७ क विष् त्रम पाया गया प्रतिफल निम्मितिसत उद्भव्य स उद्देश प्रतिप्त लिखत में बास्तिक रूप स किथत नहीं । किया ग्या ही .--

- (क) अन्तरण रेहिक्षे िसी आय क बाबत, उक्त अधिनियम के अपीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे अपने में स्विधा के लिए; पौर/या
- (स) एमे किमा आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अ विनयम, 1922 (1922 का 11) य अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रिप्राने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त जीधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिशियम की शारा 269-घ की उप्धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- 1. श्री मे० पो० ग्रार० पाटिल इजीनियरिंग वर्कस् प्रो० एस० पी० पाटिल 1182/25, ई० वार्ड, कोल्हापूर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री डी० एस० दुघानं ई० वार्ड 1325/10 शिवाजी उद्यमनगर कोल्हापुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपा में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उन्न स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पद्धीकरण :--इसमा प्रयक्त शन्दों और पतो का, जो उक्त अधिनिण्म के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, बहा अर्थ हाना जो उस अध्याय मी दिया गया ही।

### अनुसूची

सी० टी० एस० न० 1325/1 ए.9 शिवाजी उद्यमनगर कोल्हापुर ।

(जैसे कि रजिस्तीकृत विलेख ऋ० 420 जो 6-2-82 को दुय्यम निबंधक करवीर के दक्तर में लिखा है)।

> शणिकांत कुल हर्णी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पूना

दिन्म **5-10-1882** 

प्ररूप आहुर. टी. एन. एस. - - - - --

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज, पूना

पूना दिनाक 5 श्रक्तूबर 1982

निर्देश स० सी० ए० 5/एस० ग्रारं० रोहा/760/82-83--यत: मुझे, शशिकात कुलकर्णी,

आयकर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त् अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० पिंगलसरी श्रीर पडम गाव में ता० रोहा जि० रायगढ़ 376 फार्म के अनुसूची ए में पूर्ण रूप से विणत किया है तथा जो रोहा, रायगढ जिला में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय धुय्यम निबधक रोहा में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 28 फरवरी, 1982

को पूर्वों क्त सपित के उचित बाजार मूल्य सं कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 19:22 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए।

अत. अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की भारा 269ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

 श्री रोशनलाल तलवार दी पेपर प्रोडक्टस लिमिटेड 13/14, ग्रजमेरी गेट एक्सटेशन ग्रांसक ग्रलो रोइ, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

2. (1) श्री रविन्द्र तलवार

 $\mathbf{k} \begin{pmatrix} 2 \end{pmatrix}$  सुरेश तलबार मे० पी० पी० एल० प्लस्टीकस् लिमिटेड वासवानी मेंशन 120 दिनशा वाच्छा रोइ बम्ब $\mathbf{\xi} - 400020$ 

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधियाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ह्यारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पर्वाकरण रं च्या प्रमुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

लैण्ड ग्रोर विस्डिंग, पिगलसरी ग्रीर पडम गांव, ता० रोहा जि॰ रायगढ़, 37जी, फार्म के धनुसूची ए में पूर्ण रूप से वर्णित किया है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋं० 106 जो 28-2-82) को दुय्यम निबंधक रोहा के दक्तर में लिखा है)।

> शणिकात कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, पूना

दिनांक: 5~10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - --

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रंजीन रेज, पूना पूना, विनांक 7 शक्तुबर, 1982

निर्वेश सं० सी० ए० 5/एस० श्रार० नासिक/766—यतः मृक्षे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 9 ग्रीर 10 सं० नं० 512/3, है तथा जो न्यू बॉम्बे ग्रागरा रोड़, नासिक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ट्टनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय दुय्यम निवंधक नासिक में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक, 24 फरवरी, 1982

को पूर्वो क्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दियाल में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्री एम० पी० भरवीरकर श्रीर ग्रन्य चार
  - (1) श्री सी० एम० भरवीरकर
  - (2) श्री पी० एम० भरवीरकर
  - (13) श्री एस० एम० भरवीरकर
  - (4) श्री ए० एम० भरवीरकर न्यु बाम्बे-श्रागरा रोड़, नासिक

(श्रन्तरिती)

 श्री दिलीप बेनीराम वाणी जोगेश्वरी शरणपुर रोड़, नासिक-2।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित गया है।

#### भ्रनुसूची

प्लाट नं० 9 श्रौर 10 सं० नं० 512/3, न्यू बॉम्बे श्रागरा रोड, नासिक।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कं 1137 जो 25-2-82 को दुय्यम निबंधक नासिक के दफ्तर में लिखा है)।

> शशिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

विनांक: 7-10-1982

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ----

**आयकर** अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण भ्रजीन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 ग्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० श्रार० नारिक/763/82-83-यतः मझे, शशिकांत कूलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जं 512/3 प्लाट नं 4 श्रीर 5 है तथा जो न्यू श्राग्रा रोड़ नामिक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय दुय्यम निश्चंधक नासिक में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 28 फरवरी, 1982।

को पूर्वो क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- एम > पी० भरवीकर र्श्चर प्रत्य (1) त्यू प्राग्ना रोड़, नासिक
  - (1) श्री सी० एम० भरवीकर
  - (2) श्री पी० एम० भरवीरकर
  - ा(3) श्री एस० एस० भरवीरकर
  - ₊(4) श्री ए० एम० भरवीरकर

(ब्रन्तरिती)

2. श्री वबननाव डी० वाधी गंगोती श्रपार्टमेंटस् गंगापुर रोइ, नानिक

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपा मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों मों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिमित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिय के के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### शमसभी

सं० नं० 512/3, प्लाट नं० 4 श्रीर 5, न्यू श्राग्रा रोड़, नासिक ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋं० 1140 जो 28-2-1982 को दुय्यम निबंधक नामिक के दफ्तर में लिखा है)।

> शशिकांत कुलकर्णी, मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 7-10-1982

मोहरः

प्ररूप आहर्रिटी.एन्.एस. ०-०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्रर आंयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 श्रम्तूबर, 1982

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० ग्राग्० नासिक/ 762/82-83----यत: मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 19 स० नं० 512/3 है तथा जो न्यू श्राया रोड़ नासिक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दुरुयम निबंधक नासिक में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 25 फरवरी, 1982।

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के अधि एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;' बाँड/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट गईं किया गया था सा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के दिख्:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--22--326GI/82

- भी एम पी० भागी कर भीर पादि (4) यामा राइ नासिक-।
  - (1) श्री मी० एम० भरवीरकर
  - (2) श्री पी० एम० भरवीरकर
  - (3) श्री एस० एम० भरवीरकर
  - (4) श्री ए० एम० भरनीरकर

(ग्रन्सरिती)

2. श्री सतीश बेनीराम वाणी जोगेण्वरी शरणपुर रोड़ नासिक-2

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-क्व्थ किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पर्दों का, जो उक्त किपिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा को उस सध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 19 स० नं० 512/3, न्यू धाग्रा रोड़ नासिक (जैसे कि रिजस्ट्रीकृत बिलेख ऋं० 1138 जो 25-2-1982 को दुख्यम निबंधक नासिक के दफ्तर में लिखा है)।

णिकात कुलकर्णी. मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 7-10-1982

मांहरः

# प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं ० सी ० ए० 5/एस० ग्रार० नासिक/ 764/82-83---यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णो,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. में अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 8 स० नं० 512/3, न्यू बोम्बे है तथा जो भ्राग्ना रोड़ नासिक-2 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक नासिक में, रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 25 फरवरी, 1982

को प्वेंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नितियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अपने या उममे स्वाने में स्विधा के लिए: परि/या
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य गारितयों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अधीन:—

- श्री एम० पी० भरवीरकर श्रौर श्रादि (4) न्यू बोम्बे श्रागरा रोड नासिक--1
  - (1) श्री सी० एम० भरवीरकर
  - (2) श्री पी० एम० भरवीरकर
  - (3) श्री एसमे एममे भरवीरकर
  - (4) श्री ए० एम० भरवीरकर

(भ्रन्तरक)

- 2. कुमारी शोभा वाणी ग्रौर श्रादि (3) जोगेश्वरी शरणपुर रोड़, नासिक-2
  - (1) श्रीमती पी० बी० वाणी
  - (2) श्रीमती एस० एम० जोशी
  - (3) श्रीमती वी० सी० रावत

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशास्त्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रोप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनस्ची

प्लाट नं० 8 सं० नं० 512/3, न्यू बोम्बे भ्राग्ना रोड़ नासिक, (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कं० 1135 जो 25-2-1982 को दुय्यम निबंधक नासिक के दफ्तर में लिखा है)।

> शशिकांत कुलकर्णी, संक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 7-10-1982

माहर :

प्रस्प आह . टी . एन . एस . -----

# आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार वित्त मन्त्रालय कार्यालय

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 7 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० ग्रार० नासिक/ 765/82-83--यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कर्ने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० 512/3, प्लाट न० 6 श्रौर 7 है तथा जो न्यू बोम्बे श्राग्रा रोड़ नासिक में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबधक नासिक में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 28 फरवरी, 1982।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अर्तारितयों के बीच एस अतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवृक्त रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की यावत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिएव में कमी करने या उससे बच्चने में सुविश्रा के सिए; औड़/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गुया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, भें उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत्, जिस्तृति **वितृत व्यक्तियों, वृशीस्**:---

- श्री एम० पी० भरवीरकर श्रीर चार त्यू बोम्बे ग्राग्रा रोड, तासिक
  - (1) श्री सी० एम० भरवीरकर
  - (2) श्री पी० एम० भरवीरकर
  - (3) श्री एस० एम० भरवीरकर
  - (4) श्री ए० एम० भरवीरकर

(भ्रन्तरक)

- श्री विरेन्द्र कुमार भ्रोम प्रकाश मनचदा ग्रौर भ्रन्य (2) शाप नं० 7, शिवाजी रोड़, नासिक
  - (1) श्रीमती खातीजा बेगम शेख कयोलिदीन
  - (2) श्री भ्रब्दुल कादर भ्रहमद मुस्ताक

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करकें पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपृ:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराज में 45 दिन की अमिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसूर्चा

स० न० 512/3, प्लाट न० 6 श्रीर 7, न्यू बाम्बे श्राग्रा रोड़ नासिक ।

(जैसेकि रजिस्ट्रीकृत विलेख फं॰ 1136, जो 28-2-82 को दुय्यम निबंधक नासिक के दफ्तर में लिखा है)।

> शिषकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

दिनाक: 7-10-1982

गाहर 🕆

# प्रकृष बाह् .दी. एन. एस. -------

अभिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ख (1) के अभीन सूचना

#### भारत बंदकरा

# कार्यासम्, तहायक बायकर बायुक्त (निरीस्क)

श्रर्जन रेज , बिहार, पटना पटना, दिनांक 7 श्रक्तूबर 1982

निदेश मं० ।।।/591/ग्रर्जन/82-83--ग्रतः मुझे, प्रबोध कुमार दुबे,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थापर स्थित, विख्या उद्भित आपार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी में दस्तावंज सं 1179 दिनाक दिनांक 18-2-1982 है, तथा जो जमगेदपुर में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची श्रौर में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक 18-2-1982

को पूर्विक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वों कत सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण िलिखत में वास्त-विक रूप में कथित नहीं किया गया है---

- (क) मृत्यरण से हुई किसी नाय की बाबत, उपल श[प्रीनम्म की बधीन कर दोने के मृत्यरक की वासित्य में खनी ऋड़ने ना उसने प्रमुख में सुविधा के किए? श[ध/वा
- (व) एंसी किसी बाय या किसी थन वा बन्यु जास्तिवी का, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था खिपाने में सुरुषा के बिया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अंशीन निम्नितिषित व्यक्तियों अर्थात् .--

- (1) (1) डा० भ्रमण शेखर डे
  - (2) श्रीमती इन्द्रा घोष 69/3 पुरन दास रोड, कलकत्ता ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नाबेन्दु बनर्जी मैसर्स बंगलो, बर्न स्टैण्डर्ड क० धनबाद ।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री नावेन्दु बनर्जी मैससं बंगलो बर्न स्टैण्डर्ड कं० धन-बाद (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपर्टित के अर्थन के लिए कार्यवाहिस्यां शुरू करता हुं।

# उन्तु सुम्पृतित् को नुर्वत् को सुरुवृत्यु में करेड्' भी जाकोप्:---

- (क) एक स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनमि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से दिस्सी व्यक्ति द्वाराः
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर अक्त स्थावर संपरित में हितवर्ष किसी अन्य अपिक्त वृवारा भृषाहस्ताक्<u>री</u> के पास जिल्ला में किए आ सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, बहुी अर्थ होगा जो उसु अध्याय में दिया गुया है ।

#### अनत्त्वी

जमीन जिसका रकवा 7236 वर्ग फीट जो के — रोड, जमशेद-पुर में स्थित तथा जो पूर्ण रूप में विसका मंख्या 1179 दिनांक 18-2-82 में वर्णित है एवं जिसका निवन्धन ग्रवर निवन्धक ऐन्स्योरेंस — कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> प्रबाध कुमार दुबे सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनाक · 7-10-82

## प्ररूप बार्ड . टी . एन् . एस . -----

# ग्रायकर **ग्राथनियम; 1961 (1961 का 43)** की घारा **269-य (1)** के **ग्राधीन सूप**ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनाक 13 श्रक्तुबर 1982

निदेश म० ।।।-602/ग्रर्जन/82-83---श्रतः मुझे, प्रबोध कुमार दुबे,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

प्यौर जिसकी सं० मौजा म० -51 खाता मं० 119 मी० एम० खाफ प्लाट सं० 14, 11, 13, 15 एवं 16, वार्ड सं०-6, होल्डिंग सं० 323 है तथा जो गोविन्द नगर जिला धनबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपलब्ध अनुसूची मे भ्रौर पूर्ण रूप मे बिणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय में स्थित है धनवाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 24-2-1982

को पूर्वांक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उकत बीभिनियम, के बभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः जयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ,, उक्त अधिनियमं की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निजिसिन व्यक्तियों, अर्थात् हु---

- (1) सरदार दलजीत सिंह गिल वल्द---सरदार सरवन सिंह गिल निवासी----वोकर बन्द, पोस्ट/जिला-धनबाद । (श्रन्तरक)
- (2) श्री हरि प्रसाद खेमका वल्द--स्वर्शराम गोपाल खेमका । निवासी---अरिया, पोस्ट---अरिया । जिला---धनवाद ।

(भ्रन्तरिती)

मते यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वार्स सं 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

#### अनुसूची

जमीन मय पक्का मकान जिसका रक्षवा 20 कट्टा है तथा जो गोबिन्द नगर, जिला—धनबाद में स्थित है एवं पूर्ण रूप में विभिक्षा सख्या 2469 दिनांक 24—2—82 में विणित है एवं जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पदाधिकारी धनबाद के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार दुबे सक्षम पदाधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना ।

दिनांक · 13-10-82

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

भायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घार। 269-व (1) के अधीन नुवनः

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 13 श्रक्तूबर 1982

निदेश सं० ।।।-599/मर्जन/82-83-मातः रेमुझे, प्रबोध कुमार दुवे,

आयकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिशीन सक्षम प्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपए से श्रीधक है

ग्रीर जिसकी सं० तो जो सं० 5806 खाता सं० 769, प्लाट सं० -1220 है तथा, जो ग्राम मैंन पुरा थाना फुलबारी, जिला पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपलब्ध अनुसूची में ग्रीर पूणं रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनाक 2-2-1982

को प्योंक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (अग्तरकों) और अन्तरिती (अग्तरिवियों) के बीच ऐसे अग्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण जिखित में वास्तिक का में किया नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उन्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुबिधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1923 का 11) या उनत अधिनियम, या श्रन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीत, निम्निलिख्त व्यक्तिसमें, अधीत् :--

- (1) श्रीमती इन्द्रा देवी जोजे—श्री जगजीवन राम निवासी— 6 कृष्णा मैनन मार्ग, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) नव निर्माण सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड, द्वारा सेकेट्री श्री अनुपराज्य यादव, सा०/पो० पुनाइचक, पटना-23।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ सें 45 दिन की भ्रविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पब्सीकरण: - इसमे प्रयुक्त शब्दां श्रीर पदों का, जो सकत अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

# नमुस्यो

खुली जमीन जिसका रकवा 9 कट्ठा 10 घूर है तथा जो ग्राम मैनपुरा थाना फुलवारी जिला पटना में स्थित है स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या 164 दिनांक 2-2-82 में विणित है एवं जिसका निबन्धन प्रवर निबन्धक पदाधिकारी दिल्ली के द्वारा सम्पन्न हुन्ना है।

प्रबोध कुमार दुवें सक्षम पवाधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 13~10~82

प्ररूप आर्ह.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 7 श्रक्त्बर 1982

निदेश सं० III-592/श्यर्जन/82-83—श्रतः मुझे, प्रबोध कुमार दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मन्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं भौजा हीरापुर थाना धनबाद प्लाट सं 2582, 2583, है तथा जो हीरापुर, धनबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपलब्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम. 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाक 11-2-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिकिट में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- '(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्टिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नृतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) शी आरनी बनर्जी पत्नी शी गणेश बनर्जी हीरापुर थाना जिला धनचाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्री देवी पत्नी श्री अवश्री किणोर महाय, हिरापुर जिला धनवाद एवं 9 अन्य लोग । (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भे 45 दिन के भीतर उक्त स्वाव्र सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्नाक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनसा अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में क्रिया गया ही।

#### अनसची

जमीन जिसका रकवा 16 कढ़ट्टा साथ से मकान जो मौजा हिरापुर, थाना-जिला धनबाद में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से विसका तसंख्या 1-986 दिनांक 11-2-82 में विणित है एवं जिसका निवंधन प्रवर निवन्धक एस्योरेंस कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार दुवे सक्षम पदाधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर आयुवा श्रर्जन परिक्षेत बिहार, पटना ।

दिनांक 7-10-1982

प्रस्प आइ. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ्(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन परिक्षेत्र, श्रिहार, पटना पटना, दिनांक 11 अक्तूबर 1982

निदेश सं० ।।।--598/अर्जन/82-83---श्रतः मुझे, प्रबोध कुमार दुवे,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० होस्डिंग सं० -307 पुराना 32, नया, वार्ड सं० 111, एम० एस० प्लौट सं० 616, 617, 643 एवं 644 है तथा, जो रांची चाइवासा मैंन रोड, जिला रांची में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 1-2-82 को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित दाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त बिधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) को अभीन निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सुरण जिंद गीने न्याल उजागर शिह चौधरी निवासी---मारवाड़ी टोला, थाना कोनुवाला, जिला राची ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा देवी जोजं --श्री मदन सैन कुजरा निवासी---5, मैन रोडे, थाना, कोनवाली जिला---रांची ।

(ग्रन्मरिनी)

(3) (1) मैसर्स यू० पी० डायरी फार्म

(2) मैसर्स विषाल होजियरी रांची चाइवासा मैंन रोड, जिला–रांची । (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए जा सकोंगे।

स्पञ्जीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## अनुसूची

जमीन मय दो मंजिला पक्का मकान जिसका रकवा 100 कड़ी है तथा जो राची चाइवसा मैन रोड, जिला रांची में स्थित है एवं पूर्ण रूप में विसका संख्या 893 दिनांक 1-2-82 में वर्णित है एवं जो जिला श्रवर निबन्धक पदाधिकारी रांची के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार दुवे सक्षम पदाधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन परिक्षेत, बिहार, पटना

दिनांक : 11-10-82

पोहर:

प्रक्प बाइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, बिहार, पटना पटना, दिनांक 6 म्रक्तूबर 1982

निवेश सं० III/587/ग्रर्जन/82-83—ग्रतः मुझे, प्रबोध कमार दबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी प्लाट मं० -1 विसका संख्या 1230 दिनांक 6-2-1982 है तथा जो पाटलीपुत्रा हा उसोग कोलोनी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 6-2-1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्ये से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य में उक्त बन्तरण निम्नलिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई अिथी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; ग्रीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में त्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण में, भ<sup>3</sup>. उक्त अधिनियम की धारा 259-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 23—326GI/82

(1) ज्ञा० सईद मोबारक नवाब त्रस्य सईद मुस्तफा हुनैस मो० गंगा सागर पो० जिला दरभंगा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती शर्मिला शर्मा जौजे श्री राम प्रीत शर्मा पो० हैफरथुतर टोला पो० पुसा जिला—समस्तीपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की क्षामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सकी।

स्थव्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## अनुसूची

जमीन जिसका रकवा 1 कट्ठा जो पाटलीपुत्ना हाउसिंग कालोनी पटना-13, थाना पाटलीपुत्ना कोलोनी जिला पटना में स्थित है। तथा जो पूर्ण रूप मे वसिका संख्या 1230 दिनांक 6-2-82 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला ग्रवर निबन्धक पदाधिकारी पटना द्वारा सम्पन्न हुन्ना है।

> प्रबोध कुमार दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिमांक ' 6-10-1982

प्ररूप आईं. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 13 भ्रक्तुबर 1982

निदेश सं० -595/ग्रर्जन/82-83--श्रन: मुझे,

प्रबोध कुमार दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी नौजी सं० 14/2316, प्लाट सं० ~1062, खाता सं० —167 बार्ड सं० 34, सिकल सं० 246 होल्डिंग सं०-511 (नया) 412 (पुराना) है तथा जो हुजरा (नाला-बोरिंग रोड) परगना फुलवारी, थाना बुद्धा कालनी जिला-पटना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 15-2-1982

पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिसत बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रम्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का जिसत बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरित (धन्तरिवों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से तुई किसी आम की बाबत उक्त अग्रिनियम के प्रश्नीन कर देने के जन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसने यचने में सुविधा के श्रिए; और/वा
- (ख) ऐपी किसी पाय या कियी बन या अध्य ब्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या यतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए वा कियाने में सुविधा के निए।

ग्रतः भव, उक्त अधिनियम की धारा **269-ग** के ग्रनसरण में, में, एक्त अधिनियम में बारा 269-घ की उपधारा(1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत् :--- (1) श्री श्रीडरे एफ० प्रसाद जौजे—श्री केशव प्रसाद निवासी—'श्रवकाण' छज्जूबाग, थाना कोतवाली, जिला—पटना ।

(म्रन्तरक)

(2) 1. श्री नरेन्द्र फुमार सिंह 2. श्री कृष्णा प्रकाश सिंह केसरो बल्दान् श्री जगतानन्द सिंह दोनों निवासी—मंगलगढ़ कोठी पो० मंगल गढ़, याना—हमनपुर, जिला समस्तीपुर वर्तमान निवामी—जगत कुंज, बोरिंग कैनाल रोड (पूर्व) पटना—800001।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित को अर्जन को संबंध मों कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य विकासों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन मय एक मंजिला पक्का मकान जिसका रक्कवा 6 कट्टा है तथा जो दूजरा (नाला वोरिंग रोड), परगना फुलवारी थाना— बुद्धा कालनी जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से वसिका संख्या 1502 दिनांक 15—2—82 में वर्णित है एवं जिसका निबन्धन जिला श्रवर निबन्धक पदाधिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> प्रबोध कुमार कुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक: 13-10-82

मोष्ठर:

## प्ररूप बार्च, टी. एन्. एस .------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 7 श्रक्तुबर 1982

निवेश सं० III/594/ग्रर्जन/82-83-प्रतः मुझे, प्रबोध कुमार दुव

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त् अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रह. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० हो० सं० 176 वार्ड सं० 5, देवघर है तथा जो देवधर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 16-2-1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यूथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अख्ने में सृविधा के लिए; बाँद/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिष्यित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) (1) श्री निरपेन्द्र नाथ सेन
  - (2) श्री भ्रदन कुमार सेन
  - (3) श्रीदीपक कुमार सेन
  - (4) श्रीमती निलिमा रुद्ररा
  - (5) श्री शुक्ला राय चौधरी
  - (6) श्रीमती पी० सेन
  - (7) श्रीमती रोमासेन
  - (8) श्रीमती शान्ता बोस
  - (9) श्रीमती ऊमा सेन

118-बी॰ सरत बोस रोड, कलकत्ता-29

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री सशांक शेखर सिहा
मुहल्ला पुरनदाहा, पो० एव थाना-देवघर (सं०प्र०)
2. श्री राजेन्द्र प्रसाद मोहल्ला राचरण
पो० मोकांच जिला-संथाल परगना

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँकत सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकीगें।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन रकवा 23 1/2 कट्ठा जिसमें छोटा-सा कोटेज श्रीर रही श्रवस्था में मकान है जो विलियम टाउन, देवघर संथाल परगाना में स्थित है जो पूर्ण रूप से विसका सं० 1-1094 दिनांक 16-2-82 में विणित है एवं जिसका निबन्धन श्राफ एन्स्थोरेंसेज कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुशा है।

> प्रबोध कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

विनांक: 7-10-1982

माहर:

# प्रकप भाई+ टी+ एन+ एस+-

# आयंकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनाक 7 श्रक्तुबर 1982

निदेश स० III/593/म्रर्जन/82-83---म्रत मुंझे, प्रबोध कुमार दुखे,

भायकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- क॰ में प्रधिक है

श्रौर जिसकी स० हो० स० 157, प्लाट स० 3043, मौजा-हिरापुर, 7 थाना—धनबाद, वार्डस 4, है तथा, जो हिरापुरा, धनबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूषी में श्रौर पूर्ण प्रथ में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 10-2-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर प्रन्तरक (भन्तरकों) और प्रस्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्सरण सं बुई किसी भाग की बाबत, इन्स भाषानियम के भाषीन कर देने के भन्तरक के रायित्व में कमी करने छं उससे बचने में सुविधा के लिए. भौर/या
- (ख) ऐसी किनी पाय या किनी बन या मन्य भास्तियों को, जिन्हें नारनीय पायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या भ्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त आंधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269~य की उपधारा (1) ■ क्षीन, निम्नसिक्त व्यक्तियों, नुमृत् ध---- (1) 1 श्री श्रमिया कुमार बनर्जी वस्द शिलताथ बनर्जी 2 श्रीमती कल्याणी वनर्जी जोजे शिल नाथ बनर्जी ।

3 कुमारी आनु बनर्जी पुत्री शिल नाथ बनर्जी हिरापुर थाना वो जिला-धनबाद, बिहार हात —मोकाम-12/7 मालिम पुर रोड,

कलकत्ता--31

(ग्रन्तरक)

- (2) 1 श्री ग्रमरेन्द्र कुमार सहाय वल्द श्री अवध किशोर महाय ।
   2. श्रीमती सावित्री देवी जौजे श्री अवध किशोर महाय ।
  - 3 रामानन्द चटर्जी वल्द दिबानन्द चटर्जी हिरापुर, धनबाद (बिहार)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील ये 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस प्ता क राजात्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पाम सिक्षित में किए जा सकरें।

स्पन्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्वों का, जो सनत अधिनियम के प्रध्याय-20क में परिभाषित है, बही ग्रमें होगा को एस प्रध्याय में दिया बका है।

## अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 10 कट्टा साथ में मकान जो स्थित है हिरापुर-7 जिला—धनबाद जो पूर्ण रूप में विसका स० 1-937 दिनाक 10-2-82 में विणत है एवं जिसका निबन्धन अवर निबन्धक ऐन्सोरेन्मेज—कलकला के द्वारा मन्यन्त हुआ है।

प्रबोध कुमार दुवे सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनाक 7-10-1982 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन्., एस.,----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-**व (1) के अभी**न सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना
पटना, दिनाक 11 ग्रक्त्ववर 1982

निदेश मं० III-596/ग्रर्जन/82-83---ग्रतः मुझे, प्रबोध कुमार दुवे,

आयकार अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गृह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 //- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी तौजी मं० 5433/18232, थाना मं० 3, खाता सं० 81, खेसरा सर्वे प्लाट सं० ~763 पार्ट, वार्ड सं० 34, सिंकल सं० 247 है तथा जो मौजा राजापुर मुहल्ला शिवपुरी, थाना—श्री कृष्णापुरी जिला—पटना में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 25-2-1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नृलिखित उद्देष्य से उक्त बन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (का) जन्तरण से हुए किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन-कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, तिम्निणिखित व्यक्तियों, अर्थीन :-- (1) श्रीमती नीलम देवी जोजे—डा० केवार प्रसाद सिंह निवासी—प्राम एवं पोस्ट-इन्दुपुर, थाना-बड़िह्या, जिला--मुंगेर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती राज किशोरी देवी जोजे श्री गुलाब प्रसाद सिह निवासी—प्राम एवं पोस्ट—महम्मदा, थाना— ताजपुर, जिला—समस्तीपुर वर्तमान निवासी लहेरिया सराय बलमद्रपुर।

(भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्थान के ऱाजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी ध्वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया है।

# अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकवा 2 कहा 10 धर है तथा जो मौजा राजा पुर महल्ला शिवपुरी थाना श्री कृष्णापुरी जिला पठना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका मंख्या 1900 दिनांक 25-2-82 में वर्णित है एवं जिसका निबन्धन जिला श्रवर निबन्धक पदाधिकारी पटना के द्वारा मम्पन्न हुग्रा है।

प्रबोध कुमार दुबे नक्षम प्राधिकारी भहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनाक : 11-10-1982

मोहर:

# प्रकप आई• टी• एन० एस•-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अर्थान भूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 7 श्रक्तुबर 1982

निदेश सं० [III/589/ग्रर्जन/82-83--ग्रत: मुझे, प्रबोध कुमार दुवे,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० खाता सं० 18, प्लाट संख्या 1114 एवं 1115, थाना सं० 196 है तथा, जो ग्राम खोरा टोलो थाना एवं जिला गंची में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची ग्रौर में पूर्णरूप म विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय खुंटी में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनाक 4-2-1982

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के बधीन, निम्निणिखित अधुक्तियों, बधीन, --- (1) मेसर्स सिनिमेक्स लिमिटेड, कोकर जिला रांची द्वारा प्रभारी मिस्टर सो० बो० हिनटन ।

(भ्रन्तरक)

(2) सेलिशियम श्रीफ डौन बेस्को सोसाइटी, हैसाग, थाना धुर्बा जिला रांची द्वारा फाइर जोसेफ केझा लकरा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँकत सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित, है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **मृत्युची**

जमीन मवाजो रक्या 1.25 डिसमल जो ग्राम खोरा टोलो कोकर, याना एवं जिला रांची में स्थित है तथा पूर्ण रूप से विसका सं० 125 दिनांक 4-2-82 में विणित है तथा जिसका निबन्धन श्रवर निबन्धक पदाधिकारी खुंटोदारा मम्पन्न हुग्रा है।

> प्रबोध कुमार दुबें मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिश्रेत, बिहार, पटना ।

दिनां के : 7-10-1982

भार्य ।

पिक्प **काइं**. टी. एन. एस.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अभीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जं न परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 6 श्रक्तूबर 1982

निदेश सं०  $III/58\xi/ग्रर्जन/82-83-ग्रातः मुझे, प्रबोध कुमार दुवे,$ 

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट संख्या-1 विसका संख्या 1229 दिनांक 6-2-1982 हैं तथा, जो पाटलीपुता हार्जीसंग कालोनी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची ग्रीर में पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्सा श्रिधिकारी के कार्यालय पटना में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनिमियम 1908 (188 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 6-2-1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्य़ह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय लायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिभा के लिए।

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) डा० म**६व मोबारक नवात्र बल्द मर्इद मुस्तफा हुसैन** मो० गंगा मागर पो० जिला----थरभंगा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती गर्मिला गर्मा जौजे श्री राम प्रीत गर्मा मो॰ पो॰ पुमा जिला समस्तीपुर हैफरथुतर टोला (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्ति सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पर्ित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति स्थावर समाहिस्ताक्षरी से पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन जिसका रक्षा 1 कहा 10 धुर जो पाठलीपुत्रा हाउ-मिंग कालोनी पटना—13, याना पाटलीपुत्रा कालोनो जिला पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप में वसिका सख्या 1229 दिनांक 6-2-1982 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला ग्रवर निबन्धक पदाधिकार पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> प्रबोध कुमार दुवे सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जुंन परिक्षेत, बिहार, पटना

दिनांक: 6-10-1982

मोहर :

प्रकल आहे. ती एन एस 🕝

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अभीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1982

निर्देण सं० ए० श्रार० 2/3287-6/81-82—श्रत मुझे, श्रार० के० बकाया.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. में अधिक है

ग्रौर जिसकी सं एस० नं 276, सी० टी० एस० नं 767 (भाग) है तथा जो दहीसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाब अन्सूसूची में पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 12-2-1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री चन्द्रकांत गोपाल जी गरीवा (पन्तरक)
- (2) म्यूनिसपल स्टाफ देवदक्ता को० आपरेटिव हाउसिंग मोसायटी लिमिटेड को०ऑपरेटिव हाउसिंग मोमायटी के सदस्य ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुस्पी

श्रनुसूची जैसा कि विलेख मं० एस० 801/79, श्रौर जो उपरजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दि० 12-2-82 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्रार० के० बकाया मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-॥, वस्बई

दिनांक: 15-10-1982

मोहर:

प्रकृत वाई . टो . एन . एस ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसंकी सं० सी० एस० नं० 14, मोहिम है तथा जो दादर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रतिधकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 11-2 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित् की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दाय्तिय में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री ग्रार० बाला ग्रौर जी ० ग्रार० पंजाबी ((ग्रन्तरक)

(2) नवभारत चेंबर्स प्रीमायसेस को्० ग्रापरेटिव सोसायटी लिमिटेड । भाडोती ग्रौर को०-ग्रापरेटिव सोसायटी के सदस्य (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

# उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन का अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्स्ची

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० 1819 बम्बई/72 ग्रीर जो उपरजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दि० 11/2/82 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ग्रार० के० बकाया• सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षग) ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्तित व्यक्तियों स्थित :—

मोट्र :

दिनांक : 15-10-82

24-326-GI/82

प्रकार ग्राई० टी० एन० एम०----

ग्रायकर ग्रिप्टिनिश्व, 1961 (1961 हा 43) की जारः 269-७ (1) के प्रधीन सूचना

भारत संकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ग्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० ए० ग्रार० 3/2102/81-82---ग्रतः मुझे, एस० एन० ग्रब्बास ग्रबिदी,

अाय-कर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एस० नं० 1000, सी० टी० सी० नं० 1326, प्लाट नं० 135 है तथा जो मुलुंड बेस्ट बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 6-2-1982 डाक् मेंट नं० एस० 1324/80 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है धौर अन्तरक (अन्तरकों) शौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूर से कथित नहीं किया यथा है:—

- (क) अन्तरण सं इर्ड किमी आद की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अरू उक्त अधिनियम की धार 269-ग के अनुसरण कें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्रीमती जेठीबाई मोरारजी ।

(भ्रन्तरक)

(2) मुलुंड पुष्पकुंज को० भ्रापरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारो करके पूर्वाका सम्पत्ति के मर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तांरीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बदभ किमी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बन्स्ची

जैसा कि विलेख सं० ए स० 1324/80 ग्रीर जो उपरजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दि० 6/2/82 को रजिस्टई किया गया है।

> एस० एच० ग्रब्बास ग्रबिदि सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई ।

दिनांक: 12-10-1982

मोहर :

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. ----

श्री सीतममाल घोर घदरेस

(ग्रन्तरक)

2. श्री बाल सूत्रामनियम ।

(भ्रन्सरिती)

बायकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज , मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 ग्रक्तूबर, 1982

निदेश सं० 80/फर०/82-यतः मुझे एस० लहरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 152/10 है, जो सिवगिरीपट्टी, पलनी में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर जो पूर्ण रूप से र्विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पलनी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांके फरवरी, 1982

को पुत्र, क्ति संपत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम को अधीन कर धोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयग्जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जबत सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस स्<del>चनाके राजपत्र में</del> पंकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

स्यव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिय को को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि सर्वे सं० 152/10 सिवगिरीपट्टी पलनी (डाक्मेंट सं० 15/82) ।

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, I मद्रास

अत: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मा, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--

तारीख 6-10-82 मोहर:

#### SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 21st October 1982

No. F. 6/82-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri Faiyaz Ahmed, Editor of Paper Books to officiate as Section Officer with effect from the forenoon of October 14, 1982, until further orders.

S. GHOSH Assistant Registrar (Admn.)

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS (DEPARTMENT OF PERSONNEL) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 20th October 1982

No. A-19035/2/82-AD.V.—Shri Mohan Lal, Crime Assistant, C.B.I. is appointed to officiate as Office Superintendent on ad-hoc basis in Legal Division of C.B.I., Head Office with effect from 11th October, 1982 (FN) to 9th December, 1982 was Shri R. P. Arora, Office Superintendent proceeded on leave.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E)

# MINISTRY OF LABOUR LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 6th November 1982

No. 23/3/82-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 increased by one point to reach 489 (Four hundred and eighty nine), during the month of September, 1982, Converted to Base: 1949=100 the index for the month of September, 1982 works out to 594 (Five hundred and nine-ty four).

A. S. BHARADWAJ Director, Labour Bureau

# MINISTRY OF FINANCE DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 14th October 1982

No. 91/A.—In continuation of Notification No. 898/A dt. 26th August 1978 on the recommendations of D.P.C. (for Group B) the appointment of Shri Y. R. Vaidya, Stamp Supproblem, r. Central Stamp Store, is made on substantive basis, w.e.f. 12th July 1980.

P. S. SHIVRAM General Manager

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL UTTAR PRADESH

Allahabad, the 8th September 1982

No. Admn.I/II-144/Notfn./4412.—The following Accounts Officers have retired from service with effect from 31st Aug. 1982 (AN) on attaining the age of superannuation:—

- Shri Girish Chandra Dixit Substantive Accounts Officer, Office of the Accountant General-III U.P. Allahabad.
- Shri Lajpat Rai Gupta Substantive Accounts Officer, Office of the Accountant General-III U.P. Allahabad.
   J. S. AHLUWALIA

Senior Deputy Accountant General (A).

# DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 19th Oct 1982

No. AN/I/1708/5/Vol.I.—The notice given by Shri K. a much Kumar, IDAS, for proceeding on voluntarily retirement with effect from 15-9-1982, under the provisions of Rule

to A of CCS (Pension) Kines, 19/2, having been accepted by the composed aumority, our Sumpath Kumai has been reserved of the differential from 15-9-1902 (Acc). Sunt K. Sampath Kumai has accordingly been transferred to Pension remainshiften and sittles of the strength of become Accounts repairment with effect from 15-9-1982 (AN).

R. K. MATHUR Additional Controller General of Defence Accounts (AN).

---

#### MINISTRY OF INDUSTRY

# DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Deihi, the 19th October 1982

No 1-13018(303)//9-Admn(G).—Consequent on his selection for appointment as Deputy Assistant Director General intercal stores), Calcina, the Freshent is pleased to accept the resignation tendered by Shit Mr. L. Interna, Assistant Director (Gr. 1) (Chem.) Small industries Service Institute, Gangton, W.c.f. the roemogn of oth March, 1978.

Sum Meena will be catalled to the benefits admissible under kine 26(1) of Central Civil Services (Pension) Kines, 1972.

#### The 20th October 1982

180. A-19018(544)/81-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Smi Swadesh Kumar, Asstt. Director (Gr. 11) (IM1). Small industries Services institute, New Delhi as Asst. Director (Gr. 1) (IM1) at the same institute with theet from the forenoon or 1st October 1982 until further orders.

No. A-19018(560)/81-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Dr. I. C. Tiwari as Asstr. Director (Gr. I) (Caom.) at Small Industries Service Institute, solar with eacet from the forenoon of 2/th September 1982 until further orders.

C. C. RUY, Dy. Director (Admn.)

# DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 18th October 1982

No. E-11/(1).—In this department's Nonfication No. E. 11/(1) usued 11th July, 1909 under Class 2 'Narate Mixing' day COLEX-5 for ital manufacture and field trials at the specific locations upto 31-3-1983" after the entry 'COLEX-1'.

CHARANJIT LAL Chief Controller of Explosives

# LIKECTURATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 18th October 1982

No. A-1/1(1199)/82.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri M. Balasubramaniam J.P.O. in the Office of DS&D, Madras to officiate on purely ad-hoc basis as Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay with effect from the forenoon of 4th Oct 1982 and until further orders.

- 2. The ad-hoc appointment of Shri Balasubramaniam as Assistant Director (Or. II) will not bestow on him any claim for regular appointment and that ad-hoc service rendered would not count for the purpose of sensority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.
- 3. Shri Balasubramaniam relinquished charge of the post of J.P.O. in the office of DS&D., Madras on 27th September 1982 (AN) and assumed charge of the post of Asstt. Director (Gr. II) with effect from the forenoon of 4th Oct. 1982 in the office of Director of Supplies (Textiles), Bombay.

S. L. KAPOOR Dy. Director (Administration)

# New Delhi, the 19th October 1982 GORRIGENDUM

No A-1/1(1130).—In supersession of this office notification of even number dated 21st July 1982 the President is fixed to grant extension in service to Shri K. V. Sivaramakrisiman, Asstt. Director (Admn.) (Gr. II) in the office of Director of Supplies & Disposus, Bombay for a period of six months beyond the age of supersunuation viz. from 1st July 1982 to 31st December, 1982.

S. L. KAPOOR

Dy. Director (Admn.).

for Director General of Supplies & Disposals

#### (ADMINISTRATION SECTION A-6)

# New Delhi, the 20th October 1982

No. A-6/247(163).—Shri K. N. Srivastava, Substantive Assistant Inspecting Officer (Engineering) omerating as Inspecting Officer (Engineering) in the Office of Deputy Disector of Inspection, Kanpur, has retired from Govt. service on the agent of 30th September, 1982 on attaining the age of superannuation.

#### The 21st Ocotber 1982

No. A6/247(415).—Shri R. N. Das Gupta, substantive Assistant Inspecting Officer (Met-Chem) officiating as Assistant Director of Inspection (Met-Chem) (Oracle III of Indian Inspection Service Met-Chem Branch) on ad-hoc basis in the once of Deputy Director of Inspection (Met) Dangapur has been reverted to his substantive post of Assistant Inspecting of Inspection (Met-Chem) and transferred to the once of Director of Inspection (Met) Burnpur with effect from forenoon of our September, 1982.

S. L. KAPOOR Dy. Director (Aummistration)

#### New Delhi, the 18th October 1982

No. A6/247(363)/76.—Shri K. M. Krishnamurty, Substantive Assistant Inspecting Officer (Engineering) officiating as inspecting Officer (Engineering) (Grade III of Indian Inspection Service, Engineering Branch) in the office of Director of inspection, Madras retired from service on the afternoon of ofth September, 1982, on attaining the age of superannuation.

N. M. PERUMAL Dy. Director (Administration)

#### SURVEY OF INDIA

### Dehra Dun-248001, the 20th October 1982

No. C-5873/594.—Shri S. P. Khanduri, Technical Assistant, percetion Grade is appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction (Grade 'B post), Survey of India, on admic basis, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 2/th August 1982 (FN) and posted in Map Publication three-create.

G. C. AGARWAL Major General Surveyor General of India

#### NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

#### New Delhi-110001, the 18th October 1982

No. F. 8-2/81-Estt.—On the recommendation of U.P.S.C., the Director of Archives, Government of India, hereby appoints on Zakir Husain, Assistant Archivist Gr. I (O.R.) to the post of Archivist (O.R.) on regular temporary basis with effect from the forenoon of 25th August, 1982 and until further orders.

He will draw a pay of Rs. 650/- p.m. in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200/-.

R. K. PERTI Director of Archives

# DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY NATIONAL ATLAS AND THEMATIC MAPPING ORGANISATION

Calcutta-700019, the 14th October 1982

No. 35-2/81/Estt.—Shri M. P. Rai is appointed substantively in the post of Hindi Officer (Group B—Scale Rs. 650—12(3)) in the National Atlas & Thematic Mapping Organisation w.e.f. 4th October 1982.

S. P. DAS GUPTA Director

# MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING FILMS DIVISION

#### New Delhi-1, the 19th October 1982

No. A-20011/1/81-Admn.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the Chief Producer, Films D.v.sion has appointed Shrl M. P. Sinha officiating Cameraman in Films Division, New Delhi on regular basis with effect from the forenoon of 24th August, 1982.

D. N. PANDE
Asstt. Administrative Officer
for Chief Producer

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 16th October 1982

No. 3/6/81-S-III (Pt-III)—Consequent upon their promotion, the under mentioned Sr. Engineering Assistant have assumed charge of the post of Assistant Engineer at different offices of AIR/Doordarshan in a temporary capacity from the date mentioned against each:—

S. No.	Name		Station Where Posted	Date of Joining
	S/Shri			
1.	P. Ellaiah		UDK Hyderabad	22-9-82
2.	N. Das Gupta .	•	CE(EZ) AIR Calcutta	30-8-82
3.	Jagdish Prasad .		AIR Leh	27-9-82
4,	V. Ramakrishna Rao		AIR Madras	5-10-82
5.	J. Gohain		-	29-9-82
6.	M. R. Subramanian		DDK New Delhi	29-9-82
	M. Papanasam .		CE(SZ) AIR Madras	
	A. Purushothama Rao	٠	CE(SZ) AIR Madras	
9.	R. S. Gupta	•	CE(NZ) AIR, N. Delhi.	23-9-8
10.	T. G. Srinivasan .	٠	CE(NZ) AIR, N. Delhi.	15-9-8
11.	P. Uma Reddy .		DDK Cuttack	29-9-8
12.	R. Krishnaswamy .		AlR Tiruchirapali	27-9-8
13.	A. N. Das .		DDK Cuttack	29-9-8
14.	Prahlad Kumar .		DDK New Delhi	27-8-8
15.	G. S. Bhatti		HPT Khampur	30-9-8
16	J. Padmanabhan .		P & D Unit	15-9-8
17.	S. Neelakanthan .		UDK Cuttack	8-10-8
18	. B. S. Batra .		CE(NZ) AIR, N. Delhi,	30-9-8
19	. Rajinder Prasad .		CE(NZ) AIR, N. Delhi,	30-9-8
20	. S. Venkateswara Rao		CE(NZ) AIR, N. Delhi.	30-9-8
21	. Anil Kumar Barari		AlR Siliguri	4-10-8

M. L. SABHARWAL.

Dy. Director of Administration,

for Director General.

## MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT

# DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

#### Faridabad, the 9th October 1982

No. A-19023/9/81-A.III.—The Ad hoc appointment of Shri N. J. Pillai to the post of Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Bombay has been extended for another six months upto 31-12-1982 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

G. S. SHUKLA Agricultural Marketing Adviser to the Government of India

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 14th October 1982

No. PA/79(4)/80-R-III.—Reference notification of even number dated August 7, 1982. The officiating appointment of Shri Gopalan Krishnamurthy as Assistant Personnel Officer is restricted upto October 11, 1982 (FN).

B. C. PAL Dy. Establishment Officer

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF ESTATE MANAGEMENT ORDER

Bombay-400094, the 12th October 1982

No. 10/26/70-Adm.—WHEREAS Shri A. S. Abdul Munaff, while functioning as Tradesmen 'C' on the work-charged establishment of DEM submitted an application dated 9-3-1982 for leave for 30 days from 9-3-1982 to 7-4-1982 for reasons of domestic affairs, which application was duly approved by the leave sanctioning authority, and remaining absent from duty after the expiry of the leave, unauthorisedly, without any intimation w.e.f. 8-4-1982.

without any intimation w.e.f. 8-4-1982.

AND WHEREAS a memorandum was issued on 17-8-1982 by the Administrative Officer, DEM (Reference No. 10/26/70-Adm.) calling upon the said Shri Abdul Munaff to report for duty immediately.

AND WHEREAS the said memorandum of 17-8-1982 was sent by Registered Post to the last known addresses of Shri Abdul Munaff at Bombay and Tamil Nadu:

AND WHEREAS the envelopes containing the said memorandum were returned by the postal authorities from both the destinations undelivered.

AND WHEREAS the said Shri Abdul Munaff continues to be absent without permission.

AND WHEREAS Shri Abdul Munaff is guilty of abandoning service without keeping the DEM informed of his whereabouts.

AND WHEREAS it is not practicable to hold an enquiry against the said Shri Abdul Munaff as he has abandoned his duty and falled to keep the DEM informed of his whereabouts.

AND, therefore, the undersigned hereby dismisses the said Shri Abdul Munaff from service with immediate effect.

P. UNNIKRISHNAN Director

# Copy to:

- Shri A. S. Abdul Munaff, Sardar Vallabhai Patel Nagar, Room No. M9 x 101/3/3 Vashi Naka, Chembur, Bombay-400094.
- Shri A. S. Abdul Munaff,
   C/o K. S. Kamaladhin,
   Kotemetu Street. New Police Line,
   At & Post Kalakurchi, Taluka Kalakurchi,
   Tamil Nadu.

#### HEAVY WATER PROJECTS

#### Bombay-400008, the 19th October 1982

No. 05000/M-197/4352.—Chief Executive, Heay Water Projects, appoints Shri Kamlesh Jitendrarai Mehta to officiate as Labour-cum-Welfare Officer in Heavy Water Plant (Baroda), in a temporary capacity, w.e.f. October 1, 1982 (FN), until further orders.

R. C. KOTIANKAR Administrative Officer

# DEPARTMENT OF SPACE ISRO SATELLITE CENTRE

#### Bangalore-560058, the 15 October 1982

No. 020/3(061)/A082.—Director, ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the undermentioned persons to posts and with effect from the formoon of the date indicated against each in the ISRO Satellite Centre Bangalore of the Department of Space on a purely temporary and provisional basis and until further orders:

#### S/Shri

- 1. Dilip Kumar Thakur, Sci/Engineer SB-21-9-1982.
- H. S. Vasu Deva Murthy, Sci/Engineer SB-30-9-1982.

S. SUBRAMANYAM Administrative Officer

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

#### New Delhi, the 16th October 1982

No. A.32013/7/79-E.I.—The President is pleased to continue the adhoc appointment of Shri B. R. Sharma in the grade of Scientific Officer beyond 20-7-82 upto 19-1-1983 or till the regular appointments to the grade is made, whichever is earlier.

No. A.32013/11/82-EI.—The President is pleased to appoint Shri I R. Menon, Director of Regulation & Information at present working on an adhoc basis to the same grade on a regular basis with effect from 20-9-1982.

#### The 18th October 1982

No. A.32013/1/82\*EI.—The President is pleased to appoint Shri Bhushan Kumar as Project Officer in the Civil Aviation Denartment in a substantive capacity with effect from 6-9-1980.

O. P. JAIN Assistant Director of Administration

## New Delhi, the 18th October 1982

No. A. 32013/5/80-EC:—In continuation of this Department's Notification No. A. 32013/5/80-EC dated the 28th July, 1981 and the 5th Sept., 1981 and 29-4-82 the President is pleased to continue the adhoc appointment of the undermentioned officers in the grade of Dy. Director of Communication/Controller of Communication for a further period upto 31-12-82 beyond 30-6-82 or till the regular appointment to the grade are made, whichever is earlier.

S,No	, Name	 Station of posting	
	S/Shri	 	
1.	P. S. Dhunta	ACS, Trivandrum.	
2.	N. K. Puri	ACS, New Delhi.	
3.	K. Ramalingam .	ACS, Madras.	
4.	H. V. Sudershan	ACS, Bombay.	

<b>\$</b> .No.	Name		Station of posting
	S/Shri	 	
5.	S. H. Khan		ACS, Calcutta.
6.	Suresh Chandra		ACS, Calcutta.
7.	K. V. Rao		ACS, Hyderabad.
8.	V. K. Verma		ACS, Bombay.
9.	S. R. R. Rao		ACS, Madras.
10.	P. K. Singbal		ACS, Bombay.
11.	S. K. Kakkar		ACS, Calcutta.
12.	D. C. Mehta		RCDU, N. Delhi.
13.	P. Seth .		DGCA(HQ)

PREM CHAND, Assistant Director (Admn.)

#### New Delhi, the 20th October 1982

No. A. 32014/3/81-ES:—The Director General of Civil Aviation is pleased to allow the continuance of ad-hoc appointment of the following Superintendents as Administrative Officers upto the dates shown against them or till the posts are filled up on regular basis, whichever is earlier, on usual terms and conditions:—

S. No.	Name		Date upto which appointed as Admn. Officer on ad-hoc basis		
1.	Sh. S. H. Lalla .		31-10-82		
2.	Sh. S. C. Mallick	1	31-12-82		
3.	Sh. K. T. Seen		31-12-82		
4.	Sh. R. G. Shinde		31-12-82		
5.	Sh. V.R.S. Nair	٠	31-12-82		

J. C. GARG, Asstt. Director of Administration.

# MINISTRY OF ENERGY (DEPARTMENT OF COAL)

### COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad-826003, the 19th October 1982

No. Adm.12(8)82.—Shri T. N. Mahto, Superintendent of Accounts (Permanent Head Clerk) has been promoted as Assistant Secretary to Coal Mines Welfare Commissioner/Secretary to the Medical Superintendent, Central Hospitals w.e.f. 2-6-1982 (F/N).

D. PANDA Commissioner

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL (WORKS) CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT New Political Adv. 20th October 1982

New Delhi-11, the 20th October 1982

No. 27-E/B(68)/80-ECII.—The President is pleased to accept the resignation of Shri Bhuvnesh Prasad at present posted as Executive Engineer, Central Designs Organisation, Central PWD, New Delhi, with immediate effect.

Dy. Director of Administration for Director General (Works)

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES
Trivandrum, the 11th October 1982

No 226/Lig/560(4)R3313/75.—Whereas Central Trust Ltd. having its registered office at Trivandrum is being wound up.

And whereas the undersigned has reasonable cause to belleve that the affairs of the company have been completely wound up and that statement of accounts (returns) required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of subsection (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiry to three months from the date of this notice the name of Central Trust Limited will, unless cause is shown to the contrary be struck off the register and the company will be dissolved.

In the matter of Componies Act, 1956 and of Sreenarayana Industrial and Trading Corporation Ltd.

Cochin-682011, the 11th October 1982

No. 1655/I ia/560/5)/R3312/82—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956. that the name of Sreenaravana Industrial Trading Corporation Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Trivandrum Trading Corporation Limited

Cochin-682011, the 11th October 1982

No. 1231/Liq/560(5)/R3314/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Trivandrum Trading Corporation Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Venadu Agricultural Grain Company Limited

Cochin-682011, the 11th October 1982

No. 1300/Lia/560(5)/R3318/82—Notice is hereby given pursuent to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of Venadu Agricultural Grain Company Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the motter of Companies Act. 1956 and of Valavil Plantations Limited

Cochin-682011, the 11th October 1982

No. 2351/I ia/560(5)/R3319/82—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Valavil Plantations I imited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1985 and of Geo and Jo Agencies Private Limited

Cochin-682011, the 11th October 1982

No. 2479/I ia/560(5)/R3320/82—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956. that the name of Geo and Jo Agencies Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Sanjora Chemicals Private Limited

Cochin-682011, the 11th October 1982

No. 2158/J ia/560(5)/R3321/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Com-

panies Act, 1956, that the name of Sanjora Chemicals Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved

In the matter of Companies Act, 1956 and of Nileswar Aluminium Mines and Trades Limited

Cochin-682011, the 11th October 1982

No. 2382/Liq/560(5)/R-3322/82,—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Nileswar Aluminium Mines and Trades Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Yasodhara Chemicals Private Limited

Cochin-682011, the 11th October 1982

No. 2644/Liq/560(5)/R3323/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Yasodhara Chemicals Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Scafood Canners and Freezers Association of India

Cochin-682011, the 11th October 1982

No 2027/Liq/560(5)/R3324/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Seafood Canners and Freezers Association of India has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Lamrin Private Limited

Cochin-682011, the 11th October 1982

No. 1902/Liq/560(5)/R3325/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Lamrin Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Trichur Chit Funds Private Limited

Cochin-682011, the 11th October 1982

No. 2284/Liq/560(5)/R3326/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Trichur Chit Funds Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Janatha Employees Kuri Company Private Limited

Cochin-682011, the 11th October 1982

No. 2456/Liq/560(5)/R3327/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Janatha Kuri Company Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the motter of Companies Act. 1956 and of The Fisherman Enterprises Private Limited

Cochin-682011, the 11th October 1982

No. 1984/Jia/560(5)/R3328/82.—Notice is hereby given, pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of The Fisherman Enterprises Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Venadu Bank Limited

Cochin-682011, the 11th October 1982

No. 1299/Liq/560'5)/R3529/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Venadu Bank Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Raliant Agro Chemicals Private Limited

Cochin-682 011, the 11th October 1982

No. 2815/Liq./560(5)/R3330/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Raliant Agro Chemicals Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Sumangala Loans and Chits Private Limited

Cochin-682 011, the 11th October 1982

No. 2481/I iq/560(5)/R3331/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sumangala Loans and Chits Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Bharat Plantations Limited

Cochin-682 011, the 11th October 1982

No. 1397/Liq/560(5)/R3332/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Bharat Plantations Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Grain Merchants Association

Cochin-682 011, the 11th October 1982

No. 404/Liq/560(5)/R3333/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Grain Merchant Association has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Chendakkal Plantations Private Limited

Cochin-682 011, the 11th October 1982

No. 1932/Liq/560(5)/R3334/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Chendakkal Plantations Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies 4ct, 1956 and of Motibhal Patel Industries Private Limited

Cochin-682 011, the 11th October 1982

No. 1924/Liq/560(5)/R3335/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Motibhai Patel Industries Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Cochin Engineering Company Private Limited

Cochin-682 011, the 11th October 1982

No. 2330/Liq/560(5)/R3336/82—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies

Act, 1956, that the name of Cochin Engineering Company Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved,

In the matter of Companies Act, 1956 and of Fast and Safety Transports Private Limited

Cochin-682 011, the 11th October 1982

No. 2155/Liq/560(5)/R3337/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Fast and Safety Transports Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Yuvarani Theatres Private Limited

Cochin-682 011, the 11th October 1982

No. /Liq/560(5)/R3338/82—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Yuvarani. Theatre Private Limited has this day been struck off the register and the said, company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Southern Industrial Mining Company Private Limited

Cochin-682 011, the 11th October 1982

No. 2652/Liq/560(5)/R3339/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Southern Industrial Mining Company Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Kerala Auto and Industrials Private Limited

Cochin-682 011, the 11th October 1982

No. 2346/Liq/560(5)/R3340/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Kerala Auto Industries Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Vypeen Island Canning Company Private Limited

Cochin-682 011, the 11th October 1982

No. 2789/Liq/560(5)/R3341/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Vypeen Island Canning Company Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

> K. PANCHAPAKESAN Registrar of Companies, Kerala

In the matter of Companies Act, 1956 and of Rebati Kanta Poddar & Sons Private Limited

Calcutta, the 18th October 1982

No. 11304/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Rebati Kanta Poddar & Sons Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of D. M. Farms & Dairies Private Limited

Calcutta, the 18th October 1982

No. 33660/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act. 25-326 GI/82

1956, that the name of D. M. Farms & Dairies Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of O, & M, Frosts Private Limited

Calcutta, the 18th October 1982

No. 33666/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of D. & M. Frosts Private Limited this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of D. M. Drugs & Pharmaccuticals Private Limited

Calcutta, the 18th October 1982

No. 33971/560(5).—Not'ce is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of D. M. Drugs & Pharmaceuticals Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Dipanjan Investment Private Limited

Calcutta, the 18th October 1982

No. 33972/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Commanies Act, 1956, that the name of Dipanjan Investment Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of West Dinappur Trade & Transport Private Limited

Calcutta, the 18th October 1982

No. 21034/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (1) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the West Dinajpur Trade & Transport Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be discolved. dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Aditya Iron & Steel Co. P. Ltd.

Calcutta, the 18th October 1982

No. 27040/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (1) of Sectoin 560 of the Compan'es Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Aditya Iron & Steel Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

> S. R. V. V. SATYANARAYANA Asstt. Registrar of Companies, West Bengal

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Advertising Motivation Services Private Limited

Bombay-2, the 19th October 1982

No. 621/15022/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Advertising Motivation Services

Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN Addl Registres of Companies, Maharashtra, Bombay

### OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 16th October 198?

#### INCOME-TAX

F. No. JUR-DLI/1/82-83/18210—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subect the Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax mentioned in Col. I of the Schedule herein below shall perform all the functions of Inspecting Assistant Commissioner of Income tax under the said Act, in respect of such areas or of such persons or classes of persons of such Incomes or classes of Income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of ITO's of the District Circle mentioned in Col. 2 of the said schedule:—

#### **SCHEDULE**

Name of the Range	Income-tax District/Circle			
• 1.	2.			
Inspecting Assistant     Commissioner of Income     Tax. Company Range-II,     New Delhi.	<ol> <li>Company Circles II, VII, X, XIV, XV, and XIX New Delhi.</li> <li>Special Circle. XV, New Delhi.</li> <li>Special Circle III, New Delhi.</li> <li>Foreign Section, New Delhi.</li> </ol>			

This order shall take effect from 16-10-1982

S. D. MANCHANDA, Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi.

Lucknow, the 24th September 1982 Establishment—Central Services—Gazetted

ITO's (Gr. 'B')—Confirmation of—Orders regarding -

No. 125—On the recommendation of the Committee Constituted in pursuance of Dptt. of Personal and Administative Reforms O. M. No. 29014/75/Estt. (A) dated 15-11-75 and Board's letter F. No. A-29011/28/78-Ad, VI dated 7-10-1978, the following ITOs (G1. 'B') are hereby confirmed as ITO(Gr. 'B')

in the pay scale of Rs. 650—1200 with effect from the date noted against each;—

SI. No	Name of the I.T.O with present place of posting			Date from which confirmed	
l	2.	-		— <sub>3.</sub> -	
	S/Shti				
1.	Shyamta Prasad Sharma			1-2-1981	
	I.T.O. B-Ward, Lucknow Circ	ele.			
	Lucknow.				
2	Rami Chand .			1-7-1981	
	l.T.O. Haldwani.				
3.	Babu Ram			1-8-1981	
	I.T.O. A-Ward,				
	Lakhimpur Kheri.				
4	Shambhu Nath Saxena .			1-10-1981	
	I.T.O. (Tech.),				
	Lucknow.				
5	A. S. Kaushik .			1-1-1981	
	I.T.O.				

Their dates of confirmation are liable to be changed, if found necessary at any subsequent stage.

#### The 19th October 1982

#### CORRIGENDUM

Establishment—Central Service Gazetted I.T.O.'s (Grade B)—Confirmation of—Orders regarding.

No. 135—Read "1-9-81" instead "1-8-81" as referred to in Notification No. 125 dated 23-9-82 at Sl. No. 3 Col. No. 3 in respect of Shri Babu Ram, Income-tax Officer A-Ward, Lakhimpur-Kheri.

DHARNI DHAR
Commissioner of Income-tax,
Lucknow

## INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 15th October 1982

No. F. 48-Ad(AT)/1982.—Shii R. K. Ghosh, Asstt. Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay who was continued to officiate as Assistant Registrat, Income-tax Appellate Tr.bunal, Ahmedabad Benches, Ahmedabad on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of six months with effect from the 6th February, 1982 vide this office Notification No. F. 48-Ad (AT)/1982 dated 27th March, 1982, is now permitted to continue to officiate as Assistant Registrar, Income tax Appellate Tribunal, Ahmedabad Benches, Ahmedabad on ad hoc basis in a temporary capacity for a further period from 6th August, 1982 to 31st January, 1983 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad hoc and will not bestow upon Shi R K. Ghosh, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA President PART III -Sec. 1]

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I,

KANNAMMAI BUILDING 11ND FLOOR 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th October 1982

Ref. No. 80/Feb/82.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have renson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 152/10, situated at Sivagiripatti, Palani, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palani (Document No. 15/82) on February 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Seetammal, Ayyammal, Kupruthayee and Kannammal, New Ayakudi, Palani Taluk, Madurai Distt.

(Transferor)

(2) Shri C. Balasubramaniam, Kasia Pillai Lane, Palani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land in S. No. 152/10, Sivagiripati, Palani Taluk. (Document No. 15/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 6-10-1982

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri C. Kaliappan,

(1) Smt. Sectammal.

Distt.

(Transferor)

Kasia Pillai Lane, Palani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT 'COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th October 1982

Ref. No. 81/Feb/82.-Whereas, I, S. LAHIRI. being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. S. No. 152/10, situated at Sivagiripatti, Palani, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palani (Document No. 16/82) on February 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

Smt. Scetammal, Ayyammal, Kupputhatee and Kannammal, New Ayakudi, Palani Taluk, Madurai

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land in S. No. 152/10, Sivagiripati, Palani Taluk. (Document No. 16/82).

> S. LAHIRI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Date: 6-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th October 1982

'INIHVI'S 'I 'ssalapla-78/94/78 'ON 'John being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 152/10, situated at Sivagiripatti, Palani, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Palani (Document No. 17/82) on February 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Smt. Seetammal, Ayyammal, Kupputhayee and Kannammal, New Ayakudi, Palani Taluk, Madural Distt.

(Transferor)

(2) Sri C. Sadasivam, 9 Vellaya Nadar Lane, Palani.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land in S. No. 152/10, Sivagiripatti, Palani. (Document No. 17/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 6-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Smt. Sectammal, Ayyammal, Kupputhayee and Kannammal, New Ayakudi, Palani.

(Transferor)

#### (2) Smt. C. Kakshmi Ammal, 19 Vellaya Nadar Lane Palani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING IIND FI OOR 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th October 1982

Ref. No. 83/Feb/82.—Whereas, I, S. LAHIR1, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

152/10, situated at Sivagiripatti, Palani,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Palani (Document No. 18/82) on February 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land in S. No. 152/10, Sivagiripatti, Palani Taluk. (Document No. 18/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madray-600 006, the 6th October 1982

Ref. No. 84/Feb/82.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 152/10, situated at Sivagiripatti, Pelani, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palani (Document No. 19/82) on February 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Smt. Scetammal, Ayyammal, Kupputhayee and Kannammal New Ayakudi, Palani.

(Transferor)

(2) Sri C. Sakthivel, 19 Vellaya Nadar Lane Palani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land in S. No. 152/10, Sivagiripatti, Palani. (Document No. 19/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 6-10-1982

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th October 1982

Ref. No. 95/Feb/82.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 9, situated at Ormes Road III St. Kilpauk Madras-600010 and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Periamet (Document No. 72/82) on February 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) A Sajeedha Banu, 71 Perambur Barracks Road, Madras-600 012. (Transferor)
- (2) Sri Syed Jabbar, Ectapalam, Prakasam Dist. Andhra Pradesh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at No. 9 Ormes Road, III St. Kilpauk Madras-600 010.
(Document No. 72/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 6-10-1982

Scal:

#### 15957

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th October 1982

Ref. No. 134/Feb/82.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5. situated at Kuruvikkaran Salai Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Tallakulam (Document No. 669/82) on February 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—26—326 GI/82.

- (1) Smt. G. V. Suraiya Begum,
  Plot No. 1959 Anna Nagar, Madras-600 040.
  (Transferor)
- (2) Smt. Chandra Muthukrishnan W/o Late Λ. Muthukrishnan Perungudi Sivagangai taluk and Smt. Lakshmi Ponniah W/o Sri A. M. Ponniah Karuthanpatti, Namanursekaram, Perungudi taluk Sivaganga, Ramnad Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land & Building at No. 5 Kuruvikkaran Salai Madurai. (Document No. 669/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I. Madras-6

Date: 5-10-1982

Seal

(1) Smt. Sishubala Dhar Roy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Kalyani Sarkar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME TAX.

# ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1982

Ref. No. 1133/Acq. R-III/82-83.—Whereas, I, K. SINHA, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-And Bearing No. 20/C situated at Durgaprasanna Paramhansa Road, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

Alipur on 5-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 5 cottahs more or less with sturcture being premises No. 20/C Durga Prosanna Parambansa Road, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Colcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atroesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-10-1982

#### FORM NO. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Niva Mukherjee.

(Transferor)

(2) Bibcon & Associates.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1982

Ref. 1134/Acq. R-III/82-83.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 106, situated at Jodhpur Park, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 10-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece of parcel of land measuring 5K more or less being situated at 106, Jodhpur Park, Calcutta, Registered vide deed No. 912 date 10-2-1982.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-III,
Calcutta

Date: 7-10-1982

(1) Sri Jatindra Nath Chunder.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Purushottam Das Mimani & Sons.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

# ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 25th September 1982

Ref. No. 1127/Acq. R-III/82-83,—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4A situated at Narendra Chandra Dutta Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer a Calcutta on 16-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece or parcel of land measuring 5 cottahs 8 chittacks with the one storied building being premises No. 4A. Narendra Chandra Dutta Sarani, Calcutta.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-9-1982

Scal:

## FORM I.T.N.S.-

#### (1) Sii Jyoti Prosad Chowdhury.

(Transferor)

(2) (1) Shri Banshilal Shaw,

(2) Shri Ramji Prosad Sahu,(3) Shri Gulab Chand Sahu,

(4) Shri Kalu Shaw,

(5) Shri Nandalal Shaw,(6) Shri Thakur Prosad Gupta,

(7) Shri Thakur Prosad Shaw.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III

Calcutta-16, the 4th October 1982

Ref. No. 1129/Acq. R-III/82-83.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 122/1B situated at Motilal Nehru Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore on 1-2-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 11 cottahs 6 chittacks 33 sq. ft, with structure situated at 122/1B, Motilal Nehru Road, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016

Date: 4-10-1982

#### FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### (1) Sri Debaprosad Chowdhury.

(Transferor)

(2) (1) Shri Bansilal Shaw, (2) Shri Ramji Prosad Sahu,

(3) Shri Gulab Chand Sahu,

(4) Shri Kalu Shaw,(5) Shri Nanda lal Shaw,

(6) Shri Thakur Prosad Gupta, (7) Shri Thakur Prosad Shaw.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta-700016, the 4th October 1982

Ref. No. 1130/Acq. R-II/82-83.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 122/1A situated at Motilal Nehru Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 1-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 10 cottahs 5 chittacks 37 sq. ft. with structure situated at 122/1A, Motilal Nehru Road, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-10-1982

### FORM ITNS----

(1) Nivedeta Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hukum Chand Oswal, Basanta Kumar Bokaria, (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III

Calcutta, the 6th October 1982

Ref. No. 1131/Acq. R-III/82-83.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 654 situated at Rabindra Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 8-2-1982 for an apparent consideration

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 8K-13ch-11 sq. ft. with building being Premises No. 654, Rabindra Sarani, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-10-1982

(1) Deb Bala Devi.

(Transferor)

(2) Shyama Maya Banerjee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II & IV, CALCUTTA

Calcutta, the 6th October 1982

Ref. No. 1132/Acq. R-III/82-83.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 41 situated at Russa Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece or parcel of land measuring 4 cottahs more or less with building being premises No. 41, Russa Road, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-10-1982

#### FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 6th October 1982

Ref. No. TR-15/82-83/SI. Whereas, I, K. SINHA,

IAC/Acq. R-I/Cal.—

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. A/2 situated at 5, Camac Street, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 12-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any amoney or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforseaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

27—326 GI/82

- (1) Sri Radheshyam Jalan & Smt. Majna Devi Jalan.
- (2) Sii Bhagwati Piosad Goenka & Sii Deen Dayal (Transferee)
  Goenka.
- Sri B. P. Goenka & Sri D. D. Goenka. (Persons in occupation).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

2.20% of the right title and interest in Premises No. 5, Camac Street, Calcutta represented by Flat No A/2 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta on 12-2-82 vide Deed No 1039 dated 12-2-1982.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016

Date: 6-10-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 6th October 1982

Ref. No. TR-86/82-83/Sl. 656 IAC/Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 108 situated at New Park Street, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registrar of Assurances, Calcutta on 1-2-1982

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration

such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax \ct. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Tripura Nath Barooah & ors.
- (Transferor)
  (2) Hemendra Prosad Barooah & Ors
- (Transferee)
  (3) Rajib Bharooah, Rohitosh Barooah & Mrs. Banti
  Barooah.
  - (Persons in Occupation)
- (4) Hemendra Prosad Barooah.
  (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Undivided 1/6 share of 108 New Perk Street, Calcutta. Two storied building with land measuring 10 cottahs 8 chittacks 4 sq. ft. registered before the Registrar of Assurances, Calcutta on 1-2-1982 vide Deed No. 608.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road.
Calcutta-700 016

Date: 6-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I **CALCUTTA**

Calcutta, the 6th October 1982

Ref. No. TR-87/82-83/Sl. 657 IAC/Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 108 situated at New Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registrar of Assurances, Calcutta on 1-2-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Tripura Nath Barooah & ors.

(Transferor)

(2) Rajib Barooah, Robitosh Barooah & Mrs. Bonti Barooah.

(Transferee)

(3) Rajib Barooah, Rohitosh Barooah & Mrs. Bonti Barooah.

\*(Persons in occupation)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of 108, New Park Street, Cacutta. Two storied building with land measuring 10 cottahs 8 chittacks 4 sq. ft. registered before the Registrar of Assurances, Calcutta on 1-2-1982 vide Deed No. 607.

> K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-700 016

Date: 6-10-1982

(1) Smt. Anima Mukherjee

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Basumitra Bose

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 6th October 1982

Ref. No. TR-88/82-83/Sl. 658 IAC/Acq. R-I/Cal.—Whereas, I. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

38/5 situated at Mahatma Gandhi Road, Caclutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 3-2-82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Two storeyed building at Premises No. 38/5, Mahatma Gandhi Road, Calcutta—Area: 4K 12Ch 3 sq. ft. registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 676 on 3-2-82.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54 Rafl Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016.

Date: 6-10-1982

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Sagarika Ray

(Transferor)

(2) Leela Ghosh

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUITA

Calcutta, the 7th October 1982

Ref. No. 1139/Acq. R-III, 82-83.—Whereas, I, KSINHA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 32 situated at Ballygunge Place, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 19-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning ase given in that Chapter.

# THF SCHEDULE

All that undivided 1/12th share of land measuring 12 cottabs with building being Premises No. 32, Bellygunge Place, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016.

Date: 7-10-1982

FORM ITNS----

(1) Sagarika Ray

(Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sushit Ranjan Ghosh

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1982

Ref. No. 1140/Acq. R-JII/82-83,—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

32 situated at Ballygunge Place, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Calcutta on 19-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that undivided 1/12th share of land measuring 12 cottabs with building being Premises No. 32, Bellygunge Place, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016.

Date: 7-10-1982

#### (1) Sagarika Ray

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Anjan Ghosh

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1982

Ref. No. 1141/Acq. R-III/82-83.—Whereas I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

32 situated at Ballygunge Place, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Calcutta on 19-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece of parcel of land measuring 12 cottahs with building being Premises No. 32, Bellygunge Place, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III.
54 Rafi Ahmed Kidwai Road.
Calcutta-700 016.

Date: 7-10-1982

Scal:

FORM LTN.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Sagarika Ray

(Transferor)

(2) Ranjan Ghosh

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA Calcutta, the 7th October 1982

Ref. No. 1142/Acq. R-IΠ/82-83.—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

32 situated at Ballygunge Place, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 19-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned; :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that undivided 1/12th share of land measuring 12 cottahs with building being Premises No. 32, Ballygunge Place, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016.

Date: 7-10-1982

(1) Sreela Sen

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sushil Ranjan Ghosh

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesal persons within a period of

Calcutta, the 7th October 1982

EVEL AND TON 1. The terms and everesions used berein.

Ref. No. 1143/Acq. R-JII/82-83.—Whereas, I, K. SINHA.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32 situated at Ballygunge Place, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Calcutta on 19-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian ncome-tax. Act. 1922 the purposes of the Indian Income-tax. Act. 1922 Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that undivided 1/12th share of land measuring 12 cottahs with building being Premises No. 32, Ballygunge Place, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of his notice under suvsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
28—326 GI/82

Date: 7-10-1982

(1) Sreela Son

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### (2) Ranjan Ghosh

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

#### GOVERNMENT OF INDIA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

i(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1982

К.

Ref. No. 1144/Acq. R-III/82-83.--Whereas, J. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

32 situated at Ballygunge Place, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 19-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

All that undivided 1/12th share of land measuring 12 cottans with building being Premises No. 32, Bellygunge Place. Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54 Rafl Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dato: 7-10-1982

(1) Sreela Sen

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Anian Ghosh

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1982

Ref. No. 1145/Acq. R-11L/82-83.—Whereas, I, K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 32 situated at Ballygunge Place, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 19-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that undivided 1/12th share of land measuring 12 cottahs with building being Premises No. 32, Ballygunge Place, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-10-1982

(1) Srcela Sen

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Leela Ghosh

#### (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1982

Ref. No. 1146/Acq. R-III/82-83.—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 32 situated at Ballygunge Place, Calcutta.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 19-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that undivided 1/12th share of land measuring 12 cottahs with building being Premises No. 32, Ballygunge Place, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016.

Date: 7-10-1982

(1) Ranjan Sen

(Transferor)

(2) Sushil Ranjan Ghosh

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1982

Ref. No. 1147/Acq R-1/1 82-83.—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Sect.on 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 32 situated at Ballygunge Place, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 19-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that undivided 1/12th share of land measuring 12 cottahs with building being Premises No. 32, Ballygunge Place, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016.

Date: 7-10-1982

(1) Ranjan Sen

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Anjan Ghosh

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, CALCUTTA

Calcutta, the 7th Octaber 1982

Ref. No. 1148/Acq. R-III/82-83.—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  $\omega$  as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

32 situated at Ballygunge Place, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 19-2-1982

for an apparent consideration which is less than the frir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable piperty, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

E. PLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that undivided 1/12th share of land measuring 12 Cottahs with building being Premises No. 32 Ballygunge Place, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016,

Date: 7-10-1982

(1) Ranjan Sen

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Leela Ghosh (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1982

Ref. No. 1149/Acq. R-III/82-83.—Whereas, I, KSINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

32 situated at Ballygunge Place, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 19-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (g) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that undivided 1/12th share of land measuring 12 cottahs with building being Premises No. 32, Ballygunge Place, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016.

Date: 7-10-1982

(1) Ranjan Sen(2) Ranjan Ghosh

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1982

Ref. No. 1150/Acq. R-III/82-83.--Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32 situated at Ballygunge Place, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 19-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

All that undivided 1/12th share of land measuring 12 cottahs with building being Premises No. 32, Ballygunge Place, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016.

Date: 7-10-1982

#### FORM I.T.N.S.-

#### (1) Rama Roy

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Ananda Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1982

Ref. No. 1137, Acq. R-III/82-83, ---Whereas, I, K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and

bearing No. .

422 situated at Prince Anwar Shah Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 26-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsedaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHFDULE

All that Piece or Parcel of land measuring 4 cottahs more or less being situated at 422, Prince Anwar Shah Road, Calcutta, Registered vide deed No. 1479 dt. 26-2-82.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
29—326 GI/82

Date: 7-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Rubey Roy

(Transferor)

(2) Ananda Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1982

Ref. No. 1138/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 422 situated at Prince Anwar Shah Road, Calcutta rand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 26-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 2K—11ch—43 sq. ft. with building being premises No. 422, Prince Anwar Shah Road, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-10-1982

(1) Smt. Shanti Ghosh

(Transferor)

(2) Smt. Renu Bose.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGF-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1982

Ref. No. 1135/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15-J situated at Behari Doctor Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 23-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have icason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LAPEANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 5 Cottahs with building being premises No. 15-J, Behari Doctor Road, Calcutta.

(Undivided half share).

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54 Raft Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-10-1982

(1) Smt. Shanti Ghosh

(Transferor)

(2) Rajeev Bose.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1982

Ret. No. 1136/Acq. R-III/82-83.—Whereas I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15-I situated at Behari Doctor Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 23-2-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 5 Cottal 1s with building being premises No. 15-J, Behari Doctor Road, Calcutta.

(Undivided half share).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SINHA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of J Acquisition Range-III. 54 Rafi Ahmed Kir Iwai Road. Calca 1tta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 20th August 1982

Ref. No. P.R. No. 1789 Acq. 23 II/82-83.--Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
New C.S. No. 51, C.S. 3116 sq. mt. 438 | 456 (P) situated at Navjivan Society, Bilimora

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandevi on February 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the ransfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Prabhakar Narayan, Power of Attorney Holder Shri Mafatlal Chhotalal Brahambhatt, Navjivan Society, Bilimora.

(Transferor)

- (2) Suryakant Ratifal Kansara Family Trust—Trustee
  - Suryakant Ratilal Kansara
     Sarojben Suryakant Kansara Javahar Road, Bilimora.

Transferec(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Navnvan Society S. No. 438+456, registered in February, 1982.

> R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 20-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 20th August 1982

Ref. No. P.R. No. 1790/Acq. 23 II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 209, 212, 231, 214, 210/1, 2, 3, 4, 211, 231/1, 232/2 situated at village Dhamdachim Tal: Valsad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Valsad on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 1 Hambhai Bhimbhai Naik
 2 Rajendra Haribhai Desai
 3 Puakash Haribhai Naik
 22-A, Arunodaya Society, Alkapur, Baroda-5.

Transferor(s)

1. Hasmukhlal Maganlal Javeri
 2. Kamlanayan Hasmukhlal Javeri
 3. Kalhans Hasmukhlal Javeri
 4. Hirendra Hasmukhlal Javeri
 Parterners of
 National Ferro Alloys Industries,
 6, Siri Road, Band Stand,
 Chowpatty, Bombay-6.

(Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Property at village Dhamdachim, S. No. 209, 212, 213, 214, 210/1, 2, 3, 4, 211, 232/1, 232/2 registered in February, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Hyderabad

Date 20 8 1952

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND Fl.OOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 20th August 1982

Ref. No. P. R. No. 1791/Acq.23/II/82-83.—Whereas I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-und bearing

S. No. 22, Bholav situated at Bholav

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ishvarbhai Jesingbhai Patel Jamnaben Karshanbhai Patel Zadeshwar, Tal: Bharneh.

(Transferor)

(2) Promotor of Avdhutnagar Co.op. H. Society I.td. Shri Hemanhkumar Prabodhehandra Shukla, Lalbhai Pat, Broach.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaing as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at S. No. 22, Bholav, registered in February,

R. R. SHAH
Competent Austority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 20-8-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 20th August 1982

Ref. No. P. R. No. 1792 Acq. 23/Π/82-83.-- Whereas I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 121-122 situated at Chavai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on February, 1982

for an apparent consieration with is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;

(1) Shri Dhurabhai Hirabhai Patel, Chavai, Tal : Broach.

(Transferor)

- (2) 1. Chandubai Motlbhai Patel
  - 2. Govindbhai Chunilal Patel

Icsingbhai Motibhai Patel
 Rajendrabhai Shantibhai Patel Detral, Tal: Broach.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHFDULE

Property at Chavaj S. No. 121, 122 registered in February, 1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 20-8-1982

Sepl:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICI OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad 380009, the 20th August 1982

Ref No PR No 1793 Acq 23-II/82-83 --- Whereas I R R SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

S No 114 (P) Plot 37 situated at Chavaj

(and more fully described in the Schedule unnexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Broach on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have icason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —30—326 G1/82

(1) Ramanbhai Desaibhai Patel Motibhai Desaibhai Patel Vithalbhai Desaibhai Patel Powei of Attorney Holdei Motibhai Desaibhai Village Chavaj Tal Broach

Transferor(s)

(2) Devibahen Anilkumar Shah Anilkumar Mansukhlal Shah, 796-Gulson No. 1 Juhulane Andheri Bombay-58

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULF

Property at Chavaj S No. 114 (p) Plot 37 registered in February, 1982

R R SHAH
Competent Authority
Inspecting Assist int Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date 20 8 1982 Scal

#### [PART III--SEC. 1

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 20th August 1982

Ref. No. P.R. No. 1794 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the competent authority under Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000 and

S. No. 114 (P) Plot-38 situated at Chavaj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Broach on February, 1982

15990

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not bene truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Motibhai Desai Patel P.A. Holder of Ramanbhai Desaibhai Patel Motibhai Desaibhai Patel Vithelbhai Desaibhai Patel Chavaj Tal: Bronch.

Transferor(s)

(2) Bharat Keshavlal Chokshi Nitin Keshavlal Chokshi Zaverivad, 2706, Relief Road, Ahmedabad.

(Transferce(s)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Chavai S. No. 114 (P) Plot 38 registered in February, 1982,

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 20-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 20th August 1982

(Ref. No. P.R. No. 1795 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, J. R. R. SIIAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 114 (p) plot 25 situated at Chavaj

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Ramanbhai Desaibhai Patel Motibhai Desaibhai Patel Vithalbhai Desaibhai Patel Chavaj Tal: Broach.

Transferor(s)

(2) Jyotika Ashokkumar Vohra Indira Ashokkumar Vohra 3-number—Brow Street Calcutta-700 012.

Transfereo(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at S. No. 114(p) Plot—25, Chavaj, registered in February, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II
Abmedabad

Date: 20-8-1982

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 20th August 1982

Ref. No. P. R. No. 1796 Acq. 23/II/82-83.—Whereas I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 114 (P) Plot—48 situated at Chavaj (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Ramanbhai Desaibhai Patel Motibhai Desaibhai Patel Vithalbhai Desaibhai Patel Chavaj Tal: Broach.

(Transferor)

(2) Chandia Prabha Harakhchand Parekh Bhavendra Harakhchand Parekh, 175, Princess Street, Bombay-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at S. No. 114 (P) Plot 48 Chavaj registered in February, 1982

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persions, namely:—

Date: 20-8-1982 Seal:

Scar

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 20th August 1982

Ref. No. P. R. No. 1797 Acq. 23/JI/82-83.—Whereas 1, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair main

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No.

114(p) Plot 44 situated at Chavaj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ramanbhai Desaibhai Patel Motibhai Desaibhai Patel Vithalbhai Desaibhai Patel Chavaj Tal: Broach.

(Transferor)

(2) Shri Raghuvir C. Sahgal Smt. Punam V. Bhatia C/o J. R. Silk Industries 62/64, V. V. Chandan Street 2nd Floor, Navin Sadan, Masjid Bombay-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at S. No. 114 (p) Plot 44 Chavaj registered in February, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 20-8-1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IJ
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 20th August 1982

Rcf. No. P. R. No. 1798/Acq. 23/II/82-83.—Whereas I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 128, 66 situated at Chhapara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Navsari on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and hat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate procedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ambaben Bhanabhai Ramjibhai Urf Chhanabhai Juna Vandari, Mahollo, Naysari.

(Transferor)

(2) Bhenkabhai Somubhai Tandel Ojal—Machhivad Tal: Naysari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at S. No. 128, Chhapra registered in February, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

against Commissioner of Income-tax
Ahmedabad

Date: 20-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
ACQUISITION RANGE-II
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 20th August 1982

Ref. No. P.R. No. 1799 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 130/1, situated at Chhapra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said act, in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely:—

(1) Shri Dahyabhai Ranchhodji Patel Mehta vad Street, Gadkari Marg, Navsari.

(Transferor)

(2) 1. Shri Sukhabhai Premabhai Ahir Yogi Krupa Society, Bhattar Road, Surat.

 Shri Rohitkumar Chhaganlal Patel 1-Navyug Society, Navsari.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at S. No. 130/1, Chhapra, registered in February, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 20-8-1982

#### FORM I.T.N.S.---

(1) Fatma Ismail Mohmad Sarigat Sabbir Ismail Sarigat Dadhal Tal: Ankleshwar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  Shree Padma Enterprises, Prop: S. N. Trivedi, 15, Adarsh Society, Ankleshwar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 20th August 1982

Ref. No. P.R. No. 1800 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 74-1 situated at Sarangpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ankleshwar on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apperent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Sarangpur. S. No. 74-1, registered in February, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 20-8-1982

#### FORM 1.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 20th August 1982

Ref. No. P. R. 1801 Acq. 23/II/82-83.—Whereas I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C. S. No. 3559, 3564 to 3568 TPS FP77 (P) Plot situated at Ankleshwar

(and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—31—326 GI/82

(1) Shri Nadirsha Fakirsha Ankleshwaria Parsiwad, Ankleshwar.

(Transferor)

(2) Sorabji Nadirsha Ankleshwaria, Paisiwad, Ankleshwar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Ankleshwar C.S. No. 3559, 3564 to 3568, F.P. 77, Plot 14-A, 14-B, 16, 17, 19-registered in February, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 20-8-1982

#### FORM LT.N S.

(1) Shri Nadirsha Fakirsha Ankleshwaria Parsiwad, Ankleshwar.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shehnaz Jal Khajotia, Parsiwad, Ankleshwar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 20th August 1982

Ref. No P. R. No 1802 Acq. 23/II/82-83 -- Whereas I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) thereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C. S. No. 3559, 3564 to 3568 TPS FP77(P) Plot

situated at Ankleshwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ankleshwar on February, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at C.S. No. 3559, 3564 to 3568 (P) TPS FP 77 Plot 13 Ankleshwar registered in February, 1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ..

Date: 20-8-1982

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 20th August 1982

Ref. No. P. R. No. 1803 Acq. 23/II/82-83.--Whereas J, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 3559, 3564 to 3568 TPS FP77(P) Plot situated at Ankleshwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ankleshwar February 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nadirsha Fakirsha Ankleshwaria Parsiwad, Ankleshwar.

(Transferor)

(2) Jasmin Sorabji Ankleshwaria Jasmin Sorabji Ankleshwaria guardian of Ashis & Dinesh Sorabji Ankleshwaria Parsiwad, Ankleshwar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at C.S. No. 3559, 3564 to 3568, F.P. 77, Plots 18, 25, 24, 27, 28, 21, 22, 26, 20 and 23 registered in February, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 20-8-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 21st August 1982

Ref. No. P.R. No. 1804 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 313 situated at Vapi

16000

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi in February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have icason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Chandaben Hirachand Shah 2. Dinesh Hirachand Shah

3. Kamlesh Hirachand Shah

4. Ileshkumar Hirachand Shah at Pandor Tal.: Pardi Dist: Valsad.

(Transferor)

(2) 1. Kuatkumar Krishnalal Damania

2. Paduman Krishnalal Damania 3. Amrutlal Shantilal Khatri

4. Arvind Shantilal Chauhan

No. 1 & 2 at Nani Daman No. 3 & 4 at 21-B, Omshyam Sarjit, Mathurdas Road, Kandivali, West, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at S. No. 313, Vapi registered in February, 1982.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedabad

Date : 21-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OLUCE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-U 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 21st August 1982

Ref. No. PR. No. 1805 Acq. 23/II/82-83.-Whereas, I. R. R. SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 313(P) situated at Vapi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi in February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Shali Hirachend Devchand

Suryakant Harilal

3. Shantilal Devchand Shah

4 Raichand Devchand Shah

No. 1 & 2 at Kıla-Pardi—Tal: Pardi No. 3 & 4 at Pandhoi—Ial: Pardi.

(Fransleror)

(2) 1. Manharlal Krishnalal Damania

Ranjit Krishnalal Damania

Jayantilal Shantilal

4 Smt. Chandanben Amuutlal Khatri. No. 1 & 2 at 295, Shantilal Modi Road, Shiec Bldg., Kandivali, Bombay-67. No 3 & 4, 21 B. Omshyam Sarjit, Mathurdas Road, Kandivali, West Bombay-67

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said 1mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at S No. 313 (P) Vapi registered in February, J 982.

> R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 21-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 21st August 1982

Ref. No. P.R. No. 1806 Acq. 23/Il/82-83.—Whereas, J, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 'and bearing S. No. 300, 301, 302 (P) situated at Vapi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Paidi in February, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) 1. Ashwinkumar Panubhai Desai
  - Dineshbhai Panubhai Desai Panubhai Panubhai Desai
  - Vijayben Panubhai Desai
  - 5. Dolatram Panubhai Desai Zinabhai Nichhabhai Desai

  - 7. Sumanbhai Zinabhai 8. Premiben Zinabhai 9. Anilbhai Zinabhai Desai 10. Jaswantlal Zinabhai Desai 11. Gunvantrai Paragi Desai

  - Natubhai Paragji Desai
  - 13 Ummambhai Paragii Desai 14. Bahadurbhai Paragii Desai

  - 15. Chhotabhai Paragji Desai 16. Gajaraben Chhotubhai
  - all at Vapi Tal: Pardi.

(Transferor)

(2) Shii Chhotabhai Lallubhai Patel Vapı, Tal: Pardi.

(Transferee)

(3) Shri Pannubhai Nichhabhai & Others Vapi.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the propert

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at S. No. 300, 301, 302 (P) Vapi registered in February, 1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 21-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Shri Kasanbhai Ajambhai Kosamba, Tal: Mangrol.

Transferor(s)

 Shri Hafeji Abdulkadar Bhiau
 Shri Hafeji Abdulkadar Bhikau Kosamba (Mangrol Taluka).

Transferee(s)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 21st August 1982

Ref. No. P.R. No. 1807 Acq. 23/II/82-83,—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 /- and bearing

S. No. 35, 36, 37, 38 & 42 situated at Kosamba (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mangrol on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

# THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 35, 36, 37, 38 & 42 of Kosamba registered in April, 1982

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-8-1982

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMFDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 21st August 1982

Ref. No. P.R. No. 1808 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, l, R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 12, situated at S. No. 278/A+296+304+305/A+2+309+A/1

--310

situated at Plot. C-27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Pardi on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dineshchandra Bhagwanji Desal Smt. Nilaben Dineshchandra Desal self and minor Milankumar Dineshchandra Vapi, Tal: Pardi.

Transferor(s)

(2) Smt Lalita Subramaniam Nathan, Shri Subramaniam 2, Nathan Bombay,

Transferee(9)

Objections, if any, to the acquisition of the said property and be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at S. No. 278/A/296+304+305/A+2+309/A+1+310 Plot-C-27 registered in February, 82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 21-8-1982

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Dineshchandra Bhagwanji Desai Smt. Nilaben Dineshchandra self & Minor Milankumar Dineshchandra Vapi, Tal: Pardi.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Ganga Ramesh Mathur 2. Shri Matur Krishna Ramesh Bombay.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 21st August 1982

Ref. No. P.R. No. 1809 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 278/A 296+304-+305/A/2/309/A1+310 situated at Plot-C-277,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Pardi on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the nforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any theome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Property at S. No. 278/A, 296/304+305/A/2+309/A/1+3+310 Plot-C-27 registered in February, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

32—326 GI/82

Date: 21-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

16006

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-11

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 21st August 1982

Ref. No. P.R. No. 1810/Acq. 23-II/82.—83.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 279A+296+305+305/A/2, 309/A/1+310 Plot-C situated at Vapi

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Dineshchandra Bhagwanji Desai Smt. Nilaben Dineshchandra self & Minor Milankumar Dineshchandra Vapi, Tal: Pardi.

(Transferor)

- (2) 1. Ramiben logibhai, Ktharia, Nani Daman
  - Smt. Ganga Ramesh Mathur
     Mathur Krishna Ramesh
  - Bombay
  - 4. Smt. Lalita Subramaniam Mathan
  - 5. Shri Subramaniam Nathan Bombay

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at S. No. 279/A+296+304+305/A/2, 309/A/1 +310 Plot C Vapi registered in February, 1982 (Plot No.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 21-8-1982

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 21st August 1982

Ref. No. P.R. No. 1812 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

Nodh No. 2542 at Wd. No. 11, situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Surat on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Firoz Nariman Parekh self & Gulchaihar Baheramji Dalal P.A. Holder Shri Jamshedpur Kalidas Bhagvan Back, Eria Raxer Road, Surat.

(Transferor)

- (1) 1. Somchandlal Amrutlal Kansara 2. Vasantlal Amrutlal Kansara
  - 3. Dineshchand Amrutlal Kansara
  - Sureshchand Amratlal Kansara
     Rameshchandra Amrutlal Kansara Khand Bazar, Lalgate, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

TAPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULL

Property at Nodh No. 2542, Wd. No. 11, Surat, registered in February, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 21-8-1982

#### FORM I.T.N.S.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 21st August 1982

Ref. No. P.R. No. 1811/Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Nodh No. 856, 857, 860, 861 in Ward No. 11, situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) 1. Kanaiyalal Chhaganlal
  - Dineshchandra Chhaganlal
  - Arvindbhai Chhaganlal
     Pushpaben Chhaganlal
  - Chandrikaben, d/o Chhaganlal Dahyabhai
     Ashaben, d/o Chhaganlal Dahyabhai
  - Vada Chauta, Surat.

(Transferors)

- (2) 1. Indiraben B. Shah

  - 1. Hahaben B. Shah 2. Pushpaben. R. Kapadia 3. Ayashaben Nurmohmad Tambuwala 4. Mohmad Safibhai Ismailbhai Sarbatwala 5. Chandrakantaben Chandulal Shah

  - Chaidhakailaden Chaide
     Naginbhai. N. Pandya
     Kapilaben M. Burot
     Hiralal. C. Thakkar
     Sugnaben. D. Shah
     Kanaiyalal. C. Motiwala

  - 11. Smt. Daksha Ajit Kothari
  - 12. Arvindhbai, C. Motiwala13. M/s. Bony Enterprises14. Shaileshbhai. D. Shah

  - 15. Dinesh. C. Motiwala

Address Sr. No. 1 to 14, Vada Chauta, Surat.

Sr. No. 15, 63-66, Chautapul, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Nodh No. 856, 857, 860, 861 Ward No. 11, Surat registered in February, 1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 21-8-1982

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMEN'T OF INDIA

- Kanchanlal Govindji Parekh
   Kanaiyalal Kanchanlal Parekh
   Pravinkumar Kanchanlal Parekh
   Vijaykumar Kanchanlal Parekh
  - 5. Rajendra Kanchanlal Parekh Parekhwadi, Katargam, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Dhansukhlal Hualal Gandhi, 12/1075, Luharpole, Machhalipith, Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 21st August 1982

Kef. No. P.R. No. 1813 Acq. 23/II/82-83.-Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R. S. No. 323 (P) situated at Katargam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act; I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 323 (P) Katargam registered in February, 1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 21-8-1982

## FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD **AHMEDABAD** 

Ahmedabad-380009, the 21st August 1982

Ref. No. P.R. No. 1814 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I. R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nodh No. 1726/A/1, Salabatpura situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Surat on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- Navinchandra Chhaganlal self & Karta of HUF Manager
   Champaben Navinchandra
  - Mukeshkumar Navinchandra
  - 4. Ritaben Navinchandra
  - 5. Purnika Navinchandra Meena Navinchandra

Khajadsheri, Salabatpura, Surat.

(Transferor)

(2) 1. Maganlal Pranjiyandas

2. Mulchanddas Pranjivandas

Jashvantlal Pranjívandas Mumbaiyad, Begampura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property at Nodh No. 1726/A/1, Salabatpura, Surat registered in February, 1982.

> R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Ahmedabad

Date: 21-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 21st August 1982

Ref. No. P.R. No. 1815 Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Nodh No. 2122, Ward No. 1, Bara Hajari situated at Mahollo, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shantaben Wd/of Fakirchand Talakchand Gopipura, Mali Falia, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Tulsidas Thakordas Manyavala Nanpura, Bhadariyad, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

I YPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Nodh No. 2122, Ward No. 1, Bara Hajari Mahollo, Surat registered in February, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 21-8-1982

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

16012

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 21st August 1982

Ref. No. P.R. No. 1816 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I, R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 122, Block No. 166(P) situated at Village Un (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on Feb. 82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1) 1. Abdulkadar Nurmohmad Moriswala

Iqbal Nurmohmad Moriswala
 Yusuf Nurmohmad Moriswala
 Hanif Nurmohmad Moriswala

4. Hanif Nurmohmad Moriswala
5. Nasim banu Gulamuddin Moriswala

Nasım banu Gulamuddin Moriswala
 Khursid Gulamuddin Moriswala

Transferor(s)

[PART III—SEC. 1

(2) Shri Champaklal Jekisandas Chaliyawala Adagara Mohallo, Nanpura, Surat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at S. No. 122, Village Un registered in 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 21-8-1982

Seal;

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Mohamadbhai Zabirbhai Godhrawala
 Onali Jabirbhai Godhrawala

 both of Easy Apartment, Noorpura,
 Zampabazar, Surat.

Transferor(s)

Pushpaben Vasantlal
 Vasantlal Rangildas

 both of Wadifalia, Kesurghia Street,
 Surat.

Transferee(s)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 21st August 1982

Ref. No. P.R. No. 1817 Acg. 23/II/82-83.—Whereas, 1. R. SHAH

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nodh No. 866, Ward No. 9 Wadifalia situated at Kesur Ghia Khancha, Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Kesurghia Khancha Nodh No. 866, Ward No. 9, 2nd floor and 3rd floor, registered in February, 1982 Area 529 + 529 = 1058 Sqft.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II
Ahmediad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:——33—326 GI/82

Date: 21-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 21st August 1982

Ref. No. P.R. 1818 Acq. 23/IJ/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nodh No. 954-4, Rampura, Adamniwadi situated at Surat (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Surat on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rameshkumar Nanubhai Khandvanshi Tardev, Shah Mension, Forjet Street, Room No. 16, Bombay-36.

(Transferor)

- (2) 1. Jekishandas Ishwarlal Totalalwadi, Municipality Tenament, Surat
  - Shantilal Thakordas Laldarvaja, Bandgara Naka, Surat

Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Nodh No. 954-4, Ward No. 7, Rampuru, Kajipura, Adamniwadi, Surat, registered in February, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 21-8-1982

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 28th August 1982

Ref. No. P. R. No. 1819.Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.
Nodh No. 1989/A & 1973 Ward No. 11 situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sarabhai Manilal Nawab
  - Lilavati Sarabhai Nawab
     Jagatchandra Sarabhai Nawab Daria Mahel, Muglisara, Surat,

(Transferor)

- President & Secretary of M/s, Anand Apartments Co-op, H. Socy. Ltd. President.
  - Shri Jerambhai Padmshibhai Patel, Sita Apartment, Nanpura, Surat, Secretary.
  - Shri Popatbhai Naranbhaj Patel Diamond Apartment, Hathupura, Saiyadpura, Surat.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Nodh No. 1989/A & 1973, Muglisara, Padmavati Estate, registered in February, 1982.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 28-8-1982.

#### FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 31st August 1982

Ref. No. P.R.No.1823 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 50 Plot-5, Pandesram

situated at Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on Feb. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mohmad Erfan Suleman Samar self & Smt. Nahid Salim Samar, their P.A. Holder Dilshah Building Ground Floor, Motlibai Street, Bombay.

(Transferors)

 (2) Partners of G. K. Enterprises
 1. Shri Rajendrakumar Brijlal Bhatia & Others
 C/o Brijlal Bhatia & Sons, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Padesram S. No. 50 Plot-5, registered in Feb.

R. R SHAH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad,

Dt. 31-8-1982 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 31st August 1982

Ref. No. P.R.No. 1824. Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 50, Plot-5, Pandesara situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mensys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namley:—

 Salmabai Suloman Samar her P.A. Holder Shri Mohmad Erfan Suloman Samar Motalibai Street, Ground Floor, Dilshah Building, Bombay.

(Transferces)

 Paitners of Bhatia Weaving Factory
 Shri Jagdishkumar Sitaram & Others C/o Brillal Bhatia & Sons, Textile Market, Surat.

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Pandesara S. No. 50, Plot 5, registered in Feb. 1982.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tex
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dt. 31-8-1982 Seal:

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1 AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 31st August 1982

Ref. No. P. R. No. 1825.Acq.23/II/82-83.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Block No. 97, Village-Sayan situated at Olpad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Olpad on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the and Act, to the following persons, namely: -

- (1) Shin Shantilel Nichhabhai P.A. Holder of
  - Shrı Ambelal Ranchhodji
  - Shri Amrutlal Maganlal at village Kachhab Pardi, Tal; Olpad.
  - Bhanuben Harrai Desai
  - Girishchandra Harrai Desai Ritaben Harrai Desai
  - Bhavnaben Harrai Desai 7. Shobhanaben Harrai Desai

P.A. holder Shri Shantilal Nichhabhai at Kachhab Pardi

Tal: Olpad, Distt. Surat.

(Transferors)

(2) Shri Gulammahmod Abdulrehman Amroliwala, Baranpuri Bhagal, Noora Dosa Building, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Village Sayan Block No. 97, registered in Feb. 1982.

> R. R. SHAH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dt. 31-8-1982 Seal:

#### FORM I.T.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380009, the 4th September 1982

Ref. No. P. R. No. 1830.Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 2638/A&B, 2940/1&2, 2939 situated at Kakarkhad pati, Nadiad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Nadiad on Feb. 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof for more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Partners of Khodiar Land Corporation Shri Suryakant Keshavlal Vyas & Others, Nadiad (Krishna Nagar Society)

(Transferors)

(2) Partner of Nalanda Co. op. Housing Socy. l.td. Shri Manuji Muluji Rajput Sardar Nagar, Nadiad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at S. No. 2638/A&B, 2940/1&2 & 2939, Nadiad registered in Feb. 1982.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Dated: 4-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVFRNMFNT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II
2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 4th September 1982

Ref. No. P. R. No. 1831.Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 2191, Hirjipati, situated at Nadiad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadiad on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Vijubhai Pursottamdas Patel
  - 2. Shri Bachubhai Rambhai Patel
  - Shri Harishbhai Ravjibhai Patel Samadi Chakala, Nadiad.

(Transferors)

(2) Chairman of Gulista Coop. Housing Society Shri Noormohmad Ismail Mansuri Sakkar Kui, Nadiad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a persod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at S. No. 2191, Nadiad registered in Feb. 1982.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 4-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th September 1982

Ref. No. P. R. No. 1832.Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 2592+2811/1(P) situated at Kakarkhad Pati, Nadiad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nadiad on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

34—326 GI/82

(1) Shri Chhotabhal Soambhai Patel Patel Society, Nadiad.

(Transferors)

 Gurukrupa Co-op. Housing Socy. Near Rly. Crossing, Ashram Nadiad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at S. N. 2592+2811/1 (P) Kakarkhad Pati, registered in Feb. 1982.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 4-9-1982

#### FORM I.T.N.S

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Partners of Narayan Construction Shri Suryakant Keshavlal Vyas & Others, Krishnanagar, Nadiad.

(Transferor)(s)

(2) Chairman of Arun Park Co. op. Sousing Society. Shri Rameshbhai Dayabhai Patel, Nadiad.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th September 1982

Ref. No. P. R. No. 1833.Acq.23/II/82-83.—Whereas, I,

R. R. SHAH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and S. No. 2951, Lamapad Pati situated Nadiad. Sector 'A', Mahanagar Housing Scheme, Lucknow (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

transfer with the object of :-

1908) in the office of the Registering Officer at

at Nadiad on Feb. 1982 for an apparent consideration which is less market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, respect of any income arising from the transfer; and /or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property at S. No. 2951, Nadiad registered in Feb. 1982,

R. R. SHAH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely ;--

Dated: 4-9-1982

## FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th September 1982

Ref. No. P. R. No. 1834.Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and beating

R. S. No. 2869 TPS 1, FP 477 situated at Anand (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on Feb, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or vasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ploson Limited, 658, Cockyard Road, Mazegaon, Bombay-10.

(Transferors)

- (2) 1 Ahmedbhai Hassanbhai
  - 2. Ibrahimbhai Hassanbhai
  - 3. Ayubbhai Ahmedbhai
  - 4. Abdul Rahim Ahmedbhai Near Polson Diary, Anand.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 2869, TPS-1, FP 477 registered in February, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedahad.

Dated: 4-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 4th September 1982

Ref. No. P. R. No. 1835, Acq. 23/II/82-83, --- Whereas, I, R. SHAH.

being the Competent Authority under Section

Bombay on Feb. 1982

269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 264, Chikodra situated at Anand (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Mahendrabhai Chandubhai as Karta & Manager of HUF
  - Ravindrabhai Chandubhai R/at 4 Breach Candy, Garden, Bhulabhai Desai Rd. Bombay-26,

(Transferors)

- (2) 1. Pankaj Dinkarbhai Patel and
  - Smt. Malti Pankaj Patel R/at Samendru, Marve, Malad (W). Bombay.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Chikhodra S. No. 264 registered in Feb. 82 at Bombay.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 4-9-1982

## FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Dave Ishwarlal Keshavlal & Others Anand, Undi Sheri.

(Transferor)

 M/s. Ahmedbhai Hasanbhai V. K. Ahmedbhai Hasanbhai Polson Dairy Road, Anand.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 4th September 1982

Ref. No. P. R. No. 1836 Acq.23/11/82 83.—Whereas, 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

R. S. No. 2860, T.P.S. 1, F.P. 482 situated at Anand. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Anand on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 2860, F.P. 482, Anand registered in Feb. 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 4-9-1982

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  Shri Shardaben Ravjibhai Kashi Estate, Gamdi Vad, Anand.

(Transferor)

(2) Patel Somabhai Desaibhai Vanskhilia, Tal: Anand.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 4th September 1982

Ref. No. P. R. No. 1837. Acq. 23/II/82-83. -- Whereas, I, R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing R.S. No. 350+PS-3, FP 386 situated at Anand

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conocalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Oct, to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 350, T. P. S. 3, F.P. No. 386, Anand registered in February, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 4-9-1982

## FORM I.T.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th September 1982

Ref. No. P. R., No. 1838.Acq.23/II/82-83.—Whereas, J, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R. S. No. 326/1-12+6 Sub Plot 8 situated at Anand (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on Feb. 1982

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—
  - (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Patel Shantilal Chaturbhai self and as P.A. Holder of Chandrakant Shantilal Narendrakumar Shantilal
 Surajben Shantilal Patel & Others Kotwala Darwaja, Anand.

(Transferors)

 Vallavbhai Varmali Mahesuria, Resi—Hasmukhbhai Gordhanbhai Soni Raj Hans, Anandvadi, Anand.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 326/1+2+6, Sub-Plot 8, Anand registered in Feb. 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 4-9-1982

and the second

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th September 1982

Ref. No. P. R. No. 1839.Acq.23/II/82-83.—Whereas I, R. R. SHAH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (thereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

S. No. 560/3, Karamsad situated at Anand

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Khristi Ratilal Khusaldas Khristi Vas, Karamsad, Tal: Anand.

(Transferor)

(2) Patel, Jagdishbhai Haribhai Patel Press, Vallabh Vidyanagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Karamsad S. No. 560/3 registered in Feb. 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 4-9-1982

(1) Patel Ashwinbhai Hirubhai Nana Adadh Anand.

(Transferor)

(2) Udayad Co-op. Housing Society,

(Transferce)

# TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

## ACQUISITION RANGE-II AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 4th September 1982

Ref No. P. R. 1840 Acq.23/II/82-83 -- Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing S. No. 2245, situated a Anand

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Anand on Feb 1982

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-- 35-326 GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Anand S No 2245, registered in Feb 1982

R R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

Mated . 4-9-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 4th September 1982

Ref. No. P. R. No. 1841 Acq. 23/11/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing R. S. No. 264/1+2 situated at Karamsad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 9157);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said oct, to the following persons, namely :--

(1) Shri Chaturbhai Umedbhai Patel self and karta and Manager of HUF Opp: Sardar Patel House, Karamsad.

(ansferor)

(2) Chairman of Kaly: Shri Indravadanbhai Chhaganlal Karamsad Tal: Anand.

ig Society

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 264/1+2, Karamsad registered in Feb. 82.

> R. R. SHAH Connetent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 4-9-82 Seal:

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 4th September 1982

Ref. No. P. R. No. 1842 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

R.S. No. 1398/2 TPS 2 situated at Anand

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Patel Punjabhai Dahyabhai Near Vad, Anand.

(Transferor)

(2) Patel Chaganbhai Kalidas Sahjanand Bhavan, Sardar Ganj, Anand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Anand R.S. No. 1398/2 T.P.S. 2 registered in Feb. 82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 4-9-82

Smt. Laxmiben Ghanshyambhai Pandya Gaurav Society, Pani Gate, Baroda.

(Transferor)

\_\_\_\_\_

(2) Smt. Induben Hasmukhlal Shah, Manjalpur, Baroda.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 2nd September 1982

Rcf. No. P.R. No. 1843 Acq. 23/11/82-83.--Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
A \( \text{12 1, behind Gaurvav Society situated} \) at Pani Gate,

Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Baroda on Feb. 82

Bailoga on Feb. 82
for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property at AT 12/1, behind Gaurav Society, Pani Gate registered in Feb. 82.

> R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date 2:11-1982

(1) Smt. Zarinaben Kom Abdum Kadar Memon, Nagarwada, Saiyadpura, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Khatijabibi Yakubbhai Shaikh
 Rojatunbibi Umarbhai Shaikh Nagarwada, Saiyadpura, Lal kui, Vadodara.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 2nd September 1982

Ref. No. P. R. No. 1844 Acq. 23/II/82-83.--Whereas, J. R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

B. Tika No. 9/1, S. No. 194A situated at Nagarvada, Raopura, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Banda on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at B-Tika No. 9/1, S. No. 194/A, Nagarwada, Baroda registered in February, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date 2-9-1982 Scal:

(1) Shri Ravjibhai Shankarbhai Patel H/8, Alembic Colony, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Vijayshankar Gupta 81, Kunj Society, Baroda.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 2nd September 1982

Ref. No. P. R 1849 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Akota S. No. 90/32 Plot 102 situated at Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Earoda on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforciald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Akota S. No. 90/32, Plot No. 102, registered in February, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 2-9-1982

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

## SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 2nd September 1982

Ref. No. P. R. 1850 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

C.S. No. 2280, Makarpura Road, situated at Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedints for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Digvijaysinh Mansingraj Navik Nimbalkar, Makarpura, Baroda.

(Transferor)

(2) M/s. Punater & Co. 32, Ganesh Society, R. V. Desal Road, Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at C.S. No. 2280, Makarpura Road, Vishram Bag Society, Baroda registered in Feb. 82.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date : 2-11-1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

anmedabad-380009, the 4th September 1982

Ref. No. P.R. No. 1851 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R<sub>3</sub>. 25,000/- and bearing

S. No. 47, situated at Village Khoraj

16036

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chhaganlal Nathalal Voland & Others, Village: Kharoj Distt: Gandhinagar.

(Transferor)

 Shri Purshottamdas Bhogilal Patel Patel Park, Navrangpura, Ahmedabad,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at S. No. 47, Kharoj registered in Feb. 82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Riange-II, Ahmedabad

Date: 4-9-82

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 4th September 1982

Ref. No. P. R. 1852 Acq. 23/II/82-83.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

S. No. 111, Village Bhat situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Gandhinagar on Fcb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
36—326 G1/82

(1) Nanubhai Vithabhai & Others Vahelal

Tal: Dascoi, Dist: Ahmedabad.

(Transferor)

Shri Navinchandra Parsottamdas Patel
 Shri Satishkumar Parsottamdas Patel
 Sardar Patel Colony,

Ahmedabad.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at village Bhat—S. No. 111, registered in Feb. 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 4-9-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

> Ahmedabad-380009, the 4th September 1982

Ref. No. P. R. No. 1853 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 111, situated at Village Bhat

fund more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subseciton (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Vishnubhai Lallubhai & Others, Village: Vahelal,

Tal : Dascoi,

Dist: Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Vinodkumar Dharamchand Patel 2. Shri Mrugeshkumar Dharamchand Patel 84, Sardar Patel Colony, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at S. No. 111, Village, Bhat, registered in Feb. 82.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range-II, Ahmedahad

Date: 4-9-82

(1) 1. Thakkar Udaji Maganji 2. Thakkar Bachuji Maganji at Vavol,

Dist: Gandhinagar.

(Transferors)

16039

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Patel Popatbhai Vithalbhai at Vavol Dist: Gandhinagar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 4th September 1982

Ref. No. P. R. 1856 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 64, village—Vavol situated at Dist. Gandhinagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Acti shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at S. No. 64 at Vavol, registered in Feb. 82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-9-82

#### FORM I.T.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 4th September 1982

Ref. No. P. R. No. 1857 Acq. 23/II/82-83.---Whereas, I R. R. SHAH

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 511, 540/1/2, 540/1/5, 540/2, 541/3, 541/7, 516, 518, 521, 552/2, 543, 552/1, situated at Khoraj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsons, namely:—

- (1) 1. Naranbhai Bababhai—Khoraj Dist: Gandhinagar
  - 2. Shivabhai Jesinghbhai Khoraj Dist: Gandhinagar 3. Hirabhai Chaturji Umarji Khoraj Dist: Gandhi-
  - 4. Amtharam Mohanlal Khoraj Dist: Gandhinagar
  - Nathiben Ratanji Shambuji Khoraj Dist : Gandhinagar
  - Shakaraji Hamirji Khoraj Dist: Gandhinagar (Transferor)
- Shri Yashvir Ghanshyamdas Gohel
   Shri Ghyanprakash Chhabildas Gohel
   Sahyadri Apartment,
   Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Khoraj registered in Feb. 82 vide No. 311, 312, 314, 315, 316, 318, 320, 322, 323, 324, 325.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 4-9-82 Seal:

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Shri Babuji Chhaganji Thakor
 Shri Pratapji Chhaganji Thakor village : Bhat
 Tal : & Dist. Gandhinagar.

(Transferors)

(2) Natwarlal Khodidas Patel
 2. Dahyabhai Galabhai Patel Village: Bhat Tal: & Dist. Gandhinagar.

(Transferces)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 4th September 1982

Ref. No. P. R. 1861 Acq. 23/II/82-83,--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 129, Village Bhat situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Gandhinagar on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have nor been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at S. No. 129 (P.) at village Bhat, registered in Feb. 82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 4-9-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) Pujamiya Abhrammiya Village: Khoraj Dist: Gandhinagar.

(Transferor)

(2) Shri Yashvir Ghanshyamdas Gohel & Others, Sahyadii Apartment No. 73, Naviangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 4th September 1982

Rcf. No. P. R. No. 1862 Acq. 23/II/82-83.Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinofter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 539/2, situated at Village: Khoraj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties his not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 539/2, Khoraj registered in Feb. 82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date : 4-9-82 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 4th September 1982

Ref. No. P. R. No. 1863 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ast, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 539/2, Khoraj situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Bibiben Mohmadmiya Ahmadmiya Village: Khoraj Dist: Gandhinagar.

(Transferor)

 Shri Yashvir Ghanshyamdas Gohel
 Shri Gyanpral ash Chhabildas Gohel Sahyadri Apartment, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at S. No. 539/2, Khoraj, registered in Feb. 82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incme-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 4-9-82

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Shankarbhai Haldas Village : Khoraj Dist : Gandhinagar

(Transferor)

1. Shri Yashvir Ghanshyamdas Gohel
 2. Shri Gyanprakash Chhabildas Gohel
 73, Sahayadri Apartment,
 Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 4th September 1982

Ref. No. P. R. No. 1864 Acq. 23/ $\Pi/82$ -83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 525 (P) Khoraj situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the ransfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 525 (P) Khoraj registered in Feb. 82.

R. R. SHAPA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 4-9-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 7th September 1982

Ref. No. P. R. No. 1866 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 196, situated at Karan Nagar,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kadi on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-37-326 GI/82

- (1) 1. Vankar Ranchhodbhai Panabhai
  - 2. Vankar Baldevbhai Panabhai
  - Bai Pasi wd/o of Panabhai Ramabhai Karan Nagar, Tal : Kadi.

(Transferor)

(2) Partner of Darshan Industries:
1. Darshankumar Indravadan Vakil, A'bad

2. Patel Govindbhai Joitabhai

3. Desai Ratanbhai Ambalal Kadi Tal: Kadi (NG)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THF SCHEDULE

Property at S. No. 196, Karannagar, registered in Feb. 82.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 7-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

, Ahmedabad-380009, the 7th September 1982

Ref. No. P.R. No. 1869 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 252/207 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalol on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely;—

(1) Bai Jivi Wd/o Maganbhai Amthabhai Kalyanpura, Kalol (NG).

(Transferor)

(2) President of Gusaikunj Co.-Op. Housing Society Shri Gosai Babugiri Jivangiri & Others, Suthar Khadki, Matva Kuva, Kalol.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at S. No. 252/207, registered in February, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 7-9-1982

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 7th September 1982

Ref. No. P. R. No. 1870 Acq. 23/II/82-83.--Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Block No. 1087, 1232, 1295, 1306, 1418, 1410, 1412 situated at village Vadsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalol on Feb. 82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Patel Kachrabhai Harjivandas
 Patel Dahyabhai Hargovandas

3. Patel Harjivan Ramabhai

- 4. Patel Kantibhai Jesingbhai & Others Kashiben wd/o Ishwarbhai Manorbhai
   Patel Naranbhai Manorbhai
- Patel Maneklal Prahladbhai & Others Village: Vadsar. Tal: Kalol.

(Transferor)

(2) 1. Patel Naranbhai Shankarbhai 2. Patel Radhabhai Shankarbhai Chanchalbaug Society, Opp: Rannapark Bus Stand, Ghatlodia, Ahmedabad-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Vadsar registered at Kalol vide No. 588, 589, 590, 591, 592, 594, 595 in Feb. 82.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 7-9-1982

#### FORM I.T.N S.---

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONLR OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedahad-380009, the 9th September 1982

Ref. No. P. R. No. 1872 Acq. 23/II/82-83 —Whereas, I. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S No. 2349, situated at Kanjari, Panchamahals

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalol on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ratan Pharmacenticals Pvt. Ltd. 31, Alkapuri, Baroda, 390 005.

(Transferor)

 Automotive Rubber Trimings Pvt. Ltd. M. M. Silk Mills Compound, Antalia, Billimora.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at S. No. 2349, Kanjari registered in February, 1982

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 9-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 10th September 1982

Ref. No. P. R. No. 1873 Acq. 23/11/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 22, situated at Block No. 373, 242, 372 Rachrada situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering Officer at Kalol on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-vection (1) of Section 269D of the said Act, in the following persons, namely:—

 Shri Sanaji Ugaraji at Racharda, Kalol (N.G.).

(Transferor)

(2) Shri Vijay Somabhai Patel, Alkapuri, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Block No. 372, 373, 242, Rancharda, registered in Feb. 82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 10-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION BANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 9th September 1982

Ref. No. P. R. No. 1876 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and baring

Block No. 1, situated at Jeevan Prakash Co.-Op. Society, Harni Road, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for he acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jambekar Arvind Dattatraya Rajmahal Road, Raroda
- (2) Shah Chandrakant Hiralal Chopdar Falia, Nav Bazar, Baroda.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Block No. 1, Jeevan Prakash Co.-Op. Housing Society, registered in Feb. 82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 9-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

#### AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 9th September 1982

Ref. No. P. R. No. 1877 Acg. 23/II/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Block No. 406, 414, 409, 404, 394, 415, 375 situated at Ramcharda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalol on Feb. 82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) I. Shri Bhimaji Sadaji

- Shri Kalaji Mohanji
   Shri Kalaji Manaji
- 4. Shri Babaji Deshamji 5. Shri Ambaram Maganji
- Shri Govabhai Dungarbhai
- Shri Jugaji Ranchhodji at Rancharda village, Tal: Kalol (NG).

(Transferor)

(2) Shri Navnitlal Chandulal Parikh Dr. Vikram Sarabhai Road, Shakuntal' Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at village Ramcharda, Block No. 406, 414, 409, 404, 394, 415 and 375 registered in Feb. 82.

R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 9-9-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 23rd September 1982

Ref. No. P. R. No. 1878 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Sector 17, Plot 339, Gandhinagar situated at Gandhinagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering Officer at Gandhinagar on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Arjandas Jumromal Azad Halval, Relief Road, Ahmedabad,

(Transferor)

(2) 1. Dr. Manilal Varubhai Gohel,
2. Smt. Laxmiben Manilal Gohel Sector, 17, Block 91/6, Gandhinagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Sector 17, Plot 339, Gandhinagar, registered in Feb. 82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 23-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

> ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 23rd September 1982

Ref. No. P. R. No. 1879 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing Plot No. 1. Vibhag-A, No. 331, situated at Shrinagar Society,

Kalol

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalol on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as ageed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely :-38--326 GI /82

Patel Nathabhai Umeddas Patel Bhikhalal Nathalal Near Vishnu Cinema, Kalol.

(Transferor)

(2) Ramilaben Harshadkumar Shah Near Old Power House, Shrinagar Society, "Shrirang" Kalol.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein \*\* are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Vibhag A, No. 331, Plot-1, Kalol registered in Feb. 82.

> R. R. SHAH Competent Auhority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 23-9-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 23rd September 1982

Ref. No. P. R. No. 1880 Acq. 23/II/82-83.--Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 25,000 - and bearing S. No. 60, 61, 63, Sector 4 situated at Vayol (Gandhinagar)

S. No. 60, 61, 63, Sector 4 situated at Vavol (Gandhinagar) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on Feb. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) On behalf of On benair of

1. Ranjan Corporation
Shri Vishnuprasad Vasantrai Pota
Karmacharinagar Co.-Op. Housing Socy.
Naranpura, A'bad.
Shri Hareshkumar Mulubhai Rathod,
Sector-22, Block 131/2, Gandhinagar.

Ankur Corporation
Shri Kalidas Kachrabhai Suthar & Manharbhai, D. Gujar 'Paritosh Society, Opp: St. Xavier's High School Naranpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Promotor of Shri Nirman Co.-Op. Housing Society, Shri Indravadan Ganpatram Shikari, Sector 22, Block 123/5 Gandhinagar.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazete.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said used herein Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at S. No. 60, 61, 63 (P) Vavol-Gandhinagai document of transfers registered in Feb. 82.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 23-9-1982

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 29th September 1982 G.I.R. No. M-143.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Open land situated at Village Mandayyan-e-Nandanbagh, Rahe Murtaza, Rampur

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kampur on 27-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

- (1) Shri Haji Yusuf Khan.
- (Transferor)
- (2) Smt. Dr. Mushter Shahnaz Suri.

(Transferec)

(3) Smt. Zeenath Begum
W/o Shri Haji Yusuf Khan.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Open land measuring 1200 sq. yards situated at Village Mandayyan-e-Nandan Bagh, Rahe Murtaza, Rampur, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 806/8/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Rampur, on 27-2-1982.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 29-9-1982

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 25th September 1982

Ref. No. P. R. No. 1887 Acq. 23/II/82-83.--Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 354 (P) situated at Nagalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mehsana on Feb. 82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) 1. Patel Somabhai Gopalbhai

- Patel Gopalbhai Hemrajbhai
- Patel Dashrathbhai Gopalbhai
   Patel Bhikhabhai Hemrajbhai
- Patel Khodabhai Bhlkhabhai
   Patel Kantibhai Gopalbhai Nagalpur Dist: Mehsana.

(Transferor)

(2) Promotor of Simandharnagar Co. Op. Housing Socy. Shri Arvindkumar Amratlal Shah, Nagalpur, Dist: Mehsana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning ' given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Property at Nagalpur S. No. 354 (P) registered in Feb. 82.

R. R. SHAH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 25-9-1982

Scal:

# FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 4th October 1982

G.I.R. No. L-38/Acq.—Whereas, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe tha the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land situate at Mauza-Bamouri Talli Bandobasti, Haldwani, Nainital

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Haldwani on 5-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by Enore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bishan Dutt Hendia.

(Transferor)

(2) 1. Shri Laxmi Dutt. 2. Smt. Mahadevi Bhutt.

3. Ganesh Chandra,

(Transferee)

((3) Above vendees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here:n as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 3 bighas situated at Mauza-Bamouri Talli Bandobasti, Teh-Haldwani, Distt. Nainital, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2738/82, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Haldwani, on 5-2-1982.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 4-10-1982

(1) I. Smt. Narvada Devi.

Smt, Ganga Devi.
 Smt. Shashikala Devi through their Attorney, Shri Vimal Jhajhria.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Smt. Chandra Kala Devi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Above vendee.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 30th September 1982

G.I.R. No. C-36/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, able property, having a fair market value exceeding the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovation of the control of the schedule annexed (and more fully described in the Schedule annexed Arazi No. 125 situated at Rs. 25,000/- and bearing Village-Udaipur Mahewa, Distt. Kheri being the Competent Authority under Section 269B of hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lakhimpur-Kheri on 25-2-1982 for an apparent consideration for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Atazi No. 125, measuring 14398 sq. ft. including old go-down situated at village-Udaipur Mahewa, Pargana and Distr. Kheri, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 988/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lakhimpur-Kheri, on 25-2-1982.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 30-9-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
57. RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 30th September 1982

G.I.R. No. P-95/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.

Arazi No. 125 situated at
Village-Udaipur Mahewa, Pargana & Distt. Kheri
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Lakhimpur-Kheri on 25-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Smt. Narvada Devi.

 Smt. Ganga Devi.
 Smt. Shashikala Devi through their Attorney, Shri Vimal Jhajhria.

(Transferor)

(2) 1. Shri Pushkar Lal,

(Transferee)

(3) Above vendee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Arazi No. 125, measuring 10519 sq. ft. including old godown situated at village-Udaipur Mahewa, Pargana and Distr. Kheri, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 987/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, I akhimpur-Kheri, on 25-2-1982.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Datc: 30-9-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 11th October 1982

C.R. No. 62/33976/81-82/ACQ/B.—Wherens, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

Agricultural land 3 acres situated at Bennaganahalle Krishnarajapuram Hobli, Bangalore South (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk Doc. No. 6550 on 3-2-1982

Bangalore South Taluk Doc. No. 6550 on 3-2-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the eald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Gowramma w/o N. Sanjecvatali, 23-KV, Lane, Cottonpet, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri R. Krishnaiah Chetty, P/o Shri Balakrishna Tile Factory Palnana, Chittoor District.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 6550 Dated 3-2-1982) Agricultural land 3 acres located in Benneganahalli Krishna-1 ajapuram Hobli, Bangalore South.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 11-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri K Mahboob Ali Khan, Extension Mohalla Ramnagaram, Bangalore Dist

(Transferor)

(2) Shii Dinesh Kumar, 5/0 Kishan Chand Chopia No 57, Mahadevapuram, Bangalore

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE 560001

Bangalore-560001, the 7th October 1982

CR No 62/34098/81 82/Acq/B—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range Bingalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

342/11 and 342/12 situated at Byataiayanapura, Mysore Road Division No 25, Bangalore,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Basavangudi under document No 3585/81 82 on 27-2 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (1) facilitating the reduction (1) evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) ficilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—39—326 GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the laid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter  $\lambda\lambda\Lambda$  of the stud Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHFDULE

(Registered Document No. 3585/81-82 Dated 27-2-82)
All that property bearing No. 342/11 and 342-12 situated it By itriay in apura. Mysore Road Bangalore 26

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Instricting Assistant Commission of Incometax
Acquisition Range Bin ilore

Date 7-10 82 Seal

#### FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 7th October 1982

C.R. No. 62/34273/82-83/Acq/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range Bangelore, being the Competent Authority under Section

269B of the Inome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

141 situated at Il Main Road, Binnamangala I Stage, Div. No. 50, Indiranagar, Bangalore-38

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, under document No. 29/82-83 on 2-4-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri N. Ramaiah, No. 25, Satyanarayana Temple Street, Ulsoor, Bangalore-560008.

(Transferor)

(2) Sri K. A. Chandrasekhar & others, No. 121, Dharmaraja Koil Street, Bangalore-56001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 29/82-83 Dated 2-4-1982)
All that property bearing No. 141 situated at II Main Road
Binnamangala I Stage, Div. No. 50, Indiranagar, Bangalore560038.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 7-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri G. Shiyaswamy, No. 18, Church Street, Baugalore-1.

(Fransferor)

(2) Shit (Dr.) Cheman C. Varkey, Dr. (Mrs.) Najoo C. Varkey, 17/17, Spencers Road, Bangalore-5.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bungalore-560001, the 7th October 1982

No. C.R. 62/33738/81-82/ACQ-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. 18, situated at Church Street, Civil Station, Bangalore-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under Document No. 3490/81-82 on 17-2-1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by unite than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, it any, to the acquisition of it, soil property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid pulsons within a period of 45 days from the date of publication of thi notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of retice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PAPENNATION:—The terms and expressions used herein and Act, that have the some meaning a given in that Chapter

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3490/81-82 Dated 17-2-1982)

All that property bearing No. 18, Church Street, Civil Station, Bangalore-1.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 7 10-1982 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 7th October 1982

CR No. 62/33803/81-82/Acq./B.—Whereas, I, MANIU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range Bangelore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17 situated at Lloyds Road, Cooke Town, Bangalore (and piore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, under Doc No. 3683/81-82 on 3-3-1982. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as as acced to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

- M/s, Mutha Chhaganmull & Co. By its Partners, Smt. Udaya Kumar Bai & Jambu Mutha, No. 108, Brigade Road, Bangalore-25.
- (2) (a) Sti B. A. Jayaram & Smt. Kamalamma, No. 5, Gover Road, Cox Town, Bangalore.
  - (b) Sri J. Muniraj, No. 1/1, Gover Road, Cox Town, Bangalore.
  - (c) Sri J. Purushotham, No. 1/2, Gover Road, Cox Town, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3683/81-82 Dated 3-3-1982)

All that property bearing No. 17, Lloyds Road, Cookes Fown, Bangalore,

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 13th October 1982

Ref. No ASR/82-83/306.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

One plot in T.P. Scheme No. 53 situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on February 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Resham Singh S/o Nand Singh R/o Vipay Nagai, Batala Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Neena w/o Davinder Mohan R/o H. No. 2089/27 Gali Kamboan Bagh Jallianwala, Amritsar.

(Transferec)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants if any.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One plot of land measuring 263 sq. yards situated in T.P. Scheme No. 53 Amritsar as mentioned in the sale deed No. 19236 dated 1-2-82 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH 1RS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 13-10-1982 Seal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th October 1982

Rcf. No. ASR/82-83/307.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot in Vijay Nagar situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on February 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Jagtar Singh S/o Sham Singh R/o 12-Rattan Chand Road, Amritsar.

(Transferor)

- (2) S. Santokh Singh s/o Piara Singh, Gali No. 4, Vijay Nagar, Batala Road, Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
- (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One plot of land measuring 402 sq. yards situated in Vipay Nagar, Amritsar (Gali No. 4) as mentioned in the sale deed No. 20435 dated 19-2-82 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 14-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th October 1982

Ref. No. ASR/82-83/308 —-Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot in Abadi Tehsilpura situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on February 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jatinder Kumar Warinder Kumar Ss/o Shri Kundan Lal R/o Ranı Haveli Kucha Dial Singh, Amritsar.

(Transferor)

 Smt. Usha Rani woo Shri Subash Chander R/o Tehsilpura, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S1. No. 2 above and tenant(s) if any.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One Plot No. 17 measuring 2331 sq. yards situated in Abadi Tehsilpura Amritsar as mentioned in the sale deed No. 20549 dated 23-2-82 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 14-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th October 1982

Ref No ASR/82-83/309—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/ and bearing No

One building on Railway Link Road situated at Amritsai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on February 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

 S Harkishan Singh Sandhu Advocate S/o Di Kartai Singh R/o 37 Keneddy Avenue, Amritsar

(Transferor)

(2) Smt Hardeep Bedi d/o S Mobinder Singh R/o Chowk Chirah Amritsar

(Transferce)

- (3) As at Sr No 2 overleaf and tenants if any Shop No 1 and 2 @ Rs 750/- pm with M/s Group Twentieth Shop No 3 on icnt @ Rs 500/ pm with Shri Aut Singh
- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/4th share of 2 storeyed building on plot No 72-75 situate is a Railway Link Road Amritsar as mentioned in the sale deed No 20254/dated 17-2 82 of the registering authority Amritsar

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range American

Date 14 10 1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th October 1982

Ref. No. ASR/82-83/310.--Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One building on Railway Link Road

situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on February 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—40-326GI/82

(1) S. Harkishan Singh Sandhu Adocate S/o Dr. Kartar Singh R/o 37-Keneddy Avenue, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Hardeep Bedi d/o Shri Mohinder Singh R/o Katra Karam Singh, Chowk Chirah, Amritaar.

(Transferce)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants if any. Shop No. 1 and 2 @ Rs. 750/- with M/s. Group Twentieth Shop No. 3 on rent @ Rs. 500/- p.m. with Shri Ajit Singh.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein 83 are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the some meaning as given up that Chapter,

# THE SCHEDULE

1/4th share in 2 storeyed building on plot No. 72-73 situated on Railway Link Road Amritsar as mentioned in the sale deed No. 19957/dated 12-2-82 of the registering authority Amritsar.

> ANAND SINGH IRS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Amritaar

Date: 14-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th October 1982

Ref. No. ASR/82-83/311.—Whereas, I. ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One building on Railway Link Road situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on February 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S. Harkishan Singh Sandhu
 S/o Dr. Kartar Singh
 R/o 37-Keneddy Avenue, Amritsar.

(Transferor)

(2) S. Manjit Singh Bedi s/o S. Tarlok Singh R/o Katra Karam Singh Chowk Chirah, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants if any.
  Shop No. 1 and 2 @ Rs. 750/- with M/s. Group
  Twentieth Shop No. 3 on rent @ Rs. 500/- p.m.
  with Shri Ajit Singh.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

1/4th share in 2 storeyed building on plot No. 72-73 situated on Railway Link Road Amritsar as mentioned in the sale deed No. 20253/dated 17-2-82 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 14-10-1982

Scal:

### FORM I.T.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th October 1982

Ref. No .ASR/82-83/312.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One building on Rly. Link Rd. situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri S. Harkishan Singh Sandhu Advocate s/o Dr. Kartar Singh r/o 37 Keneddy Avenue, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri S. Manjit Singh Bedi, 8/o S. Tarlok Singh, r/o Katra Karam Singh Chowk Chirah, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenants if any Shop No. 1&2 @ Rs. 750/- P.M. with M/s. Group Twentieth, Shop No. 3 on rent @ 500/ p.m. with Sh. Ajit Singh.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the udersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/4th share in 13 storcyed building on plot No. 72-73 situated on Railway Link Road Amritsar as mentioned in the sale deed No. 19958/dated 12-2-82 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Amritsar

Date: 14-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITISAR

Amrisar, the 13th October 1982

Ref. No. ASR/82-83/313.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Kothi No. 131 Golden avenue ASR situated at (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer SR Amritsar on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Sohan Singh Adovcate,
 s/o Sh. Gurdit Singh,
 r/o 131 Golden Avenue Water works Road,
 Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri S. Kulwant Singh, s/o Kishan Singh, r/o Dr. Chuhar Beri Amtitsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenants if any.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/3 share in Kothi No. 131 situated in Golden Avenue Water works Road Amritsar as mentioned in the sale deed No. 20002 dated 12-2-82 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Ranga
Amritsar

Date: 13-10-1982

#### FORM I.T.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 13th October 1982

Ref. No. ASR '82-83/314.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

474/1 New 756 old of Bhuj sim situated at One Kothi in Golden Avenue No. 131 situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), was been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on Feb. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri S. Sohan Singh Advocate, s/o S. Gurdit Singh, r/o 131 Golden Avenue water works Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. S. Harjit Kaur, w/o S. Kulwant Singh, r/o Bazar Chutar Beri Amri Amritsar.

(Transferee)

(3) As at ar. No. 2 overleaf and tenants if any,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/3rd share in kothi No. 131 situated in Golden Avenue water works Road, Amritsur as mentioned in the sale deed No. 20003 dated 12-2-82 of the registering authority Amritsur.

ANAND SINGH I.R.S.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range
Amritsar

Date: 13-10-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

# 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amrisar, the 13th October 1982

Rcf. No. ASR/82-83/315.—Whereas, 1, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Kothi No. 131 Golden Avenue situated at Amristar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S. Sohan Singh Advocate,
 S.O S. Gurdit Singh,
 r/o 131, Golden Avenue water works Road,
 Amritsor.

(Transferor)

 S. Amrit Singh, s.'o Kulwant Singh, r/o Bazar Chuhar Beri, Amritsar,

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenants if any (Person in occupation of the property.)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from he date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/3rd share in kothi No. 131 Golden Aenue water works road Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1033/dated 12-4-82 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar

Date: 13-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amrisar, the 13th October 1982

Ref. No. ASR/82-83/316.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property in Br. Lohgarh situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

SR Amritsar on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Raj Laxmi, w/o Narinder Kumar, r/o Jaura Pipal, Cali Devi Wali Kucha Pahalwana, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmla, w/o Durga Dass, r/o Chowk Lohgarh, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenants if any. Sh. Gujji Ram 200/- p.m. Sh. Naresh Watch co. 200/- p.m. Sh. Sham Lal Nikalwala 200/- p.m. (Person in occupation of the property.)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A built up property (2 shops and one tabella) situated in Br. I ohgarh Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 19853 dated 10-2-82 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
Amritsar

Date: 13-10-82

FORM NO. I.T.N.S .--

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Smt. Chander Kanta w/o Raghbir Singh r/o No. 752-A, Shastri Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Zile Singh s/o Hari Singh r/o Vill. Mukhmalepur, Delhi.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/2-82/6732.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri, land situated at Vill. Kadipur, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in
   respect of any income arising from the transferer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned:-
(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 41 Bighas 7 Biswas Vill. Kadipur, Delhi-36.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

ing Date: 12-10-82.

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM NO. 1.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DEI HI

New Delhi, the 12th October 1982

Ref. No. JAC/Acq II/SR-II/2-82/6845.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Agri land situated at Vill. Masudabad, P.O. Najafgarh, Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability, of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any memorys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay (c) 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said het I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under Subtestion (1) of Section 269D of the said Act. to the following pursuance, namely: ~ 41 326G1/82

(1) Shu Roshan Lal s/o Bishan Singh, 1 o Najafgath, Delhi as Gen. Att. of Smt. Kala Wati, (Transferor)

(2) Shri Ram Chander s/o Mangel Sain, t o Vill. Maut Distt. Aligath, UP.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 9 Bighas 12 Biswus Vill. Masudabad, P.O. Najafgarh, Delhi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-If,
Delhi/New Delhi.

Date: 12-10-82. Seal:

# FORM NO. I.T.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/2-82/6846.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Masudabad, P.O. Najafgath, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Roshan Lal s/o Bishan Singh r/o Najafgarh, Delhi as Gen. Att. of Suraj Mal. (Transferor)
- (2) Shri Ram Chander s/o Mangel Sain, Vill. Maur Distt. Aligarh, UP.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 9 Bighas 12 Biswas Vill. Masudabad, P.O. Najafgarh, Delhi.

SUDHIR CHANDRA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi.

Date: 12-10-82,

Scal:

#### FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Shri Roshan Lal s/o Bishan Singh, r/o Najafgarh, Delhi as Gen. Att. of Narbada Devi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Chander s/o Mangel Sain, r/o Vill. Maur Distt. Aligarh, UP.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/2-82/6847.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Masudabad, P.O. Najafgarh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the ransfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri, land, Mg. 9 Bighas 12 Biswas, Vill. Masudabad, P.O. Najafgarh, Delhi,

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 12-10-82.

# FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Harnam Singh Malhotta s/o L. Shri Hakim Bakshi Mehr Chand Malhotra, r/o 6/44 Subhash Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kanhaiya Lal Babel s/o Late Sh. Ghewar Chand Babel r/o No. 52, Ajmeri Gate, Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

property, within 45 days from the date of the

publication of this notice in the Official Gazette.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE. NEW DFLHI

New Delhi, the 12th October 1982

Ref. No. IAC/Acq II SR-/I2-82/6748.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Plot of land.

No. EA-1/32 (S.S) situated at Inderpuri Ext. Delhi/New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

# THE SCHEDULE

Property No. EA-1/32, (S.S) area 250 sq. yds. in Inderpuri Ext. Delhi/New Delhi.

SUDHIR CHANDRA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 12-10-82.

FORM NO. LT.N.S

(1) Shii Kanwar Singh s/o Gobinda i o Vill. Pandwala Kalan, Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Kanhiyea 570 Surat Ram 1 o Vill, Hassanpur Delhi

(Transletee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, IP. FSTATE NEW DELHI

New Delhi the 12th October 1982

TAC 'Acq II/SR-JI 2-82/6272.--Whereas I, SUDHIR CHANDRA

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to s the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agn. land situated at Vill. Hassanpur, Delhi

cand cane fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 82

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to I 'my that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tionster with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notic. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Agu, land Mg, one fourth share in land measuring 106 Bighas 17 Biswas, Vill Hassanpur, Dellir

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-Π, Delhi/New Delhi.

Date: 12-10-82.

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Shri Prithi s/o Fatch Chand, r/o Vill. Allpur, Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1982

Ref. No. IAC/ACSUDHIR CHANDRA, [AC/Acq II/SR-II/2-82/6742.—Whereas

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri, land situated at Vill, Alipur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor ot pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons: namely :---

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Shri Hukam Chand Karta (HUF)

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.

r/o J-473, Gali Pahadwali, Paharidhiraj, Delhi.

(b) by any other person interested in the said immovable preparty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri. land, Mg. 8 Bighas 8 Biswas Vill. Alipur, Delhi.

SUDHIR CHANDRA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi.

Date: 12-10-82.

## 16083

### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1982

IAC/Acq II/SR-II/2-82/6739.--Whereas I, No. SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. land situated at Vill Poothkalan, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi on Fcb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Shri Basant Lal s/o Mahadev r/o D-20, Bidh Vihar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shu Banwari Lal s/o Nar Singh Ram, 1/o Poothkalan, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri, land, Mg. 25 Bighas 5 Biswas Vill. Poothkalan, Delhi,

SUDHIR CHANDRA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 12-10-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/2-82/6778.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Hassanpur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Sharbati widow of Late Shri Khoobi Ram of Vill. Saroda, Distt. Rohtak (Haryana). (Transferor)

(2) Ram Phal, Mahavii, Delip & Des, Raj sons of Bakhatawai r/o Vill. Hassanpui, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 14 Bighas 9 Biswas area of Vill. Hassanpur, Delhi State, Delhi Ract: No. 11 Khasra No. 8/20, Ract: 49 Khasra No. 2, Ract: 73 Khasra Nos. 6, 14, 64, 65 Ract: 12 Khasra 4/13.

SUDHIR CHANDRA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1982.

Shri Ram Phal s/o Lachhman
 Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Pal s/o Hardwari Lal c/o Ramji Soap and Chemical Ind. Rudar Pur Road, Kichha, Distt. Nainital.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delbi, the 12th October 1982

Ref. No. IAC/Acq II SR-II/2-82/6241.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Sahibabad Daulat Pur. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Agri, land. Mg. 13 Bighas 11 Biswas bearing Khasra No. 43/4/2 (0-15), 43/5 (2-9) 43/6 (4-8) 43/7/1 (1-11) 43/15 (4-8) Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—42—326GI[82]

Date: 12-10-82.

Scal:

### FORM I.T.N.S.

(1) Shri Moher Singh s/o Maman r/o Vill. Bajrola, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  Shri Satbir s/o Jamuna r/o 4/4 Asalatpur Khadar, Delhi.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/2-82/6816.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Baprola, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 13 Bighas 12 Biswas Vill. Baprola, Delhi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi,

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Seal:

Date: 12-10-82.

ing persons, namely:

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

(Transferor)

(2) Smt. Sarti Devi w/o Chhotu and Smt. Bharto Devi s/o Sh. Ram Sarup both r/o Vill. Jindpur, Delhi State.

(1) Chhotu and Ram Sarup sons Sh. Sudhan

r/o Vill. Jindapur, Delhi

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1982

No. IAC/Acq II/SR-II/2-82/6773.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Alipur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propery, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with he object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciltating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersinged :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri. land. Mg, 5 Bighas 17 Biswas Kh. No. 1862/1 (2-0), 1909/2 (3-17) Vill. Alipur Delhi State.

SUDHIR CHANDRA. Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 12-10-82.

#### FORM I.T.N.S

(1) Shri Maha Singh s/o Kare r/o Vill. Bakerwala, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vishwa Mohan Bansal s/o Jaswant Rai Bansal r/o 3-B, Dr. Zakir Hussain Rd. New Delhi. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DELHI

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 12th October 1982

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. IAC/Acq II/SR-II/2-82/6790.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Agri. land situated at Vill. Bakerwala, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability and/or

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 11 Bighas 16 Biswas Vill, Bakerwala, Delhi.

SUDHIR CHANDRA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 12-10-82,

### FORM I.T.N.S.

(1) Shri Mohar Singh s/o Kumre 1/0 Vill. Bakerwala, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii B. K. Jain 5/0 Sant Lal Jain 17/0 133, Narang Colony, Delhi.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELH(

New Delhi, the 12th October 1982

IAC/Acq II/SR-II/2-82/6789.—Whereas I, No. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri, land situated at Vill. Bakerwala, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 82

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 42 Bighas 16 Biswas Vill. Bakerwala, Delhi.

SUDHIR CHANDRA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 12-10-82. Seal :

### FORM I'INS-

r/o VPO Nangli Sakrawati, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/2-82/6785.—Whereas 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri, land situated at Vill. Nangli Sakrawati, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforaseid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Uma Rani w/o K. D. Schjal r/o J/B/1, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

(1) Khub Ram & Ram Dayal sons of Jai Ram both

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri, land. Mg. 11 Bighas 8 Biswas of Vill. Nangli Sakrawati, Delhi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 12-10-82

Delhi on Feb. 82

### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) Smt. Kanta Rani w/o Kishan Gopal Sehgal r/o J/B/1, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

(1) Khub Ram & Ram Dayal sons of Jai Ram both

r/o VPO Nangli Sakrawati, Delhi.

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1982

IAC/Acq II/2-82/SR-II/6786.—Whereas I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Nangli Sakrawati, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purchases of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as goven in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri, land. Mg. 10 Bighas 5 Biswas of Vill. Nangli Sakrawati. Delhi.

> SUDHIR CHANDRA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 12-10-82

#### FORM TINS

(1) Shri Basant Lal s/o Mahader O-20 Budh Vihar Colony Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shii Banwaii Lal s/o Narsingh Ram Vill Pooth Kalan, Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, IP ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1982

Ref No IAC/Acq II/SR II/2 82/6775—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No

Agri land situated at Vill Poothkalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registered Officer at Delhi on Feb 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffeen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agrı land Mg. 25 Bıghas 5 Bıswas vill. Pooth Kalan, Delhi

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 12-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1982

Ref. No. IAC/Acq II 'SR-II/2-82/6782.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Pooth Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—43-326GI|82

(1) Shri Basant Lal s/o Mahender D20 Budh Vihar Colony, Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Madan Lal Shaima s/o Ladhu Ram r/o 770-4, Rishi Nagar, Shakurbasti, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of his notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri. land, Mg. 19 Bighas 13 Biswas vill. Pooth Kalan, Delhi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 12-10-82

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II. G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1982

No. IAC/Acq II/SR-II/2-82/6794.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri, land situated at Vill, Mundka, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 82

transfer with the object of :-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Raghbir Singh s/o Munshi Ram Jai Chand & Rai Singh ss/o Negar r/o Vill Ghewra, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Hari Ram s/o Jagan Nath r/o C-69, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 12 Bighas 9 Biswas Vill. Mundka, Delhi.

SUDHIR CHANDRA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 12-10-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

### (1) Shri Om Parkash s/o Roop Chand, Kadi Ram, Prem Singh, Mir Singh & Karan Singh Vill. Ghewra, Delhi. (Transferor)

(2) Shri Hari Ram Sabaharwal s/o Jagan Nath 1/o C-69, Kirti Nagar, New Delhi. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/2-82/6795.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Mundka, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating of concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45-days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein care defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### HE SCHEDULE

Agri, land, Mg. 7 Bighas 7 Biswas Vill, Mundka, Delhi.

SUDHIR CHANDRA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sate Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-82

Scal:

(1) Shri Rattan Singh s/o Shri Chandgi,
 (2) Sh. Nand Rup s/o Shri Nanhe both,
 R/o P.O. Dichaon Kalan, Delhi.

R/o B-7 Extn. 81 Safdarjang Enclave New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/2-82/6829.---Whereas, I, SHUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. Land situated at Vill. Dichaon Kalan, Delhi, , (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Sh. Davinder Singh s'o Shri Kirpal Singh,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 11 Bighas 16 Biswas Vill. Dichaon Kalan, Delhi.

SHUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 12-10-1982

FORM NO. ITNS

(1) Smt. Santosh Dhall w/o Shri K. L. Dhall, of D-55 Fatch Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shii Davinder Singh Sosan R/o WZ-C/71, Uttam Nagar, New Delhi. (Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I. P. ESTATE, NEW DELHI

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 12th October 1982

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/2-82/6281.—Whereas, I. SHUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

No. Plot So. 106, situated at Hari Nagar, Tehar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Plot No. 106, Hari Nagar, Tehar, New Delhi, Mg. 220 sq. vards.

SHUDHIR CHANDRA
Competent Authority
recting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Ram Kishan s/o Sh. Mohan Lal Shah, R/o 4628, Mahavir Bazar, Cloth Market, Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Rama Nand s/o Shri Jawanda Ram, R/o S/61 Roop Nagar, Delhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND I-LOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI,

New Delhi, the 12th October 1982

Ref. No. IAC/Acq. 11/SR-I/2-82/5865.—Whereas, I, SHUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 17-A, situated at Kamla Nagar, Subzimandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 17-A. Kamla Nagar, Subzimandi, Delhi, Mg. 114.3 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 12-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I. P. ESTATE, NEW DFLHI

New Delhi, the 12th October 1982

Rcf. No. IAC/Acq. II/SR-II/2-82/6761 —Whereas, I SHUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 14-7E, situated at Bhagwau Dass Nagar, Shakurbasti, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Ashok Kumar s/o Sh. Roshan Lal, R/o 2453/56 Sadar Thana Road, Delhi-6. (Transferor)
- (2) Smt. Roshni Devi w/o Shri Roshan Lal, R/o 23117 Raja Park, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

H. No. 14-F, Colony Bhagwan Dass Nagar, Shakurbasti, Delhi.

SHUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 12-10-1982

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, PUNE KARVE ROAD, PUNE-4

Pune-4, the 5th October 1982

Ref. No. CA5/SR Haveli II/759/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R<sub>3</sub>, 25,000/- and bearing

No. Manali Aparts No. 4, F. P. No. 421/B, 1071 situated at Shivajinagar, Pune-16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Haveli II Pune on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (!) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) T. H. Poonawalla,
   931, Budhwai Peth, Punc-2
  - Shri K Vithalrao,
     Vishrambaug Society, Senapati Bapat Road,
     Poona-16.

    (Transferor)
- Shuntabai Rajaram Kusalkar,
   Manali Apartments, 421/B, Gokhale Road,
   Pune-16. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Manali Apartment No. 4, F.P. No. 421/B, CTS No. 1071, Shivajinagar, Gokhale Road, Pune-16.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 468 in the office of the Sub-Registrar, S.R. Haveli II, Pune on April, 1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Poona

Date: 5-10-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE KARVE ROAD, PUNE-4

Pune-4, the 5th October 1982

Ref. No. CA5/SR Roba/761/82-33 —Whereas, I. SHASHIKANT KUI KARNI, being the Competent Authority under Section 296B.

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. The Plant and accessories situated at Factory premises

villages Pingalsai and Padam detailed as per Annexure A attached to Form 37 G situated at Tal Roha, Dist Raigad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R., Roha, on 28-2-1982,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising form the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth ( Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

44---326GI|82

- (1) Shri Roshanlal Talwar,
  The Paper Products Ltd.,
  13/14, Ajmeri Gate Extension, Asaf Ali Road,
  New Delhi.
  (Transfe.or.)
- (2) (1) Shi i Ravindra Talwar,
  - (2) Shri Suresh Talwar, M/s. P. L. Plastics Ltd., Vaswani Mansion, 120, Dinshaw Vachha Road, Bombay-400 020. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within n period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein and are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The Plant and Machinery situated at Factory premises at Village Pingalsai and Village Padam, Tal. Roha, Dist. Raigad. (Property as described in the sale deed registered under Document No. 107, in the office of the Sub-Registrai, Roha on 28 2-82.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range Porns

Date 5-10-1982

Scal

 M/s. P. R. Patil, Eng. Works, Prop. S. P. Patil, 1182 '25, E. Ward, Kolhapur,

(2) Shri D. S. Dudhane,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNI-KARVE ROAD, PUNE-4

Pune-4, the 5th October 1982

Ref. No. CA5/SR Karvir/758, 82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. CTS No. 13251A9 Shivaji Udyamnagar situated at Kolhapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Karvir on 6-2-1982,

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

E Ward, 1325/10, Shivaji Udvamnagur, Kolhapur.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

CTS No. 1325/1A9 Shivaji Udyamnagar, Kolhapur, (Property as described in the sale deed registered under document No. 420 in the office of the Sub-registrar, Karvir on 6-2-1982)

SHASHIKANT KUI KARNI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Runge, Poena

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-10-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE, KARVE ROAD, PUNF-4

Pune-4, the 5th October 1982

Ref. No. CAS/SR Roha/760/82-83 ---Wheteas, I. SHASHJKANT KUJ KARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

at village Padom and Pingalsai S. Nos, detailed as per Annexure A enclosed to Form No. 37-G, situated at Tal Roha, Dist. Raigad,

(and more fully described in the schedule annexed bereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Roha on 28-2-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair marker value of the property 18 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1)Shn Roshanial Talwar, The Paper Products Ltd., 13/14, Ajmeri Cate Extension, Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) (1) Shri Ravindra Talwar,

(2) Shri Suresh Talwar, P.P.L. Plastics Ltd., Vaswani Mansion, 120, Dinshaw Vachha Road, Bombay-400 020.

(Transferee)

Objections of any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ... The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building situated at villages Padam and Pingalsai, Tal. Roha, Dist Raigad, Maharashtra. Area 12 Hectares 13-29 Rs.

(Property as described in the sale deed registered under Document No. 106, in the office of the Sub-Registrar, Roha on 28-2-1982.

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assist Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 5-10-1982

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE KARVE ROAD, PUNE-4

Pune-4, the 7th October 1982

Ref. No. CA5/SR Nasik/766/82-83 -- Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI,

being the competent authority,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Plot No. 9 & 10, S No 512/3 situated at New Bombay-Agra Road, Nasik,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Nasik on 24-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuants of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

- (1) M. P. Bharvirkar and Others 4, New Bombay-Agia Road, Nasik.
  - Shri C. M. Bharvirkar.
     Shri P. M. Bharvirkar.
     Shu S. M. Bharvirkar.

  - (4) Shri A. M. Bhaivirkai.

(Transferor)

(2) Shri Deelip Beniram Wani, Jogeshwari, Sharanpur Road, Nasik-2.

(Transfcree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 9 & 10, S. No. 512/3, New Bombay Agra Road, Nasik.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1137 in the office of the Sub-Registrar, Nasik on 25-2-82).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 7-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, POONA KARVE ROAD, POONA-4

Pune-4, the 7th October 1982

Ref. No. CA5/SR Nasik/763/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and beating S. No. 512/3, Plot No. 4 &5 situated at New Agra Road,

Nasik.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S. R. Nasik on 28-2-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Acr to the following persons, namely :--

- (1) M. P. Bharvirkai and Others, New Agua Road, Nasik.

  - (1) Shri C. M. Bharvirkar. (2) Shri P. M. Bharvirkar. (3) Shri S. M. Bharvirkar.

  - (4) Shri A. M. Bharvirkar.

(Transferor)

(2) Shri Babanrao D. Wani, Gangotri Apartments, Gangapur Road, Nasik. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

S. No. 512/3, Plot No. 4 & 5, New Agra Road, Nasik. (Property as described in the sale deed registered under document No. 1140 in the office of the Sub-Registrar, Nasik on 28-2-82).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Poona

Date: 7-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-PAX,
ACQUISITION RANGE,
KARVE ROAD, PUNE-4

Pune-4, the 7th October 1982

Ref. No. CA5/SR Nasik/762/82-83 —Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Plot No. 19 S No. 512/3, situated at New Agra Road, Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Nasık on 24-2-1982

for an apparent consideration which, is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C' of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri M P Bharvirkar and Others 4, New Agra Road, Nasik City 1
  - (1) Shri C. M. Bharvirkar.(2) Shii P M Bharvirkar.
  - (3) Shii S. M Bharvirkar.
  - (4) Shri A. M Bharvilkai.

(Transferor)

(2) Shri Satish Beniram Wani, Jogeshwori, Sharanpu. Road, Nasik-2

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) Dy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 19, S. No. 512/3, New Agra Road, Nasik.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1138 in the office of the Sub-Registrar, Nasik on 24-2-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 7-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE KARVE ROAD, PUNE-4 Poona, the 7th October 1972

Ref. No. CA5/SR Nasik/764/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Commetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 8, S. No. 512/3 situated at New Agra Road, Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Nasik on 25-2-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, ther fore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ...

- (1) Shri M. P. Bharvirkar and 4 Others, New Bombay-Agra Road, Nasik.
- (1) Shri C. M. Bharvirkar.
  (2) Shri P. M. Bharvirkar.
  (3) Shri S. N. Bharvirkar.
  (4) Shri A. M. Bharvirkar.
  (2) Smt. Shobha Wani & 3 others.

(Transferoi)

Jogeshwari Sharanpur Road, Nasik-2.

- Sou. P. B. Wani.
   Sou. S. M. Joshi.
   Sou. V. C. Pant.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 8, S. No. 512/3, New Bombay-Agra Road, Nasik. (Property as described in the sale deed registered under document No. 1135 in the office of the Sub-Registrar, Nasik on 25-2-82).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Poona

Date: 7-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, KARVE ROAD, PUNE-4

Pune-4, the 7th October 1982

Ref. No. CA5/SR Nasik/765/82-83.—Whereas I,

SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 512/3, Plot No. 6 & 7 situated at New Bombay-Agra Rd., Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Bombay, S. R. Nasik on 28-2-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) Shri M. P. Bharvirkar & others, New Bombay Agra Road, Nasik.
  - (1) Shri C. M. Bharvirkar (2) Shri P. M. Bharvirkar (3) Shri S. M. Bharvirkar

  - (4) Shu A. M. Bharvirkar

(Transferor)

- (2) Shii Viiendiakumar U. Manchanda, Shop No. 7, Shivaji Road, Nasik.
  - (1) Smt. Khatijabegum Shaikh Kamoloddin. (2) Shri Abdul Kadar Ahmed Mustak

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

S. No. 512/3, Plot No 6 & 7, New Bombay-Agra Rd.. Nasik. (Property as described in the sale deed, registered under document No 1136, in the office of the Sub-Registrar, Nasik on 28-2-82).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date: 7-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th October 1982

Ref. No. 1II-600/Acq./82-83.--Whereas I, P. K. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per sale deed situated at village Mainpura P.S.-Phulwari, Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 2-2-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
45—326GI|82

- Smt. Indrani Devi
   W/o Sri Jagjivan Ram (M.P.)
   R'o 6, Krishna Menon Marg, New Delhi.
   (Transferor)
- (2) Nav Nirman Sahakari Grih Nirman Samiti Ltd. through its Secretary, Sri Anup Raj Yadav, At/P.O.-Punaichak, Petna-23.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Open land measuring 17 Kathas 13 dhur 5 dhurki situated at village Mainpura P.S.-Phulwari Distt. Patna and more fully described in deed No. 165 dt. 2-2-82 registered with S. R. Delhi.

P. K. DUBEY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna, Bihar

Date: 13-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE 1
ACQUISITION RANGE
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 7th October 1982

Ref. No. III-390/Acq./82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

deed No. 1190 dated 19-2-82 situated at Jamshedpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 19-2-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dr. Arun Sekhar Dey
 Smt. Indira Ghosh
 Purna Das Road, Calcutta

(2) Smt Arati Mallick, Kadma Jemshedpur.

(Transferee)

(3) Shri Nabendu Banerjee
Manager's Building of Burn Standard Co.
Dhanbad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land situated at 66-K-Road, Jamshedpur and morefully described in deed no. 1190 dated 19-2-82 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisit'on Range, Bihar, Patna

Date: 7-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th October 1982

Ref No. III-601/Acq./82-83.—Whereas I, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Sale deed situated at village Mainpura P.S. Phulwari, Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 2-2-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Indrani Devi W/o Sri Jagjivan Ram (M.P.) R/o 6, Krishna Menon Marg, New Delhi. (Transferor)
- (2) Nav Nirman Sahakari Grih Nirman Samiti Ltd. through its Secretary, Sri Anup Raj Yadav, At/P.O. Punaichak, Patna-23.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period explices later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Open land measuring 9 Kathas situated at village Mainpura P.S.-Phulwari Distt.Patna and more fully described in deed No. 166 dated 2-2-82 registered with S R. Delhi.

P K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna, Bihar

Dete : 13-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 7th October 1982

Ref. No III-591/Acq./82-83 —Whereas, I. P. K DUBEY,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing

deed No 1179 dated 18-2-82 situated at Jamshedpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-2-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said, Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Dr. Arun Sekhar Dey
   Sint. Indira Ghosh
   Purna Das Road, Calcutta.
- (Transferor)
- (2) Shri Nabendu Banerjee, Manager's Bunglow of Burn Standard Co. Dhanbad.

(Transferee)

(3) Shri Nabendu Banerjee, Manager's Bunglow of Burn Standard Co. Dhanbad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 7236 sq. ft. at K- Road, Jamshedpur and more fully described in deed No 1179 dated 18-2-82 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta,

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna, Bihar

Date: 7-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th October 1982

Ref. No. III-602/Acq./82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Mouza No. 51, Khata No. 119, C.S. of Plot No. 14, 11, 13, 15 & 16, Ward No. 6, Holding No. 323 situated at Govind Nagar Dist.-Dhanbad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dhanbad on 24-2-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1911 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Shri Sardar Daljit Singh Gill
 So Sardar Sarwan Singh Gill
 R/o Bokarbandh, P.O./Dist.-Dhanbad.

(Transferor)

(2) Shri Hari Prasad Khemka S/o Late Ram Gopal Khemka R/o Jharla, P.O.-Jharia, Dist.-Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning asgiven in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 20 Kathas with pucca house situated at Govind Nagar Dist.-Dhanbad and morefully described in deed No. 2469 dt. 24-2-82 registered with D.S.R. Dhanbad.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna, Bihar

Date: 13-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### W/o Sri Jagjivan Ram (M.P.) R/o 6, Krishna Menon Marg, New Delhi.

(1) Smt. Indran! Devi

(Transferor)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th October 1982

Ref., No. III-599/Acq./82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Touzi No. 5806, Khata No. 679, Plot No. 1220 situated at village Mainpura P.S.-Phulwari Dist.-Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 2-2-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Nav Nirman Sahakari Grih Nirman Samiti Ltd. through its Secretary, Sri Anup Raj Yadav, At/P.O.-Punaichak, Distt Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Open land measuring 9 Kathas 10 Dhur situated at village Mainpura, P.S.-Phulwari, Dist-Patna and more fully described in deed No. 164 dated 2-2-82 registered with S.R. Delhi.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna, Bihar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-10-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR

BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001 Patna-800001, the 7th October 1982

Ref. No. III-592/Acq./82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mauza-Hirapore P. S. Dhanbad, Plot No. 2582, 2583 situated at Hirapore, Dhanbad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 11-2-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Arati Banerjee
  W/o Sri Ganesh Banerjee,
  of Hirapore P.S. & Dist. Dhanbad (Bihar).
  (Transferor)
- (2) Smt. Sabitri Devi W/o Sri Awadhi Kishore Sahai of Hirapore Dist. Dhanbad and 9 others. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 16 Kathas with building situated at Mauza-Hirapore P.S. & Dist. Dhanbad and more fully described in deed No. I-986 dated 11-2-82 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna, Bihar

Date: 7-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION' RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 11th October 1982

Ref. No. III-598/Acq./82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Holding No. 307 (old) 321 (New), Ward No. III, M.S. Plot No. 616, 617, 643 & 644 situated at Ranchi-Chaibasa Main Road, Dist. Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 1-2-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Subern Keur W/o Late Ujagar Singh Choudhary R/o Marwari Tola P.S.-Kotwali, Dist.-Ranchi. (Transferor)
- (2) Smt. Pusapa Devi W/o Sri Madan Sain Kujara R/o 5, Main Road, P S.-Kotwali, Dist.-Ranchi.
  (Transferee)
- (3) (1) M/s U. P. Dairy Farm
  (2) M/s Vishal Hos.ery
  both R/o Ranchi Chaibasa Main Road, Ranchi,
  (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 100 Karies with double storeyed building situated at Ranchi Chaibasa Main Road, Dist.-Ranchi and more fully descirbed in deed No. 893 dated 1-2-82 registered with D.S.R. Ranchi.

P. K. DUBEY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patro, Bihar

Date: 11-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 6th October 1982

Ref. No III-587/Acq/82-83—Whereas, I. P K DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 25,000/- and bearing

Plot No 1 deed no 1230 dated 6-2-82 situated at Patliputra Housing Colony, Patna-13

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 6-2-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
46—326GI/82

(1) Dr. Syed Mobarak Nawab 5/o Syed Mustfa Hussam R o Moballa Gengasagar PO & Dr.t. Darbhanga

(2) Mrs Shaimila Sharma W/o Sri Ramprit Sharma, R/o Mohalla Haiferthutei Tola PO Pusa Dist Samastipur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 1 Katha situated at Pathputra Housing Colony, Patha-13, P S Pathputra Dist Patha morefully described in deed No 1230 dated 6.2.82 registered with DSR Patha

P K DUBLY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patha

Date 6-10-82 Seal

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th October 1982

Ref. No. III-595/Acq./82-83.—Whereas, I, P K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Touzi No. 14/2316, Plot No. 1062, Khata No. 167, Ward No. 34, Circle No. 246, H. No. 511 (New) 412 (old) stuated at Dujara (Nala Boring Road), Pragna-Phulwari, P.S.-Budha Colony, Dist.-Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 15-2-82

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
  - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Audrey F. Prasad W/o Sri Keshav Prasad residing at 'AVKASH' Chajjubagh. P.S.-Kotwali, Dist. Patna. (Transferor)
- (2) (1) Shri Naresh Kumar Singh (2) Sri Krishna Prakash Singh Keshri, sons of Sri Jagtanand Sing both resident of Mangalgarh Kothi, P.O.-Mangalgath, P.S.-Hasanpur, Dist.-Samastipur, at present residing at Jagat Kunj, Boring Canal Road (East) Patna-800 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 6 kathas with single storeyed pucca house situated at Dujara (Nala Boring Road), Pragna-Phulwari, P.S.-Budha Colony Dist.-Patna and more fully described in deed no. 1502 dt. 15-2-82 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna, Bihar

Date: 13-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONLR OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PAINA-800 001

Patna 800 001, the 7th October 1982

Ret No III 594/Acq /82-83 --- Whereas, DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

Holding No 176, Ward No 10 situated at Deoghai tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-2-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely '-

- (1) St Nirpendra Nath Sen
  - (2) Su Arun Kumar Sen
  - (3) Sri Dipak Kumar Sen (4) Smt Nilima Rudra
  - (5) Sukla Rai Choudhary
    (6) Smt P Sen
    (7) Smt Roma Sen

  - (8) Smt Santa Bose (9) Uma Sen
    - All of 118-B Sarat Bose Road, Calcutta-29 (Transferor)
- (2) Shri Sashanke Schher Sinha, Mohalla—Purandaha, P.O. & P.S. Deoghai (S.P.) (2) Rajendra Prasad Mohalla-Ramcharan Tola, PO Mokanch, Dist Santhal Pargana

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

l and measuring 23½ Kathas with 'Peace Cottage' together with dilapidated building situated at Willaim Town, Deoghar, Dist Santhal Pargna and morefully described in deed No. I-1094 dated 16-2-82 registered with Sub-Registrar of Assutances, Calcutta

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna

7-10-1982 Dale Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE BIHAR

BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001 Patna-800 001, the 7th October 1982

Ref. No. III-593/Acq./82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (kereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Holding No. 157 Plot No. 3043, Mauza Hirapore-7, P.S. Dhanbad, Ward No. 4 situated at Hirapore, Dhanbad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 10-2-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (1) Shri Amiya Kumar Banerjee S/o Shilnath Banerjee;
 (2) Smt. Kaluyani Banorjee w/o Shilnath Banerjee;
 (3) Kumari Anu Banerjee D/o Shilnath Banerjee, all of Hirapore, P.S. & Distt. Dhanbad (Bihar).
 Present Address: 12/7, Salimpore Road, Calcutta-31.

(Transferor)

(2) (1) Shri Amarendra Kumar Suhay S/o Sri Awadh Kisore Sahay; (2) Smt. Sabitri Devi W/o Sri Awadh Kishore Sahay; (3) Ramanand Chatterice S/o Bibananda Chatterice of Hirapore, Dhanbad (Bihar).

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 10 Kathas with building situated at Hirapore-7, Dist. Dhanbad and morefully described in deed No. 1-937 dated 10-2-82 registered with Sub-Registrar of Assurance at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 7-10-82.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Neelam Devi W/o Dr. Kedar Prasad Singh. Resident of village/P.O. Indupur, P.S. Barahia, Dist. Monghyr.

(Transferor)

(2) Smt. Rai Kishori Devi W/o Sri Gulab Prasad Singh. Resident of village/P.O. Mahamada, P.S. Tajpur, Dist. Samastipur.

At present residing at Luheriasarai Balbhadrapur.
(Transferce)

OFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR

BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 11th October 1982

Ref. No. III-596/Acq./82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

Touzi No. 5453/18232. Thana No. 3, Khata No. 81, Khesra Survey Plot No. 763 Part, Ward No. 34, Circle No. 247 situated at Mouza Rajapur, Mohalla-Shivpuri, P.S. Sri Krishnapuri, Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 25-2-82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the cormoneys or other a which ought to be the purposes of the (11 of 1922) or Act, 1957 (27 of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 2 Katha 10 Dhur with house situated at mouza Rajapur, Mohalla Shivpuri, P.S. Sri Krishnapuri, Dist. Patna and more fully described in deed No. 1900 dated 25-2-82 registered with D.S.R. Patna.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Patna, Bihar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 11-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.

BIHAR

BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Palma-800 001, the 7th October 1982

Ref. No. III-589/Acq./82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khata No. 18, Plot No. 1114 & 1115, Thana No. 196 situated at village Khora Toli, P.S. & Dist. Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khunti on 4-2-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Minimax Limited, Kokar, Dist. Ranchi through in charge Mr. C. B. Hinton.
- (2) Salesiams of Don Basco Society, Hesag, P.S. Dhurwa, Dist. Ranchi. Through Rev. Fr. Joseph Keiha Lakra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Lund measuring 1,25 decimals situated at village Khora Toli, Kokar P.S. & Dist. Ranchi and morefully described in deed No. 125 dated 4-2-82 registered with S.R. Khunti.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 7 10 82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR

BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 6th October 1982

Ref. No. III-588/Acq./82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 1 deed No. 1229 dated 6-2-82 situated at Patliputra Housing Colony, Patna-13

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 6-2-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Syed Mobarak Nawab S/o Syed Mustfa Hussaln Mohalla Gangasagar, PO. & Dist. Darbhanga. (Transferor)
- (2) Mrs. Sharmila Sharma W/o Sti Ramprit Sharma, Mohalla Haiferthuter Tola, P.O. Pusa Dist. Samastipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring I Katha 10 dhur situated at Patliputra Housing Colony, Patna-13, P.S. Patliputra Dist. Patna more fully described in deed No 1229 dated 6-2-82 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 6-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 15th October 1982

No. AR-II/3287-6/81 82.—Where 49, J. R. K. BAQAYA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 276, CTS No. 766, 767 (part) situated at Dahisar (cod. 276, CTS No. 766, 767 (part)).

S. No. 276, CTS No. 766, 767 (part) situated at Dahisar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 12-2-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforexaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chandrakant Gopalji Gariba.

(Transferor)

(2) Municipal Staff 'Devdatta' Co-operative Housing Society Ltd

(Transferee)

(3) Members of Co-operative Housing Society Itd.

(Person in occupation of the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. S. 801/79 and the same is registered with Sub-registrar, Bombay on 12-2-82.

RUP KRISHAN BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay

Date : 15-10-82 Seal :

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1982

Ref. No. AR II/3286-5/81-82,-Whereas, I R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. No. 14 of Mahim situated at Dadar,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 11-2-82,

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Rankumar Batra & Shri G. R. Punjabi. (Transferor)
- (2) Navbharat Chambers Premises Co-operative Society

(Transferee) (3) Tenanted of Members of the Co-op. Hs. Sc. Ltd.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. 1819 Bom/72 and the same is registered with Sub. registrar Bombay on 11-2-82.

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombay

Date: 15-10-1982

Scal: